IIMB

तेजस्वि नावधीतमस्तु

भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर

19 वाँ वार्षिक प्रतिवेदन
1993 – 94

प्रस्तावना

बदलते परिवेश के अनुरूप अपनी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अपने को पुनस्थापित करने के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के प्रयासों के प्रति उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया व्यक्त की गई है । स्नातकोत्तर कार्यक्रम में प्रवेश प्रस्ताव की स्वीकृति दर मे तीव्र वृद्धि इस बात का साक्षी है । भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के स्नातकों को भी कंपनियाँ अधिक वरीयता दे रही हैं, जैसा पहले कभी नहीं हुआ । वे आज व्यवसाय या उद्योग क्षेत्रों में अच्छा वेतन प्राप्त कर रहे हैं ।

भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर से स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वालों की बढ़ती हुई माँग को देखते हुए वर्ष 1993 में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में अधिक संख्या में छात्रों को प्रवेश दिया गया । यह एक ऐसा प्रयास है जो अतिरिक्त सुविधाएँ उपलब्ध कराता है, जिससे लागत वर्गीकृत होकर घट जाती है और शुल्क में वृद्धि नहीं होती ।

वर्ष के दौरान फैलोशिप प्रबंधन कार्यक्रम में भी काफ़ी प्रगति हुई है । भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा इसे प्रबंध में डॉक्ट्रेट के बराबर मान्यता दी गई है । फैलोशिप प्रबंधन को भारत सरकार से मान्यता प्रदान करने और सरकारी नौकरियों में भर्ती हेतु प्रक्रिया जारी है ।

भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के प्रबंधकीय बुनियाद को सदृढ़ बनाने और शिल्पविज्ञानियों के लिए प्रबंधन कार्यक्रम द्वारा प्रौद्योगिकी को बढ़ाया जा रहा है । प्रतिभागियों और प्रायोजकों से प्राप्त प्रतिक्रिया से पता चला है कि यह प्रयास सफल रहा । दूसरे एमपीटी (जो अभी चल रहा है) में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की संख्या में अपार वृद्धि और अनेक नवीन कंपनियाँ प्रयोजकों की सूची में सम्मिलित होने के कारण ज्ञात होता है कि 1992 में प्रारम्भ किए गए इस कार्यक्रम वी लोकप्रियता बढ़ रही है ।

संस्थान की गतिविधियों के रूप में कार्यपालक विकास कार्यक्रम का महत्व बढ़ रहा है । 1993-94 वर्ष में प्रत्येक कार्यक्रमों की संख्या और कार्यक्रमों में औसत सहभागिता में वृद्धि देखी गई है । बीईएल के मध्यम स्तर के प्रबंधकों हेतु 4 माह के तदनुकूल सामान्य प्रबंध कार्यक्रम को अत्यधिक लोकप्रियता प्राप्त हुई ।

संकाय सदस्य शोध कार्य में सक्रिय रहे । केस सामग्री, पूँजी बाजार पर प्रशिक्षण और अनुसंधान के विकास के लिए पूँजी बाजार यूटीआई संस्थान द्वारा निधि प्राप्त सेंटर फॉर कैपिटल मार्केट ऐंड एजूकेशन की स्थापना एक उल्लेखनीय विकास है ।

विश्व भर में शिक्षा संस्थानों और उद्योगों में सहजीवी संबंध है । भारतीय प्रबंध संस्थान इसका अपवाद नहीं है । अनेकों संगठन संस्थान के अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यो में सहायता प्रदान कर रहे हैं । इस वर्ष पूँजी बाजार अध्ययन चेयर हेतु यूटीआई और भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर में विप्रो चेयर हेतु विप्रो कार्पोरेशन द्वारा अक्षय निधि उपलब्ध कराई गई । यद्यपि वर्ष के दौरान बीईएल ने प्रबंधन हेतु बीईएल चेयर पुनः प्रवर्तित की, और केनरा बैंक ने तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रबंध हेतु केनरा बैंक चेयर पुनः प्रवर्तित करने के लिए सहमत हो गए ।

भारत सरकार से प्राप्त बजटीय सहायता अवरुद्ध होने के कारण भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर द्वारा वित्तीय दृष्टि से स्वावलंबी बनने के लिए लगातार प्रयास किया गया है । राजस्व को बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों में कार्यपालक विकास कार्यक्रम की गतिविधियों के स्तर को उँचा उठाना और एमपीटी जैसे नवीन कार्यक्रमों की शुरुआत करना, स्नातकोत्तर कार्यक्रम के शिक्षा शुल्क में वृद्धि और परिसर में भर्ती करने वाली कंपनियों से प्रति उम्मीदवार 6,000 रुपये अवस्थापना परिचय शुल्क की प्राप्ति थी ।

के. आर. एस. मूर्ति
निदेशक

31 मार्च, 1994

विषय सूची

प्रस्तावना

1. गवर्नर मंडल 7
2. फैलो कार्यक्रम 9
3. स्नातकोत्तर कार्यक्रम 11
4. प्रबन्ध विकास कार्यक्रम 19
5. संगठन आधारित कार्यक्रम 21
6. अनुसंधान 23
7. प्रकाशन 26
8. परामर्श 30
9. स्थापना दिवस 34
10. संकाय 35
11. क्षेत्र और सेक्टर 45
12. पुस्तकालय 67
13. कम्प्यूटर केन्द्र 68
14. छात्रावास 69
15. निर्माण 70
16. कार्मिक एवं प्रशासन 71
17. भूतपूर्व छात्र संघ (एल्युमनी) 74
18. वित्तीय स्थिति 75
19. वर्ष 1993–94 का लेखा विवरण 79

1. गवर्नर मंडल

अध्यक्ष

डॉ. जी.वी.के. राव

भूतपूर्व मुख्य सचिव, कर्नाटक सरकार
भूतपूर्व सदस्य, योजना आयोग
बेंगलूर

सदस्य

एस.वी. गिरी
शिक्षा सचिव
भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शिक्षा विभाग, नई दिल्ली

सुजाता चौहान
वित्त सलाहकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शिक्षा विभाग
नई दिल्ली (16.9.93 से)

डॉ. एस.एम. दास गुप्ता
भूतपूर्व अध्यक्ष, म.प्र.राज्य
इलैक्ट्रॉनिक विकास निगम,
भोपाल

डॉ. राम एस. तरनेजा
अध्यक्ष
बीओआई म्युचुअल फंड
बंबई

डॉ. परविन्दर सिंह
उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
रैनबैक्सी लेबोरेटरीज लिमिटेड
नई दिल्ली

एस. पंडित
भूतपूर्व कार्यपालक निदेशक
फिलिप्स इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली

एस.के. घोषाल
अपर मुख्य सचिव
कर्नाटक सरकार
बेंगलूर

थेरेसा भट्टाचार्य
आयुक्त एवं सचिव
कर्नाटक सरकार
शिक्षा विभाग
बेंगलूर

ए. रवीन्द्र
प्रबंध निदेशक
कर्नाटक विद्युत निगम
बेंगलूर

डॉ. एन. आर. शेट्टी
उप- कुलपति
बेंगलूर विश्वविद्यालय
बेंगलूर

डॉ. अनुज कुमार धन
भूतपूर्व उपकुलपति
राँची विश्वविद्यालय एवं मुख्य प्रशासक
कैम्ब्रिज विद्यालय तातिसिलवई, राँची

डॉ. श्यामल रॉय
प्रोफेसर
भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर
बेंगलूर

डॉ. टी.बी. सिंह
भूतपूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
भारत एल्यूमिनियम कं. लिमिटेड
नई दिल्ली

परोवश चन्द्र नियोगी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
एनएमटी लिमिटेड
बेंगलूर

ए.एस. सामद्दार
भूतपूर्व सचिव (इस्पात)
भूतपूर्व सदस्य
संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली

बी.वी. राजशेखर रेड्डी
अध्यक्ष
फेडरेशन ऑफ कर्नाटक,
चेबर्स ऑफ कामर्स ऐंड इंडस्ट्री
बेंगलूर

एम.एस. पटवर्धन
भूतपूर्व उपाध्यक्ष
नेशनल आर्गेनिक कैमिकल इडस्ट्रीज
लिमिटेड, बंबई

डॉ. एम. एल. शहारे
भूतपूर्व महा निदेशक
डा. बाबा साहिब अम्बेडकर राष्ट्रीय
समाज विज्ञान संस्थान, इंदौर

डॉ. प्रसन्न चंद्रा
प्रोफेसर
भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर
बेंगलूर

डॉ. यू.आर. राव
अध्यक्ष
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
बेंगलूर

डॉ. वी.ए. पाई पणन्दिकर
निदेशक
नीति अनुसंधान केन्द्र
नई दिल्ली

रमेश गेल्ली
अध्यक्ष
ग्लोबल ट्रस्ट बैंक लिमिटेड
हैदराबाद

एस. घोष
उप महा निदेशक
(तकनीकी सेवाएं)
राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद्, नई दिल्ली

डॉ. के. आर.एस. मूर्ति
निदेशक
भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर
बेंगलूर

31 मार्च 1994 तक

1.1 मंडल की सदस्यता में परिवर्तन

- भारत सरकार ने 16 सितम्बर, 1993 से **श्री एस.के. बैनर्जी,** वित्त सलाहकार के स्थान पर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय की वित्त सलाहकार **सुश्री सुजाता चौहान** को बोर्ड का सदस्यय मनोनीत किया|

- 20 मार्च, 1994 को 5 वर्ष की अवधि पूरी करने के बाद **डॉ. एन.आर. सेठ** गवर्नर मंडल के सदस्य के पद से मुक्त हो गए।

1.2 बैठकें

भा.प्र.सं.बें. सोसायटी और गवर्नर मंडल की बैठकें निम्नलिखित तिथियों को हुईं :

- सोसायटी
  17 मार्च, 1994

- गवर्नर मंडल
  9 जुलाई, 1993
  28 अक्टूबर, 1993
  7 जनवरी, 1994
  17 मार्च, 1994

2. फैलो कार्यक्रम

भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर का प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम, भारतीय विश्वविद्यालय संघ और भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पीएचडी के समानान्तर वाचस्पति स्तर का कार्यक्रम है। भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर का प्रथम फैलो छात्र ने 1980 में उपाधि प्रप्त की।

2.1 फैलो

निम्नलिखित पाँच छात्रों ने भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर से फैलो की उपाधि 17 मार्च, 1993 को आयोजित दीक्षांत समारोह में प्राप्त की।

नाम	लघु शोधपत्र का शीर्षक
के. के. गुइन (1986)	तकनीकी विकल्प सहित योजना प्रतिरूप : भारत में कोयला क्षेत्रो का अध्ययन
सुब्रता रे (1989)	पूँजीगत परिसंपत्ति मूल्य प्रतिरूपः भारतीय संदर्भ में
कौशिक घटक (1989)	विनिर्माण व्यवस्था में आयामों के लचीलेपन और लागत क्षमता पर नवीन तकनीकी प्रभाव : प्रयोगात्मक अन्वेषण
रमेश पद्मनाभन (1989)	अंतर्राष्ट्रीय विपणन कार्यनीति, निवेश गतिविधि और निर्यात विकास पर नेटवर्क का प्रभाव : भारतीय औद्योगिक निर्यातों पर एक अध्ययन
टी. के. अशोक कुमार (1990)	भारत की निर्यात परियोजना के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय कार्यनीतियाँ : एक अध्ययन

इन पाँच छात्रों के साथ, भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के फैलो छात्रों का योग 50 है।

वर्ष के अन्त में निम्नलिखित 15 छात्र फैलो प्रबंध कार्यक्रम कर रहे थे।

नाम	बैच
लघु शोध प्रबन्ध	
वासंती श्रीनिवासन	1989
अंशुकांत तनेजा	1990
मंजुल मेनन	1990
कांति कुमार गली	1991
वद्री श्रीनिवास	1991
ज़रीर पी. गणदेवय्या	1991
अनुसंधान प्रस्ताव	
अनिल कुमार भट्ट	1990
सी. हरिहरनाथ	1991
सुरेश वेंकट	1991
वी. माया	1991
द्वितीय वर्ष	
पितवास महंती	1992
जी. शैनेश	1992
एन. वी. रामराजू	1992
प्रथम वर्ष	
नवीन के. गुप्ता	1993
रंधीर मिश्रा	1993

2.2 प्रवेश 1994

इस वर्ष एफपीएम कार्यक्रम के लिए भाप्रसंबें ने 1,176 आवेदन पत्र प्राप्त किए और 523 छात्रों ने इसके लिए फॉर्म भरे। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष फॉर्म भरने वालों की संख्या में थोड़ी वृद्धि हुई है। पिछले से पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष संभवतः सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीएटी) शुल्क बढ़ने के कारण यह संख्या घटी है।

2.3 नवीन पाठ्यक्रम

निम्नलिखित नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए गए :

शीर्षक	संकाय - सदस्य
लेखा आय और स्टॉक मूल्य के बीच संबंध - सेमिनार पाठ्यक्रम	जॉर्ज वर्गीज़
अग्रवर्ती निवेश	वेंकट इलेस्वरपु
वित्त सिद्धांत के विषय	एम. आर. राव
सामरिक लागत प्रबंधन	आर. नारायणस्वामी
विपणन सेवाएँ	पी. एन. थिरुनारायण

2.4 मान्यता

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् ने एफपीएम को 2 वर्ष की अनन्तिम मान्यता मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पूर्वापेक्षित मान्यता के रूप में दी है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् से स्थाई मान्यता प्राप्त करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

2.5 छात्र विषयक

श्री हरिहरनाथ के ''लैंड रिफॉर्म्स ऐंड प्रॉपर्टी रिसोर्स'' नामक पेपर एसएजीई प्रकाशक द्वारा पुस्तक में प्रकाशन के लिए स्वीकार कर लिया गया।

3 स्नातकोत्तर कार्यक्रम

3.1 डिप्लोमा

133 पीजीपी छात्रों को 17 मार्च 1994 को 19 वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में उपाधि प्रदान की गई। डॉ. सी. रंगराजन, भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर ने दीक्षांत भाषण दिया।

मैथ्यू सिरियक एवं जयंत कुमार बेनर्जी को उत्कृष्ट निष्पादन के लिए और अनिल यादव को सर्वतोमुखी उत्कृष्ट निष्पादन के लिए पदक प्रदान किए गए।

प्रथम स्नातकोत्तर कार्यक्रम 1976 में प्रारम्भ किया गया। तब से अब तक भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की उपाधियाँ कुल 2,034 छात्रों को भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर द्वारा प्रदान की गईं।

3.2 प्रारम्भिक (प्रिपरेटरी) कार्यक्रम

1 से 30 जून, 1993 को परिमाणात्मक पद्धति और संप्रेषण कौशल पर 15 चुने हुए छात्रों के लिए प्रारम्भिक कार्यक्रम का संचालन किया गया, जो जुलाई, 1993 स्नातकोत्तर कार्यक्रम में प्रवेश ले रहे हैं।

3.3. अनुस्थापन (ओरियन्टेशन) कार्यक्रम

1 से 3 जुलाई, 1993 को संस्थान में अनुस्थापन कार्यक्रम के दौरान 225 छात्र 1993-95 पीजीपी बैच के लिए और 3 फैलोशिप छात्र 1993 बैच के लिए पंजिकृत किए गए।

बाद में नये छात्र पीजीपी समिति क्षेत्र /सेक्टर/केन्द्र समन्वयकों, एल्युमनी प्रतिनिधियों, संकाय-सदस्यों, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, पुस्तकालयाध्यक्ष और अन्य अधिकारियों से शैक्षणिक / प्रशासनिक सहायता व्यवस्था पर संक्षिप्त जानकारी प्राप्त करने के लिए संस्थान में मिले।

3.4 1993-95 बैच

भा.प्र.सं.बें. में 1993-95 के पीजीपी बैच में सर्वाधिक छात्र हैं, जितनी संख्या पहले कभी नहीं थी। पिछले दशक के दौरान पीजीपी बैच में छात्रों की संख्या 109 और 208 के बीच थी। 1992-94 बैच में 147 और 1991-93 बैच में 157 छात्र थे। 1992 में प्रवेश स्वीकृति दर 36% से बढ़कर 1993 में 51% हो गई, जिससे ज्ञात होता है, छात्रों में भा.प्र.सं.बें. के प्रति लोकप्रियता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष के बैच में भी 16% लड़कियाँ हैं। यद्यपि अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजातियों के लिए रखी गई सीटों की संख्या पिछले वर्ष के समान थी फिर भी पीजीपी सीटों की स्वीकृति की संख्या में गिरावट आई है। परिणामस्वरूप, पिछले बैच में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का अनुपात 19% की तुलना में इस वर्ष अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों की संख्या घटकर कुल बैच में से 7% हो गयी है।

अभियंताओं के अनुपात में भी उल्लेखनीय कमी हुई है, पिछले बैच के 73% की अपेक्षा इस बैच का प्रतिशत 63 है।

1992-93 बैच में 63% की तुलना में 1993-95 बैच में 82%, 19 से 23 आयु वर्ग के युवा छात्रों का था। 1992-94 बैच में 40% छात्रों को कार्यानुभव की अपेक्षा इस बैच में 27% छात्रों को 12 माह से अधिक का कार्यानुभव था।

लगभग 15% छात्रों के परिवारों की आय रु.50,000 प्रतिवर्ष से कम और 57% की आय रु. 1,00,000 से कम थी।

इस बैच में 20 राज्यों के छात्रों ने प्रतिनिधित्व किया। अधिकांश आने वाले छात्रों का प्रतिशत दिल्ली से 20 और उसके बाद महाराष्ट्र से 16, उत्तर प्रदेश से 13, पश्चिम बंगाल से 10, तमिलनाडु से 10 और कर्नाटक से 4 था।

3.5 अतिरिक्त सुविधाएँ

1993-95 पीजीपी बैच के छात्रों की विशाल संख्या को देखते हुए एक अतिरिक्त सेक्शन खोला गया, जिससे सेक्शनों की संख्या बढ़कर 4 हो गयी है। छात्रों की विशाल संख्या को सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए पुस्तकालय और कम्प्यूटर अनुभाग तीन राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर पूरे वर्ष, चौबीस घंटे खुले रखे जाते हैं।

3.6 ऐच्छिक पाठ्यक्रम

1991 - 92 में 39 और 1992-93 में 42 की अपेक्षा 1993-94 में 56 ऐच्छिक पाठ्यक्रम शुरू किए गए। वर्ष के दौरान 9 नवीन पाठ्यक्रम शुरू किए गए जिन्हें नीचे सारणी में दर्शाया गया है :

शीर्षक	संकाय-सदस्य	सहभागी
सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादक शुल्क और बिक्री कर	एस. कृष्णमूर्ति	52
विपणन नीतिशास्त्र	फादर के. सिरियक	64
खुदरा प्रबंधन	प्रकाश अहूजा	75
सामरिक विपणन योजना की उद्‌गामी प्रवृति	पी. सिगनपोरिया	89
वैयक्तिक और अन्तर्वैयक्तिक प्रभावी कार्यशाला	सी.एम.रेड्डी	15
निर्णय लेने के लिए गेम सिद्धांत का परिचय	एन. हरिकृष्णन	16
औद्योगिक अर्थशास्त्र	के. बी. नायर	15
विलयन, अभिग्रहण और पुनर्संरचना	जॉर्ज वर्गीज़	48
मुद्रा और बैंकिंग संस्थान	अविनाश वर्मा	45

3.7 ऋणेतर पाठ्यक्रम

द्वितीय वर्ष के लिए ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त निम्नलिखित ऋणेतर पाठ्यक्रम शुरू किए गए :

शीर्षक	संकाय - सदस्य
मुद्रा विनिमेय कक्ष	एन. कृष्णमूर्ती, प्रबंधक (विनिमेय) इंडियन बैंक, ओवरसीज़ शाखा, मद्रास।
प्रभावी व्यवसाय संप्रेषण	एस.एच.वेंकटरमणी, प्रबंधक (संप्रेषण) बल्लारपुर इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड, नई दिल्ली।
मुद्रा बाजार	मोनीश मधुरकर, उपाध्यक्ष, अध्यक्ष - मुद्रा बाजार ऐंड प्रतिभूतियाँ सिटी बैंक,बंबई।
प्रबंधकीय कौशल एवं मूल्य व्यवस्था : भारतीय परिप्रेक्ष में	डॉ. एस.के. चक्रवर्ती भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता
कुल गुणवत्ता प्रबंधन व्यवहारिक आयाम	डॉ. शांति श्रीनिवास कैलिफोर्निया स्टेट विश्वविद्यालय यू.एस.ए.
राजकोषीय और मुद्रा नीति	एस.श्यामल रॉय भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर बेंगलूर
विपणन सेवाएँ	वी.एस.महेश पाठ्यक्रम निदेशक व्यवसाय अध्ययन संकाय बक्किंहम युनाइटेडकिंगडम।

3.8 वार्ताएँ /परिचर्चाएँ

निम्नलिखित वार्ताएँ / परिचर्चाएँ की गईं :

- "भारतीय अर्थव्यवस्था और कंपनी की विश्वव्यापकता - सफलता के लिए कार्यनीतियाँ "
  डॉ.सी.के. प्रहलाद
  व्यवसाय प्रबंध के प्रोफेसर
  स्कूल ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन
  मिशिगन विश्वविद्यालय, एन्न आर्बर
  यू.एस.ए.
- "भारतीय बैंकिंग में उद्गामी प्रवृत्तियाँ"
  श्री वाई.एस.हेगड़े, प्रबंध निदेशक
  कैनफिन होम्स लिमिटेड, बेंगलूर
- "अन्तर्राष्ट्रीय व्यापारी बैंकिंग "
  श्री क्रिस ऐंडरसन, उपाध्यक्ष
  पेइन वेब्बर इंकार्पोरेटिड
- "कंपनी कार्यनीति और उदारीकरण - डीसीएम केस"
  डॉ० विनय भरतराम, अध्यक्ष,
  डीसीएम लिमिटेड, नई दिल्ली
- "विश्वव्यापी अर्थव्यवस्था"
  डॉ. स्टीफ़न एफ दाची, मिनिस्टर काउंसेलर
  (सार्वजनिक मामले) अमरीकी दूतावास एवं निदेशक, यू.एस. इन्फार्मेशन सर्विस इन इंडिया , नई दिल्ली
- "विलियन और अभिग्रहण"
  प्रोफ़ेसर श्रीस चैटर्जी फोर्डम विश्वविद्यालय, यू.एस.ए.

3.9 पैनल चर्चा

- 3 जुलाई, 1993 को प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए अनुस्थापन कार्यक्रम के अंतर्गत नौवें दशक में एमबीए से क्या अपेक्षाएँ हैं, पर सामूहिक चर्चा आयोजित की गई जिसका समन्वयन प्रो.प्रीतम सिंह ने किया। नामिका के सदस्य थे - डॉ. माया रेड्डी, उपाध्यक्ष, डिजिटल कार्पोरेशन, बेंगलूर : श्री आर.आर.नायर, उपाध्यक्ष, लिप्टन इंडिया, श्री ए.डी. सिन्हा, संप्रवर्तक, एमस्ट्रेट कन्सल्टिंग फर्म और डॉ.पी.एस.बी. मूर्ति, अपर निदेशक, कॉर्पोरेट योजना, भारतीय टेलीफोन इंडस्ट्री।
- 5 अक्टूबर, 1993 को प्रोफेसर प्रीतम सिंह की अध्यक्षता में "प्रोफाइल ऑफ हाई अचीवर्स" पर पैनल चर्चा की गई। नामिका में निम्नलिखित व्यक्ति थे :
  श्री एस.एस. मजूमदार, उपाध्यक्ष,
  सीमेन्स लिमिटेड, बंबई
  श्री वाई.श्रीराम, उप महाप्रबंधक,
  ए.वी.बी. बंबई
  श्री टी.डी.देवरे, उप महाप्रबंधक,
  ग्रिन्डवैलनॉर्टन लिमिटेड, बंबई
  श्री राजन जॉर्ज, महाप्रबंधक (कार्मिक),
  बेअर (इंडिया) लिमिटेड, बंबई.
- इस वर्ष प्रथम बार भारत में यू.एस. कंपनी द्वारा मध्यम स्तरीय सक्षम प्रबंधकों के लिए प्रबंध विकास कार्यक्रम चलाया गया। 11 नवम्बर, 1992 को "ग्लोबलाइज़ेशन ऐंड इट्स इम्पैक्ट ऑन मैनेजर डैवलप्मैंट" पर पैनल चर्चा में भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के छात्रों के साथ जेनरल इलैक्ट्रिक्स के सहभागियों ने भाग लिया।

प्रोफ़ेसर के.आर.एस. मूर्ति, निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर और डॉ.डेनिस जे एन्कारनेशन, हारवार्ड विश्वविद्यालय के संचालक थे।

3.10 पंचाट

प्रथम वर्ष के दौरान निम्नलिखित पीजीपी 1992-94 के 9 छात्रों ने "निदेशक की योग्यता क्रमसूची" में अपने निष्पादन आधार पर योग्यता प्राप्त की, जिन्हें 1 जुलाई, 1993 के अनुस्थापन कार्यक्रम मे पंचाट प्रदान किए गए।

नाम	अनुक्रमांक	सेक्शन
मैथ्यू सिरियक	9211072	बी
जयंता के. बैनर्जी	9211066	बी
देबॉशीश पोद्दार	(9211014	ए
अभिराम भट्टाचार्जी	9211001	ए
पलानीअप्पन सी.टी.	9211077	बी
वेंकटेश्वरन एस.	9211145	सी
आनन्द आर.	9211006	ए
गुरुशंकर आर	9211065	बी
रविशंकर पाण्डेय	9211032	ए

1993-95 पीजीपी बैच (प्रथम वर्ष) के निम्नलिखित छात्रों को प्रथम सत्र की समाप्ति पर रु.500 की पुस्तकें और योग्यता प्रमाण-पत्र दिए गए, जो अपने सेक्शनों में प्रथम आए थे।

नाम	अनुक्रमांक	सेक्शन
आशुतोष गर्ग	9311006	ए
दत्ता अर्नब सिद्धार्थ	9311072	बी
संचयन चक्रवर्ती	9311159	सी
अनीश तवाक्ले	9311183	डी

1993-95 पीजीपी बैच (प्रथम वर्ष) के निम्नलिखित छात्रों को दूसरे सत्र की समाप्ति पर रु.500 की पुस्तकें और योग्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए, जो अपने सेक्शनों में प्रथम आए थे।

नाम	अनुक्रमांक	सेक्शन
आशुतोष गर्ग	9311006	ए
दत्ता अर्नब सिद्धार्थ	9311072	बी
अनुपम जैन	9311125	सी
राघवेन्द्र आर.	9311149	सी
अनीश तवाक्ले	9311183	डी
विनीता	9311235	डी

3.11 अवस्थापन

1993-94 से अवस्थापन के संचालन हेतु नवीन मार्गदर्शी सिद्धांत प्रभावी हैं। सहभागी कंपनियाँ निम्नलिखित शुल्क वहन करेंगी :

- पहले तीन दिनों के साक्षात्कार के लिए अनुसूचित कंपनियों का अवस्थापन सेवा प्रभार रु.10,000 प्रति कंपनी और उसके बाद रु.6,000 प्रति कंपनी है।
- रु.6,000 की रीशि पर प्रति छात्र की भर्ती की गई। संगठन द्वारा स्नातक के कार्यभार ग्रहण करते ही तत्काल संस्थान को भुगतान किया जाए। यदि कंपनी 10 से अधिक नियुक्ति प्रस्ताव भेजती है तो अवस्थापन के समन्वयक को प्रति उम्मीदवार प्रभार पर कुल रु. 60,000 उच्चतम सीमा निश्चित करने का अधिकार है।
- 3 लाख रुपये का अवस्थापन क्लब सदस्यता अंशदान, कंपनी/समूह को उपरोक्त (1) और (2) के तहत् बिना किसी भुगतान के अगले पाँच वर्ष के लिए भा.प्र.सं.बें. से भर्ती का अधिकार देता है।

अवस्थापन विवरणिका प्रस्तुत कर सामान्य रूप से अवस्थापन कार्यकलाप प्रारम्भ किए गए। 30 अक्टूबर, 1993 से 31 जनवरी, 1994 के दौरान लगभग 90 कंपनियों ने परिसर में पूर्व-अवस्थापन कार्यक्रम प्रस्तुत किया। उनमें अधिकांश कंपनियों ने ग्रीष्म अवस्थापन चयन कार्यक्रम भी संचालित किया। परिणामस्वरूप 210 पीजीपी प्रथम वर्ष के छात्र, 2 एफपीएम छात्र और 93-95 बैच के 2 छात्रों ने 83 कंपनियों के साथ ग्रीष्म परियोजना समनुदेशन प्राप्त किए, जिनमें से 9 कंपनियाँ सार्वजनिक क्षेत्र की थीं।

छठे सत्र की परीक्षा समाप्त होने के पश्चात 26 फरवरी, 1994 से प्रतिदिन परिसर में अंतिम अवस्थापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। छठे दिन सुबह, यानि 3 मार्च, 1994 को 1991 - 93 बैच के एक छात्र को भी नियुक्ति प्रस्ताव मिलने के साथ अवस्थापन कार्यक्रम समाप्त हुआ। लगभग 105 कंपनियाँ अंतिम अवस्थापन कार्यक्रम में भाग लेने की इच्छुक थीं। यद्यपि 95 कंपनियाँ अवस्थापन साक्षात्कार के लिए बुलाई गईं इनमें से केवल 73 कंपनियाँ ही लाभ उठा सकीं क्योंकि सभी छात्र पहले ही नौकरी पा चुके थे।

अंतिम अवस्थापन के लिए 133 छात्र थे। इनमें से 2 छात्रों ने परिसर मे भर्ती कार्यक्रम से पूर्व ही नियुक्ति पत्र प्राप्त कर लिए थे। जब अवस्थापन प्रक्रिया चल रही थी तभी 9 छात्रों को "अवस्थापन कार्यक्रम के बाहर" से नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए। ये सभी नियुक्ति प्रस्ताव निजी फर्मों से थे। 122 बचे हुए छात्रों के लिए परिसर में 191 नियुक्ति प्रस्ताव भेजे गए। 133 स्नातक, 60 कंपनियों में कार्यभार ग्रहण करने जा रहे हैं। उनमें से 28 छात्र, 10 निजी सेक्टर की इकाइयों में कार्य ग्रहण करेंगे। क्षेत्रवार नियुक्ति प्रस्ताव पेश करने और स्वीकृति के मिलान से ज्ञात होता है कि विपणन के स्थान पर वित्त क्षेत्र में लोकप्रियता बढ़ी है। यद्यपि 73 नियुक्ति प्रस्ताव विपणन क्षेत्र से प्राप्त हुए थे, जिनमें से केवल 45 छात्रों द्वारा स्वीकार किए गए। दूसरी ओर वित्त क्षेत्र में 67 नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त हुए और उनमें से 50 छात्रों द्वारा नियुक्ति प्रस्ताव स्वीकार किए गए। 13 छात्र ने सूचना तकनीकी उद्योग और 14 छात्रों ने अभियांत्रिकी क्षेत्र में जाना पसंद किया। विस्तृत ब्योरा नीचे दिया गया है —

क्षेत्र / सेक्टर	कार्यग्रहण करने वालों की संख्या
औद्योगिक विपणन	11
उपभोक्ता विपणन	34
बैंकिंग सेक्टर	11
वित्तीय संस्थाएँ	39
अभियांत्रिकी उद्योग/पैट्रोलियम/विविध	13
विज्ञापन / अनुसंधान अभिकरण	6
परामर्श कंपनियाँ	6
सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियाँ	13
योग	133

एक एल्युम्नस (1991 - 93 पीजीपी बैच) ने परिसर भर्ती कार्यक्रम में भाग लिया, उसे दो नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त हुए और उसने प्राइवेट सेक्टर कंपनी में जाना निश्चय किया।

प्रतिवर्ष प्रदान किया गया अधिकतम वेतन 3.4 लाख रुपये (इसके अतिरिक्त प्रोत्साहन निष्पादन 200% तक) और न्यूनतम रु.78,000 है। औसत वेतन 1.12 लाख रुपये प्रतिवर्ष है।

अवस्थापन योग्य 3 एफपीएम छात्रों के जीवन-वृत्त उनकी पसंद की कंपनियों में भेजे गए, और शीघ्र ही उन्हें नियुक्ति प्रस्ताव मिलने की सम्भावना है।

3.12 छात्र गतिविधियाँ

3.12.1 विदेशी भाषाओं की कक्षाएँ: भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ती हुई विश्वव्यापकता से भविष्य में आने वाले प्रबंधकों के लिए विदेशी भाषा का ज्ञान महत्वपूर्ण हो गया है। इसकी महत्ता को पहचानने के बाद भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के छात्रों ने परिसर में जर्मनी, फ्रांसीसी और जापानी भाषाओं के परिचय स्तर के पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की व्यवस्था की।

3.12.2 वित्त क्लब: निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर छात्र संघ ने वित्त क्लब की स्थापना की :

- छात्रों में वर्तमान वित्तीय/अर्थिक विकास के संबंध में जानकारी बढ़ाना।
- प्रसिद्ध वित्त व्यवसायियों से संपर्क कर उदार दृष्टिकोण विकासित करना ।

1993 - 94 वर्ष में क्लब ने निम्नलिखित कार्यकलाप आयोजित किए :

- कार्पोरेट सेक्टर और वित्तीय सेवा उद्योग के व्यवसायियों द्वारा अनेक व्याख्यान।
- विशेष शीर्षकों जैसे - नवीन वस्तुओं का मूल्य निर्धारण और ऋण दर निर्धारण पर कार्यशाला।
- वित्त क्षेत्र से संबंधित वर्तमान रुचि के शीर्षक पर संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में छात्रों द्वारा अनेक व्याख्यान और चर्चाएँ प्रस्तुत करना ।
- अन्य कार्यकलाप जैसे छात्रों की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित करना।

1993 - 94 वर्ष के दौरान क्लब द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए :

30 जून, 1993	श्री पी.एस. रेड्डी, सदस्य, बेंगलूर शेयर बाजार द्वारा ''इंडियन स्टॉक मार्केट ऑपरेशन'' पर व्याख्यान और चर्चा। इसमें 200 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।
14 जुलाई, 1993	श्री टी.वी. मोहन दासपाई, कार्यपालक निदेशक, प्रकाश लीजिंग लिमिटेड द्वारा, ''फाइनेन्शियल सोर्सस - प्रेज़ेन्ट ऐंड द फ्यूचर'' पर वार्ता।
24 जुलाई, 1993	वित्त प्रश्नोत्तरी, 30 टीमों ने भाग लिया।
12-13 अगस्त, 1993	श्री शैलेन्द्र के. गुप्ता, प्रबंधक, एसबीआई कैम्पस बेंगलूर द्वारा ''मर्चेंट बैंकिंग'' पर प्रयोगशाला तथा प्रोफेसर जॉर्ज वर्गीस द्वारा ईशूज़ रिलेटिंग टु ऑन प्राइसिंग ऑफ इक्विटीज़ इन इंडिया ऐंड यू.एस. पर वार्ता।
19 सितम्बर, 1993	श्री क्रिस ऐंडर्सन, उपाध्यक्ष, मैसर्स पेइने वेब्बर्स इंकॉर्पोरेटिड द्वारा 'इन्टरनेशनल मर्चेंट बैंकिंग'' पर वार्ता।
30 सितम्बर, 1993	श्री एम.आर. मय्या, भूतपूर्व कार्यपालक निदेशक, बंबई शेयर बाजार द्वारा ''इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन कैपिटल मार्केट'' पर वार्ता।

8 जनवरी, 1994 ''कैपिटल मार्केट्स - चैलेंजिस अहेड पर आयोजित सेमिनार में पूरे भारत से 120 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया | इनमें से वी. एन. वघुल, अध्यक्ष आईसीआईसीआई श्री महेश गाँधी, कार्यपालक निदेशक, सीटीआई, श्री आर.एच. पण्डया, कार्यपालक निदेशक, एसईबीआई और श्री एम.आर. मय्या, भूतपूर्व कार्यपालक निदेशक, बंबई शेयर बाजार ने सेमिनार में अभिभाषण दिया |

7 जनवरी, 1994 बिज़नेस लाइन के संपादक श्री आर. विजयराघवन द्वारा ''थर्टी मन्थ्स ऑफ लिब्रलाईज़ेशन'' पर व्याख्यान

7 मार्च, 1994 1994 के यूनियन बजट पर चर्चा हुई। इस चर्चा में भाग लेने वाले प्रोफेसर पी. जी. आप्टे, प्रोफेसर सुन्दरराजन एवं श्री पी. एस. रेड्डी, स्टॉक ब्रोकर थे।

3.12.3 निशे - एमएसआईएल- भा.प्र.सं.बें. विपणन क्लब : निशे, विपणन क्लब छात्रों द्वारा गठित किया गया और छात्र समुदाय एवं उद्योग के बीच पारस्परिक संपर्क बढ़ाने के लिए एमएसआईएल ने इसे प्रायोजित किया, जिसका औपचारिक उद्घाटन 27 जुलाई, 1993 को किया गया | भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के निदेशक, प्रोफेसर के.आर. एस. मूर्ति ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की | श्री एच.एम. खन्ना, कार्यपालक उपाध्यक्ष (विपणन), इस्केयफ लिमिटेड (ईएसकेएवाईईएफ) ने मुख्य भाषण दिया | श्री एम.बी. प्रकाश, अध्यक्ष एमएसआईएल ने क्लब को तित्तीय सहायता प्रदान की जिसका उद्देश्य विपणन व्यावसायिक और शैक्षिक क्षेत्र के लिए निशे को फोरम में परिवर्तित करना है |

16 अगस्त, 1993 को व्यवसाय कार्यनिति के विख्यात लेखक और वर्तमान में स्कूल ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन, मिशिगन विश्वविद्यालय, एन्न आर्बर, यूएसए व्यवसाय प्रशासन के प्रोफेसर डा. सी. के. प्रहलाद भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर में पधारे और ग्लोबलाइजेशन ऑफ दी इंडियन इकोनोमी ऐंड दी कॉर्पोरेट सेक्टर - स्ट्रेटजीज़ फॉर सक्सेस'' पर छात्रों को संबोधित किया | इसके बाद एक रोचक परिचर्चा हुई जिसमें छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया |

24 सितम्बर, 1993 को क्लब ने भारत के प्रसिद्ध व्यवसायी प्रबंधकों में से एक, श्री प्रकाश टंडन द्वारा ''ग्लोबलाइज़ेशन ऑफ वर्ल्ड इकोनोमी'' पर वार्ता आयोजित की |

30 दिसम्बर, 1993 को क्लब ने डा. राजन पी. वरदराजन, खुदरा और विपणन के फोलेज़ प्रोफेसर द्वारा ''सर्विसेस इंडस्ट्री - सस्टेनेबल कॉम्पिटेटिव एडवान्टेज'' पर व्याख्यान आयोजित किया |

3.12.4 संगीत क्लब 20 अगस्त, 1993 को ''धुन'' म्यूज़िकल नाइट के साथ भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर संगीत क्लब का उद्घाटन हुआ | संकाय -सदस्य, अधिकारियों और छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया |

3.12.5 निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के बच्चों के लिए शिशु सदन 22 नवम्बर, को परिसर में पीजीपी छात्रों के प्रयास से विशेषतः भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के बच्चों के लिए शिशु सदन खोला गया | शिशु सदन सभी बच्चों की दिन में देखभाल, मध्याह्न भोजन, साक्षरता कक्षाएँ और चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराता है |

16 जुलाई, 1993 से शिशु सदन चलाने के लिए छात्रों के प्रतिनिधियों और संकाय-सदस्य के अतिरिक्त दो अधिकारियों की एक समिति गठित की गई |

3.12.6 एडवेन्चर क्लब : भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर को एसपीएआरके (सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ एक्टिविटीज़ ऐंड रॉक क्लाइमिंग) का संस्थागत सदस्य के रूप में पंजिकृत किया गया | एडवेन्चर क्लब बाह्य कार्यकलापों को आगे बढ़ाने और इसके सदस्यों को प्रकृति ने निकट संपर्क में लाने का प्रयास करता है |

अब तक एडवेन्चर क्लब ने चुन्ची, चिन्केश्वरा हिल्स और मरकेरा की लम्बी यात्राएँ (ट्रेक्स) आयोजित कीं | 21 से 24 अक्टूबर के दौरान 13 छात्र सदस्यों की टीम कूर्ग में कोट्बेट्टा शिखर (5,800 फीट), कर्नाटक के तीसरे ऊँचे शिखर पर

ट्रेकिंग के लिए गए। इस दल में पीजीपी द्वितीय वर्ष की दो छात्राएँ - कु.सुजाता दत्ता और कु.लक्ष्मी वासुदेवन भी शामिल थीं।

3.12.7 एसपीआईसी - एमएसीएवाई कार्यक्रम 19 अक्टूबर, 1993 को स्पिक मैके (सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्युज़िक ऐंड कल्चर एमंग्स्ट यूथ) ने संस्थान में इस वर्ष व्याख्यान - प्रदर्शन श्रंखला (लेक्चर - डिमान्ट्रेशन 93) के अंतर्गत सरोद संगीतज्ञ डा. राजीव तारानाथ का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उनके साथ तबले पर श्री नयना घोष ने संगत की।

3.12.8 गुणवत्ता शिखर सम्मेलन: भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर ने 1 से 4 नवम्बर, 1993 को अशोक होटल में भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित गुणवत्ता शिखर सम्मेलन में भाग लिया। शिखर सम्मेलन में सेमिनारों की श्रृंखला के अंतर्गत भारत और विदेशी विशेषज्ञों द्वारा गुणवत्ता पर व्याख्यान दिए गए। भारतीय उद्योग परिसंघ ने एक प्रदर्शनी का आयोजन किया जिसमें 70 से अधिक कंपनियों और पूरे भारत के व्यपार संघों ने भाग लिया। शिक्षा में गुणवत्ता पर प्रकाश डालने के कारण भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर स्टॉल सर्वाधिक लोकप्रिय हुआ।

कर्नाटक के मुख्य मंत्री श्री वीरप्पा मोइली और भारतीय उद्योग परिसंघ के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री जे.जे. इरानी स्टॉल पर आने वालों में से विख्यात आगंतुक थे। भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर स्टॉल को आगंतुकों के प्रतिसंभरण से ईडीपी की संख्या में वृद्धि करने का संकेत मिला है।

3.12.9 नेक्सस 11 - 12 दिसंबर, 1993 को सेंट जोसफ्स छात्रावास मैदान में भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर का वार्षिक उपभोक्ता मेला "नेक्सस" 93 आयोजित किया गया। मेला एक विपणन अनुसंधान प्रयोग है जहाँ अनुसंधान समस्याओं को खेल में परिवर्तित कर संबंधित सूचना प्रत्यर्थियों से प्राप्त की जाती है।

श्री टी.के. गुरुराज, निदेशक (कार्मिक) एचएमटी लिमिटेड ने मेले का उद्घाटन किया और वर्तमान आर्थिक स्थिति पर नवीन प्रयोग के संबंध में व्याख्यान दिया। उन्होंने नेक्सस, 93 स्मरणीय पत्रिका का विमोचन किया।

यद्यपि मेला वार्षिक कार्यक्रम का एक भाग है, इस वर्ष प्रथम बार इसे पाठ्यक्रम का अंग बनाया गया। इस मेले में पीजीपी प्रथम वर्ष "विपणन

प्रबंधन - II" के पाठ्यक्रम को 40% महत्ता प्रदान की गई है। पीजीपी प्रथम वर्ष के संपूर्ण बैच को 16 टीमों में (प्रत्येक सेक्शन से 4 सदस्य) वर्गीकृत किया गया। अनुसंधान समस्याओं को खेल में परिवर्तित किया गया। प्रारम्भिक परिणाम, अंतिम विश्लेषण और प्रत्येक दल द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर अनुसंधान प्रस्ताव का मूल्यांकन किया गया।

नेक्सस 93 मेले में 11 संगठनों ने भाग लिया, चैन्ना लियो बर्नेट्ट, डेक्कन हेराल्ड, डीईआईएल, एस्केयफ, गोदरेज, एचएमटी, मैकडोवेल, एमएसआईएल, मैसूर पॉलीमर्स, रीडिफ्यूशन और टीवीएस सुज़ुकी, एचएमटी ने दो अनुसंधान समस्या और बाकी सबने एक-एक समस्या प्रस्तुत की इसके अतिरिक्त चार अप्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ थीं।

क्रोम्टन ग्रीव्स, फरीद मोटर्स, एमएसआईएल और ओरियन्ट जनरल इंडस्ट्रीज़ द्वारा प्रदर्शन (डिस्प्ले) स्टॉल लगाए गए और भोजन स्टॉल अतिका, कैडबरीज़, इंडियन फास्ट फूड्स और पेप्सी ने लगाए। कई आमोद - प्रमोद के स्टॉल भी लगाए गए थे।

दो दिनों में नेक्सस 93 मेले में अनुमानित 6,500 लोग आए। दूसरे दिन अत्यधिक भीड़ के कारण दो घंटे पहले ही गेट बन्द करना पड़ा।

3.12.10 पुरस्कार मैथ्यू सिरियक और आनन्द रामचन्द्रन अय्यर (दोनों पीजीपी द्वितीय वर्ष के छात्रों) ने विज्ञापन और विपणन में उत्कृष्टता के लिए मैगज़ीन, ए ऐंड एम द्वारा संस्थापित, राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया।

ए ऐंड एम मार्केटिंग स्कॉलर एवार्ड, में 500 रु मासिक छात्रवृत्ति और प्रशस्ति पत्र, मैथ्यू सिरियक को प्रदान किया गया। आनन्द रामचन्द्रन अय्यर ने, ए ऐंड एम फ्यूचर स्ट्रेटजिस्ट पुरस्कार जीता, जिसमें नकद पुरस्कार रु. 2,500 और एव प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

3.13. प्रवेश 1994-96 बैच

सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीएटी) के लिए 2-3 सितम्बर, 1993 को चारों भारतीय प्रबंध संस्थान के लिए मुख्य समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किया गया। समान्य प्रवेश परीक्षा (सीएटी) 12 दिसम्बर, 1993 को आयोजित की गई। भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के नियंत्रणाधीन 5 केन्द्र - बेंगलूर,एर्नाकुलम, मद्रास, तिरुचिरापल्ली एवं विजयवाड़ा से 4,753 छात्र इस परीक्षा में उपस्थित हुए। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष इन केन्द्रों से 8 छात्रों की परीक्षा उपस्थिति में वृद्धि हुई है।

4. प्रबंध विकास कार्यक्रम

1993-94 वर्ष में 15 प्रबंध विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए। 1992 - 93 वर्ष में प्रति कार्यपालक विकास कार्यक्रम में औसत प्रतिभागी 15 से बढ़कर 1993-94 वर्ष में 21 हो गई।

केवल 5 प्रबंध विकास कार्यक्रमों में 15 से कम व्यक्तियों का नामांकन किया गया जबकि प्रबंध विकास कार्यक्रम से संबंधित नामांकन संख्या में विशेष वृद्धि हुई है। पहले की तुलना में इस वर्ष कार्यक्रम में अधिक वरिष्ठ कार्यपालकों ने भाग लिया। प्रबंध विकास कार्यक्रम में प्रतिभागियों की संख्या बढ़ाने और कार्यक्रम के स्तर को ऊँचा उठाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

4.1 संचालित प्रबंध विकास कार्यक्रम

1 अप्रैल, 1993 से 31 मार्च, 1994 तक संचालित किए गए 15 प्रबंध विकास कार्यक्रमों में कुल प्रतिभागियों की संख्या 317 थी। संचालित किए प्रबंध विकास कार्यक्रमों का ब्योरा निम्नलिखित है :

शीर्षक	दिनांक	दिन	प्रतिभागियों की संख्या
सामरिक योजना	17-19 मई, 93	3	14
क्रय वार्ता	17-19 जून, 93	3	29
विज्ञापन एवं पदोन्नति कार्यनीति	14-16 जुलाई, 93	3	18
क्रय एवं सामग्री प्रबंधन	19-22 जुलाई, 93	4	26
सामान्य प्रबंधन	23 अगस्त से 2 सितंबर, 93	10	15
विषयोन्मुख सूचना तकनीक का परिचय	8-9 अक्टूबर, 93	2	21
दल निर्माण और संघर्ष प्रबंधन	1-5 नवंबर, 93	5	50
प्रबंधन शैलियाँ	15-19 नवंबर, 93	5	23
अन्तर्राष्ट्रीय कंपनी वित्त	6-10 दिसंबर, 93	5	21
उपभोक्ता उत्पादों के संबंध में निर्णय करना	17-20 जनवरी, 94	4	15
स्पर्धात्मक वातावरण में विपणन	31 जनवरी से 4 फरवरी, 94	5	18
विकास - प्रबंधन	2-4 फरवरी, 94	3	17
(वार्ता) कौशल	14-16 फरवरी, 94	3	31
प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए तकनीकी प्रबंधन	14-18 फरवरी, 94	5	9
प्रबंधकीय उत्कृष्टता हासिल करना	21-25 फरवरी, 94	5	10
		65	317

4.1.1 क्षेत्रवार विवरण

क्षेत्र	प्रस्तावित कार्यक्रम	रद्द कार्यक्रम	आयोजित कार्यक्रम
कंपनी कार्यनीति	2	–	2
विपणन	3	–	3
उत्पादन एवं प्रचालन प्रबंधन	2	–	2
सामान्य प्रबंधन	4	1	3
(मानव संसाधन विकास) एचआरडी	4	1	3
संगणक (कम्प्यूटर)	3	2	1
वित्त	1	–	1
	19	4	15

4.2 शिल्पविज्ञानियों हेतु प्रबन्ध कार्यक्रम (एमपीटी)

भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई) के सहयोग से 1992 में नौ माह का, शिल्पविज्ञानियों हेतु प्रबंध कार्यक्रम प्रारम्भ करना भारतीय प्रबन्ध संस्थान बेंगलूर का अद्वितीय प्रयास था । एमपीटी का उद्देश्य उच्च स्तर के प्रबंध के लिए प्रबंधकीय नींव को सुदृढ़ करना और भविष्य के लिए प्रौद्योगिक आधारित नेतृत्व की भावना को बढ़ाना है।

प्रथम एमपीटी में 24 सहभागी थे। डब्ल्यूएस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड, मद्रास के अध्यक्ष श्री वी. श्रीनिवासन के दीक्षांत भाषण के साथ 28 मई, 1993 को यह समाप्त हुआ था। प्रथम एमपीटी के अनेक सहभागियों का उनके संगठनों द्वारा बड़े उत्साह और उत्तरदायित्व के साथ स्वागत किया गया ।

दूसरा एमपीटी 30 सितंबर, 1993 को प्रारंभ हुआ, जिसमें 32 सहभागी थे । एसी ब्रॉउन बोवेरी लिमिटेड, बेंगलूर के उप प्रबंध निदेशक श्री अरुण के. त्यागराजन ने उद्घाटन भाषण दिया । इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले एचएमटी, आईटीआई, कुद्रेमुख, एसी ब्रॉउन बोवेरी और सीमेन्स जैसे सरकारी और गैर सरकारी दोनों क्षेत्रों के संगठनों से थे ।

शिल्पविज्ञानियों हेतु प्रबंध कार्यक्रम अनेक कंपनियों के मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों में प्रारंभ होकर मुख्य स्थान बना रहा है। प्रथम एमपीटी के संतुष्ट प्रायोजकों ने दूसरे एमपीटी में सहभागियों की संख्या में वृद्धि की है। तीसरा एमपीटी सितंबर 1994 में प्रारंभ करना निर्धारित किया गया है ।

5. संगठन आधारित कार्यक्रम

1992-93 में 28 की तुलना में इस वर्ष 32 संगठन आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दिनों की संख्या बढ़कर 298 से 367 एवं प्रतिभागियों की संख्या 572 से 738 हो गई।

पिछले वर्ष के संगठन आधारित कार्यक्रम, गतिविधियों के स्तर को लगभग दुगना करने के बाद वर्तमान वर्ष के निष्पादन में वृद्धि हुई है। भारतीय इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड हेतु 4 माह का सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम प्रारम्भ करना ही संगठन आधारित कार्यक्रम का मुख्य अंश था। कार्यक्रम की सफलता के साथ अधिक कंपनियाँ इसी तरह के दीर्घकालीन कार्यक्रमों में भी रुचि दिखा रही है।

बैंकों के साथ-साथ इस वर्ष प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों ने अधिक संख्या में अपने वरिष्ठ कार्यपालकों को संगठन आधारित कार्यक्रम में भेजा, जिससे पता चलता है कि इस कार्यक्रम के प्रति लोगों में रुचि उत्पन्न हो रही है। कार्यपालक ब्लॉक की सुविधाओं का सर्वाधिक उपयोग किया गया।

इन कार्यक्रमों में निम्नलिखित संगठनों ने भाग लिया :

आईएएस अधिकारियों सहित सरकारी विभाग	22
सार्वजनिक क्षेत्र के संगठन	4
गैर सरकारी क्षेत्र के संगठन	4
बैंकिग क्षेत्र	2

5.1 ओबीपी आयोजित

	नाम	संगठन	दिनांक	कार्यक्रम की अवधि	संकाय लीडर	प्रतिभागियों की संख्या
1.	3 सप्ताह का भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियो हेतु कार्यक्रम	कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग	5-23, अप्रैल, 93	17	के.बी. नायर टी.वी. रमणैय्या	11
2.	परियोजना प्रबंधन अर्थशास्त्र सांख्यिकी एवं प्रबंध सूचना व्यवस्था (I)	केन्द्रीय रेशम बोर्ड	12 अप्रैल - 1 मई, 93	18	आर.के. हरलेकर वी. नागदेवरा	21
3.	परियोजना प्रबंधन, अर्थशास्त्र सांख्यिकी एवं प्रबंध सूचना व्यवस्था (II)	केन्द्रीय रेशम बोर्ड	17 मई-5 जून, 93	18	वी.बी. कौजलगी एस. राजगोपालन	22
4.	सामान्य प्रबंधन	भारत इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	21 जून - 23 अक्टूबर, 93	108	वी. आनंद राम	25
5.	उत्पाद बाजार योजना	भारतीय टेलीफोन इंडस्ट्री	22-26 जुलाई, 93	05	रमेश मेहता एम.जे. ज़ेवियर	27
6.	भारतीय वन सेवा अधिकारियो हेतु सरकारी प्रबंधन	पर्यावरण एवं वन मन्त्रालय	26-30 जुलाई, 93	05	वी. आनंद राम	31
7.	विपणन वित्त सेवाएँ	बैंक आफ इंडिया	2-6 अगस्त, 93	05	एम.जे. ज़ेवियर	24
8.	भारतीय रक्षा प्रशासनिक सेवा परिवीक्षाधीनो हेतु वित्तीय प्रबधन	भारतीय रक्षा	6-25 सितंबर, 93	18	एस.रघुनाथ वत्सला नागराजन	19
9.	सामान्य प्रबंधन	भारत हैवी इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	27 सितंबर - 7 अक्टूबर	10	बी.महादेवन	23
10.	सूचना पद्धति का विश्लेषण एवं अभिकल्प	केन्द्रीय रेशम बोर्ड	11-30 अक्टूबर, 93	18	वी.बी. कौजलगी बी. नरसिंगा राव	22
11.	गैर वित्तीय प्रबंधको हेतु वित्त	एनएएफ एवं सीएससी	26-30 अक्टूबर, 93	05	आर. वैद्यनाथन	18
12.	प्रबंधको हेतु वित्तीय जानकारी उत्पन्न करना	आरपीजी ग्रुप	8-10 नवंबर, 93	03	आर. नारायणस्वामी	21
13.	राजनयिको हेतु प्रबंध प्रतिरूपक	विदेश सेवा संस्थान	8-12 नवंबर, 93	05	एस.रघुनाथ	12
14.	भारतीय वन सेवा अधिकारियो हेतु प्राकृतिक स्रोतो का प्रबंधन	वन एवं पर्यावरण मंत्रालय	15-19 नवंबर, 93	05	वी. रंगनाथन	20

15.	अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन एवं विदेशी राजनयिको हेतु सांस्कृतिक व्यवहार का आदान - प्रदान	विदेश सेवा संस्थान	22-26 नवंबर, 93	05	एस. रघुनाथ	27
16.	विपणन कार्यपालको हेतु सामान्य प्रबंधन	डाबर फॉर्मस्यूटिकल	27 नवंबर - 1, दिसंबर, 93	05	आर.के. विजयसारथी	15
17.	उच्च स्तरीय भारतीय प्रशासनिक सेवा कार्यक्रम	कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग	29 नवंबर — 17 दिसंबर, 93	17	श्यामल रॉय वी.के. तिवारी	13
18.	प्रबंधकीय कौशल का विकास	योकोगावा ब्ल्यू स्टॉर	2-4 दिसंबर, 93	03	प्रेमचन्दर	24
19.	प्रबंधको हेतु सामान्य प्रबंधन	यूनियन बैक ऑफ इंडिया	13–17 दिसंबर, 93	05	एम.जे. ज़ेवियर	26
20.	प्रबंध विकास	योकोगावा ब्ल्यू स्टार	17-18 दिसंबर, 93	02	प्रेमचन्दर	16
21.	प्रबंधकीय उत्कृष्टता की प्राप्ति	तकनीकी शिक्षा विभाग	20-24 दिसंबर 93	05	कल्याणी गॉधी	23
22.	औद्योगिक नीति योजना एवं विकास — भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी	कार्मिक एवं प्रशिक्षण	20-24 दिसंबर, 93	05	रंजींत धर	28
23.	नागरिक आपूर्ति मे उच्च प्रबंधन हेतु एमआईएस	एनएएफ * एवं सीएससी	28-30 दिसंबर, 93	03	एस. एस. मूर्ति वी. बी. कौजलगी	22
24.	भारतीय अर्थव्यवस्था विक्षा की पुनर्संरचना - भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी	कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग	3-7 जनवरी, 94	05	पी.जी. आप्टे	30
25.	नवीन आर्थिक आदेश हेतु लोक प्रशासन - भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी	कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग	10-28 जनवरी, 94	17	एल. प्रसाद एस.नयन तारा	38
26.	नागरिक आपूर्ति हेतु विपणन कार्यनीति	एनएएफ एवं * सीएससी	24-28 जनवरी, 94	05	टी.वी. गोपालस्वामी	14
27.	भारतीय अर्थव्यवस्था विक्षा की पुनर्संरचना — भारतीय प्रशासनिक अधिकारी	कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग	7-11 फरवरी, 94	05	श्यामल रॉय	44
28.	समेकित पर्यावरण प्रबंधन	ऑर्डिनेंस फैक्टरी	14-18 फरवरी, 94	05	एन. नागण्णा / के.एम. अनन्तरामैय्या	24
29.	नेतृत्व एवं प्रबंधन	तेल तथा प्राकृतिक गैस कमीशन	21 फरवरी - 4 मार्च, 94	12	प्रीतम सिंह	27
30.	परियोजना प्रबंधन एवं सांख्यकी	केन्द्रीय रेशम बोर्ड	28 फरवरी - 19, मार्च, 94	18	एम.आर. राव / ए.के. राव	22
31.	वैज्ञानिको एवं प्रशासको के बीच अंतः क्रिया हेतु सामान्य प्रबंधन	परमाणु ऊर्जा विभाग	7-11 मार्च, 94	05	एल. प्रसाद	25
32.	एमआईएस में नागरिक आपूर्ति निगम	एनएएफ एवं सीएससी	7-11 मार्च, 94	05	वी. नागदेवरा	16

* खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति हेतु राष्ट्रीय संघ

6 अनुसंधान

6.1 संस्थान द्वारा निधि प्राप्त अनुसंधान परियोजनाएँ

यह संस्थान संकाय सदस्यों को राशि उपलब्ध कराकर अनुसंधान परियोजना प्रारम्भ करने के लिए प्रोत्साहित करता है | सामान्यतः अनुसंधान परियोजना के लिए रु.10,000 तक की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है | इस प्रकार की प्रायोगिक परियोजना से निम्नलिखित अपेक्षित लाभ हैं :

- संकाय सदस्य अनुसंधान कार्य के आधार पर पत्र - पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित करा सकते हैं |
- संकाय सदस्य बाहरी अभिकरण से निधि के लिए विस्तृत परियोजना के प्रस्ताव तैयार कर सकते हैं |
- संकाय सदस्य शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए प्रयोग किए जाने वाले वृत्त अध्ययन तैयार कर सकते हैं |

वर्ष के दौरान, संस्थान द्वारा निम्नलिखित चार निधि प्राप्त अनुसंधान परियोजनाएँ पूरी की गई :

शीर्षक	बजट (रु)	संकाय - सदस्य
औद्योगिक संबंध नीति एवं विधि	10,000	बी.आर. पाटिल
श्वेतपोश एवं व्यावसायिक कर्मचारियों में संघीकरण	6,000	बी.आर. पाटिल
आईएसओ 9000 कार्यान्वयन पर केस तैयार करना	6,000	एम.आर. गोपालन
सिंडिकेट बैंक की महिला शाखा का वृत्त अध्ययन	2,500	टी.एस. नागभूषण

वर्ष के दौरान संस्थान ने निम्नलिखित 7 परियोजनाओं प्रारंभ की। इस के लिए कुल 52,000 रुपये की मूल राशि मंज़ूर की गई ।

	शीर्षक	बजट (रु.)	संकाय - सदस्य
1.	भारतीय अभियांत्रिकी उद्योग में विनिर्माण पद्धति	10,000	टी.एस.नागभूषण जनत शाह
2.	सूचना तकनीक उद्योग के मामलों का अध्ययन	7,000	एस. रघुनाथ
3.	भारतीय विपणन अनुसंधान का सर्वेक्षण	10,000	एम.जे. ज़ेवियर पी.एन. थिरुनारायण
4.	आईएसओ 9000 कार्यान्वयन पर केस तैयार करना	6,000	मधुकर अंगुर एम.आर. गोपालन
5.	भारत में जेआईटी आधारित विनिर्माण स्थिति का अध्ययन	8,000	बी. महादेवन
6.	सिंडिकेट बैंक की महिला शाखा का वृत्त अध्ययन (केस अध्ययन)	2,500	टी.एस.नागभूषण
7.	स्टॅकों की चल निधि	8,500	वी. आर. इलेस्वरपु

वर्ष के दौरान 5 अतिरिक्त परियोजनाएँ प्रारंभ की गईं । उपरोक्त क्रम सं.4 और 6 को छोड़कर, जो वर्ष के दौरान प्रारंभ कर पूरी की गईं । पिछले वर्षों के दौरान प्रारम्भ की गईं निम्नलिखित 19 परियोजनाएँ वर्ष के अन्त तक जारी थी ।

	शीर्षक	बजट रु.	संकाय-सदस्य
1.	गुणवत्ता लागत निर्धारण	5,000	आर. नारायणस्वामी
2.	उन्नति के लिए प्रबंध प्रतिक्रिया	10,000	एन. नागण्णा
3.	एबीबी कारपोरेट के श्रेष्ठ निधि प्रवाह के लिए ज्ञान आधारित सूचना पद्धति	10,000	बी. शेखर
4.	भारतीय कंपनियों पर सरकारी आर्थिक उदारीकरण कार्यक्रम का प्रभाव-उच्च प्रबंधन का एक विश्लेषण	10,000	एल. प्रसाद
5.	सार्वजनिक पद्धतियों के प्रबंधन का दस्तावेजीकरण	9,500	वी. नागदेवरा
6.	भारतीय कंपनियों के पूर्वी जर्मनी में निवेश के अवसर	9,240	एन. रामनाथ
7.	निष्पादन मूल्यांकन पर केस तैयार करना	10,000	कल्याणी गाँधी
8.	विकर्षक संगठनात्मक संस्कृति को बनाए रखने एवं उसके विकास की प्रक्रिया	8,500	सी.एम. रेड्डी
9.	कामकाजी महिलाओं में भूमिका संघर्ष	1,500	एम. वेणुगोपाल
10.	स्टॉक कीमतों को बताने के लिए वित्तीय आँकड़ों का प्रयोग	5,000	प्रेमचन्दर
11.	कर्नाटक में पंचायती राज का प्रबंधन	6,500	बी.के. चन्द्रशेखर
12.	बाहरी ऋण का प्रबंधन	10,000	पी.जी.आप्टे
13.	अल्पविकसित देशों के विकास में यू.एन.एजेंसियों की भूमिका नीति संबंधी मुद्दे एवं परिदृश्य	13,500	आर.धर
14.	प्रबंधन शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन भा.प्र.सं.बें . के स्नातकों का वृत्त अध्ययन	10,500	मीरा बखरू
15.	दक्षिण क्षेत्र में प्रबंध शिक्षा का विश्लेषणात्मक अध्ययन	11,000	मालती सोमैय्या
16.	चौराहों पर ट्रॉसिट (टीआरएएनएसवाईटी) के प्रयोग से यातायात प्रबंधन	6,900	टी.वी. रमणैय्या के.एम. अनन्तरामैय्या
17.	प्राथमिक स्वास्थ्य रक्षा में परंपरा वादी चिकित्सा व्यवसायियों की भूमिका	10,000	जे.सी. भाटिय
18.	ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा का सामुदायिक वित्तीयकरण -एक स्वास्थ्य सहकारी मामले का अध्ययन	10,000	जे.सी. भाटिया
19.	दक्षिण भारत के चारों राज्यों में प्राथमिक स्वास्थ्य रक्षा सेवाओं के प्रबंधन कार्यों का तुलनात्मक अध्ययन	5,000	पी. भास्करन

6.2 बाह्य अभिकरणों से निधि प्राप्त अनुसंधान परियोजनाएँ

निम्नलिखित दो अनुसंधान परियोजनाएँ प्रारम्भ की गई थीं ।

शीर्षक	बजट रु.	संकाय - सदस्य
बेल्लारी जिले में लौह अयस्क खानों का पर्यावरण संबंधी प्रभाव कर्नाटक राज्य विज्ञान एवं तकनीकी परिषद् द्वारा निधि प्राप्त	20,000	एन. नागण्णा
भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर में पूँजी बाजार शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र के लिए यूटीआई पूँजी बाजार संस्थान से निधि प्राप्त	5,00,000	जॉर्ज वर्गीस

निम्नलिखित परियोजनाएँ पूरी की गई :

शीर्षक	बजट (रु.)	संकाय - सदस्य
भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों में दीर्घकालीन योजना, मद्रास रिफाइनरी लिमिटेड, मद्रास द्वारा प्रायोजित	88,500	एस. कृष्णन
गर्भनिरोधक उपयोग का निर्धारक विश्व स्वास्थ्य संगठन से निधि प्राप्त	$ 65,000	जे.सी. भाटिया
शिशु जीवन पर मातृ शिक्षा का प्रभाव, फोर्ड फाउंडेशन से निधि प्राप्त	$ 1,25,000	जे.सी. भाटिया
यातायात सिगनलों का डिज़ाइन तैयार करना और ट्रॉसिट (टीआरएएनएसवाईटी) का प्रयोग करते हुए उन्हें आपस में जोड़ना - बेंगलूर नगर पालिका से निधि प्राप्त	18,000	टी.वी. रमणैय्या के.एम. अनन्तरामैय्या
भारतीय विश्वविद्यालयों का वित्तीय प्रबंधन, राष्ट्रीय शैक्षणिक आयोजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली से निधि प्राप्त	48,000	मालती सोमैय्या
सेवा पद्धतियों की स्थानिक क्षमता को सुधारने के लिए डीएसएस का विकास, नेशनल साइंस फाउंडेशन वाशिंगटन डीसी से निधि प्राप्त	14,96,000	वी.के. तिवारी
कावेरी जल विवाद - कावेरी बेसिन में सूखे के सामाजिक आर्थिक पक्षों का अध्ययन, कर्नाटक सरकार द्वारा प्रायोजित	45,000	एस.टी.एस. रेड्डी

7. प्रकाशन

7.1 पुस्तकें

रंगनाथन वी., **''रूरल इलैक्ट्रिफिकेशन इन अफ्रीका''** (अफ्रीकी ऊर्जा नीति अनुसंधान) ज़ेड बुक्स, 1993 (संस्करण)

शिवरामू एस० **''ग्लोबलाइजेशन ऐंड इंडियन लिब्रलाइज़ेशन''**, दक्षिण एशिया प्रकाशन, दिल्ली, 1994 ।

इंटरनेशनल बिजनेस : गवर्नेन्स स्ट्रक्चर, ए. एच. व्हीलर प्रकाशन, नई दिल्ली मार्च 1994

7.2 लेख

के.एम. अनन्तरामैया और टी.वी. रमणैया, ''कमोडिटी मूवमेंट इन रूरल एरियाज़'' नामक लेख **परिवहन प्रबंधन** के जरनल के अक्टूबर 1993..... अंक में प्रकाशित किया गया ।

जे.सी. भाटिया, ''लेव्ल्स ऐंड कॉज़ज ऑफ मैटर्नल मार्टेलिटी इन सदर्न इंडिया'' **परिवार नियोजन पर अध्ययन,** * 1993, 24, 5 : 31 0-318.

पापुलेशन कंट्रोल : फीमेल लिट्रेसी इज़ दी की - **डेक्कन हेराल्ड,** 3 फरवरी, 1994.

मेटरनल मॉर्टेलिटि : ए साउथ इंडियन स्टडी इन मेटरनल ऐंड इन्फेंट मॅर्टेलिटि क्लोज़िंग दी गैप बिटवीन पेरीनेटल हेल्थ सविसिज़, एल्टन कैसिल द्वारा संपादित । **मैटरनल ऐंड चाइल्ड हेल्थ,** इंटरनेशनल जेनेवा, 1993.

रिव्यू ऑफ इंडियाज़ हेल्थ, भारतीय स्वैच्छिक स्वास्थ्य संघ, नई दिल्ली, **डेक्कन हेराल्ड,** अक्टूबर, 1993.

चारी एस.एन. ''सम स्ट्रेटिजिक ऐंड ऑपरेशनल क्वेश्चन्स'' **इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग जरनल,** वाल्यूम 22, नंबर - 8, अगस्त 1993.

इंदिरा राजारमन, ''रीयल एक्सचेंज रेट मूवमेंट ऑफ दी इंडियन रूपी : इम्पेक्ट ऑन सलेक्टिड कमोडिटी एक्स्पोर्ट्स'', **यूएनसीटीएडी रिव्यू,** नं.4, 1993.

बी. महादेवन, ''एस्टीमेशन ऑफ नंबर ऑफ एजीवीज़ फॉर एन एफएमस : एन एनालिटिकल मॉडल'', **इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्राडक्शन रिसर्च,** जुलाई 1993.

''बफ्फर लेवल्स एंड चॉइस ऑफ मैटीरियल हैण्डलिंग डिवाइस इन फ्लैक्सिबल मैनुफैक्चरिंग सिस्टम्स'', **यूरोपियन जर्नल ऑफ आपरेशन्स रिसर्च,** वाल्यूम 69, सं.2, 10 सितंबर, 1993.

मालती वी. गोपाल, ''टीचर्स अपरेइज़ल फॉर नर्सरी स्कूल्स, **प्रोग्रेस ऑफ एजूकेशन,** मार्च 1993.

रमणैया टी.वी. एवं. अनन्तरामैया के.एम. ''ट्रांस्पोर्टेशन कैरक्टरस्टिक्स इन रूरल एरियाज़ ऑफ सदर्न इंडिया'' दिसंबर 1993 में ''ट्रांस्पोर्टेशन सिस्टम स्टडीज़'' पर आंध्रा विश्वविद्यालय के तीसरे सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित ।

रंगनाथन वी., ''इलैक्ट्रिसिटी प्राइवेटाइज़ेशन : केस ऑफ इंडिया'', **एनर्जी पॉलिसी यू.के.** अगस्त 1993

रविकुमार आर, ''मैनेज़िंग सक्सेस थ्रू ह्यूमर'', **इकनॅमिक टाइम्स,** 19 आगस्त, 1993

रामनाथ नारायणस्वामी, ''द लॉंग मार्च फ्रॉम द कमांड इकोनामी टू द मार्केट'' **कांता अहूजा (संस्करण में) : रेजीम ट्रांसफॉरमेशनस ऐंड ग्लोबल रीअलाइनमैंट्स,** सेज पब्लीकेशन्स, नई दिल्ली 1993

शिवरामू एस. ''कन्सलटैंसी प्रॉजेक्ट एक्सपोर्ट्स : ओवरसीज़ ऐंट्री स्ट्रार्टिजि'', **फॉरिन ट्रेड रिव्यू,** वाल्यूम XXVII, नं. 7, अप्रैल 1993

''न्यू मैनेजमेट'' (डायगर्नेसिस ऑफ दी नेचर ऑफ चेंजिज़ : फर्स्ट सेक्शन), **आर्गनाइज़ेशनल मैनेजमैंट,** अप्रैल - जून 1993

''आरएक्स न्यू मैनेजमेंट : पार्ट टू - प्रोगनोसिस एंड प्रेसक्रिप्शन्स'', **आर्गनाइज़ेशनल मैनेजमेंट**, जुलाई - सितंबर, 1993

रेड्डी एस.टी.एस. ''नेगलेक्टिड सेक्टर'', **सेमिनार**, जून 1992

वेंकट आर. इलेस्वरपु, ''दी सीज़नल बिहेवियर ऑफ द लिक्विडिटी प्रीमियम इन असेट प्राइज़िंग'' **जर्नल ऑफ फाइनेंनशियल इक्नॉमिक्स**, 34 (1993), 373 - 386 उत्तर हालैंड |

ज़ेवियर एम.जे. श्री जेनरिक स्ट्रेटिजीज़ फॉर स्माल स्केल इंडस्ट्रीज़ **सेडमे**, वाल्यूम XX, नं. 1, मार्च 1993, पृष्ठ 1 से 7.

पोस्चर्स ऑफ स्ट्रेटिजि, 1 मई, 1993, **दी बिज़नेस स्टैंडर्ड** |

टू स्ट्रेटिजीज़ फॉर निशे मार्केटिंग, 13 मई, 1993, **दी हिन्दू** |

विजयसारथी आर.के. दी न्यू यूरोपियन मार्केट 92 : चैलेन्ज़िस एंड आपरच्युनेटिज़ टु दी इंडियन फार्मास्यूटिकल फर्म्स, फॉरिन ट्रेड रिव्यू जर्नल (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)

यूरो-इंडिया कोऑपरेशन ऐंड ट्रेड : ए केस स्टडी ऑफ दी नीदरलैंड्स - इंडिया फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री'', **निजेनरोड प्रेस**, निजेनरोड विश्वविद्यालय |

7.3 शोध पत्र

रवि कुमार आर. स्ट्रेटिजीज़ टु चेंज स्ट्रेस - प्रोन पर्सनालिटी : ए नोवल एप्रोच टु स्ट्रेस मैनेजमेंट, ईएसएडीई पेपर्स, 1993

बुल फाइटिंग : ए बिहेवियरल स्ट्रेटिजि फॉर मैनेजरियल हेल्थ एंड हेपीनेस, ईएसएडीई पेपर्स, 1993

मैनेजरियल सक्सेसे थ्रू हुयुमस, ईएसएडीई पेपर्स, 1993

विजयसारथी आर.के. यूरो - इंडिया कोऑपरेशन एंड ट्रेडः ए केस स्टडी ऑफ दी नीदरलैंड्स - इंडिया फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री |

7.4 वर्किंग पेपर्स

वर्ष के दौरान निम्नलिखित 21 वर्किंग पेपर निकाले गए :

1. इकोनोमिक साइज़िंग ऑफ वेयर हाउज़ सम एक्सटेंशन्स
   ए.के. राव
   एम. आर.राव
2. ऑन एन इवाल्यूएशन ऐंड आप्टिमाइज़ेशन मॉडल फॉर मीडिया प्लानिंग
   ए.के. राव
   एम. आर. राव
3. ग्लोबल मैनेजर : भारतीय परिप्रेक्ष्य मे
   एस. शिवरामू
4. स्माल बिज़नेस : प्रमोशन ऑफ एक्सपोर्ट्स ऐंड टेक्नालॉजी
   एस. शिवरामू
5. रिसर्च इन पॉलिसी एनालाइसिस - दी एप्रोच पैराडाइम्स
   एस. प्रसन्ना
6. एन आप्टिमाइज़ेशन माडल फॉर मीडिया प्लानिंग
   ए. के. राव एवं
   एम. आर. राव
7. दी कांसेप्ट आफ बिज़नेस स्ट्रेटिज़ी
   एम. जे. ज़ेवियर
8. ग्लोबलाईज़िंग इंडियन बिज़नेस स्ट्रेटिज़ी माइंड सेट एंड डायनमिज्म इन पालिसी
   जे. रामचन्द्रन
9. रूरल ट्रांस्पोर्टेशन सीन इन सदर्न इंडिया
   टी.वी. रमणैया एवं
   के. एम. अनन्तरामैया
10. प्रोजेक्ट रिसोर्स स्केड्यूल ऐंड आप्टिमल
    वी. बी. कौजलगी
    इन्वेंट्री पॉलिसी
11. सॉफ्टवेयर इंडीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (एसईईएम) - ओवरविय्यू आफ दी स्पेशल प्रोग्राम एट आई आई एम, बंगलूर.
    वी.बी. कौजलगी

12. कलर इन एडवर्टीज़िंग
जेरॉल्ड जे. गोर्न
अमिटाव चट्टोपाध्याय
ट्रेसी वाई

13. सब इम्पीरिकल इंवेस्टीगेशन्स आन दी डिटरमिनेन्ट्स् ऑफ कॉस्ट बिहेवियर इन कोल माइनिंग इंडस्ट्री
एन. नागण्णा

14. रीस्ट्रक्चरिंग यूटीआई : दी मिसिंग डायमेंशन
जे. रामचन्द्रन एवं
आर. वैद्यनाथन

15. ए क्रिटिक ऑफ दी ड्राफ्ट टेक्नॉलाजी पॉलिसी
एम. आर. गोपालन

16. डायलामाज़ ऑफ चेंज ऐंड ट्रांसफार्मेशन : मैनेजिंग थ्रू लीडरशिप
पी. सिंह एवं
आशा भंडारकर

17. सरवाइवल ऐंड नॉट प्राफिटरिंग : दी रेशनल बिहाइंड रिटेंशन ऑफ बजेटरी बेनिफिट्स
जे. रामचन्द्रन

18. सम मैनेजिरियल इशूज़ कन्सरनिंग इंप्लीमेंटेशन ऐंड मैंटेनेन्स ऑफ फ्लेक्सिबल मैनुफैक्चरिंग सिस्टम्स - भारतीय परिप्रेक्ष्य में
बी. महादेवन

19. वहिकल रूटिंग प्रॉब्लम ऐंड स्टिमुलेटिड एन्नालिंग
एस. राजगोपालन
ए. के. राव

20. मैनेजमेंट एजुकेशन इन इंडिया : यस्टरडे, टुडे ऐंड टुमारो
वी. रंगनाथन

21. रीस्ट्रक्चरिंग दी पावर सेक्टर इन इंडिया
वी. रंगनाथन

श्री कांती कुमार गली ने प्रोफेसर वैद्यनाथन के मार्गदर्शन में ''म्युचुअल फंड्सइन इंडिया'' पर वर्किंग पेपर पूरे किए।

7.5 सेमिनार / सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर

जॉर्ज वर्गीज़ : ''रिस्ट्रचरिंग फार्नेसियल मार्केट्स'' भारतीय प्रबंध विद्यालय संघ के वार्षिक सम्मेलन, त्रिवेन्द्रम, 25 अगस्त, 1993.

गीता सेन : ''विमेन्स एम्पावरमेंट ऐंड ह्युमन राइट्स : दी चैलेंज टु पॉलिसी'', नई दिल्ली विश्ववैज्ञानिक अकादमी के जनसंख्या शिविर में, 27 अक्टूबर, 1993

''विमेन्स एम्पावरमंट ऐंड पॉपुलेश पॉलिसीज़'', ''पॉपुलेशन रीकंसीडर्ड : एंपावरमेंट, हेल्थ ऐंड ह्युमन राइट्स,'' सम्मेलन में स्वीडिश इंटरनेशनल डेवलपमेंट एजेंसी फॉर रिसर्च कोऑपरेशन (एसएआरईसी) द्वारा 6-10 दिसंबर, 1993 के दौरान हरारे (ज़िम्बावे) में आयोजित।

नारायणस्वामी आर. : ''करेंट ट्रेंइस इन कॉस्ट मैनेजमेंट'', पर 12 दिसंबर, 1993 को हैदराबाद में लागत एवं कार्य लेखाकार संस्थान द्वारा संचालित दक्षिण क्षेत्रीय सम्मेलन में।

''ट्रांज़िशन फ्रॉम स्टेट टु मार्केट इन ईस्टर्न यूरोप'' सोवियत एवं पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा 2 नवंबर, 1993 को सुधार, संघर्ष एवं परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में।

रंगनाथन वी. : ''प्राइवेट सेक्टर पार्टिसिपेशन इन पावर जेनरेशन इन इंडिया'' 4 से 7 फरवरी, 1994 को एएमडीआईएसए, हैदराबाद का तीसरा शैक्षिक सम्मेलन, ढाका, बंगलादेश में आयोजित।

शेखर बी. एवं ज़ेवियर एम.जे. : ''ए न्यू एप्रोच टु सेगमेंटिंग मार्केट्स यूज़िंग - रैंक आर्डर्ड प्रिफरेंसिस '' 17 से 19 नवंबर, 1993 के दौरान पेरिस में आयोजित ईएसओएमएआर के इंफार्मेशन बेस्ड डिसीशन मेकिंग इन मार्केटिंग, सम्मेलन में।

सोमशेखर रेड्डी एस.टी. : ''रिलिवेन्स ऑफ रिसर्च'' पर 15 से 22 अक्टूबर, 1993 को इंटरनेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च सेंटर (आईएआरसीज़) स्वीज़रलैंड द्वारा आयोजित हर्बट परिसंवाद में ''ऐंडिंग ऑन ऑड्स : कंट्रीब्युशन ऑफ ग्रीन रिवाल्युशन'' पर पेपर प्रस्तुत किए।

''एक्पीरिएंस इन रीहेबिलिटेशन ऑफ ट्रेडीशनल हरीगेशन सिस्टम्स''

''रोल ऑफ विमेन इन कंज़रवेशन ऑफ सीड्स'' और

''इनडिजनिस मैनेजमेंट प्रेक्टिसिस इन सॉइल ऐंड वॉटर कंज़रवेशन'' पर पारम्परिक विज्ञान एवं तकनीकी, आईआईटी, बंबई में, 28 नवंबर से 3 दिसंबर, 1993 तक।

7.6. आईआईएमबी न्यूज़

आईआईएमबी न्यूज़ भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर समुदाय, शुभचिंतकों और इसके भूतपूर्व छात्रों से संबंधित कैम्पस गतिविधियों / घटनाओं का मासिक प्रकाशन है। 1993 - 94 वर्ष के दौरान इसके 12 अंक प्रकाशित हुए और संकाय, बोर्ड सदस्यों तथा भूतपूर्व छात्र संघ में इन्हें परिचालित किया गया।

8. परामर्श

संस्थान के संकाय सदस्यों ने 312 संकाय दिवस, परामर्श पर व्यतीत किए।

8.1 सार संक्षेप

1993 वर्ष के दौरान चलाए गए संगठन आधारित कार्यक्रम / परामर्श की संख्या का सार संक्षेप में नीचे दिया है :

सारणी 8.1 परामर्श / ओबीपी

संकाय सदस्यों की संख्या	71
संगठन आधारित कार्यक्रमों के दिनों की संख्या	273.5
परामर्श दिनों की संख्या	312
व्यावसायिक गतिविधियाँ (दिन)	543.5
योग	1129

प्रति संकाय औसत व्यावसायिक निविष्टि लगभग 16 दिन थे।

8.2 पूरी हुई परियोजनाएँ

नीचे दी गई सारणी 8.2 के अनुसार सूचीबद्ध 1993 वर्ष के दौरान 8 परामर्श परियोजनाएँ पूरी की गईं। तीन परियोजनाओं का ब्योरा नीचे दिया गया है :

''क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ स्टेप बेनिफिशियरीज़ इन कर्नाटका : ए बैंचमार्क सर्वे'', यह परियोजना महिला और शिशु विकास निदेशालय की ओर से कर्नाटक हेंडलूम विकास निगम (केएचडीसी) द्वारा प्रयोजित है। इस परियोजना अध्ययन का उद्देश्य ''सपोर्ट सिस्टम टु इम्प्लॉयमेंट प्रोग्राम (एसटीईपी)'' केएचडीसी द्वारा विकसित और परिचालित कार्यक्रम के माध्यम से लाए गए परिवर्तनों का मूल्यांकन करना था, जो चुनी हुई महिलाओं की हथकरघा बुनाई, हथकरघा, कार्यशिविर, उपसाधन, वस्त्र और डिज़ाइन में प्रशिक्षण उपलब्ध कराता है। यह अध्ययन प्रोफेसर बी.आर.पाटिल द्वारा किया गया।

''डिमांड ऐंड सप्लाई ऑफ फ्यूलवुड इन कर्नाटका'' पर कर्नाटक वन विभाग के लिए प्रोफेसर आर. रंगनाथन ने अध्ययन पूरा किया। इस अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना था कि पूर्ति से अधिक खपत होने पर कर्नाटक में ईंधन लकड़ी की कमी थी या नहीं। यह देखा गया कि कर्नाटक में प्रतिव्यक्ति ईंधन की बहुत अधिक खपत है। लगभग 1.6 किलाग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन खपत ईंधन लकड़ी को दर्शाता है। यह अध्ययन उपभोग को सत्य साबित करता है। ईंधन लकड़ी की उपलब्धि की उपलब्ध विधियों में कमी के कारण किसी भी प्रकार पूर्ति पक्ष निश्चयात्मक नही हो सकता।

इस अध्ययन के सार निष्कर्ष निम्नलिखित है :

- 1987 -88 में कर्नाटक में लकड़ी की पूर्ति और माँग।
- कर्नाटक में वार्षिक घरेलू ऊर्जा खपत।
- विभिन्न विधियों द्वारा ग्रामीण प्रतिव्यक्ति ईंधन लकड़ी की घरेलू खपत।
- विभिन्न उप-वर्गीकरण रिपोर्ट के अनुसार प्रतिव्यक्ति ईंधन लकड़ी की ग्रामीण खपत।
- कर्नाटक में विभिन्न ईंधनों की घरेलू खपत का प्रतिशत भाग।
- 1987 में कर्नाटक में लट्ठा और टहनियों के रूप में ईंधन लकड़ी की कुल खपत।

''मेक्रोलेवल स्ट्रक्चरल एंड इन्वरॉन्मेंटल फैक्टर्स इन कर्नाटक एंड केरला स्टेट्स'' पर 1 जून, 1993 को स्वीडकोर्प, स्टॉकहोम, स्वीडन द्वारा प्रायोजित अध्ययन प्रारम्भ हुआ और 3 सितंबर, 1993 को समाप्त हुआ। यह अध्ययन चार संकाय सदस्यो - प्रोफेसर के.बी. नायर (समन्वयक), पी.एन. थिरुनारायण, टी.एस. नागभूषण और प्रेमचन्दर द्वारा पूरा किया गया।

यह अध्ययन निर्म्नलिखित विषयों पर रोशनी डालता है -

i. आर्थिक, राजनीतिक और संस्थागत परिवेश।
ii. विशिष्ट विकास क्षेत्र, और
iii. दो राज्यों की भविष्य प्रत्याशाएँ और समस्याएँ।

यह अध्ययन पूर्णरूप से उद्यमियों , व्यवसायिक प्रबंधकों, व्यापारी संघठनों और नीति विधायकों से विस्तृत साक्षात्कार और प्राप्त द्वितीयक आँकड़ों पर आधारित है |

सारणी 8.2 : पूरी की गई परामर्श परियोजनाएँ

	शीर्षक	निधीयन अभिकरण	संकाय-सदस्य
1.	कर्नाटक में हितकारी स्टेप (एसटीईपी) योजना की गुणवत्ता पर बैंचमार्क सर्वेक्षण	कर्नाटक ह्थकरघा विकास निगम, कर्नाटक सरकार	बी.आर. पाटिल
2.	इंटीग्रेटिड सर्किट्स पर बाजार सर्वेक्षण	सेमी कंडक्टर कॉम्लेक्स, नई दिल्ली	पी. भास्करन
3.	ईंधन और इमारती लकड़ी की माँग और पूर्ति पर अध्ययन	वन विभाग, कर्नाटक सरकार	वी. रंगननाथन
4.	कर्नाटक ह्थकरघा विकास निगम के लिए विपणन कार्यनीति	कर्नाटक ह्थकरघा विकास निगम, बेंगलूर	आर.के. विजयसारथी
5.	प्रबंधन प्रशिक्षार्थियों की भर्ती	माज़गाँव डॉक, बंबई	एस.जी. लेले
6.	कर्नाटक और केरल में प्राइवेट इंटरप्राईज़ेज़ सेक्टर ार अध्ययन	स्वीडकोर्प, स्वीडन	के.बी. नायर टी.एस. नागभूषण पी.एन. थिरुनारायण प्रेमचन्दर
7.	हिन्दुस्तान फोटो फिल्म के लिए विपणन कार्यनीति	हिन्दुस्तान फ़ोटो फिल्म, ऊटी	एम. झा. और जॉर्ज. वर्गीज़
8.	स्टेट बैंक ऑफ मैसूर में ग्राहक सेवाओं पर सर्वेक्षण	स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, बेंगलूर	जॉर्ज. वर्गीज़

8.3 प्रारम्भ परियोजनाएँ

वर्ष के दौरान शूरु की गई निम्नलिखित तीन परियोजनाएँ :

शीर्षक	निधीयन अभिकरण	संकाय-सदस्य
नाबार्ड़ की प्रबंध लोखापरीक्षा	भारतीय रिज़र्व बैंक	एस. सुन्दरराजन प्रेमचन्दर
साओ पाउलो में सम्मेलन	कर्नाटक सरकार	पी.जी. आप्टे
कर्नाटक और केरल में प्राइवेट सेक्टर का अध्ययन	स्वीडकॉर्प, स्वीडन	के.बी. नायर टी.एस. नागभूषण पी.एन. थिरुनारायण प्रेमचन्दर

8.4 चालू परियोजनएँ

वर्ष के दौरान 13 परियोजनाएँ चल रही थीं, उनमें से 7 परियोजनाएँ पिछले वर्ष की जारी थीं।

	शीर्षक	निधीयन अभिकरण	संकाय-सदस्य
1.	विभिन्न विकेन्द्रीकृत ऊर्जा-स्रोतों की आर्थिक संभाव्यता का मूल्यांकन (मई 1985)	के.डी.एस.टी. कर्नाटक सरकार	वी. रंगनाथन
2.	बगलकोट पुनर्वास परियोजना - II (मई 1988)	बागलकोट नगर विकास प्राधिकरण	के.एम. अनन्तरामैया बी.के. चन्द्रशेखर
3.	बागवानी हेतु कम्प्यूटर आधारित प्रबंध सूचना पद्धति (दिसंबर 1990)	कोठारी औद्योगिक निगम लिमिटेड, मद्रास	एस. जगदीश टी.पी. गोपालस्वामी वी. नागदेवरा
4.	असमान उत्पादन - III (जनवरी 1992)	आईटीआई, बेंगलूर	टी.एस. नागभूषण
5.	एलपीजी परिवहन का जोखिम विश्लेषण	काकीनाड़ा पोर्ट ट्रस्ट, आन्ध्र प्रदेश	एन. नागण्णा
6.	नियंत्रक कंपनी के रूप में भारतीय खाद्य निगम का पुनर्गठन	भारतीय खाद्य निगम नई दिल्ली	रमेश मेहता
7.	अल्पकालीन बृहत् आर्थिक प्रबंध परियोजना का प्रतिरूपण, (जून 1993)	कर्नाटक सरकार	पी.जी. आप्टे
8.	कर्नाटक के चार जिलों में यूपीआई विश्व बैंक सहायता प्राप्त (जून 1993)	शिक्षा विभाग, नई दिल्ली	एस. नयनतारा
9.	उत्पादकता और निष्पादन में वृद्धि (जुलाई 1993)	सेफपैक प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूर	एस. सुन्दरराजन सी.एम. रेड्डी
10.	प्रतिधारण परामर्श (अक्टूबर 1993)	आईटीआई, बेंगलूर	रमेश मेहता
11.	नाबार्ड की प्रबंध लेखा - परीक्षा (अक्टूबर 1993)	भारतीय रिज़र्व बैंक बेंगलूर	एस. सुन्दरराजन प्रेमचन्दर
12.	केरल में मत्स्य क्षेत्र परियोजना एनसीडीसी पर अध्ययन	एनसीडीसी नई दिल्ली	टी.पी. गोपालस्वामी वी. नागदेवरा
13.	कर्नाटक पत्तन विकास परियोजना का सामाजिक - आर्थिक प्रभाव	काकीनाड़ा पोर्ट ट्रस्ट आंध्रा प्रदेश	टी. वी. रमणैया वी. नागदेवरा एन. नागण्णा

8.5 भेजे गए प्रस्ताव

बारह परियोजना प्रस्ताव विभिन्न संस्थानों को भेजे गए, जिनका ब्योरा नीचे प्रस्तुत है :

विभिन्न संस्थानों को भेजे गए परियोजना प्रस्ताव

	शीर्षक	निधीयन एजेंसी	संकाय - सदस्य
1.	सीमेट माँग पर अध्ययन	सीमेंट मेन्युफेक्चरिंग एसोसिएशन, नई दिल्ली	रंजीत धर एम.आर. राव पी.जी. आप्टे
2.	व्यापार उदारीकरण पर शोध	यूएसएआईडी, नई दिल्ली	एस. वी. बोकिल
3.	एफआईसीसी-उर्वरक प्रतिधारण मूल्य और सहायिकी पर अध्ययन	रसायन और उर्वरक मंत्रालय, नई दिल्ली	टी.पी. गोपालस्वामी आर. नारायणस्वामी
4.	परिवहन हेतु इंटरैक्टिव कंप्यूटर सुविधा डिजाइट पैकेज	मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	टी.वी. रमणैया के.एम. अनन्तरामैया
5.	यूकेलिप्टस बागान स्टॉक वृद्धि का निर्धारण/मूल्यांकन	कर्नाटक वित्त विकास निगम, बेंगलूर	टी.पी. गोपालस्वामी
6.	बीडब्ल्यूएसएसबी में वस्तुसूची नियंत्रण पर अध्ययन	बी.इब्ल्यू.एस.एस.बी. बेंगलूर	जनत शाह
7.	(एसटीआरएपी) स्ट्रेप हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	एस.टी.आर.ए.पी. लखनऊ	के.एम.. अनन्तरामैया टी.वी. रमणैया
8.	एनसीडीसी का अध्ययन चीनी मिलें और चीनी मिलों का गौण उत्पाद	एन.सी.डी.सी., नई दिल्ली	टी.पी. गोपालस्वामी वी. नागदेवरा
9.	शिमोगा में टीएलसी निष्पादन का बाह्य मूल्यांकन	अक्षरतुंगा शिमोगा, कर्नाटक	मालती सोमैय्या
10.	ऊर्जा क्षेत्र में निवेश नीतियाँ	वित्त मंत्रालय, भारत सरकार	वी. रंगनाथन
11.	बेंगलूर में ऑटो की उच्चतम सीमा	परिवहन आयुक्त, बेंगलूर	टी.वी. रमणैया के.एम. अनन्तरामैया
12.	शिक्षा की कार्य योजना	सार्वजनिक संस्थान आयुक्त, बेंगलूर	एस. नयनतारा

9. स्थापना दिवस

28 अक्टूबर, 1993 को भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर ने 20 वर्ष पूरे कर लिये हैं। परिसर में 20वें स्थापना दिवस पर सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। स्थापना दिवस कार्यक्रम का मुख्य अंश थरमैक्स लिमिटेड, पूना के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री रोहिनटन डी. आगा का (उदारीकरण से कौन डरता है) ''हू इज़ अफ्रेड ऑफ लिब्रलाइज़ेशन''? नामक शीर्षक पर व्याख्यान था। भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के निदेशक प्रोफेसर के.आर.एस. मूर्ति ने संस्थान और उसके कार्यकलापों पर भाषण दिया।

मराठवाड़ा क्षेत्र में भूकम्प से हुए सर्वनाश के कारण इस वर्ष स्थापना दिवस समारोह जोर-शोर से नहीं मनाया गया। खेलकूद प्रतियोगिताएँ रद्द कर दी गई थीं। फिर कर्मचारियों, छात्रों, अधिकारियों, संकाय सदस्यों और उनके परिवार द्वारा व्यंग्य रूपक, नृत्य, संगीत से सजा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम प्रोफेसर एस. संपगीरामैय्या की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा आयोजित किया गया था।

10. संकाय

31 मार्च, 1994 तक संकाय सदस्यों की स्थिति निम्नलिखित थी :

निदेशक

डॉ. के.आर.एस. मूर्ति

प्रोफेसर

1. वी. आनन्द राम
2. के. एम. अनन्तरामैया
3. पी. जी. आप्टे
4. पी. भास्करन
5. जे. सी. भाटिया
6. बी. के. चन्द्रशेखर
7. एम. एन. चारी
8. चिरंजिब सेन
9. बी. घोष
10. गीता सेन
11. एम. आर. गोपालन
12. टी. पी. गोपालस्वामी
13. आर. के. हरलेकर
14. इंदिरा एस. राजारमन
15. एस. जगदीश
16. एम. झा
17. कल्याणी गाँधी
18. वी. बी. कौजलगी
19. एस. कृष्णा
20. एस. जी. लेले
21. टी. एस. नागभूषण
22. वी. नागदेवरा
23. एन. नागण्णा
24. के. बी. नायर
25. प्रसन्न चन्द्रा
26. प्रीतम सिंह
27. टी. वी. रमणय्या
28. रमेश मेहता
29. रंजीत धर
30. वी. रंगनाथन
31. ए. के. राव
32. एस. शिव रामू
33. श्यामल रॉय
34. सुब्बारायन प्रसन्ना
35. वी. के. तिवारी
36. पी. एन. तिरूनारायण
37. आर. वैद्यनाथन
38. आर. के. विजयसारथी
39. एम. जे. ज़ेवियर

एसोसिएट प्रोफेसर

1. सी. मनोहर रेड्डी
2. मीरा बखरू
3. बी. नरसिंगा राव
4. आर. नारायणस्वामी
5. बी. आर. पाटिल
6. प्रसाद लक्ष्मणन
7. प्रेम चन्दर
8. आर. रविकुमार
9. एस. संपंगिरामैया
10. सुन्दरराजन
11. सोमनाथ घोष

सहायक प्रोफेसर

1. जनत शाह
2. बी. महादेवन
3. मालती सोमय्या
4. एल. एस. मूर्ति
5. एस. नयनतारा
6. एस. रघुनाथ
7. एस. राजगोपालन
8. जे. रामचन्द्रन
9. रामनाथ नारायणस्वामी
10. शरत चन्द्र दावला
11. बी. शेखर
12. एन. हरिकृष्णन

अभ्यागत संकाय

1. एस. वी. बोकिल
2. एस. चन्द्रशेखर
3. जॉर्ज वर्गीज़
4. एन. राघवन
5. एम. आर. राव
6. वेकट आर. इलेस्वरपु

10.1 नियुक्तियाँ

वर्ष के दौरान चौदह संकाय-सदस्य, सात काडर और सात अभ्यागत प्रोफेसरों ने नियुक्त होने पर संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया, जबकि दो संकाय सदस्य सेवा निवृत्त हुए। चार आन्तरिक संकाय सदस्य — दो एसोसिएट प्रोफेसर और दो प्रोफेसर के पद पर चयनित किए गए थे। इसके साथ 31 मार्च, 1994 तक संकाय सदस्यों की संख्या बढ़कर 68 हो गइ थी - 62 काडर और 6 अभ्यागत प्रोफेसर ।

संकाय नियुक्तियाँ

काडर		
शरत कुमार धावला सहायक प्रोफेसर	संगठनात्मक व्यवहार, कार्मिक प्रबंधन एवं औद्योगिक संबंध	1 अप्रैल, 1993
मिथिलेश्वर झा प्रोफेसर	विपणन	7 मई, 1993
प्रीतम सिंह प्रोफेसर	संगठनात्मक व्यवहार, कार्मिक प्रबंधन एवं औद्योगिक संपर्क	20 मई, 1993
एन. हरिकृष्णन सहायक प्रोफेसर	अर्थशास्त्र एवं समाज विज्ञान	7 फरवरी, 1994
चिरंजिब सेना प्रोफेसर	अर्थशास्त्र एवं समाज विज्ञान	16 अगस्त, 1993
गीता सेन प्रोफेसर	अर्थशास्त्र एवं समाज विज्ञान	16. अगस्त, 1993
सोमनाथ घोष एसोसिएट प्रोफेसर	संगठनातमक व्यवहार, कार्मिक प्रबंधन एवं औद्योगिक संबंध	22 दिसंबर, 1993
अभ्यागत संकाय		
एम० आर० राव	परिमाणात्मक पद्धतियाँ और सूचना प्रणालियाँ	10 जून, 1993 से 8 अगस्त, 1994
एन० हरिकृष्णन	अर्थशास्त्र एवं समाज विज्ञान	5 जुलाई, 1993 से 4 जुलाई, 1994
अविनाश कुमार वर्मा	वित्त एवं नियंत्रण	7 जुलाई, 1993 से 6 जुलाई, 1994
एन० राघवन	कंपनी कार्यनीति एवं नीति	20 अगस्त, 1993 से 19 अगस्त 1994
वेंकट आर० इलेस्वरपु	वित्त एवं नियंत्रण	26 अगस्त, 1993 से 18 जुलाई 1994
एस० चन्द्रशेखर	कंपनी कार्यनीति एवं नीति	1 सितंबर, 1993 से 31 जुलाई 1994
बी०एम० पटेल	वित्त एवं नियंत्रण	20 सितंबर, 1993 से 9 दिसंबर, 1993

आन्तरिक

प्रेमचन्द्र एसोसिएट प्रोफेसर	वित्त एवं नियंत्रण	15 अप्रैल, 1993
सी. मनोहर रेड्डी एसोसिएट प्रोफेसर	संगठानत्मक व्यवहार, कार्मिक प्रबंधन एवं औद्योगिक संबंध	7 मई 1993
एम. जे. ज़ेवियर प्रोफेसर	विपणन	28 सितंबर, 1993
कल्याणी गॉधी प्रोफेसर	संगठानत्मक व्यवहार, कार्मिक प्रबंधन एवं औद्योगिक संबंध	6 अक्टूबर 1993

10.2 चेयर प्रोफेसर

पूँजी बाजार अध्ययन हेतु यूटीआई चेयर

यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया यूटीआई पूँजी बाजार अध्ययन के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर मे संकाय चेयर की स्थापना करने के लिए 15 लाख रूपये की अक्षय निधि का सृजन किया गया है। यूटीआई चेयर इन कैपीटल मार्केट स्टडीज़ के लिए प्रोफेसर **पी. जी. आप्टे** (अंतर्राष्ट्रीय वित्त) एवं **आर. वैद्यनाथन** (वित्त) के नामों की स्वीकृति यूटीआई से प्राप्त हो गई। उनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1994 से 31 दिसंबर, 1996 तक 3 वर्ष का होगा।

यूटीआई इंस्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट्स (यूटीआई-आईसीएम) के साथ चेयर प्रोफेसर अन्वेषकों को मार्गदर्शन एवं सलाह देंगे।

सिस्टम्स हेतु सुरेन्द्र पॉल मेमोरियल चेयर

आसाम फ्रन्टीयर टी लिमिटेड, कलकत्ता ने 12 लाख रूपये की अक्षय निधि से भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर मे सिस्टम्स में सुरेन्द्र पॉल मेमोरियल चेयर संस्थापित किया है। इस का उद्देश्य भारत के लिए सूचना प्रोद्योगिकी और उसकी सामरिक विवक्षा से संबधित अद्ययन को बढ़ाना था।

प्रोफेसर **वी. बी. कौजलगी** और **एस. कृष्णा** दोनों को संयुक्त रूप से । जनवरी, 1994 से 31 दिसंबर, 1996 तक, तीन वर्ष की अवधि के लिए इसका चेयर प्रोफेसर बनाया गया है।

प्रबंध हेतु बी. ई. एल. चेयर

रमेश मेहता को प्रबंधन में बीईएल चेयर हेतु 1 जनवरी, 1994 से 3 वर्ष के लिए नियुक्त किया गया है। चेयर प्रोफेसर बीईएल के मुख्या विषयों के लिए बीईएल को प्रत्येक वर्ष अभिदान देंगे।

1994 का विषय संगठनात्मक संरचना होगा जो उच्च तकनीकी फर्म के लिए उपोयगी होगा। प्रोफेसर मेहता बीईएल के वरिष्ठ प्रबंधकों के साथ सावधिक बैठक करेंगे।

10.3 पुनः कार्यग्रहण

- संगठनात्मक व्यवहार, कार्मिक प्रबंधन एवं औद्योगिक संबंध क्षेत्र के एसोसिएट प्रोफेसर प्रसाद लक्षमणन ने 15 सितंबर, 1993 को पुनः कार्यग्रहण किया। वे 1 जुलाई, 1993 से 19 सितंबर, 1993 तक निजी कार्य से असाधारण छुट्टी (अवैतनिक) पर अमरीका गए थे।
- स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रोफेसर बी. घोष ने स्वास्थ्य मंत्रालय ओमान सल्तनत के साथ अपना समनुदेशन पूर्ण करने के पश्चात् 25 अक्टूबर, 1993 को पुनः कार्यग्रहण किया। वे 30 सितंबर, 1991 से 24 अक्टूबर, 1993 तक असाधारण छुट्टी (अवैतनिक) पर थे।

10.4. असाधारण छुट्टी

प्रोफेसर एस. जगदीश की 31 मई, 1993 से 30 मई, 1994 तक ''क्वॉलिटि ऑफ सर्विस ऑडिट पर मार्केटिंग एंड बिजनेस एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड बेंगलूर के सहयोग से गैल्लप द्वारा लगाई गई नई बेंगलूर-बेस्ड कंपनी क्यूएसए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बेंगलूर के साथ समनुदेशन पूरा करने के लिए एक वर्ष की असाधारण छुट्टी मंजूर की गई।

10.5 विश्राम अवकाश

- डॉ. ए. के. राव ने 1 मई 1992 से 20 अप्रैल, 1993 तक विश्राम अवकाश समाप्त कर 1 मई, 1993 को कार्यग्रहण किया ।
- डॉ. टी.पी.गोपालस्वामी ने 1 जुलाई, 1992 से 30 जून 1993 तक विश्राम अवकाश समाप्त कर 1 जुलाई, 1993 को कार्यग्रहण किया।
- प्रोफेसर कल्याणी गाँधी ने 18 अगस्त, 1992 से 17 अगस्त, 1993 तक का विश्राम अवकाश समाप्त कर 18 अगस्त, 1993 को कार्यभार ग्रहण किया थे |
- डॉ. रमेश जी. तगत, प्रोफेसर जो 9 जनवरी, 1992 से 8 जनवरी, 1993 तक विश्राम अवकाश पर थे, उन्हें स्वैच्छिक सेवानावृत्ति पर 31 दसंबर, 1993 को संस्थान से कार्यमुक्त किया गया।
- प्रोफेसर बी. आर. पाटिल हिन्दुस्तान फ़ोटो फ़िल्म्स, ऊटी में वरिष्ठ कार्यपालक मानव संसाधन के रूप में समनुदेशन कार्य करने के लिए 14 जून, 1993 से 13 जून, 1994 तक विश्राम अवकाश पर गए थे |
- प्रोफेसर श्यामल रॉय 15 फरवरी, 1994 से 14 फरवरी, 1995 तक विश्राम अवकाश पर गए हैं।

10.6 सेवानिवृत्ति

- अर्थशास्त्र एवं समाज विज्ञान क्षेत्र के प्रोफेसर पी.वी. जॉर्ज 30 नवंबर, 1993 को अधिवर्षिता आयु तक पहुँचने के कारण सेवा निवृत्त हो गए |
- प्रोसेर रमेश तगत, जिन्होंने 1979 में संस्थान मे कार्यग्रहण किया था, उन्होंने 31 दिसंबर, 1993 को संस्थान से स्वैच्छिक सेवा निवृतत्ति प्राप्त की |

10.7 ठेके की समाप्ति

- प्रोफेसर आर. के. लाल, अभ्यागत संकाय को ठेके नियुक्ति अवधि की समाप्ति पर 2 अक्टूबर, 1993 को कार्यमुक्त कर दिया गया।
- विपणन क्षेत्र के अभ्यागत संकाय, प्रोफेसर अमिताभ चट्टोपाध्याय, जिन्होंने 2 नवंबर, 1992 को एक वर्ष के ठेके पर संस्थान मे कार्यभार ग्रहण किया था, उन्होंने 31 अगस्त, 1993 को संस्थान छोड़ दिया |
- वित्त एवं नियंत्रण क्षेत्र के अभ्यागत संकाय, प्रोफेसर अविनाश कुमार वर्मा जिन्होंने 7 जुलाई, 1993 को दो वर्ष के ठेके पर कार्यभार ग्रहण किया था, वे 9 दिसंबर, 1993 को संस्थान छोड़ कर गये ।

10.8 फुल्ब्राइट स्कालर्स

कोलरेडो विश्वविद्यालय, यूएसए के डॉ. जेम्स एस नेल्सन ने संस्थान में 29 जुलाई, 1993 से 30 सितंबर, 1993 तक फुल्ब्राइट अनुदान के तहत् विपणन क्षेत्र में अभ्यागत संकाय के रूप में कार्य किया |

बाल्टिमोर विश्वविद्यालय, यूएसए, के डॉ. आर.आर. वेमुगन्ती संस्थान में 3 अगस्त, 1993 से 17 से नवंबर, 1993 तक फुल्ब्राइट अनुदान के तहत् अभ्यागत संकाय थे |

10.9 इंडो-ईईसी विनिमय कार्यक्रम

निम्नलिखित संकाय सदस्य प्रबंध विद्यालयों के मध्य, सहयोग पर यूरोपियन आर्थिक आयोग भारत सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजना के तहत् 9 महीने का अभ्यागत समनुदेशन पूरा कर वापस लौट आए थे :

- आर. रविकुमार एसोसिएट प्रोफेसर — ईएसएडीई, बार्सीलोना — 1 अक्टूबर, '92 से 26 जून, '93
- आर. के. विजयसारथी प्रोफेसर — निजेनरोड विश्वविद्यालय नीदरलैंड्स — 1 अक्टूबर, '92 से 26 जून, '93 तक

समान कार्यक्रम के तहत् प्रोफेसर जे. रामचन्द्रन अभ्यागत संकाय के रूप में 1 अक्टूबर, 1993 से 30 जून, 1994 तक 9 महीने के लिए आईएनएसईएडी, फ्रांस चले गए हैं।

10.10 व्यावसायिक गतिविधियाँ

अखिल भारतीय प्रबंध संघ (एआईएमए) का 20 वाँ राष्ट्रीय प्रबंध सम्मेलन 9-10 अप्रैल, 1993 को बेंगलूर में आयोजित किया गया था। सम्मेलन के भाग के रूप में वाशिंगटन डी. सी. यूएसए और बेंगलूर के बीच युएसआईएस की ''वर्ल्डनेट डायलॉग'' पर एक लघु सम्मेलन आयोजित किया गया। श्री रमेश गेल्ली, अध्यक्ष, एआईएमए और वैश्या बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष के साथ भारतीय प्रबंध संस्थान के निदेशक, प्रोफेसर के. आर. एस. मूर्ति ने सम्मेलन की मध्यस्थता की। वर्जीनिया विश्वविद्यालय, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, के प्रोफेसर रिचर्ड क्रॉफोर्ड यूएस के लिए विशेषज्ञ थे।

एस. नयनतारा ने रिसोर्स पर्सन के रूप में 27 मई, 1993 को कोलार जिले के कोर ग्रुप के सदस्यों के लिए जिला योजना की तैयारी और कार्यान्वयन हेतु कोलार (कर्नाटक) में एक कार्यशाला चलाई।

जे. सी. भाटिया ने 26-28 अप्रैल, 1993 को उड़िया स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परियोजना प्रबंधन के आमंत्रण पर जिला स्वास्थ्य प्रबंध व्यवस्था पर पुरी में आयोजित सेमिनार में भाग लिया।

रमेश मेहता ने टी. ए. पाई प्रबंध संस्थान, मणिपाल के आमंत्रण पर प्रबंध अध्ययन मंडल का सदस्य बनना स्वीकार किया।

टी. वी. रमण्या ने परिवहन व्यवस्था अध्ययन 1993 पर तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन की संचालन समिति का सदस्य बनने का अनुरोध स्वीकार किया।

प्रसन्न चंद्रा ने ''रीफॉमर्स इन दी इंशोरेन्स सेक्टर'' पर उच्चाधिकार समिति का सदस्य बनने का, भारत सरकार का आमंत्रण स्वीकार किया।

मालती सोमय्या ने समाज विकास ट्रस्ट-एक गैरलाभ स्वैच्छिक संगठन, जो विकलांग बच्चों के कल्याण के लिए कार्य करती है, का सदस्य बनने का आमंत्रण स्वीकार किया।

परिमाणात्मक पद्धतियाँ एवं सूचना व्यवस्था क्षेत्र के वी. बी. कौजलगी ने 7 और 29 अक्टूबर, 1993 को केनरा बैंक, बेंगलूर के लिए ''डिसिज़न सपोर्ट सिस्टम्स'' पर कंप्यूटर शिक्षण केन्द्र में सेमिनार संचालित किया।

संगठनात्मक व्यवस्था, कार्मिक प्रबंधन और औद्योगिक संबंध क्षेत्र के एस. जी. लेले ने निम्नलिखित विषयों पर व्याख्यान दिए :

i 9 अक्टूबर, 1993 को ''मैनेजमेंट ऑफ चेंज'' पर एचएएल के वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए उनके स्टॉफ कॉलेज में।

ii 11 नवंबर, 1993 को बेंगलूर में कैनरा बैंक के कार्यपालक प्रभाविता कार्यक्रम में।

वित्त एवं नियंत्रण क्षेत्र के एस. सुन्दरराजन से भारत के सनदी लेखाकार संस्थान, नई दिल्ली द्वारा अनुरोध किया गया कि :

i. राजकोषीय एवं कंपनी विधि पर 25 वें अखिल भारतीय सेमिनार में संकाय सदस्य के रूप में उपस्थि रहकर ''एकाउंटिंग स्टैन्डर्ड्स'' पर पेपर प्रस्तुत करें।

ii. आईसीएआई छात्र के लघु शोध प्रबंध के परीक्षण हेतु निर्देशी बनें।

iii. बैंक लेखापरीक्षा से संबंधित वैचारिक मामलों को निपटाने के लिए गठित विशेष समिति के सदस्य बनें।

iv. 15 अक्टूबर, 1993 को दिल्ली में समूह की पहली बैठक में भाग लें।

भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के निदेशक डॉ. के. आर.एस. मूर्ति ने 10 नवंबर, 1993 को होटल विंडसर मैनर बेंगलूर में जेनरल इलैक्ट्रिक के ''प्रबंध विकास कार्यक्रम'' में ''रीओरियेंटिंग मैनेजमेंट एजूकेशन टु दी न्यू इमर्जिंग इन्वारान्मेंट'' पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने 19 नवंबर,1993 को भारतीय विज्ञान संस्थान के राष्ट्रीय प्रबंधक सम्मेलन के दीक्षांत समारोह में ''सेल्फ डेवल्पमेंट — कन्ट्रीब्यूशन ऑफ दर्शन ऐंड इंडियन थॉट'' के विषय पर अध्यक्षता भी की।

शिक्षा सेक्टर की सहायक प्रोफेसर मालती सोमय्या टेक्नीकल टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, (टीटीटीआई), भोपाल गईं। वे टीटीटीआई द्वारा संचालित किए जाने वाले वरिष्ठ प्रशासक कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करने में संकाय सदस्यों की सहायता करेंगी।

ऊर्जा क्षेत्र के वी. रंगनाथन निम्नलिखित व्यावसायिक कार्यकलापों में सम्मिलित थे :

i. वे केन्द्रीय ग्रामीण विद्युतीकरण संस्थान सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल इलैक्ट्रीफिकेशन के प्रशिक्षण कार्यक्रम को अधिक लाभप्रद बनाने के लिए नवीन दृष्टिकोण पर सुझाव देने हेतु ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा गठित समिति के सदस्य नियुक्त हुए थे।

ii. उन्होंने 26 मार्च, 1993 को ग्रामीण विद्युतीकरण निगम, नई दिल्ली की बोर्ड बैठक में भाग लिया।

iii. उन्होंने 20-21 मई, 1993 को एसबीआई स्टाफ ट्रेनिंग कॉलेज, बेंगलूर के प्रशिक्षण कार्यकम में प्रतिभागियों को संबोधित किया।

iv. उन्होंने तमिलनाडु विद्युत बोर्ड के अध्यक्ष से केडीएसटी परियोजना के लिए वायु ऊर्जा के मूल्य निर्धारण पर परामर्श हेतु 5 अप्रैल, 1993 को मद्रास गए।

v. उन्होंने संयुक्त सलाहकार (परियोजना मूल्यांकन) के चयन हेतु संघ लोक सेवा आयोग की नामिका के सदस्य के रूप में 19-20 अक्टूबर, 1993 को नई दिल्ली में कार्य किया।

vi. केन्द्रीय ग्रामीण विद्युतीकरण संस्थान के पुनरीक्षण के संबंध में 18 अक्टूबर, 1993 को हैदराबाद गए।

vii. ग्रामीण विद्युतीकरण कॉरपोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली में 2 नवंबर, 1993 को 21 वी बोर्ड बैठक में भाग लिया।

viii. केन्द्रीय ग्रामीण विद्युतीकरण संस्थान हैदराबाद में 3 नवंबर, 1993 को पुनरीक्षण समिति की बैठक में भाग लिया।

ix. केन्द्रीय ग्रामीण विद्युतीकरण संस्थान के समिति कार्य के संबंध में 5 नवंबर, 1993 को त्रिवेन्द्रम गए।

x. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली द्वारा कार्यदल का सदस्य नियुक्त किया गया जिसका कार्य प्रबंध संस्थान और कार्यक्रमों को अनुमोदन देना था।

xi. 31 दिसंबर, 1993 को मद्रास में भारत के संस्थानों और विश्वविद्यालयों से प्रबंध पाठ्यक्रम के अनुमोदन हेतु एआईसीटीई विशेषज्ञ समिति की पहली बैठक में भाग लिया।

xii. 7 जनवरी, 1994 को हैदराबाद में केन्द्रीय ग्रामीण विद्युतीकरण संस्थान की सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

गुणात्मक पद्धती एवं सूचना व्यवस्था क्षेत्र के प्रोफेसर ए. के. राव को प्रबंध संस्थान, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर मध्य प्रदेश में एमबीए पाठ्यक्रम हेतु अभ्यागत संकाय नियुक्त किया गया था।

उन्होंने 14 फरवरी, 1994 को बेंगलूर में भारत की ऑपरेशन रिसर्च सोसायटी, बेंगलूर शाखा के सदस्यों को ''इकोनोमिक साइजिंग ऑफ वेयर हाउज़'' पर व्याख्यान दिया।

वित्त एवं नियंत्रण क्षेत्र के अभ्यागत संकाय वेंकट आर. इलेस्वरपु ने 25 नवंबर, 1993 को गौहाटी में पूँजी बाजार अनुसंधान एवं विकास समिति द्वारा प्रायोजित बाजार प्रतिभूतियों पर आयोजित सेमिनार में भाग लिया। उन्होंने ''इनहैन्सिंग दी स्टॉक मार्केट लिक्विडिटी इन इंडिया'' पर पेपर प्रस्तुत किए।

अर्थशास्त्र एवं समाज विज्ञान क्षेत्र की गीता सेन ने निम्नलिखित गतिविधियों मे भाग लिया :

i. 25 नवंबर, 1993 को जयपुर में भारतीय स्वास्थ्य प्रबंध अनुसंधान संस्थान में डेमोग्राफ़िक ट्रॉंज़ीशन एंड डेवलप्मैंट आल्टरनेटिव्स पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

ii. 1 दिसंबर,1993 को एसईडब्ल्यूए, अहमदाबाद में पापुलेशन स्ट्रेटिजी पर हुई बैठक में भाग लिया ।

iii. 4 से 5 जनवरी, 1994 तक सीआरआई ब्रेदर्स इंस्टीट्यूट में न्यू पॉपुलेशन पॉलिसी पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।

ऊर्जा सेक्टर के के. बी. नायर 25-26 नवंबर, 1993 को केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम, त्रिवेन्द्रम गए थे।

परिवहन सेक्टर के टी. वी. रमणैया 20 से 24 नवंबर, 1993 को बेंगलूर में भारतीय रोड समिति के 54वें वार्षिक अधिवेशन में प्रतिनिधि थे।

स्वास्थ्य सेक्टर के बी. घोष ने 19-21 दिसंबर, 1993 के दौरान बंबई में भारतीय परिवार नियोजन संघ के रीसोर्स डेवल्पमैंट पर आयोजित कार्यशाला में भाषण दिया।

अर्थशास्त्र एवं समाज विज्ञान क्षेत्र की इंदिरा राजारमन ने वित्त मंत्री, भारत सरकार की पूर्व-बजट परामर्श बैठक में 3 दिसंबर, 1993 को नई दिल्ली में भाग लिया।

मानव रिहायश और पर्यावरण संबंधी अध्ययन के वी. के. तिवारी को एचईएलपी (सोसायटी फॉर हेल्थ ऐंड एज्यूकेशन ऐंड लर्निंग पैकेजिज़), नई दिल्ली को सलाहकार परिषद् का सदस्य नियुक्त किया गया।

उन्होंने अयोवा सिटी विश्वविद्यालय, यूएसए के डॉ. जेरॉर्ड रश्टन, भूगोल के प्रोफेसर के साथ राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन परियोजना (एनएसएफ), ''डिसीशन सपोर्ट सिस्टम्स फॉर इम्प्रूविंग दी लोकेश्नल एफीशेन्सी ऑफ सर्विस सिस्टम'' के संबंध में मुख्य सचिव जिला परिषद् मैसूर के साथ योजना अंतिमता बैठक में 8 से 9 दिसंबर, 1993 को मैसूर में भाग लिया।

आर. वैद्यनाथन ने 28 दिसंबर, 1993 को सेरले (इंडिया) लिमिटेड के वरिष्ठ कार्यपालकों को ''शार्ट-टर्म फाईनेन्शियल मैनेजमेंट - इमर्जिंग ट्रेन्ड्स'' पर बंबई व्याख्यान दिया।

अंतर्राष्ट्रीय उत्पादन अनुसंधान जरनल के संपादकीय बोर्ड के अनुरोध पर बी. महादेवन निर्देशी नामिका के सदस्य के रूप में सहकर सेवा करने के लिए सहमत हो गए।

पी. जी. आप्टे ने इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय नई दिल्ली के प्रबंध शिक्षा कार्यक्रमों का पुनर्विलोकन करने के लिए गठित समिति का सदस्य बनने का अनुरोध स्वीकार किया।

उन्हें भारत के सनदी वित्तीय विश्लेषण संस्थान (आईसीएफएआई) हैदराबाद द्वारा सीएफए — एमबीए संयुक्त कार्यक्रम की सलाहकार समिति का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया।

भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के निदेशक के. आर. एस. मूर्ति 25 जनवरी, 1994 को एमईएस कॉलेज ऑफ आर्ट्स, कामर्स और साइंस, बेंगलूर द्वारा आयोजित ''न्यू फ्रन्टियर्स इन मैनेजमेंट'' पर एक दिन के सेमिनार में मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने 11-12 जनवरी, 1994 को भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा 'एचआईपीईआरएमएटी 94" मे हाई परफार्मेस मैटीरियल्स पर आयोजित सेमिनार में 11 जनवरी, 1994 को मुख्य व्याख्यान दिया।

उन्होंने जॉर्ज वर्गीज़ के साथ ''मैनेजमेंट एजूकेशन'' पर तोलानी शिक्षा फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यशाला में 19 जनवरी, 1994 को बंबई में भाग लिया।

उन्होंने सिद्धगंगा प्रोद्योगिक संस्थान तुमकुर, कर्नाटक द्वारा 17 से 22 जनवरी, 1994 के दौरान चुने हुए अभियांत्रिकी के विषयों पर आयोजित एक सप्ताह लंबी कार्यशालाओं की श्रृंखला के अंतिम भाग में 22 जनवरी, 1994 को दीक्षांत भाषण दिया।

वे अल-अमीन आर्टस्, साइंस ऐंड कामर्स कॉलेज, बेंगलूर के 25 वें कॉलेज दिवस समारोह में 27 जनवरी, 1994 को मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कॉलेज की रजत जयंती समारोह में छात्रों को संबोधित किया।

रामनाथ नारायणस्वामी ने 22 जनवरी, 1994 को बिजनेस प्रोस्पेक्ट्स इन यूरेशिया पर पैनर ग्रुप के लिए व्याख्यान प्रस्तुत किया।

उन्होंने उसी दिन नागार्जुन ग्रुप के लिए बिजनेस प्रोस्पेक्ट्स इन सेंट्रल एशिया पर (दूसरा) व्याख्यान दिया।

रामनाथ नारायणस्वामी ने "बिजनेस प्रोस्पेक्टस इन सीआईएस मार्केट्स" पर आईटीसी एग्रोटेक द्वारा हैदराबाद मे 15 जनवरी, 1994 के आयोजन में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

बी. शेखर और एम. आर. राव ने 20 से 22 दिसंबर, 1993 के दौरान भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलूर में "कम्प्यूटिंग एड इंटेलीजेंट सिस्टम्स पर आयोजित रजत जयंती कार्यशाला में भाग लिया था।

शरत चन्द्र दावला और बी. आर. पाटिल ने 20 से 22 जनवरी, 1994 को बंबई में "चेन्जिग रोल ऑफ एचआरडी इन दी न्यू इकोनोमिक इन्वायरन्मेंट" पर आयोजित राष्ट्रीय एचआरडी नेटवर्क के सम्मेलन में भाग लिया।

परिमाणात्मक पद्धति एवं सूचना व्यवस्था क्षेत्र के एसोसिएट प्रोफेसर बी. नरसिंग राव ने 28-29 जनवरी, 1994 को बेंगलूर में भारत की कंप्यूटर सोसायटी बेंगलूर शाखा द्वारा "टेक्नटालजी फॉर ओपन सिस्टम्स" पर आयोजित सेमिनार में भाग लिया।

के. एम. अनन्तरामैया को एफकेसीसीआई, बेंगलूर की परिवहन समिति में भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर का प्रतिनिधित्व करने के लिए संस्थान द्वारा नामित किया गया।

एस. जी. लेले को धनलक्ष्मी बैंक लिमिटेड के परिवीक्षाधीन अधिकारियों की भर्ती के लिए समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।

एम. आर. राव अभ्यागत संकाय को हैदराबाद में शुक्रवार को आयोजित मौखिक परीक्षा के लिए

बाह्य परीक्षक के रूप में हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आमंत्रित किया गया था।

रमेश मेहता को अखिल भारतीय प्रबंध संघ, नई दिल्ली के तत्वाधान के तहत् गठित प्रौद्योगिक प्रबंध समूह के सदस्य के रूप में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया गया था।

रमेश मेहता और रामनाथ नारायणस्वामी ने 4 से 7 फरवरी, 1994 तक बंगलादेश ढाका में आयोजित एएमडीआईएसए हैदराबाद के तीसरे शैक्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

बी. के. चन्द्रशेखर ने राजीव गाँधी फाउंडेशन्, दिल्ली और सत्यमूर्ति लोकतांत्रिक अध्ययन केन्द्र मद्रास द्वारा 17 से 19 जनवरी, 1994 तक मद्रास में आयोजित "पंचायतीराज" पर दक्षिण क्षेत्रीय कार्याशाला में भाग लिया।

पी. एन. थिरुनारायण ने 21-22 फरवरी, 1993 के दौरान बेंगलूर में किर्लोस्कर इलैक्ट्रिक के व्यापारियों के सम्मेलन में भाग लिया।

10.11 विदेश गमन

रामनाथ नारायणस्वामी ने 27 से 29 मई, 1993 को "प्राइवेटाइजेशन ऐंड फॉरेन इन्वैस्टमेंट इन ईस्टर्न यूरोप" पर सेंटर ऑफ ईस्ट वेस्ट स्टडीज़ ऐंड यूरोपियन इंटीग्रेशन, वेरोना विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लिया। "सम लेसंस ऑफ दी इकोनॉमिक ट्रांसफॉर्मेशन इन ईस्टर्न यूरोप" पर उनके पेपर सम्मेलन की कार्यवाही के बाद इस वर्ष प्रकाशित किए जाएँगे।

विपणन क्षेत्र के अभ्यागत संकाय अमिताव चट्टोपाध्याय 31 मई, 1993 को आईएनएसईएडी, फ्रांस गए और आईएनएसीईएडी के विपणन सेमिनार श्रृंखला में "कलर इन एडवरटाइज़िग" पर पेपर प्रस्तुत किए। उन्होंने 27 मई, 1993 को बार्सीलोना, स्पेन में यूरोपियन विपणन अकादमी के वार्षिक सम्मेलन में "दी रोल ऑफ इमोशन्स इन एडवरटाइज़िग" पर भी पेपर प्रस्तुत किए।

इंदिरा राजारमन 12 से 24 सितंबर, 1993 तक अनुसंधान नीति केन्द्र, नई दिल्ली द्वारा प्रोयजित एवं चाइनीज़ इंस्टीट्यूट ऑफ कन्टेम्पोरेरी इंटरनेशनल रिलेशन्स (सीआईसीआईआर) द्वारा आयोजित 5 सदस्यों के भारतीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में चीन गई थीं। अन्य सदस्य श्री जगत मेहता, भूतपूर्व विदेश सचिव, डॉ. ईशर अहलुवालिया, डॉ. ई. श्रीधरन और डॉ. वी. ए. पाई पणन्दिकर नीति अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली के निदेशक थे। चीन जाने का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों की वर्तमान आर्थिक नीतियों सहित अंतर्राष्ट्रीय एवं द्विपक्षीय विवाद दोनों पर चीन में उच्च स्तरीय गैरसरकारी बातचीत करना था। इससे संबंधित स्थान बीजिंग, शंघाई और कैन्टन थे।

अर्थशास्त्र एवं समाज विज्ञान क्षेत्र की गीता सेन निम्नलिखित स्थानों पर गई :

i. 24 सितंबर, 1993 से 18 अक्टूबर, 1993 तक वॉल्यूम ऑन पॉपुलेशन पॉलिसी की संपादकीय बैठक में भाग लेने के लिए हारवर्ड विश्वविद्यालय गईं। वे इस बैठक में प्रोफेसर लिंकन चेन के साथ हारवर्ड विश्वविद्यालय में सह संपादन कर रही हैं। उन्होंने मैकआर्थर फाउंडेशन के जनसंख्या कार्यक्रम की अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक में भी भाग लिया।

ii. 7 से 10दिसंबर, 1993 तक स्वीडिश एजेंसी फॉर रिसर्च कोआपरेशन (एसएआरईसी) और दी स्वीडिश इंटरनेशनल डेवलप्मेंट एथारिटी (एसआईडीए) द्वारा ''पॉपुलेशन रीकंसीडर्ड, एम्पावरमेंट, हेल्थ ऐंड ह्यूमन राइट्स'' पर आयोजित सम्मेलन में भाग लेने के लिए हरारे, जिम्बाब्वे गईं।

iii. 17 से 28 जनवरी, 1994 तक रियो डी जेनारियो, ब्राजील में आयोजित दो प्रारंभिक सम्मेलनों में भाग लिया। यह सम्मेलन सितंबर, 1994 में पॉपुलेशन ऐंड डेवलप्मेंट पर होने वाले यूएन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित है।

प्रोफेसर वी. रंगनाथन 17 से 19 जून, 1993 तक एएफआरईपीआरईएन की विद्युत समूह बैठक के संबंध में गेबोरोन अफ्रीका गए थे।

वी. के. तिवारी एनएसएफ निधि प्राप्त अनुसंधान परियोजना के संबंध में 4 से 29 सितंबर, 1993 तक अयोवा सिटी और रैडलैंड्स यूएसए गए। उन्होंने 25 से 27 अक्टूबर, 1993 तक फिलीपीन्स के सेबु सिटी में यूएनसीआरडी सेमिनार में भी भाग लिया था।

रिसर्च फैलो एस. टी. एस. रेड्डी 15 से 22 अक्टूबर, 1993 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्रों (आईएआरसीज़) द्वारा आयोजित ''रिलिवेंस ऑफ रिसर्च'' पर हारबर्ट सिम्पोज़ियम में ''ऐंडिंग ऑन ऑड्स : कंट्रीब्युशन्स ऑफ ग्रीन रिवाल्युशन पर पेपर प्रस्तुत करने के लिए स्विस ऐंड के आमंत्रण पर स्वीज़रलैंड गए थे।

एन. नागण्ण एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी द्वारा प्रयोजित प्राकृतिक संसाधन विकास एवं प्रबंध कार्यक्रम में अभ्यागत संकाय के रूप में 12 सितंबर, 1993 से 12 दिसंबर, 1993 तक कार्य करने के लिए बैंकॉक, थाईलैंड गए थे।

एस. कृष्णा तीन माह के लिए भारतीय अध्यापकों / विशेषज्ञों को एशियाई प्रौद्योगिकी संस्थान बैंकॉक के संकाय के स्तर तक लाने हेतु कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 10 जनवरी को बैंकॉक गए।

10.12 नवीन कार्यलापों के प्रधान

अनुसंधान एवं प्रकाशन के अध्यक्ष की सिफारिश पर प्रोफेसर वी. के. तिवारी को आईआईएमबी मैनेजमेंट रिव्यु का संपादक नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर जे. रामचन्द्रन आईएनएसईएडी, फ्रांस गए हैं। उनकी अनुपस्थिति में प्रोफेसर मिथिलेश्वर झा ने अवस्थापन एवं एल्युम्नी के समन्वयक का कार्यभार संभाला।

प्रोफेसर कल्याणी गाँधी ने प्रोफेसर एस. सुन्दरराजन के स्थान पर वित्तीय सहायता समिति के समन्वयक का कार्यभार संभाला।

फुलब्राइट अनुदान के अंतर्गत परिमाणात्मक पद्धति एवं सूचना व्यवस्था क्षेत्र के डॉ. आर. वेमुगंती (बाल्टिमोर विश्वविद्यालय) 17 नवंबर, 1993 को संस्थान से चले गए।

10.13 संकाय बैठकें

निम्नलिखित दिनांक को संकाय बैठकें आयोजित की गई :

नम्बर 165 - 13 मार्च, 1993
नम्बर 166 - 10 जून, 1993
नम्बर 167 - 16 सितंबर, 1993
नम्बर 168 - 21 दिसंबर, 1993
नम्बर 169 - 10 मार्च, 1994

11 क्षेत्र एवं सेक्टर

भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के संकाय सदस्यों ने अपने शिक्षण और परामर्श गतिधियों में 7 क्षेत्रों और 6 सेक्टरों में विशेष अध्ययन किया। प्रत्येक क्षेत्र एवं सेक्टर के कार्यों की रूपरेखा संक्षेप में नीचे दी गई है ।

11.1 वित्त क्षेत्र

11.1.1 संकाय सदस्यों की संख्या: 1993-94 वर्ष के दौरान वित्त क्षेत्र में पाँच नियमित संकाय सदस्य थे | यूएस के तीन अभ्यागत संकायों ने संस्थान में पढ़ाया | इसके अतिरिक्त अतिथि संकाय के रूप में अनेक कार्यरत् व्यवसायियों ने शिक्षण प्रशिक्षण में सहायता की ।

11.1.2. स्नातकोत्तर कार्यक्रम शिक्षण :वर्ष के दौरान निम्नलिखिति ३ क्रेडिटों के सभी मूल पाठ्यक्रम चारों अनुभागों में पढ़ाए गए :

शीर्षक	सत्र	संकाय सदस्य
वित्तीय लेखा	I	आर. नारायणस्वामी
वित्तीय लेखा		एस. सुन्दरराजन
लागत एवं प्रबंध लेखा	II	आर. नारायणस्वामी (2 अनुभाग)
लागत एवं प्रबंध लेखा		एस. शिवकुमार (अतिथि संकाय) (2 अनुभाग)
कंपनी वित्त	III	प्रेम चन्दर जॉर्ज वर्गीज़ (यूएस के अभ्यागत संकाय) वेंकट इलेस्वारपु (यूएस के अभ्यागत संकाय)

वर्ष के दौरान वित्त क्षेत्र ने निम्नलिखित एच्छिक पाठ्यक्रम भी प्रारम्भ किए :

शीर्षक	सत्र	संकाय सदस्य
कराधान	IV	एस. सुन्दरराजन
प्रबंध नियंत्रण पद्धति		प्रेम चन्दर
लघु अवधि वित्तीय प्रबंधन		आर. वैद्यनाथन
वित्तीय सेवाएँ	V	आर. संतानरामन (अतिथि संकाय)
निवेश		आर. वैद्यनाथन
निवेश		अविनाश वर्मा (यूएस के अभ्यागत संकाय)
पूँजीगत व्यय योजना		अविनाश वर्मा (यूएस के अभ्यागत संकाय)
विलयन एवं अभिग्रहण	VI	जॉर्ज वर्गीज़ (यूएस के अभ्यागत संकाय)
वित्तीय सेवाएँ		आर. संतानरामन (अतिथि संकाय)
सामरिक वित्तीय प्रबंधन		प्रसन्न चन्द्रा

11.1.3 एफपीएम शिक्षण : संकाय सदस्यों ने निम्नलिखित एफपीएम पाठ्यक्रम पढ़ाए :

शीर्षक – छात्र	संकाय-सदस्य
कंपनी वित्तीय रिपोर्टिंग - कांति कुमार गेली	एस. सुन्दरराजन
- एज़रिर पी. गनदेवैया	एस. सुन्दरराजन
कंपनी वित्तीय रिपोर्टिंग - कांति कुमार गेली	आर. वैद्यनाथन
- रामराजू	आर. वैद्यनाथन

11.1.4. परामर्श कार्य :

संकाय सदस्य	प्रायोजक	शीर्षक	बजट (रु.)
एस. सुन्दरराजन	भारतीय खाद्य निगम	संगठन संरचना	2,00,000
एस. सुन्दरराजन	भारतीय रिज़र्व बैंक	नाबार्ड की प्रबंध लेखा परीक्षा	2,50,000
एस. सुन्दरराजन	भारत सरकार भारी उद्योग विभाग	एचएमटी द्वारा अपनाई गई व्यवसाय प्रणालियों का पुनरीक्षण	25,000

11.1.5. अन्य व्यावसायिक / शैक्षणिक गतिविधियाँ : संकाय सदस्य निम्नलिखित कई अन्य व्यावसायिक/शैक्षणिक गतिविधियों में व्यस्त थे :

एस. सुन्दरराजन

- भारत के सनदी लेखाकार संस्थान के लेखा मानक बोर्ड के सहयोजित सदस्य |
- ''एकाउंटिग फॉर इफेक्ट्स ऑफ चेंजिज़ इन फॉरिन एक्सचेंज रेट्स '' के लेखा मानकों के पुनरीक्षण हेतु, आईसीएआई द्वारा बनाए गए अध्ययन समूह के समन्वयक के रूप में कार्य किया |
- प्रोफेसर प्रसन्न चन्द्रा द्वारा लिखी गई पुस्तक में निम्नलिखित पाठों को लिखने में सहायता प्रदान की :

प्रोजेक्टस् : प्रिपरेशन, अपरेइज़ल ऐंड इंप्लिमेंटेशन पुस्तक में ''असेसिंग टेक्स बर्डेन'',

फाइनेंस सेंस पुस्तक में ''कॉर्पोरेट टैक्सेशन'',

''**इन्वेस्टमेंट्स गेम पुस्तक में** टैक्सिज़ : दी शेयर ऑफ दी स्टेट'',

आर. वैद्यनाथन

निम्नलिखित पेपर प्रकाशित किए गए :

- प्रोफेसर जे. रामचन्द्रन के साथ ''रीस्ट्रक्चरिंग यूटीआई : दी मिशन डायमेंशन'', **आईआईएमबी वर्किंग पेपर**
- ''एसएलआर रिडक्शन ऐंड एन्करेजिग साइन'', **पाइनियर पेपर**,

- ''स्टॉक मार्केट रिटर्निंग ऐंड वेल्लन (सेटलमेंट पीरियड) इफैक्ट, **चार्टर फाइनेनसियल एनलिस्ट,**

आर. नारायणस्वामी

के सदस्य :

- अमरीकी लेखा संघ
- भारत का सनदी लेखाकार संस्थान
- भारत का लागत एवं निर्माण लेखाकार संस्थान
- भारत का कंपनी सचिव संस्थान

आईसीडब्ल्यूएआई के दक्षिण भारत क्षेत्रीय लागत सम्मेलन में ''कॉस्ट मैनेजमेंट फॉर इंटरप्राइज़ एक्सीलेंस'' पर दिसंबर, 1993 में हैदराबाद में पेपर प्रस्तुत किए।

11.2 उत्पादन और परिचालन प्रबंधन क्षेत्र (पीओएमए)

11.2.1 संकाय सदस्यों की संख्या: प्रोफेसर टी.एस. नागभूषण (अध्यक्ष), एम. आर. गोपालन, एस.एन. चारी, महादेवन और एल.एस. मूर्ति से इस क्षेत्र के संकाय सदस्यों की संख्या 5 हो गई।

11.2.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम शिक्षण: उत्पादन और परिचालन प्रबंधन क्षेत्रो में दो मूल पाठ्यक्रमो के अतिरिक्त निम्नलिखित ऐच्छिक पाठ्यक्रम भी पढ़ाए गए :

- निर्माण कार्यनीति
- सामग्री प्रबंधन
- प्रौद्योगिकी प्रबंधन
- उत्पादन योजना एवं नियंत्रण
- परियोजना प्रबंधन

11.2.3 एफपीएम शिक्षण : श्री कौशिक घटक को उनके लघु शोध प्रबंध ''दी इम्पेक्ट ऑफ न्यू टेकनोलॉजी ऑन दी डायमेंशन्स ऑफ फ्लेक्सिबिल्टी ऐंड कॉस्ट इफिशयूनसि इन ए मेन्युफैक्चरिग सिस्टम — एन एक्सपेरीमेंटल इन्वेस्टीगेशन'' पर फैलो की उपाधि प्रदान की गई। प्रोफेसर एम. आर. गोपालन उनके प्रधान गाइड थे।

11.2.4 प्रबंधन विकास कार्यक्रम:वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम संचालित किए गए :

- क्रय एवं सामग्री प्रबंधन
- प्रौद्योगिकी प्रबंधन

11.2.5 अन्य : निम्नलिखित कार्यक्रमों में संकाय सदस्यो ने मुख्य योगदान दिया या समन्वयन किया

- शिल्पविज्ञानियों के लिए प्रबंध कार्यक्रम
- भारत इलैक्ट्रानिक्स लिमिटेड के लिए संगठन आधारित कार्यक्रम
- नागरिक पूर्ति सेक्टर में वरिष्ठ कर्मचारियों हेतु प्रबंध सूचना व्यवस्था

इसके अतिरिक्त संकाय सदस्यों ने संस्थान द्वारा संचालित, अन्य प्रबंध विकास कार्यक्रम और संगठन आधारित कार्यक्रम तथा अन्य संगठनों द्वारा संचालित, कार्यपालक विकास कार्यक्रमों में योगदान दिया।

संकाय सदस्य अनेक शैक्षणिक प्रशासन संबंधी कार्यकलापों में भी सम्मिलित थे।

11.2.6 परामर्श : वर्ष के दौरान निम्नलिखित परियोजनाएँ प्रारम्भ/पूरी की गई/चल रही है :

- एसडब्यूईडीईसीओआरपी हेतु कर्नाटक की औद्योगिक दशा
- आईटीआई में वर्ष के दौरान असमान उत्पादन
- जनशक्ति निर्धारण - मध्यप्रदेश सरकार

11.2.7 अनुसंधान एवं प्रकाशन: वर्ष के दौरान निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाएँ प्रारम्भ की गई

- भारतीय अभियांत्रिकी उद्योग में निर्माण पद्धतियाँ
- भारत में जेआईटी आधारित निर्माण की स्थिति

व्यावसायिक जरनलों और न्यूज़ मीडिया में निम्नलिखित पुस्तकें या लेख के रूप में प्रकाशन किया गया :

- भारतीय इस्पात उद्योग में परिचालनात्मक अनुसंधान
- परियोजना निरूपण हेतु दृष्टिकोण
- भारतीय उद्योग में वैज्ञानिक और तकनीकी कार्मिकों की तैनाती का विश्लेषण
- मसौदा प्रौद्योगिक नीति
- सही समय परः कुछ सामरिक और प्रचालनात्मक प्रश्न
- सेवा एवं गुणवत्ता
- बजट विहित निर्यात
- निरुद्देश्य घूमना
- साफ्टवेयर निर्यातः क्या उद्योग अपनी दिशा बदलेंगे ?
- आर्थिक सुधार के प्रचार की अनिवार्यता : समय की माँग

11.2.8 केस अध्ययन :वर्ष के दौरान निम्नलिखित केस अध्ययन किए गए:

- सिंडिकेट बैंक - सभी महिला शाखा
- आईएसओ 9000 का कार्यान्वयन
- मध्यप्रदेश नागरिक आपूर्ति निगम

11.3 विपणन क्षेत्र

11.3.1 संकाय सदस्यों की संख्या : 6 नियमित संकाय सदस्यों के अतिरिक्त कुछ अभ्यागत / अतिथि संकाय सदस्यों ने क्षेत्र के कई कार्यकलापों में योगदान दिया।

11.3.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम पाठ्यक्रम : 1993-94 वर्ष के दौरान स्नातकोत्तर कार्यक्रम के छात्रों के लिए नवीन मूल पाठ्यक्रम शुरू किए गए :

1. खुदरा प्रबंधन - I क्रेडिट - VI सत्र, मदरकेयर के श्री पी. अहूजा द्वारा (अतिथि संकाय)
2. विपणन नीति - I क्रेडिट - VI सत्र, जमशेदपुर, एक्सएलआरआई के फॉदर के. सिरियक द्वारा (अतिथि संकाय)
3. सामरिक प्रबंधन में उद्‌गामी प्रवृतियाँ - टाटा चाय के श्री पी. सिंगापोरिया द्वारा (अतिथि संकाय)

कुल 14 ऐच्छिक पाठ्यक्रम शुरू किए गए।

प्रोफेसर पी.एन. थिरुनारायण ने विपणन की वित्तीय सेवाओं पर ऋणेतर प्रतिदर्श प्रस्तुत किया।

11.3.3 एफपीएम पाठ्यक्रम : पहली बार विपणन क्षेत्र में एफपीएम पाठ्यक्रम में एक छात्र को प्रवेश दिया गया। द्वितीय वर्ष एफपीएम के छात्र श्री सैनेश, जिसका मुख्य विषय विपणन था, के लिए निम्नलिखित एफपीएम पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए गए :

1. विपणन में बहुआयामी प्रतिदर्श - एम.जे.ज़ेवियर द्वारा
2. विपणन अंतरापृष्ठ सहित अन्य गतिविधियाँ, एस. शिवरामू द्वारा
3. विपणन सेवाएँ, पी.एन. थिरुनारायण द्वारा
4. विपणन प्रबंधन पर सेमिनार पाठ्यक्रम, मिथिलेश्वर झा द्वारा
5. विपणन में समकालीन संनस्थाएँ - श्री एन. सी. बी. नाथ (अतिथि संकाय) द्वारा

11.3.4 एमडीपी / ओबीपी : विपणन क्षेत्र के संकाय सदस्यों ने निम्नलिखित बाह्य कार्यक्रमों का समन्वयन किया :

1. भारतीय यूनियन बैंक के प्रबंधकों हेतु **सामान्य प्रबन्धन**, एम.जे. ज़ेवियर द्वारा - 5 दिवसीय कार्यक्रम - 25 सहभागी।
2. भारतीय रिजर्व बैंक के प्रबंधकों हेतु **वित्तीय सेवाओं का विपणन,** एम. जे. ज़ेवियर द्वारा, 5 दिवसीय कार्यक्रम - 24 सहभागी।
3. **प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में विपणन,** मिथिलेश्वर झा और एम. जे. ज़ेवियर द्वारा - 5 दिवसीय कार्यक्रम - 18 सहभागी।
4. भारतीय टेलीफोन उद्योग के प्रबंधकों हेतु **उत्पाद - बाजार योजना** पर कार्यशाला रमेश मेहता और एम. जे. ज़ेवियर द्वारा - 5 दिवसीय कार्यक्रम - 30 सहभागी।

5. **सामरिक विपणन कौशल,** आर. के. विजयसारथी द्वारा |

6. **सामान्य प्रबंधन,** टी. पी. गोपालस्वामी और एम. जे. ज़ेवियर द्वारा - 10 दिवसीय कार्यक्रम - 16 सहभागी |

7. **क्रय वार्ताएँ,** पी. एन. थिरुनारायण द्वारा |

8. **विपणन उपभोक्ता उत्पादों के लिए निर्णय लेना,** कल्याणी गाँधी और ए.के. राव - 4 दिवसीय कार्यक्रम |

9. **विज्ञापन और पदोन्नति कार्यनीति,** अमिताव चट्टोपाध्याय (अभ्यागत संकाय) द्वारा - 5 दिवसीय कार्यक्रम |

10. डाबर फ़ार्मास्युटिकल लिमिटेड के वरिष्ठ विपणन कार्यपालकों हेतु **विपणन प्रबंधन,** आर. के. विजयसारथी द्वारा - 5 दिवसीय कार्यक्रम |

11. बीईएल के अधिकारियों हेतु **सामान्य प्रबंधन,** एम. जे. ज़ेवियर, जनत शाह और प्रेम चन्दर के साथ प्रोफेसर आनन्दराम द्वारा - चार माह का कार्यक्रम |

11.3.5 परामर्श :

1. जॉर्ज वर्गीज़ के साथ मिथिलेश्वर झा ने हिन्दुस्तान फोटो फिल्म्स (एचपीएफ), ऊटी के लिए परामर्श समनुदेशन पूरा किया | झा ने हिन्दुस्तान फोटो फिल्म्स हेतु विपणन कार्यनीति पक्ष पर समनुदेशन पूरा किया |

2. आर. के. विजयसारथी ने कर्नाटक ह्यकरघा विकास निगम के लिए विपणन कार्यनीति पर परामर्श समनुदेशन पूरा किया |

11.3.6 अन्य : मिथिलेश्वर झा को 7 मई, 1993 को विपणन श्रेत्र में प्रोफेसर नियुक्त किया गया । प्रोफेसर झा ने जी.बी. पंत कृषि और प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर से बी. टेक (आनर्स) और भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद से प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और फैलो की डिग्री प्राप्त की । भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर में आने से पूर्व प्रोफेसर झा भारतीय प्रबंध संस्थान लखनऊ में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत् थे ।

प्रोफेसर रमेश तगत, जिन्होंने 1979 में संस्थान में कार्य ग्रहण किया था, उन्होंने 31 दिसंबर 1993 को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति प्राप्त की |

आर. के. विजयसारथी केस वर्कशॉप (कार्यशाला) में भाग लेने के लिए पेरिस गए | उन्हें अपने केस **एल्फा फर्मा बी.वी.** के लिए पुरस्कृत किया गया। यह केस अंतर्राष्ट्रीय विपणन में - अंतर सांस्कृतिक प्रबंधन क्षेत्र में है ।

इस क्षेत्र में निम्नलिखितों का आगमन :

1. डॉ. पी. राजन वरदाराजन, खुदरा और विपणन के फोलेय प्रोफेसर और **विपणन जर्नल** के संपादक ने 30 दिसंबर, 1993 को ''मेटामॉरफोसिर इन स्ट्रेटिजी ऐंड प्लानिग'' पर सेमिनार प्रस्तुत किया |

2. फ्लोरिडा विश्वविद्यलय के डॉ. मुरली के. मंत्रला संस्थान में पधारे और 12 जनवरी, 1994 को **''डिफ्यूशन ऑफ फैशन''** पर वार्ता प्रस्तुत की |

3. डॉ. विट्ठल राव कोरनेल विश्वविद्यालय फ्लोरिडा में संकायाध्यक्ष डब्ल्यू मेल्लोट प्रबंध के प्रोफेसर संस्थान में पधारे और 21 जनवरी, 1994 को ''प्राइज़ बंडलिग'' पर वार्ता प्रस्तुत की |

4. कोलोरेडो विश्वविद्यालय, यूएसए के डॉ. जेम्स एस. नेल्सन फुलब्राइट स्कॉलर के रूप में जुलाई - सितंबर, 1993 के दौरान संस्थान में पधारे और ''प्रॉडक्ट मैनेजमेंट'' पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया |

5. मिशिगन फ्लिंट विश्वविद्यालय, यूएसए के प्रोफेसर मधुकर जी अंगुर जुलाई, 1993 के दौरान संस्थान मे पधारे और ''एडवांस मार्केटिग रिसर्च'' पर कुछ व्याख्यान प्रस्तुत किए |

6. मैक्गिल विश्वविद्यालय, कनाडा के प्रोफेसर अमिताव चट्टोपाध्याय दिसंबर, 1992 से

अगस्त 1993 तक नौ महीने संस्थान से जुड़े रहे। इस अवधि के दौरान उन्होंने ''एडवरटाइज़िंग ऐंड कन्ज़्यूमर बिहेवियर'' पाठ्यक्रम प्रारंभ किया। उन्होंने ''एडवरटाइज़िंग'' पर एक प्रबंध विकास कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

11.4 अर्थशास्त्र एवं समाज विज्ञान क्षेत्र

11.4.1 संकाय सदस्यों की संख्या : वर्ष के दौरान इस क्षेत्र में 12 संकाय सदस्य थे उनमें से सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शिक्षण से जुड़े रहे। कुछ संकाय सदस्यों ने अनेक कार्यपालक विकास कार्यक्रमों में भी योगदान दिया।

11.4.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम शिक्षण : 1993-94 वर्ष के दौरान इस क्षेत्र द्वारा निम्नलिखित मूल पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए :

1.	अर्थशास्त्र I : (4 अनुभाग)	सत्र - I, के. बी. नायर और वी. रंगनाथन प्रत्येक ने दो - अनुभागों का समन्वयन किया।
2.	अर्थशास्त्र II (4 अनुभाग)	सत्र II पी. जी. आप्टे, एन. हरिकृष्णन इंदिरा राजारमन श्यामल रॉय
3.	भारतीय अर्थशास्त्र (3 अनुभाग)	आर. धर, चिरंजिब सेन और गीता सेन ने संयुक्त रूप से पढ़ाया
4.	भारतीय विधिक प्रणाली (3 अनुभाग)	बी. के. चन्द्रशेखर और अतिथि संकाय रविशंकर ने संयुक्त रूप से पढ़ाया
5.	भारतीय समाज (4 अनुभाग)	प्रोफेसर मीरा बखरू और प्रोफेसर आर. नारायणस्वामी ने दो-दो अनुभागों का समान्वयन किया

इन मूल पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, इस क्षेत्र के संकाय सदस्यों ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम - II के लिए निम्नलिखित ऐच्छिक पाठ्यकक्रम भी प्रारम्भ किए गए :

1.	अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र	एस. वी. बोकिल
2.	अंतर्राष्ट्रीय वित्त-I और II	पी. जी. आप्टे
3.	औद्योगिक अर्थशास्त्र	के. बी. नायर
4.	गेम सिद्धांत	एन. हरिकृष्णन
5.	राजकोषीय एवं मुद्रा नीति	एस. रॉय
6.	पूर्वी यूरोप में व्यवसायिक संभावनाएँ अर्थिक सुधार और निजीकरण योजना	आर. नारायणस्वामी
7.	''लेसन्स फ्रॉम ईस्ट एशिया इन दी कॉन्टेक्स्ट ऑफ इकॅनॉमिक रीफॉर्म्स'' नामक परियोजना पाठ्यक्रम	सी. सेन

आर. धर, एस. रॉय और मीरा बखरू ने शिल्पविज्ञानियों हेतु प्रबंधन कार्यक्रम में व्यापक योगदान दिया। उन्होंने अर्थशास्त्र और भारतीय समाज प्रतिरूपक पर शिल्पविज्ञानियों हेतु प्रबंध कार्यक्रम चलाया।

11.4.3 एफपीएम शिक्षण : एन. हरिकृष्णन ने उन्नतिशील परिमाणात्मक प्रणाली पर मॉड्यूल ऑन इक्नोमेट्रिक्स पर एंफपीएम पाठ्यक्रम चलाया। प्रोफेसर पी. जी. आप्टे, वित्त क्षेत्र के फैलोशिप प्रबंधन छात्र श्री ज़ेड गनदेवैया हेतु प्रधान मार्गदर्शक के रूप में लगातार कार्य कर रहे हैं। वे वित्त क्षेत्र के फैलोशिप प्रबंधन छात्र सुब्रता रे के लिए टीआरईसी के सदस्य भी थे।

11.4.4 कार्यपालक विकास कार्यक्रम : प्रशिक्षण कार्यकलापों के रूप में पी.जी. आप्टे, आर. धर, एस. रॉय और सी. सेन, प्रत्येक ने एक सप्ताह का भारतीय प्रशासनिक सेवा हेतु संगठन आधारित कार्यक्रम का समन्वयन किया। एस. रॉय ने भी वी. के. तिवारी के साथ मिलकर तीन सप्ताह का भारतीय प्रशासनिक सेवा संगठन आधारित कार्यक्रम का समन्वयन किया। इसके अतिरिक्त

सभी संकाय सदस्यों ने कई संगठन आधारित कार्यक्रम में व्याख्यान दिए । पी.जी. आप्टे ने दिसंबर, 1993 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय कंपनी वित्त पर 5 दिन के प्रबंध विकास कार्यक्रम का समन्वयन किया

11.4.5 परामर्श : पी.जी. आप्टे ने डॉ. जे. एन. चौबे, आईएएस, जो उस समय कर्नाटक सरकार, एचयूडी के सदस्य थे, के साथ संयुक्त रूप से परामर्श परियोजना पूरी की । इसके परिणामस्वरूप ''स्टेबलाइज़ेशन ऐंड इकोनोमिक रीफॉर्म्स इन इंडिया''- ए मेक्रोइक्नोमेट्रिक एनालिसिस'' नामक पेपर साओ पाओलो, ब्राज़ील में पढ़ा गया।

के. बी. नायर ने पी.एन. थिरुनारायण और टी.एस. नागभूषण के साथ स्वीडकॉर्प (एसडब्ल्यूईडीईसीओआरपी) द्वारा प्रायोजित बृहत स्तर, संरचनात्मक और पर्यावरण संबंधी कारक जो, कर्नाटक और केरल राज्य में निजी औद्योगिक कार्यकलापों को प्रभावित करता, पर परामर्श परियोजना पूरी की ।

11.4.6 प्रकाशन : संकाय सदस्यों के अनुसंधान कार्यकलापों के परिणामस्वरूप अनेक प्रकाशन निकाले गए कुछ प्रस्तावित अनुसंधान परियोजनाएँ विभिन्न अवस्थाओं में है । प्रकाशनों की सूची नीचे प्रस्तुत है :

1. पी.जी. आप्टे, पी. सेरकु और एम. काने (1994) : **''परचेसिंग पावर पेरिटी इन दी मीडियम रन''** इंटरनेशनल मनी एंड फाइनेंस जरनल में प्रकाशित होनी है ।
2. आर. धर, एम. आर. राव, और एस. गोयल (1993) : ''ए मल्टीरीज़नल मॉडल फॉर इंडिया, 2000 ए.डी.'' इज़री पाई (द्वारा संपादित) में 15 चेप्टर **क्रियेटिव एंड इन्नोवेटिव एप्रोचिस टु दी साइंस आफॅ मैनेजमेंट,** कोरम बुक्स, वेस्ट पोर्ट कोन्न यूएसए ।
3. आर. धर, (1994) ह्यूमन डेवलप्मेंट इन इंडिया इन ए कम्पेरेटिव कॉन्टेक्स्ट'' वर्किंग पेपर **नं. 60, आईआईएमबी,** मार्च ।
4. आर. नारायणस्वामी (1993) : **टुवर्ड्स ए क्रिटिकल मार्क्ससिस्म,** (अनुवाद), **इकोनॉमिक ऐंड पॉलिटिकल वीक्ली** 21 अगस्त ।

   (1993) : ''दी लॉंग मार्च फ्रॉम दी कमांड इकॉनामिक टु दी मार्केट'' कांता अहूजा और अन्य (द्वारा संपादित) में, **रेजिम ट्रांसफॉरमेशन ऐंड ग्लोबल रिअलायनमेंट्स** सेज प्रकाशन, नई दिल्ली

   (1994), : ''ईस्टर्न यूरोप फ्रॉम स्टेट सोसियलीज़म टु पोस्टसोशियलिस्ट डिप्रेशन '' **इकॅनामिक ऐंड पोलिटिकल वीक्ली** 26 मार्च ।

11.4.7 अन्य : भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर से बाहर संचालित किए गए अनेक सेमिनार और सम्मेलनों में इस क्षेत्र के संकाय सदस्यो ने भाग लिया । सी. सेन आईएसईसी, मेक्स मूलर भवन ऐंड एचआईवीओएस द्वारा संचालित सेमिनार और बेंगलूर प्रबंध संघ द्वारा संचालित सम्मेलन में आमंत्रित सहभागी थे। आर. धर ने बंबई विश्वविद्यालय के सेमिनार और एन. हरिकृष्णन ने भारतीय अर्थमिति समिति की राष्ट्रीय बैठक के सेमिनार में व्याख्यान दिया ।

आर. नारायणस्वामी ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली एएमडीआईएसए, ढाका और बंबई विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मेलनों में पूर्व यूरोप और सोवियत संघ में आर्थिक सुधार से संबंधित अनेक शीर्षकों पर पेपर प्रस्तुत किए।

पी.जी. आप्टे को कंपनियों और संगठनों के अनेको घरेलू प्रशिक्षण कार्यक्रमों में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था ।

11.5 संगठनात्मक व्यवहार, कार्मिक प्रबंधन एवं औद्योगिक संबंध क्षेत्र (ओबीपीएम एवं आईआर)

11.5.1 संकाय सदस्यों की संख्या : इस क्षेत्र में, एक संकाय सदस्य जिसने दिसंबर 1993 में कार्यभार ग्रहण किया, को सम्मिलित कर ग्यारह संकाय सदस्य थे ।

11.2.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम शिक्षण :

पाठ्यक्रम	लीडर
संगठनात्मक व्यवहार - I (4 अनुभाग)	सी.एम. रेड्डी, आर. रविकुमार एन. एम. अग्रवाल (अतिथि संकाय) एवं पी. सिंह
संगठनात्मक व्यवहार - II (4 अनुभाग)	-वी.आनन्दराम (एक अनुभाग) - एल. प्रसाद, आर. रविकुमार और पी. सिंह ने संयुक्त रूप से दो अनुभागों में पढ़ाया - सी.एम. रेड्डी (अतिथि संकाय पी. पड़ाकी और जी. के. वलेचा के साथ पढ़ाया)
मानव संसाधन प्रबंध एवं औद्योगिक संबंध 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम (4 अनुभाग)	शरत दावला (एक अनुभाग) - कल्याणी गाँधी (दो अनुभाग के एचआरएम घटक एक पूर्ण पाठ्यक्रम के बराबर है) ने पढ़ाया । -एस. संपंगीरामैया (दो अनुभागों के औद्योगिक संबंध घटक पूर्ण एक पाठ्यक्रम के बराबर है) -सोमनाथ घोष (एक अनुभाग)
वैयक्तिक एवं अंतर्वैयक्तिक प्रभाविता कार्यशाला (ऐच्छिक)	सी.एम. रेड्डी
वैयक्तिक विकास प्रयोगशाला	आर. रविकुमार

11.5.3 एफपीएम शिक्षण :

छात्र :	वासन्ती श्रीनिवासन
लघुशोध प्रबंध का शीर्षक :	इवाल्यूएटिंग दी एचआरडी फंगशन फ्रॉम ए मल्टीपल कांस्टिट्यूअन्सी अप्रोच लघुशोध प्रबंध
सलाहकार समिति के अध्यक्ष :	वी. आनन्द राम
सलाहकार समिति के अन्य सदस्य :	एल. प्रसाद एवं एस. जी.लेले

11.5.4 अनुसंधान / प्रकाशन

- वी. आनन्द राम द्वारा इकॅनामिक टाईम्स में : रीस्ट्रक्चरिंग इंडियन आर्गेनाइज़ेशन्स चैलेन्जिस एंड रेस्पांस
- डायलेमॉस ऑफ चेंज ऐंड ट्रांस्फॉर्मेशन : मैनेजिंग थ्रू लीडरशिप पी सिंह ऐंड आशा भंडारकर द्वारा 4 से 7 फरवरी, 1994 के दौरान आयोजित तीसरे एएमडीआईएसए शैक्षिक सम्मेलन के पेपर में ।
- आर. रविकुमार , ईएसएडीई, 1993 स्पेन द्वारा स्ट्रेटजीज़ टु चेंज स्ट्रेस प्रोन पर्सनालिटि : ए नॉवल एप्रोच टु स्ट्रेस मैनेजमेंट पर वर्किंग पेपर ।
- आर. रविकुमार, ईएसएडीई, 1993 द्वारा "बुल फाइटिंग : ए बिहेवियरल स्ट्रेटिजि फॉर मैनेजरियल हेल्थ एंड हेपीनेस पर वर्किंग पेपर ।
- आर. रविकुमार द्वारा, ईएसएडीई, 1993 में मैनेजरियल सक्सेस थ्रू ह्यूमर पर वर्किंग् पेपर ।
- आर. रविकुमार, द्वारा इकॅनॉमिक टाईम्स में, 8 अगस्त, 1993 को " मैनेजिंग सक्सेस थ्रू ह्यूमर।
- आर. रविकुमार द्वारा असेंट, टाईम्स ऑफ इंडिया में, 25 जनवरी , 1994 को "एन इनोवेटिव अप्रोच टू मैनेजिंग स्ट्रेस"

- ''हयूमन रिसोर्सस मैनेजमेंट इन इन्फॉरमेशन टेक्नॉलॉजी इंडस्ट्री'' बी.आर. पाटिल, इंडस्ट्रीयल रिलेशन्स : करेंट पर्सपेक्टिव कॉन्फरेंस के पेपर में, 19 से 21 अगस्त, 1993, नई दिल्ली |
- केस ''क्लासिक कॉस्मेटिक्स'' के. गाँधी और ए. के. राव द्वारा |
- दी ईटिऑलॉजी ऑफ आर्गनाइज़ेशनल पॉलिटिक्स : इम्पलीकेशंस फॉर दी इंट्रार्प्रेनर, एल. प्रसाद द्वारा, **एसएएम एडवांस्ड मैनेजमेंट जर्नल** में, समर 1993, वाल्यूम 58, नम्बर 3, पृष्ठ 35 से 41 तक|
- ''आर्गेनाइज़ेशनल पॉलिटिक्स ड्यरिंग दी फॉरमुलेशन ऐंड इम्पलीमेंटेशन ऑफ टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन्स : दी इम्पेक्ट ऑफ स्ट्रक्चर ऐंड प्रॉसेस'' एल. प्रसाद द्वारा (संयुक्त लेखन एएच रूबेंस्टीन के साथ), **विकल्प** (भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद का जर्नल), अप्रैल से जून, 1993, वाल्यूम 18, नम्बर 2, पृष्ठ 13 से 22 तक ।
- ''प्रोजेक्ट सक्सेस ऐंट दी आर ऐंड डी प्रॉडक्शन इंटरफ़ेस'', एल. प्रसाद द्वारा (संयुक्त लेखन एएच रूबेस्टीन के साथ), **प्रॉडक्टिविटि** में, वाल्यूम 34, नम्बर 4, जनवरी - मार्च, 1994 , पृष्ठ 623 से 628 तक
- ''न्यू इकनॉमिक पॉलिसी ऐंड ट्रेड युनियन रेस्पॉन्स'' शरत दावला, **इकनॉमिक ऐंड पॉलिटिकल वीक्ली** में, 19 फरवरी, 1994 |
- ''ऑर्गेनाइज़िंग लेबर इन दी अनआर्गनाइज्ड सेक्टर'' शरत दावला द्वारा, विमेन एंड न्यू इकॅनॉमिक पॉलिसी'' में (नई दिल्ली, एफईएस, 1993).
- ''वर्कर ओनरशिप ऐंड सेल्फ मैनेजमेंट'' शरत दावला द्वारा , ''काउंटडाउन : एस्सेज़ फॉर ट्रेड यून्यनिस्ट्स'' में (नई दिल्ली : एफईएस, 1993).

11.5.5 परामर्श:

- आरएएमसीओ हेतु निष्पादन मूल्यांकन कार्यशाला - कल्याणी गाँधी द्वारा |
- सेफपैक प्लास्टिक्स लिमिटेड के लिए प्रबंध परामर्श, सी. एम. रेड्डी, परियोजना लीडर |

11.5.6 प्रबंध विकास कार्यक्रम:

शीर्षक	समन्वयक
• दल निर्माण एवं संघर्ष प्रबंधन	पी. सिंह
• प्रबंधकीय शैलियाँ एवं निष्पादन	वी. आनन्द राम
• प्रबंधकीय कौशल की प्राप्ति : महिला कार्यपालकों हेतु कार्यक्रम	कल्याणी गाँधी
• सार्वजनिक क्षेत्र के मामलों और चुनौतियों पर एक दिवसीय कार्यशाला	शरत दावला

11.5.7 संगठन आधारित कार्यक्रम :

• बीईएल के कार्यपालकों हेतु 18 सप्ताह का सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम	वी. आनन्द राम समन्वयक
• आईएफएस अधिकारियों हेतु संगठन आधारित कार्यक्रम	वी. आनन्द राम
• भारतीय प्रशासनिक अधिकारियों हेतु 3 सप्ताह का संगठन आधारित कार्यक्रम	संयुक्त समन्वयन
• ओएनजीसी के कार्यपालकों हेतु 3 सप्ताह का संगठन आधारित कार्यक्रम	पी. सिंह
• आईएसआई हेतु 3 सप्ताह का संगठन आधारित कार्यक्रम	पी. सिंह और आर. रविकुमार

11.5.8 शिल्पवैज्ञानिकों हेतु प्रबंध कार्यक्रम:

- संपूर्ण कार्यक्रम समन्वयन :	एस. जी. लेले
- एचओडी ऐंड लर्निंग फ्रॉम सेल्फ मॉड्यूल्स :	एस. जी. लेले द्वारा समन्वयन विभिन्न संगठन आधारित संकाय सदस्यों द्वारा सत्र लिए गए
- एचआरएम ऐंड आईआर मॉड्यूल्स :	शरत दावला द्वारा समन्वयन - विभिन्न एचआरएम ऐंड आईआर संकाय सदस्यों द्वारा सत्र लिए गए
- पर्सनल ग्रोथ लैब (4 दिन)	सी. एम. रेड्डी

11.5.9 अन्य

केलिफोर्निया स्टेट पॉलिटेकनिक विश्वविद्यालय की प्रोफेसर शांति श्रीनिवासन अगस्त से अक्टूबर, 1993 के दौरान अभ्यागत संकाय के रूप में संस्थान में आईं और उन्होंने ''टीक्यूएम'' बिहेवियर ऐंड डाइमेंशन्स ऐच्छिक कोर्स पढ़ाया।

11.6 कंपनी कार्यनीति एवं नीति क्षेत्र

11.6.1 संकाय सदस्यों की संख्या : इस क्षेत्र में 6 संकाय सदस्य (अभ्यागत संकाय सदस्यों सहित) थे। प्रोफेसर रामचन्द्रन 6 महीने (अक्टूबर 93 से मार्च 94 तक) संस्थान के लिए आईएनएसईएडी गए थे।

11.6.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम शिक्षण :

शीर्षक	क्रेडिट्स	छात्रों की संख्या	संकाय सदस्य	सत्र
मूल पाठ्यक्रम :				
व्यवसाय नीति एवं कार्यनीति	4	47	रमेश मेहता	IV
व्यवसाय नीति एवं कार्यनीति	4	47	जे. रामचन्द्रन	IV
व्यवसाय नीति एवं कार्यनीति	4	46	आर. के. लाल	IV
डब्ल्यूएसी I	1	52	आर. के. लाल	I
डब्ल्यूएसी I	1	54	एस. रघुनाथ	I
डब्ल्यूएसी II	1	108 (2 अनुभाग)	एस. रघुनाथ	II
ऐच्छिक पाठ्यक्रम :				
एमओसी	3	24	एस. रघुनाथ	VI
भारतीय उद्यमों का सार्वभौमीकरण	2	50	एस.रघुनाथ	VI

विशिष्ट देशों की अंतरसांस्कृतिक वार्ताओं के समूह सत्र पेपरों पर मारर्गदर्शन एवं चर्चा - 25 छात्र - 4 सत्र (प्रोफेसर एस. रघुनाथ)

उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त, संकाय सदस्य परियोजना रिपोर्टों के मूल्यांकन, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के छात्रों को परामर्श देने, अन्य क्षेत्र के संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किए गए पाठ्यक्रमों पर व्याख्यान देने में व्यस्त थे।

नोट : एक एक अनुभागों के जिम्मेदार प्रोफेसर नयनतारा और एल. एस. मूर्ति की सहायता से, संप्रेषण पाठ्यक्रम संचालित किया गया।

11.6.3. एफपीएम.: संकाय सदस्य निम्नलिखित छात्रों के लिए लघु शोध प्रबंध सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में शामिल थे :

प्रोफेसर जे. रामचन्द्रन	श्री वी. श्रीनिवास
	श्री अंशुकांत तनेजा
प्रेफेसर रमेश मेहता	श्री अंशुकांत तनेजा

11.6.4 अनुसंधान एवं प्रकाशन :

पेपर

- एस. रघुनाथ (प्रधान लेखक) और जे रामचन्द्रन ने ''चेक एवं स्लोवेक गणराज्य: व्यापार के अवसर या भ्रांति?'' पर (आईआईएमबी वर्किंग पेपर नंबर 58, 1994) पर पेपर प्रस्तुत किए गए।
- एस. रघुनाथ (प्रधान लेखक) और जे रामचन्द्रन ने 23 और 25 नवंम्बर, 1992 को बेंगलूर में सीआईएस एवं पूर्वी यूरोप में व्यापार संबंधी अवसरों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''पूर्वी यूरोप में व्यापार संबंधी अवसर - विदेशी उद्यम परिप्रेक्ष्य'' पर पेपर प्रस्तुत किए गए।

  (उपरोक्त पेपर आगामी पुस्तक 'बिज़नेस ऑपर्ट्यूनिटीज़ इन ईस्टर्न यूरोप ऐंड सीआईएस'' में सम्मिलित किया गया है)
- 1 से 3 नवंबर, 1993 को भारत का उद्यमवृत्ति विकास संस्थान, अहमदाबाद द्वारा चेंजिंग रोल ऑफ एसएसआईज़ इन दी लिब्रलाइज्ड सिनारियो पर आयोजित सेमिनार में ''उदारीकरण एवं लघु उद्योग पर उसका प्रभाव - परिचर्या पेपर'' प्रस्तुत किए गए।

केस अध्ययन

एस. रघुनाथ
- टाटा सूचना प्रणाली लिमिटेड
- कार्यपालक विकास भत्ता
- एचसीएल-एचपी लिमिटेड
- ज्ञापनों का प्रारूपीकरण एवं संगठन (साफ्टवेयर पैकेज)

चन्द्रशेखर
- ''उच्च प्रौद्योगिकी विश्व बाजार एवं कंपनी कार्यनीति - संप्रेषण अनुषंगी उद्योग का अध्ययन''

जे. रामचन्द्रन
- दुपहिया उद्योग पर दो द्विभागीय केस

रमेश मेहता
- एशियन पेंट पर केस

11.6.5. कर्यपालक विकास कार्यक्रम

प्रबंध विकास कार्यक्रम :

इस क्षेत्र के संकाय सदस्यों द्वारा निम्नलिखित प्रबंध विकास कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए :

शीर्षक	दिनांक	संकाय सदस्य	सहभागि
सामरिक योजना	17-19 मई, 1993	रमेश मेहता	14
प्रबंध विकास	2-4 फरवरी, 1994	रमेश मेहता	17
वार्ता कौशल	14-16 फरवरी, 1994	एस. रघुनाथ	32
प्रतिस्पर्धात्मक लाभ हेतु प्रौद्योगिकी प्रबंधन	14-18 फरवरी, 1994	एस. चन्द्रशेखर एम. आर गोपालन	9

इस क्षेत्र के संकाय सदस्यों ने अन्य संकाय सदस्यों द्वारा संचालित प्रबंध विकास कार्यक्रमों में निम्नलिखित सत्र लिए:

प्रोफेसर रमेश मेहता	2 सत्र
प्रोफेसर एस. रघुनाथ	4 सत्र

संगठन आधारित कार्यक्रम :

इस क्षेत्र के संकाय सदस्य - प्रोफेसर एस. रघुनाथ ने निम्नलिखित संगठन आधारित कार्यक्रमों का समन्वयन किया :

शीर्षक	दिनांक	सत्र
विदेशी राजनयिकों हेतु संगठन आधारित कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन एवं अंतर सांस्कृतिक व्यवहार	22-26 नवंबर, 1993	2
विदेशी राजनयिकों हेतु संगठन आधारित कार्यक्रम राजनयिकों हेतु प्रबंध प्रतिरूपक	8-12 नवंबर 1993	2

इस क्षेत्र के संकाय सदस्यों ने अन्य संकाय सदस्यों द्वारा समन्वित संगठन आधारित कार्यक्रमों में निम्नलिखित (व्याख्यान) सत्र प्रस्तुत किए थे :

एस. रघुनाथ	38 सत्र
रमेश मेहता	12 सत्र
एस. चन्द्रशेखर	3 सत्र

शिल्प विज्ञानियों हेतु प्रबंध कार्यक्रम

शीर्षक	संकाय - सदस्य	सत्र
प्रौद्योगिकी प्रबंध मापदंड	एस. चन्द्रशेखर	15
निगमित कार्यनीति	एस. रघुनाथ	15
निगमित कार्यनीति — प्रबंधकीय मौखिक संप्रेषण	एस. रघुनाथ	10

11.6.6. परामर्श :

प्रायोजक	संकाय	बजट रु.	पूर्ण होने की तिथि
मैसर्स माइक्रो एडवांस हेतु प्रचानल एवं व्यवसाय कार्यनीति का पुनरीक्षण	एस. रघुनाथ	9,000	जुलाई 1993
भारतीय टेलीफोन उद्योगों हेतु निगमित योजना का निर्माण	रमेश मेहता एस. चन्द्रशेखर	(प्रतिधारक)	जारी है
वैश्या बैंक हेतु सामरिक कार्य योजना और निगमित योजना	रमेश मेहता		अप्रैल 1993
मेसर्स एयरफ्रेट लिमिटेड बंबई के लिए निगमित संकल्पना, उद्देश्य और कार्यनीतियों का विकास	रमेश मेहता		सितंबर1994

प्रौद्यौगिकी सूचना पूर्वानुमान निर्धारण परिषद् से निधीयन सहायता हेतु ''टेकनॉलॉजी प्रइऑरिटीज़ एट नेशनल लेवल'' पर प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

11.6.7 संस्थागत कार्य : इस क्षेत्र के संकाय सदस्य निम्नलिखित संस्थान के कार्यों से जुड़े थे :

1. अध्यक्ष, कार्यपालक विकास कार्यक्रम — रमेश मेहता
2. शिल्पविज्ञानियों हेतु प्रबंध कार्यक्रम शैक्षणिक समिति के सदस्य — जे. रामचन्द्रन एवं एस. रघुनाथ)
3. अवस्थापना समिति और स्नातकोत्तर कार्यक्रम समिति के सदस्य - जे. रामचन्द्रन
4. स्नातकोत्तर प्रवेश कार्य — रमेश मेहता और एस. रघुनाथ
5. परामर्श पुनरीक्षण समिति के सदस्य - रमेश मेहता
6. समन्वयक, कंपनी कार्यनीति एवं नीति क्षेत्र, रमेश मेहता
7. छात्रों को भविष्य परामर्श देना - रमेश मेहता
8 अवस्थापन समन्वयक — जे. रामचन्द्रन
9. बोर्ड हेतु विशिष्ट निधि प्रस्तावों के पालिसी पेपर की रूपरेखा तैयार करने के लिए जिम्मेदार - जे. रामचन्द्रन.

11.7 परिमाणात्मक पद्धतियाँ और सूचना प्रणाली क्षेत्र (क्यूएमआईएस)

11.7.1 **संकाय सदस्य** : इस क्षेत्र में 7 पूर्णकालिक संकाय सदस्य और एक अभ्यागत संकाय थे । एक संकाय सदस्य विश्राम अवकाश पर थे। कृषीय सेक्टर के प्रोफेसर वी. नागदेवरा ने क्षेत्र की गतिविधियों में सक्रिय भाग लिया।

11.7.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम शिक्षण :

शीर्षक	क्रेडिट्स	संकाय-सदस्य	सत्र
मूल पाठ्यक्रम:			
1. परिमाणात्मक पद्धतियॉ-I	3	नरसिंगा राव एस. राजगोपालन वी. नागदेवरा आर. के. हरलेकर	I
2. परिमाणात्मक पद्धतियाँ - II	3	आर. के. हरलेकर एस. राजगोपालन ए. के. राव	II
3. प्रबंध हेतु सूचना प्रौद्योगिकी	3	एस. कृष्णा वी. नागदेवरा नरसिंगा राव	III
ऐच्छिक पाठ्यक्रम :			
1. डेटा स्ट्रक्चर ऐल्गोरिथ्म विधि का परिचय	3	बी. शेखर	IV
2. सिस्टम्स अभिकल्प एवं विकास	3	वी. बी. कौजलगी	IV
3. प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रणालियॉ	3	आर. के हरलेकर	IV
4. विपणन मे परिमाणात्मक पद्धतियॉ	3	एम. आर. राव ए. के. राव	V
5. कृत्रिम प्रतिभा की मौलिक संकल्पना	3	बी. शेखर	V
6. वस्तु उन्मुख सूचना प्रौद्योगिकी	3	एस. कृष्णा नरसिंगा राव	V
7. डेटाबेस प्रबंध प्रणालियाँ	3	वी. बी. कौजलगी	V
8. प्रबंध में डेटा बेस्ड और ज्ञान आधारित प्रयोग	3	बी. शेखर	VI
9. प्रबंधन हेतु कंप्यूटर अनुरूपता	3	नरसिंगा राव	VI
10. प्रचालन अनुसंधान प्रयोग	3	एम. आर. राव एस. राजगोपालन	VI

11.7.3 एफपीएम शिक्षण :

शीर्षक	क्रेडिट्स	संकाय-सदस्य
कंप्यूटर प्रयोग कौशल	3	एम. आर. राव
उन्नत परिमाणात्मक प्रणालियाँ	3	ए. के. राव

मार्गदर्शन

छात्र	संकाय सदस्य
कल्याण गुइन	ए. के. राव (प्रधान गाइड)
कौशिक घटक	एम. आर. राव (सदस्य)
आर. पद्मनाभन	एम. आर. राव (सदस्य)
जेड. गनदेवैय्या	एम. आर. राव (सदस्य)
वी. श्रीनिवास	बी. शेखर (संकाय सलाहकार एवं प्रधान गाइड) एम. आर. राव (सदस्य)

11.7.4 शिल्पविज्ञानियों हेतु प्रबंध कार्यक्रम शिक्षण :

शीर्षक	संकाय - सदस्य	सत्र
कंप्यूटर का ज्ञान	एम. आर. राव	30
कंप्यूटर का प्रयोग	वी. बी. कौजलगी	10

11.7.5 अनुसंधान / प्रकाशन

पुस्तकें

वी. बी. कौजलगी के '' स्ट्रक्चर्ड सिस्टम्स अनालसिस ऐंड डिज़ाइन - एडीआईडी अप्रोच' पर पेपर ओरियंट लॉंगमैन द्वारा प्रकाशन किया जाना है।

पेपर

1. 3 से 5 अक्टूबर, 1993 को बोस्टन, यूएसए में बी . पी. लिंगराज, वी. बी. कौजलगी पलणी स्वामी द्वारा ''प्रोजेक्ट मैनेजमेंट ऐंड इनवेन्ट्री पॉलिसी'' पर उत्पादन और परिचालन प्रबंध समिति की चौथी वार्षिक बैठक में पेपर प्रस्तुत किए गए।
2. जून, 1993 में आर. एस. देसिकन, वी. बी. कौजलगी के ''डेवलप्मैंट्स इन फाइनेंसियल एक्सपर्ट सिस्टम्स'' पर **सीएसआई कम्यूनिकेशन्स**, वाल्यूम 16, नंबर 12 में प्रकाशित।
3. अप्रैल, 1993 में वी. बी. कौजलगी के ''कंप्यूटर जॉब्स ऐंड स्किल्स-ए मैट्रिक्स अप्रोच'' पर **सीएसआई कम्यूनिकेशन्स**, 18, नंबर 9 में प्रकाशित।
4. ए.आर करीम, बी.पी. लिंगराज, वी. बी. कौजलगी के ''स्ट्रेटिजिक मैनेजमेंट ऐंड इन्फॉरमेशन सिस्टम्स - ए काम्बिनेशन फॉर काम्पिटेटिव एडवांस (भाग-1): **इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग जरनल,** भारत । (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
5. ए. आर. करीम, बी. पी. लिंगराज, वी. बी. कौजलगी के ''स्ट्रेटजिक मैनेमेंट ऐंड इन्फॉरमेशन सिस्टम्स-ए कॉम्बिनेशन फॉर काम्पिटेटिव एटवांस (भाग — II) पर **इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग जरनल,** भारत। (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
6. फरवरी, 1994 में वी. बी. कौजलगी के ''सॉफ्टवेयर डेवलेपमेंट ऐंड एक्सपोर्ट - स्ट्राटजिक ऑपरच्युनटीज़ फॉर डेवलपिंग कंट्रीज़'' पर एमडीआईएसए के तीसरे शैक्षणिक सम्मेलन, ढाका, बंगलादेश में प्रस्तुत।

7. पेरिस में, विपणन में सूचना आधारित निर्णय करने पर इएसओएमएआर सम्मेलन, में•ए न्यू एप्रोच टु सेगमेंटिंग मार्केट्स यूज़िंग रेंक ऑर्डर्ड प्रिफरेंसिस पर (प्रोफेसर ज़ेवियर के साथ) पेपर प्रस्तुत किए गए।

8. सेन फ्रांसिस्को में लेखा, लेखा-परीक्षा और कर पर कृत्रिम प्रतिभा/प्रवर प्रणाली की दूसरी वार्षिक अनुसंधान कार्यशाला में (देसिकन के साथ) टर्म लोन एवाल्यूएशन: एन एएनएन अप्रोच इन दी इंडियन सिनारियो पर पेपर प्रस्तुक किए गए।

9. आर. एस. देसिकन और बी. शेखर के ''ए कन्नेकशनिस्ट एक्सपर्ट सिस्टम फॉर टर्म लोन इवाल्यूएशन'' अंतर्राष्ट्रीय, कंप्यूटिंग महासभा की कार्यवही पर सिकन्डराबाद 1993 में - आर. धर और एस. गोयल के साथ पेपर प्रस्तुत किए गए।

10. एम. आर. राव के ''ए मल्टीरीजनल मॉडल फॉर इंडिया, 2000 एडी'' पर पेपर 1993 में **क्रिएटिव ऐंड इन्नोवेटिव एप्रोचिज़ टु दी साइंस ऑफ मैनेजमेंट** - वाई. इजरी द्वारा संपादित कोरम पुस्तक में प्रकाशित किए गए।

11. वी. चंदरू और ए. सरला के साथ एम. आर. राव के रेंक फेसिट्स ऑफ दी सेट कवरिंग पॉलीटोप'' पर पेपर अंतरिमता पूर्वक **ऑपरेशन्स रिसर्च लेटर्स** में प्रकाशन हेतु स्वीकृत किए गए।

12. 22 से 25 जून, 1994 के दौरान सुपर कंप्यूटर एजूकेशन ऐंड रिसर्च सेंटर भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलूर द्वारा आयोजित कंप्यूटर सिस्टम्स एवं शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एस. कृष्णा के ''ए फ्रेमवर्क फॉर सॉफ्टवेयर रीयूज़ इन ऑब्जेक्ट ओरियन्टिंग सिस्टम्स डेवलप्मेंट'' पर पेपर प्रस्तुत किए गए।

केस

1. वाहन रूंटिग एवं कृत्रिम प्रतिनिधि
   ए. के. राव (संयुक्त रूप से)
2. श्रेष्ठ प्रसाधन एवं प्रसाधन सामग्री
   ए. के. राव (संयुक्त रूप से)
3. रोबो मोटर साइकिलें
   ए. के. राव (संयुक्त रूप से)
4. एलीगेंट प्लास्टिक कंपनी
   ए. के.राव (संयुक्त रूप से)
5. सुपर फर्टिलाइज़र कंपनी
   ए. के. राव (संयुक्त रूप से)
6. संजीवनी अस्पताल (बाह्य रोगी विभाग)
   वी. बी. कौजलगी
7. एलीगेंट प्लास्टिक कंपनी - केस अध्ययन
   ए. के. राव/एम. आर. राव
8. सुपर फर्टिलाइज़र कंपनी लिमिटेड- केस अध्ययन
   ए. के. राव/एम. आर. राव
9. केन्द्रीय रेशम बोर्ड - रेशम उत्पादन परियोजना
   बी. नरसिंगा राव

11.7.6 कार्यपालक विकास कार्यक्रम : सूचना प्रणालियों का विश्लेषण और डिज़ाइन (केन्द्रीय रेशम बोर्ड)

सांख्यिकी और परियोजना प्रबंधन में संगणक का प्रयोग (केन्द्रीय रेशम बोर्ड)

11.7.7 परामर्श

1. घडियों हेतु परियोजना आयोजना प्रतिदर्श- एचएमटी
   ए.के. राव
   वी. बी. कौजलगी

11.7.8 अन्य

संस्थागतकार्य	संकाय सदस्य
पुस्तकालय की तदर्थ समिति के सदस्य	ए. के. राव
परिमाणात्मक पद्धतियाँ एवं सूचना प्रणालियाँ के समन्वयक	वी. बी. कौजलगी
कंप्यूटर सुविधा समिति के सदस्य	वी. बी. कौजलगी
आईआईएमबी रिव्यू की संपादकीय समिति के सदस्य	वी. बी. कौजलगी
कंप्यूटर सुविधा समिति के अध्यक्ष	एस. कृष्णा
स्नातकोत्तर कार्यक्रम समिति के सदस्य	एस. कृष्णा
पुस्तकालय समिति के सदस्य	एस. कृष्णा
अनुसंधान एवं प्रकाशन समिति के सदस्य	एस. कृष्णा
आईआईएमबी मैनेजमेंट रिव्यू संपादकीय समिति के सदस्य	एस. कृष्णा

11.8 परिवहन सेक्टर

11.8.1 संकाय सदस्यों की संख्या: इस सेक्टर में दो संकाय सदस्य - टी.वी. रमणैया और के. एम. अनन्तरामैया थे।

11.8.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम शिक्षण : वर्ष के दौरान इन सेक्टर ने कोई स्नातकोत्तर कार्यक्रम पाठ्यक्रम प्रारम्भ नहीं किया।

1.8.3 एफपीएम शिक्षण : इस सेक्टर में एफपीएम हेतु कोई छात्र नामांकित नहीं किया गया था।

11.8.4 अनुसंधान एवं प्रकाशन: इन सेक्टर के सदस्यों ने निम्नलिखित पेपर प्रकाशित किए:

1. कमोडिटी मूवमेंट इन रूरल एरियाज़, **ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट जर्नल,** वाल्यूम 17, 10 अक्टूबर, 1993
2. डिटरमाइनिंग आप्टिमल हैडवेज़ इन सिटी बस ऑपरेशन्स - ए मेथामेटिकल एप्रोच, **इंडियन जर्नल आफ ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट** - वाल्यूम 18, नंबर 3, मार्च, 1994.
3. इंडियन रोड कांग्रेस में - रूरल पैसेन्जर ट्रेवल कैरिक्टरिसटिक्स
4. इंडियन रोड कांग्रेस में- कैरिक्टरिस्टिक्स ऑफ वहिकल ओनरशिप इन रूरल एरियाज़।
5. ट्रांसपोर्टेशन - कैरिक्टरिस्टिक्स इन रूरल एरियाज़ ऑफ सदर्न इंडिया, ट्रांस्पोर्टेशन सिस्टम स्टडीज़-अनालिसिस ऐंड पॉलिसी पर, आंध्रप्रदेश विश्वविद्यालय, एनसीओटीएसएस - 93, 11 - 12 दिसंबर, 1993 को विशाखापट्टनम में आयोजित तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही।

11.8.5 परामर्श : मार्च 1994, के दौरान काकीनाड़ा पोर्ट ट्रस्ट, आंध्र प्रदेश द्वारा "काकीनाड़ा पोत विस्तार का सामाजिक - आर्थिक प्रभाव पर परामर्श कार्य पूरा किया गया। इस टीम में टी.वी. रमणैया, वी. नागदेवरा और एन. नागण्णा थे।

11.9 मानव रिहायश और पर्यावरण संबंधी अध्ययन सेक्टर

11.9.1 संकाय सदस्यों की संख्या : इन क्षेत्र में डा. सुब्बारायण प्रसन्ना और डा. विनोद के. तिवारी दो संकाय सदस्य थे।

11.9.2 स्नातकोत्सव कार्यक्रम शिक्षण : मार्केट लैंडस्केप ऐंड ट्रेड एरिया: IV सत्र, सुब्बरायण प्रसन्ना।

11.9.3 एफपीएम शिक्षण : वर्ष के दौरान मानव रिहायश और पर्यावरण संबंधी अध्ययन सेक्टर के संकाय सदस्यों ने किसी फैलोशिप छात्र का मार्गदर्शन नहीं किया।

11.9.4 अनुसंधान और प्रकाशन :

1. वर्ष के दौरान अयोवा विश्वविद्यालय, यूएसए के सहयोग और नेशनल साइंस फाउंडेशन द्वारा सहायता प्राप्त ''डेवलप्मेंड ऑफ ए डिसीज़न सपोर्ट सिस्टम फॉर इम्प्रूविंग लोकेश्नल एफीशेन्सी ऑफ सर्विस सिस्टम्स'' पर (संकाय लीडर : डा. विनोद के तिवारी) अनुसंधान अध्ययन पूरा किया जा चुका है। इस परियोजना से स्थानिक निर्णय समर्थन व्यवस्था का विकास हुआ। आजकल इसका प्रयोग देश के कुछ जिलों की योजना प्रक्रिया में किया जा रहा है।
2. 1993 वर्ष के दौरान तिवारी की पुस्तक **स्माल इंडस्ट्रीज अंडर डिस्ट्रिक्ट क्रेडिट प्लान** प्रिंटवेल प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित की गई। यह पुस्तक उनकी अनुसंधान परियोजना पर आधारित है जिसे उन्होंने भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, बंबई की सहायता से संस्थान में पूरा किया था।
3. सुब्बरायण प्रसन्ना ने फिज़िकल डिस्ट्रक्शन्स रिटार्डिंग ट्रेफिक फ्लोज इन बेंगलूर सिटी पर अनुसंधान अध्ययन पर कार्य किया।

11.9.5 परामर्श : तिवारी ने युनाइटेड नेशन्स सेंटर फार रीजनल डेवलेप्मेंट (युएनसीआरडी), नागोया, जापान के अनुरोध पर ''प्लानिंग सपोर्ट सिस्टम्स एप्लीकेशन्स फॉर सर्विसेज़ डेवलप्मेंड प्लानिंग इन मैसूर डिस्ट्रीक्ट इन कर्नाटक, इंडिया'', पर पेपर पूरे किए।

11.9.6 प्रशिक्षण : सुब्बरायण प्रसन्ना और तिवारी ने भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों, भारतीय वन अधिकारी, ऑर्डिनेन्स फैक्टरी के अधिकारी और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति के अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम में पढ़ाया।

11.9.7 **अन्य** : तिवारी को भौगोलिक सूचना व्यवस्था और सेवा विकास योजना क्षेत्र में उनके अनुसंधान की महत्ता को पहचानने के बाद इन्वरमेंट सिस्टम्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, इन्कॉर्पोरेटिड, यूएसए और ऑटोडेस्क इन्कॉर्पोरेटिड यूएसए द्वारा **''जियोडेसी एवार्ड''** प्रदान किया गया।

तिवारी को अक्टूबर, 1993 में प्लानिंग सपोर्ट सिस्टम्स फॉर लोकल/रीजनल प्लानिंग एट सीबु सिटी, फिलीपीन्स पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में पेपर प्रस्तुत करने के लिए यूएनसीआरडी द्वारा आमंत्रित किया गया । डॉ. तिवारी ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बंबई में यूएनईएससीओ द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भी नवंबर, 1993 में पेपर प्रस्तुत किए।

एस. प्रसन्ना ने नगरपालिका बिल पर भारतीय सामाजिक संस्थान बेंगलूर और टाउन हाल, बेंगलूर में आयोजित दो सेमिनारों में भाग लिया।

सेंटर फॉर इंटरनेशनल एंड कम्पेरेटिव स्टडीज़, अयोवा विश्वविद्यालय, यूएसए के प्रोफेसर, डा. जेरार्ड रश्टन एनएसएफ सहायता प्राप्त परियोजना - स्पेशल डिसिजन सपोर्ट सिस्टम पर कार्य करने के लिए दिसंबर में संस्थान पधारे। साथ ही डा. रश्टन ने हमारे भारतीय प्रशासनिक सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रमों में दो व्याख्यान भी दिए।

15 दिसंबर, 1993 को समाप्त एनएसएफ परियोजना के कार्य का पुनरावलोकन करने के लिए एक सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें भाग लेने वाले कर्नाटक सरकार के ग्रामीण विकास आयुक्त श्री के. पी. पाण्डेय, स्कूल ऑफ प्लानिंग ऐंड आर्किटेक्चर नई दिल्ली के टी.एम. विनोद कुमार, भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलूर के प्रोफेसर राजगोपालन और मैसूर विश्वविद्यालय के पफेसर पी.डी. महादेव थे।

11.10 उर्जा एवं शक्ति सेक्टर

11.10.1 संकाय सदस्यों की संख्या : इस सेक्टर में तीन संकाय सदस्य थे । वी. रंगनाथन, ऊर्जा सेक्टर के. बी. नायर, एन. नागण्णा एवं वी. रंगनाथन।

10.10.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम शिक्षण :

1. अर्थशास्त्र I	2 अनुभाग	वी. रंगनाथन
(कोर)	2 अनुभाग	के. बी. नायर
2. अर्थशास्त्र का पर्यावरण संबंधी मूल्यांकन (ऐच्छिक VI सत्र)		एन. नागण्णा

11.10.3 एफपीएम शिक्षण :

1. लागत लाभ विश्लेषण (ऐच्छिक)	वी. रंगनाथन
2. प्राकृतिक संसाधन अर्थशास्त्र	के. बी. नायर
3. ऊर्जा व्यवस्था अर्थशास्त्र	वी. रंगनाथन/ एन. नागण्णा के. बी. नायर
4. ऊर्जा नीति के मामले	वी. रंगनाथन/ एन. नागण्णा/ के. बी. नायर
5. ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण संबंधी मामले (सेमिनार पाठ्यक्रम)	के. बी. नायर

एफपीएम मार्गदर्शन

सुश्री माया	वी. रंगनाथन संकाय सलाहकार

11.10.4 अनुसंधान एवं प्रकाशन

वी. रंगनाथन इलैक्ट्रिसिटी प्राइवेटाइज़ेशनः केस ऑफ इंडिया, **एनर्जी पॉलिसी यूके**, अगस्त, 1993

प्रबंध शिक्षाः कल (भूत) आज और कल (भविष्य), **इकॉनॉमिक टाइम्स** बेंगलूर, 21 अक्टूबर, 1993

सिंचाई पंपिग के लिए ऊर्जा सहायता संबंधी मामले, **एनर्जी पॉलिसी,** अगस्त, 1994

कर्नाटकः शक्ति क्षेत्र के लिए मिस्प्लेस्ड प्राईऑरिटीज़ फॉर पावर सेक्टर, **इकॉनॉमिक टाइम्स,** 3 बेंगलूर अप्रैल, 1994

11.10.5 परामर्श :

एन नागण्णा (संयुक्त रूप से)

- काकीनाड़ा बंदरगाह विस्तार का सामाजिक आर्थिक पर्यावरण संबंधी प्रभाव
- काकीनाड़ा बंदरगाह पर खतरनाक द्रव्यात्मक निर्वाह हेतु सामान के परिवहन का जोखिम विश्लेषण।

वी. रंगनाथन

- कर्नाटक सरकार, वन विभाग हेतु काष्ठ संतुलन अध्ययन।

11.10.6 अन्य के. बी. नायर ने वी. के. तिवारी और के. एम. अनन्तरामैया के साथ सार्वजनिक व्यवस्था के दीर्घकालीन कार्यक्रमों की प्रारंभिक चर्चा में भाग लिया।

एन. नागण्णा ने भारत सरकार से प्रतिनियुक्ति पर अभ्यागत संकाय के रूप में एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनॉलॉजी, बैंकॉक में (सितंबर से दिसंबर, 1993) सत्र पूरा किया और इन्वरांमेंटल प्रोफेशनल मैनेजमेंट प्रेक्टिसिस पर 3 क्रेडिट कोर्स पढ़ाए, पर्यावरण संबंधी परियोजजनाओं के मूल्यांकन पर 6 घंटे व्याख्यान दिया और ऊर्जा प्रौद्योगिकी डिविज़न हेतु कोयला खान सेक्टर पर अनुसंधान परियोजना की प्रस्तावना तैयार की।

उन्होंने आर्डिनेन्स फैक्टरी के अधिकारियों हेतु इन्टिग्रेटिड इन्वरामेंटल मैनेजमेंट प्रोग्रॉम पर एक सप्ताह का संगठन आधारित कार्यक्रम में संयुक्त रूप से समन्वयन किया।

11.11 शिक्षा सेक्टर

11.11.1 संकाय सदस्यों की संख्या : इस सेक्टर में दो संकाय सदस्य — मालती सोमैया एवं एस. नयन तारा थी ।

11.11.2 स्नातकोत्तर शिक्षण : नयन तारा ने एव अनुभाग को रिटेन अर्नालिटिकल कम्यूनिकेशन (डब्ल्यूएस) मूल पाठ्यक्रम पढ़ाने में योगदान दिया।

11.11.3 प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम (एफपीएम) शिक्षण : इन सेक्टर में कोई फैलेशिप प्रबंधन गतिविधियाँ आयोजित नही की गई ।

11.11.4 संगठन आधारित कार्यक्रम : नयन तारा ने भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों हेतु नवीन आर्थिक स्थिति के लिए सार्वजनिक प्रशासन पर 3 सप्ताह का संगठन आधारित कार्यक्रम का समन्वयन किया।

11.11.5 अनुसंधान एवं प्रकाशन : मालती सोमैया ने परियोजना लीडर के रूप में ''फाइनेंनसियल मैनेजमेंट ऑफ इंडियन युनिवर्सिटीज़'' पर एनआईईपीए द्वारा निधि प्राप्त अनुसंधान परियोजना, दिसंबर, 1993 में पूरी की।

नयन तारा ने ''गर्ल्स एजूकेशनः पॉलीसी फ्रेमवर्क'' पर पेपर , **योजना**, वाल्यूम 37 (10) में जून, 1993 को प्रकाशित किए।

नयन तारा की ''इवेल्यूएशन ऑफ मैनेजमेंट ऐंड ऑर्गेनाइज़ेशन ऑफ टीएलसीज़ इन कर्नाटक'' पर अनुसंधान परियोजना रिपोर्ट आईएसईसी, बेंगलूर को जून, 1994 में प्रस्तुत की गई।

11.11.6 परामर्श : वर्ष के दौरान नयन तारा ने निम्नलिखित परामर्श समनुदेशन में व्यस्त थी :

1. भारत सरकार द्वारा प्रायोजित ''इवेल्यूएशन ऑफ एआईकेवाईए'' हेतु परामर्श लीडर । इसकी रिपोर्ट अक्टूबर, 1993 में प्रस्तुत की गई।
2. विश्व बैंक से सहायता प्राप्त मई 1993 से प्राइमरी शिक्षा कार्यक्रम हेतु कर्नाटक सरकार की जिला योजना तैयार करना ।

11.11.7 अन्य :

एस. नयन तारा

जिला प्रइसरी शिक्षा कार्यक्रम, भारत सरकार के लिए प्रबंध, अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन की राष्ट्रीय समिति की सितंबर, 1993 से सदस्या है।

पीएडीएस की सदस्या है।

13-17 दिसंबर, 1993 के दौरान नई दिल्ली में भारत सरकार, विश्व बैंक, यूनिसेफ और यूनेस्को द्वारा संयुक्त रूप से शिक्षा पर आयोजित विश्व शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

1-2 मार्च, 1993 के दौरान भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर परिसर में भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर और महिला एवं शिशु कल्याण विभाग द्वारा प्रायोजित ''स्टेट प्लान ऑफ एक्शन फॉर दी चाइल्ड'' पर सेमिनार आयोजित किया।

11.12 कृषि और ग्रामीण विकास सेक्टर

11.12.1 संकाय सदस्यों की संख्या : इस सेक्टर में श्यामल रॉय, टी.पी. गोपालस्वामी, वी. नागदेवरा तीन संकाय सदस्य थे।

11.12.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम शिक्षण :

1. परिमाणात्मक पद्धति ।
   (सत्र I) वी. नागदेवरा
2. प्रबंधन हेतु सूचना प्रौद्योगिकी
   (सत्र II) वी. नागदेवरा
3. ग्रामीण प्रबंधन
   (सत्र IV) टी. पी. गोपालस्वामी
4. कृषि वित्त और साख
   (सत्र V) टी. पी. गोपलस्वामी
5. राजकोषीय एवं मुद्रानीति
   (सत्र IV) श्यामल राय
6. अर्थशास्त्र II
   (सत्र II) श्यामल राय

11.12.3 प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम :

श्यामल रॉय ने प्रधान मार्गदर्शक (गार्डन) के रूप में फैलोशिप प्रबंधन के छात्र श्री ए. तनेजा का मार्गदर्शन किया और संकाय सलाहकार के रूप में श्री हरिरहनाथ को सलाह प्रदान की।

वी. नागदेवरा, श्री ए. तनेजा के लिए लघुशोघ प्रबंध सलाहकार समिति के सदस्य थे।

11.12.4 शिल्प वैज्ञानिकों हेतु प्रबंध कार्यक्रम शिक्षण : व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र - श्यामल रॉय ।

11.12.5 संगठन आधारित कार्यक्रम शिक्षण : 29 नवंबर से 17 दिसंबर के दौरान श्यामल रॉय और वी. के. तिवारी ने संयुक्त रूप से उच्च स्तरीय भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों के कार्यक्रम का समन्वयन किया।

1 से 11 फरवरी, 1994 के दौरान श्यामल रॉय ने 'रीस्ट्रक्चरिंग इंडियाज़ इकॅनॉमिक इम्पलीकेश्न्स (भारतीय प्रशासनिक सेवा) अधिकारियों का समन्वयन किया।

11.12.6 अनुसंधान एवं प्रकाशन :

- 4 अप्रैल, 1994 को आयोजित तिरुपति में भारतीय डेरी संघ के दक्षिण क्षेत्रीय सम्मेलन में टी. पी. गोपालस्वामी ने ''मार्केटिंग ऑफ मिल्क ऐंड मिल्क प्रॉडक्ट'' पर पेपर प्रस्तुत किए।
- वी. नागदेवरा द्वारा ''नालंदा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम'' एक केस पर विकास किया गया।

11.5.7 परामर्श : राष्ट्रीय कोऑपरेटिव डेरी विकास निगम, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित केरला स्टेट कोऑपोरेटिव फ़ेडरेशन फार फिशरीज़ डेवलप्मेंड लिमिटेड, त्रिवेन्द्रम। टी. वी. गोपालस्वामी और वी. नागदेवरा इस परियोजना के संकाय लीडर हैं। यह परियोजना शीघ्र ही पूरी होने की संभावना है।

11.12.8 अन्य : श्यामल रॉय भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर गवर्नर मंडल के सदस्य थे।

11.13 स्वास्थ्य एवं जनसंख्या केन्द्र सेक्टर

11.13.1 संकाय सदस्यों की संख्या : इस सेक्टर के जे. सी. भाटिया और बासु घोष दो संकाय सदस्य थे।

11.13.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम शिक्षण : इस सेक्टर ने कोई पीजीपी कोर्स प्रस्तुत नहीं किया ।

11.13.3 प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम : जे. सी. भाटिया ने फैलोशिप प्रबंधन छात्र सुश्री मंजुला मेनन के कार्य ''स्टडी ऑफ पेशन्ट्स सेटिस्फेक्शन इन कोर्पोरेट हास्पिटल्स'' का मार्गदर्शन किया।

11.13.4 अनुसंधान एवं प्रकाशन : सेक्टर निम्नलिखित अनुसंधान कार्यों में आलिप्त था।

डिटरमिनेन्ट्स ऑफ कंट्रासेप्टिव यूज़ डाइनेमिक्स : विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निधि प्राप्त परियोजना : वर्ष के दौरान परियोजना द्वारा एकत्रित ऑकड़ा विश्लेषण जारी रहा। इस परियोजना की प्रारंभिक रिपोर्ट विश्व स्वास्थ्य संगठन को प्रस्तुत की जा चुकी है और कई पेपर और मोनोग्राफ (प्रबंध, पुस्तक जिसमें विस्तृत जानकारी हो) प्रकाशित करने के लिए प्रस्ताव रखा गया है।

इफैक्ट ऑफ मदर्स एजूकेशन ऑन चाइल्ड सरवाइवल - फोर्ड फाउंडेशन से निधि प्राप्त परियोजना : वर्ष के दौरान परियोजना के विभिन्न घटकों पर ऑकड़े एकत्रित करने का कार्य जरी रहा। प्रोफेसर जे. सी. भाटिया जून, 1993 में अनुसंधान उपकरणों के विकास हेतु प्रत्याशित घटकों के अध्ययन के लिए जो वर्तमान में चल रहा है, पर प्रोफेसर जान क्लीलेंड से परामर्श लेने के लिए लंदन स्कूल ऑफ हाइजिन ऐंड ट्रापिकल मेडिसिन गए।

टाइम युटिलाइज़ेशन ऐंड प्रॉडक्टिविटि ऑफ सलेक्टिड मैन पावर कैटगरीज़ ऑफ दी हेल्थ टीम्स डब्ल्यूएचओ से निधि प्राप्त परियोजना: पिछले वर्ष बेंगलूर जिले में क्षेत्र कार्य किया गया और रिपोर्ट पूरी की गई। चालू वर्ष में अन्य जिले कोलार (पिछड़ा जिला) में आकड़े एकत्र करने का कार्य किया गया था। ऑकड़ों का विश्लेषण और दोनों जिलों की तुलनात्मक रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

11.13.5 कार्यपालक विकास कार्यक्रम / संगठन आधारित कार्यक्रम : भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर द्वारा संचालित भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों में इस सेक्टर के संकाय सदस्यों ने योगदान दिया।

11.13.6 परामर्श : इस सेक्टर के संकाय सदस्य किसी भी परामर्श कार्यकलापों में सम्मिलित नहीं थे।

11.13.7 अन्य : वर्ष के दौरान जे. सी. भाटिया ने निम्नलिखित कार्यकलापों में भाग लिया:

- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की विशेषज्ञ एवं वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठकें।
- चंडीगढ़, भारत में युनिसेफ द्वारा मेटर्नल मोर्बिडिटी पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला
- मार्च, 1994 में विश्व स्वास्थ्य संगठन के अस्थाई सलाहकार के रूप में जिनेवा गए।
- विभिन्न संस्थानों जैसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन संस्थान, हैदराबाद इत्यादि की संकाय चयन समिति में कार्य किया।

बासु घोष ओमान से वापस लौटे, जहाँ उन्होंने दो वर्ष तक स्वास्थ्य मंत्रालय के सलाहकार के रूप में काम किया। उन्होंने भारतीय परिवार नियोजन संघ, मुख्य कार्यालय द्वारा संसाधन विकास पर आयोजित प्रथम राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया और रिसोर्स डेवेलेप्मेंट फॉर सेल्फ रिलायन्स पर मूल भाषण दिया। एनसीओ सेक्टर के अंतर्गत परिवार नियोजन कार्यक्रमों के आधार पर संसाधनों के संवर्धन के लिए सांसाधन संघटन और विकास हेतु इस कार्यशाला के विचार विमर्श पर आधारित एक कार्य योजना तैयार की गई।

11.14 अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन केन्द्र सेक्टर (सीआईएम)

11.14.1 संकाय सदस्यों की संख्या : अनेक संकाय सदस्य अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन में प्रोफेसर एस. शिवरामू के साथ समन्वयक थे ।

11.14.2 स्नातकोत्तर शिक्षण :

ऐच्छिक पाठ्यक्रम	सत्र	संकाय सदस्य
अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय	IV	एस. शिवरामू
अतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र	IV	एस. वी. बोकिल
अंतर्राष्ट्रीय वित्त	V	पी. जी. आप्टे
अंतर्राष्ट्रीय विपणन	VI	आर. के. विजयसारथी
अंतर्राष्ट्रीय वार्ता कौशल	VI	पी. एन. थिरुनारायण
जापानी प्रबंधन	VI	जी. के. वलेचा (अभ्यागत संकाय)

11.14.3 प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम : प्रोफेसर एस. शिवरामू ने अध्यक्ष और प्रधान मार्गदर्शक के रूप में एफपीएम छात्र टी. के. अशोक कुमार के लघु शोध प्रबंध शीर्षक भारत की निर्यात परियोजना हेतु अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय कार्यनीतियाँ: एक अध्ययन और अन्य एफपीएम छात्र एस. रमेश पद्मनाभन लघु शोध प्रबंध शीर्षक अंतर्राष्ट्रीय विपणन कार्यनीति निवेश गतिविधि और निर्यात विकास पर नेटवर्क का प्रभाव: भारतीय औद्योगिक निर्यात पर एक अध्ययन का मार्गदर्शन किया।

11.14.4 अनुसंधान एवं प्रकाशन :

एस. शिवरामू ने निम्नलिखित दो पुस्तकें प्रकाशित कीं :

ग्लोबलाइज़ेशन ऐंड इंडियन लिब्रलाइज़ेशन साउथ एशिया प्रकाशन, दिल्ली, फरवरी, 1994

इन्टरनेशनल बिज़नेस : गवर्नेन्स स्ट्रक्चर, ए. एच. व्हीलर, नई दिल्ली, मार्च, 1994

लेख

''कन्सल्टेन्सी ऐंड प्रॉजेक्ट एक्सपोर्ट्स: ओवरसीज़ एन्ट्री स्ट्रेटिजि'' **फॉरिन ट्रेड रिव्यू** में, वाल्यूम - XXVII, नंबर 2, 1993

''स्माल बिज़नेस : प्रमोशन ऑफ एक्सपोर्टस ऐंड टेकनॉलॉजी'' **सेडमें** (एसईडीएमई) में, वाल्यूम XX, नंबर 2, जून, 1993

''न्यू मैनेजमेंट'' संगठनात्मक प्रबंध, वाल्यूम IX, सीरियल में, 1993 - 1994 भाग I : डाइग्नोसिस ऐंड प्राग्नोसिस, (अप्रैल - जून, अंश में)

भाग II : प्राग्नोसिस ऐंड प्रिस्क्रिप्शन (II ए जुलाई - सितंबर, 1993 में:
II बी अक्टूबर - दिसंबर, 1993 में)
भाग III और IV : प्रेक्टिस ऐंड इंडियन स्टडीज़ (जनवरी - मार्च, 1994)

12. पुस्तकालय

12.1 बढ़ोत्तरी

पुस्तकालय में कुल 92,565 पुस्तकें, 11,010 माइक्रोफिशेस/फिल्में, वीडियो कैसिटें थी और अभिदान, भेंट एवं आदान-प्रदान के द्वारा जर्नल प्राप्त हुए :

	1993-94 आगमन	कुल उपलब्धियाँ
पुस्तकें	3,270	92,565
माइक्रो फिल्में	30	11,010
विडियो कैसेटे, नक्शे, चार्ट इत्यादि		
जिल्दबंद वाल्यूम	706	14,335
पुनर्मुद्रण	1,445	4,811
जरनल	33	1,250
कंपनी वार्षिक प्रतिवेदन	900	1,000

12.2 परिचालन

1993-94 वर्ष के दौरान पुस्तकालय द्वारा छात्रों, संकाय सदस्य एवं अन्य आगंतुकों में लगभग 78,000 पुस्तकों जरनलों सहित परिचालित की गयीं | वर्ष के दौरान इसने लगभग 60,000 आगंतुकों को आकर्षित किया |

जारी की गईं पुस्तकें (जरनलों एवं जिल्द बंद वाल्यूम सहित)	78,052
अंतर पुस्तकालय ऋण पर प्राप्त पुस्तकें/जरनल लेख	252
अंतर पुस्तकालय ऋण पर भेजी गयी पुस्तकें/जरनल लेख	973
उपयोजित पुस्तकें (जरनल/जिल्द वाल्यूम सहित)	1,75,000
आगंतुकों की संख्या	59,694
बाहरी उपयोगकर्ता (प्रदत्त) (5.11.92 से 8.2.94 तक)	157

12.3 उपयोगकर्ताओं के प्रकार

संकाय सदस्य एवं अनुसंधान कर्मचारी	70
छात्र	338
प्रशासनिक कर्मचारी	450
डिपाज़िट उधारकर्ता	100
अंतर पुस्तकालय ऋण सदस्य	25
अभ्यागत संकाय सदस्य	30

12.4 सुविधाएँ

भौतिक सुविधाएँ : पुस्तकालय अलग ब्लॉक में चार मंजिल में स्थित है |इसमें 400 व्यक्तियों की बैठने की क्षमता के साथ विस्तृत वाचनालय है |

माइक्रो दस्तावेज ऋण सुविधा : पाँच माइक्रो फिल्म/फिशरीडर्स और एक कैनन रीडर पिंटर पुस्तकालय में पाठकों के प्रयोग हेतु गैर पुस्तक सामग्री से प्रिंट्स लेने के लिए उपलब्ध है | (माइक्रो/फिल्म/फिश)

अंतर पुस्तकालय ऋण सुविधा / संसाधन बाँटना : संस्थान पुस्तकालय, सूचनाओं के आपसी आदान-प्रदान के लिए भारत में सूचना केन्द्रों तथा पुस्तकालयों के नेटवर्क में हिस्सा बना रहा |

पुनर्मुद्रण सेवाएँ: इन्सडॉक (आईएएसजीओसी)/ अमरीकी पुस्तकालय तथा अन्य सूचना केन्द्रों की व्यवस्था से यह पुस्तकालय अल्पसूचना पर लेखों की पुनर्मुद्रित प्रतियाँ उपलब्ध कराता है |

रिप्रोग्राफिक सेवाएँ : उपयोगकर्ताओं को न्यूनतम कीमत पर पुस्तकालय के अंदर जेरॉक्स सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं |

12.5 प्रकाशन

पुस्तकालय ने निम्नलिखित प्रकाशन निकालना जारी रखा:

नवीन संस्करण (मासिक)
वर्तमान प्रेस क्लिपिंग्स (मासिक)
आई.आई.एम.बी जर्नलस् के वर्तमान सार (मासिक)
सामाजिक एवं व्यावहारिक विज्ञान पर डिसकेट्स में वर्तमान सार |
ग्रन्थ सूचियाँ (जो माँग एवं पूर्वानुमान के आधार पर निकाली जाती हैं)

12.6 समय

जुलाई 1993 से तीन राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर पुस्तकालय वर्ष भर शेष सभी दिनों खुली रखी जाती है |

13. कम्प्यूटर केन्द्र

1993-94 के दौरान स्नातकोत्तर कार्यक्रम और कार्यपालक विकास कार्यक्रम में कंप्यूटरों के प्रयोग में काफी वृद्धि हुई है। कोर्सो में छात्रों के नामांकन में वृद्धि, कार्यपालक विकास कार्यक्रम के कोर्सों की संख्या बढ़ने और इन कार्यक्रमों में कंप्यूटरों के अधिक प्रयोग के कारण यह वृद्धि हुई है। उपयोगकर्ताओं की बढ़ती हुई माँग को देखते हुए कंप्यूटर केन्द्र ने हार्डवेयर और साफ्टवेयर संसाधनों को बढ़ाया गया और मुख्य योजनाओं का कार्यान्वयन शुरू किया गया है।

कुछ का ब्योरा नीचे दिया गया है :

- वर्ष के दौरान 45 अतिरिक्त निजी कंप्यूटर (386 और 486 मशीनें) खरीदे गए जिससे माइक्रो कंप्यूटरों की कुल संख्या बढ़कर 162हो गई है।
- पुस्तकालय में पूर्ण रूप से कंप्यूटरीकरण की मुख्य परियोजना शुरू की गई थी। इस परियोजना के अंतर्गत 85,000 पुस्तकों की सूचना की डेटा एन्ट्री पूरी की जा चुकी है।
- नेटवर्क और अन्य सुविधाओं को विस्तृत और उन्नतिशील बनाने के लिए एक बृहत योजना प्रारम्भ की गई थी। जिसमें सम्मिलित हैं:

नेटवर्क के विस्तार के अंतर्गत पुस्तकालय और नवीन संकाय पुस्तकें डी ऐंड आर को लाना।

दो अतिरिक्त पावरफुल फॉइल सरवर्स खरीदे गए इसमे एल्फा 2000/3000 मशीने हैं। इस मशीनों के द्वारा संपूर्ण पुस्तकालय के डेटा बेस को सभी नेटवर्क नोड्स से संचित और प्राप्त किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त सीधा अंतर्राष्ट्रीय संचार संभव बनाने के लिए बाह्य ई-मेल को स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

कंप्यूटर केन्द्र की वर्तमान गतिविधियों का संक्षिप्त सार निम्नालिखित है:

- कंप्यूटर केन्द्र चौबीस घंटे खुला रहता है (सातों दिन सप्ताह में)।
- प्रत्येक संकाय- सदस्य को उनके कार्यलयों में निजी कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए हैं।
- कंप्यूटर केन्द्र में स्नातकोत्तर और कार्यपालक विकास कार्यक्रमों के छात्र लगभग 55 निजी कंप्यूटरों का प्रयोग करते हैं।
- ओआरजी - सुपर मेक्स सिस्टम पर ई - मेल द्वारा बाह्य संचार व्यवस्था उपलब्ध है जिसका उपयोग संकाय सदस्यों और छात्रों द्वारा किया जाता है।
- कंप्यूटर केन्द्र में 55 अधिक लीगल साफ्ट्वेयर पैकेज हैं। उनमें से अनेक पैकेजों को नवीन रूप में परिवर्तित किया गया है।

14. छात्रावास

14.1 सुविधाएँ

1993-94 वर्ष के दौरान छात्रावास में विस्तृत आकार का मनोरंजन कक्ष बनाया गया जहाँ छात्र समाचार पत्र, पत्रिकाएँ पढ़ सकें एवं टी.वी. देख सकें। छात्रावास में दो स्टार टी.वी. कनेक्शन दिए गए।

अधिकांश रूप से छात्रों द्वारा प्रयोग की जाने वाली 'डी' ब्लाक में स्थित व्यायामशाला (जिम्नेज़ियम) में अनेक नये व्यायाम उपकरण लगाए गए हैं।

14.2 क्लब गतिविधियाँ

29 जनरवी, 1994 को इंटर-कॉर्पोरेट इंविटेशन प्रश्नोत्तरी 94 आयोजित की गई जिसे अनेक कंपनियों ने प्रायोजित किया। बेंगलूर की प्रमुख कंपनियाँ जैसे मोटोरोला, आईटीसी एग्रो, टेक्निलॉजी, एएनज़ेड ग्रींडलेज़, ओ एवं एम,एचटीए, प्रतिभा एडवरटाइज़िंग, इंटरप्राइज़ मार्केटिंग विप्रो सिस्टम, सिटिबैंक, इन्फोसिस एवं टाइटन ने प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में भाग लिया।

विप्रो सिस्टम को विजयी घोषित किया गया। प्रतिभा एडवरटाजिंग एवं सिटिबैंक को प्रतियोगिता में रनर एक एवं रनर दो स्थान प्राप्त हुआ।

14.3 खेल-कूद

छात्रों ने प्रकाश रोड लाइंस हॉकी टूर्नामेंट में भाग लिया।

14.4 प्रश्नोत्तरी

पीजीपी छात्रों द्वारा छात्रावास में खुली प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर और एल्युमनी टीमों के साथ-साथ पूरे बेंगलूर से 25 से अधिक टीमों ने प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में भाग लिया।

14.5 मैस

मैस के स्तर में काफी सुधार दिखायी दिया। विद्यार्थी मैसे के मिश्रित मीनू से खुश थे, जिसमें नाश्ते, दोपहर और रात के भोजन में दक्षिण भारतीय, उत्तर भारतीय, चीनी एवं कॉन्टीनेन्टल पकवान सम्मिलित थे। मैस लेखों के लिए कई कालमों वाली नकदी बही बनाई गई ताकि किसी भी समय अपेक्षित जानकारी प्रदान की जा सके।

15. निर्माण

15.1 पूरे किए गए कार्य

पुस्तकालय, कम्प्यूटर ब्लॉक, कैन्टीन ब्लॉक, सम्मेलन कक्ष एवं सेमिनार हॉल का निर्माण कार्य पूरा हो गया | विद्युतीकरण, नलसाजी, सफाई, तारों की फिट्टिंग एवं लिफ्ट उत्थापन जैसी सेवाएँ भी पूरी हो गई एवं बिल्डिंग का प्रयोग किया जा रहा है|

15.2 कार्य जारी

वर्ष के अन्त में निम्नलिखित चार प्रमुख निर्माण परियोजनाएँ जारी थी :

- 200 क्षमता वाले कक्षा कक्ष
- शयनागार ब्लॉक नं. 9 एवं 10 रसोईघर एवं भोजनालय सहित
- निदेशक का आवास
- विविध कार्य : कक्षा कक्ष क्लस्टर III का प्रसाधन ब्लॉक, कैन्टीन कर्मचारियों के लिए विश्राम कक्ष, कार्यकारी ब्लॉक का भंडार कक्ष का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

15.2.1 220 क्षमता वाले कक्षा कक्ष :इस कार्य की निवेदित लागत 70 लाख रुपये है | छत की ढलाई को छोड़कर संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है | केन्द्रण कार्य चल रहा था | वास्तुविद् द्वारा छत की डिज़ाइन में कुछ परिवर्तन के कारण विकास कार्य में गतिरोध उत्पन्न हुआ था | संकाय ब्लॉक से जुड़े प्रसाधनों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका था |

15.2.2 शयनागार नं.9 एवं 10 : इस कार्य की निवेदित लागत 147 लाख रूपये है | शयनागार नं.9 एवं 10 का संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया एवं फिनिशिंग कार्य प्रगति आधीन है | रसोईघर एवं भोजनालय की छत ढलाई का मुख्य कार्य पूर्ण हो रहा था |

15.2.3 निदेशक का आवास : 17.2 लाख रूपये की निवेदित लागत पर सौंपा गया कार्य चल रहा था |

15.2.4 विविध कार्य : अनेक विविध कार्य जैसे एमडीपी ब्लॉक के लिए प्रसाधन (कक्षा कक्ष क्लस्टर - III) कैन्टीन कर्मचारियों के लिए प्रसाधन सुविधा सहित विश्राम कक्ष एवं कार्यकारी ब्लॉक का भंडार कक्ष की कुल निवेदित लागत 12.7 लाख रुपये थी | भू-तल का प्रसाधन ब्लॉक क्लस्टर III कक्षा कक्ष से जुड़ा कार्य, कार्यकारी ब्लाक के भंडार कक्ष की छत एवं कैन्टीन कर्मचारियों के लिए विश्राम कक्ष से जुड़ा कार्य पूरा हो चुका था|

16. कार्मिक एवं प्रशासन

31 मार्च, 1994 तक अधिकारी एवं अनुसंधान कर्मचारी

	निदेशक : डॉ. के.आर. एस. मूर्ति	**संकायाध्यक्ष : डॉ.प्रीतम सिंह**
1.	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	ब्रिगेडियर बी. रामस्वामी (सेवानिवृत्त)
2.	अधीक्षक अभियंता	श्री बी.एस. गोपालन
3.	कार्मिक प्रबंधक	श्री जी.वाई. सुह्रास
4.	प्रबंधक, कम्प्यूर केन्द्र	श्री एस.आई. फ़ज़लुद्दीन
5.	पुस्तकालयाध्यक्ष	श्री चिक्कमल्लैया
6.	प्रशासनिक अधिकारी (एम)	श्री एच.वी. हिरण्णैया
7.	प्रशासनिक अधिकारी (एस)	श्री एस. श्रीकांत
8.	प्रशासनिक अधिकारी (जी.एस.)	श्री डी.आर. रामदासैया
9.	वित्त एवं लेखा अधिकारी	श्री आर. चन्द्रशेखर राव
10.	वित्त एवं लेखा अधिकारी	सुश्री कमला
11.	सुरक्षा एवं परिवहन प्रभारी अधिकारी	ले.कर्नल जी. लक्ष्मण सिंह (सेवानिवृत्त)
12.	छात्रावास एवं पीजीपी प्रभारी अधिकारी	ले.कर्नल ए.एन. कामत (सेवानिवृत्त)
13.	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड - I (जी)	श्रीमती एन. अनुराधा
14.	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड -I (टी)	श्रीमती थेरेसा विलियम्स
15.	बागवानी अधिकारी	श्री के. महालिंगम
16.	आवासी चिकित्सक	डॉ. आर. एस. भगवान
17.	सहायक अभियंता (सिविल)	श्री एस. वी. कृष्णेगौड़ा
18.	सहायक अभियंता (सिविल)	श्री वी. पद्मनाभन

प्रतिनियुक्ति पर :

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग :

19.	वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी	श्री जी.के. देसाई

लोक निर्माण विभाग, कर्नाटक सरकार :

20.	सहायक कार्यपालक अभियंता (सिविल)	श्री बी.जी. श्रीनिवास मूर्ति

कर्नाटक विद्युत बोर्ड, कर्नाटक सरकार :

21.	सहायक कार्यपालक अभियंता (इलैक्ट्रिकल)	श्री यू.एच. सुब्रमण्या
22.	सहायक अभियंता	श्री एच. एस. राघवेन्द्र राव

रिसर्च फैलो

23. श्री वाई. कासी विश्वनादम
24. श्रीमती मालती वेणुगोपाल
25. श्री एस.टी. सोमशेखर रेड्डी

16.1 कर्मचारियों की संख्या

16.1.1 संकाय-सदस्य

	संवर्ग	अभ्यागत संकाय	योग
31 मार्च, 1993 तक	57	5	62
93-94 में वृद्धि	+ 7	+ 7	+ 14
93-94 में कमी	- 2	- 6	- 8
मार्च 1994 तक	62	6	68

16.1.2 अधिकारी एवं रिसर्च फैलो

	अधिकारी	प्रतिनियुक्ति पर	रिसर्च फैलो	योग
31 मार्च, 1993 तक	18	4	3	25
93-94 के दौरान वृद्धि	+ 2	+ 2	-	+ 4
93-94 के दौरान कमी	- 4	-2	-	-6
मार्च 1994 तक	16	4	3	23

16.1.3 प्रशासनिक कर्मचारी

अवधि	ग्रुप बी	ग्रुप सी	ग्रुप डी	योग
31 मार्च, 1993 तक	23	220	97	340
93-94 के दौरान वृद्धि	+ 03	+ 06	+ 07	+ 16
93-94 के दौरान कमी	- 03	- 10	- 07	- 20
मार्च 1994 तक	23	216	97	336

16.2 दक्षता पंचाट

दो संकाय सदस्यों एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी से गठित समिति ने सभी अनुभागों की दक्षता का मूल्यांकन किया और संस्थान के निम्नलिखित तीन अनुभागों को सर्वोत्तम घोषित कर 26 जनवरी, 1994 को दक्षता पंचाट प्रदान किए गए:

अनुभाग	स्थान
सुरक्षा एवं परिवहन	प्रथम
कार्यपालक विकास कार्यक्रम	द्वितीय
पुस्तकालय	तृतीय

16.3 वार्षिक निरीक्षण

सभी अनुभागों का वार्षिक निरीक्षण किया गया। कमियों एवं त्रुटियों का पता लगाकर सुधार हेतु सुझाव दिए गए।

16.4 स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त, 1993 को 46 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया संस्थान के निदेशक प्रोफेसर के.आर.एस. मूर्ति, ने राष्ट्रध्वज फहराया। अतिथि, संकाय - सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र एवं उनके परिवारजन सभी इस समारोह में उपस्थित थे।

16.5 हिन्दी सप्ताह समारोह

सितम्बर, 1993 के मध्य, हिन्दी सप्ताह आयोजित किया गया। अधिकारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला, कर्मचारियों के लिए निबंध और हिन्दी फिल्म संगीत प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं थीं।

16.6 बागवानी

बेंगलूर के शैक्षिक संस्थानों में से इस संस्थान ने तीसरी बार ऑर्नामेंटल गार्डन के लिए उत्कृष्ट ट्रॉफी बेंगलूर अर्बन आर्ट्स कमीशन द्वारा प्राप्त की | मैसूर हार्टिकल्चरल सोसाइटी लाल बाग बेंगलूर द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में संस्थान ने अन्य निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त किए :

पुस्तकालय परगोला	-	उत्कृष्ट पुरस्कार
मुख्य भवन (अग्रभाग)	-	प्रथम पुरस्कार
निदेशक ब्लॉक	-	प्रथम पुरस्कार
एम्फ़ी थियेटर	-	द्वितीय पुरस्कार
कार्यपालक ब्लॉक	-	द्वितीय पुरस्कार
मुख्य प्रवेश द्वार (गेट)	-	द्वितीय पुरस्कार
आवासीय क्षेत्र	-	द्वितीय पुरस्कार
मुख्य भवन माउंड गार्डन	-	द्वितीय पुरस्कार

स्वतंक्षता दिवस समारोह के रूप मे प्रतियोगिता संचालित की गई थी ।

16.7 प्रधानमंत्री राहत कोश

हाल ही में मराठवाड़ा क्षेत्र में आए भूकंप पीड़ितों के पुनर्वास हेतु कर्मचारी, छात्रो, अधिकारी एवं संकाय सदस्यों द्वारा रु.35,000 की राशि का प्रधानमंत्री राहत कोश मे योगदान किया |

16.8 स्पीड पोस्ट एक्टेंशन काउंटर

5 नवम्बर, 1993 को बन्नेरघट्टा रोड परिसर में अवस्थित डाकघर में स्पीड पोस्ट एक्सटेंशन काउंटर का औपचारिक उद्घाटन हुआ | प्रोफेसर के.आर.एम. मूर्ति, निदेशक ने इस सेवा का उद्घाटन किया और श्री बी. श्रीनिवासन, आईपीएस, मुख्य डाक महाध्यक्ष, कर्नाटक सर्कल, बेंगलूर ने अध्यक्षता की |

16.9 कॉफी वेंडिंग

25 नवंबर, 1993 को पुस्तकालय के बाहर कॉफ़ी वेंडिंग यंत्र संस्थापित किया गया, जिससे छात्रों के लिए हर समय कॉफ़ी उपलब्ध कराई जा सके |

16.10 प्रतिनियुक्ति

श्री एच.एस. राघवेन्द्र राव, सहायक अभियंता (इलैक०), केईबी, 17 सितंबर, 1993 को दो वर्ष के लिए संस्थान में प्रतिनियुक्ति पर आए |

श्री जी.के. देसाई, आईए एवं एएस 17 दिसंबर, 1993 को संस्थान में वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी के पद पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के कार्यालय से प्रतिनियुक्ति पर आए |

श्री यू.एच. सुब्रामण्या, सहायक कार्यपालक अभियंता (इलैक०), केईबी, का 8 अगस्त, 1993 से 7 अगस्त, 1994 तक, एक वर्ष का प्रतिनियुक्ति कार्यकाल बढ़ा दिया गया है |

16.11 प्रस्तावासन

श्री आर. एन. चन्द्रशेखर, सहायक अभियंता (इलैक्ट्रिकल) जो कर्नाटक विद्युत बोर्ड से प्रतिनियुक्ति पर इस संस्थान में थे, 25 जून, 1993 से अपने विभाग में प्रत्यावासित होकर गए।

श्री एच.एस. गोपालकृष्णैया, भारतीय लेखा-परीक्षा एवं प्रशासनिक सेवा जो संस्थान में वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर आए थे, वे 15 दिसंबर, 1993 से भारत का नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक के कार्यालय में प्रत्यावासित होकर गए।

16.12 निधन

श्री वी.एस. गोपीनाथ राव, प्रशासनिक अधिकारी (पी) का निधन 13 दिसंबर, 1993 को हो गया, जब वे सरकारी दौरे पर मद्रास गए थे।

17 भूतपूर्व छात्र संघ (एल्युम्नी)

1993-94 वर्ष के दौरान भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर एल्युम्नी संघ ने ''कीप इन टच'' नामक समाचार पत्र निकाला और पाँच बार स्नेह मिलन, एक वार्षिक सामान्य बैठक, और विज्ञापन क्लब द्वारा सह - प्रायोजित सम्मेलन आयोजित किया गया। भूतपूर्व छात्र संघ ने निशे द्वारा परिसर में आयोजित कॉर्पोरेट प्रश्नोत्तरी में भाग लिया। भूतपूर्व छात्र संघ ने इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए 3,000 रुपये का नकद पुरस्कार भी संस्थापित किया।

इस वर्ष संस्थान और एल्युम्नी के बीच व्यावसायिक संपर्क बढ़ा है, हालाँकि संघ की निधीयन मानकों की पुनर्संरचना न कर पाने के कारण बेंगलूर शाखा की गतिविधियों को बढ़ाने का कार्य तीव्रता से नहीं हो पाया। संस्थान की गतिविधियों से एल्युम्नी को नजदीक लाने और संघ और शाखा दोनों स्तरों पर उनके कार्यकलापों को व्यावसायिक योगदान देकर महत्वपूर्ण बनाने हेतु कार्यनीतियाँ बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

18. वित्तीय स्थिति

18.1 1993-94 वर्ष की वित्तीय स्थिति

बोई द्वारा वर्ष 1993-94 का 8.27 करोड़ रुपये (3.41 करोड़ रुपये योजना और 4.86 रुपये योजनेतर) का बजट प्राक्कलन अनुमोदित किया गया | सरकार ने सेंशोधित प्राक्कलन में योजना व्यय को 3 करोड़ रुपये तक सीमित किया है |

1993-94 वर्ष के वास्तविक व्यय, निजी राजस्व वृद्धि और सरकारी अनुदान निम्नलिखित थे :

(रुपये करोड़ों में)

		वास्तविक 1991 - 92	आँकड़े 1992-93	बजट प्राक्कलन	संशोधित प्राक्कलन 1993-94	वास्तविक
1. **व्यय**						
1.1	योजना	2.00	2.61	3.41	3.00	3..07
1.2	योजनेतर	3.87	4.21	4.86	4.85	4.54
	1 का योग	**5.87**	**6.82**	**8.27**	**7.85**	**7.61**
2. **राजस्व**						
2.1	निजी राजस्व	0.91	1.70	2.14	2.13	2.44
2.2	अनुदान का अथशेष	0.20	0.01	—	—	—
2.3	सरकारी अनुदान	4.77	4.81	6.13	5.72	5.39
2.4	भूमि जमा की वापसी	—	0.12	—	—	—
	2 का योग	**5.88**	**6.64**	**8.27**	**7.85**	**7.83**

राजस्व

निजी राजस्व :

योजनेतर व्यय के प्रतिशत के रूप में भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलूर की निजी आय 1992-93 में 40 से 1993-94 में 54 हो गई है | यह आय छात्रों की प्रवेश संख्या में वृद्धि, शिक्षा शुल्क में सामान्य वृद्धि और कार्यपालक विकास कार्यकलापों के स्तर में वृद्धि के दौरान प्राप्त हुई है | कार्यपालक विकास कार्यक्रमों से प्राप्त आय एक करोड़ रूपये से ऊपर हुई (110.57 लाख रूपये)

व्यय

राजस्व को बढ़ाने के दौरान योजनेतर व्यय को नियंत्रित किया गया था | 28.99 लाख रुपये की बचत हुई | इस राशि को अक्षय निधि में स्थानान्तरित किया गया |

सरकार द्वारा 300 लाख रुपये का योजना अनुदान निर्मोचन से चल रहे निर्माण कार्य कम्प्यूटरों की खरीद, पुस्तकालय स्वचालन, सीडी-आरओएम ड्राइव के संस्थान और पुस्तकालय में डेटाडबेस की संख्या बढ़ाने में सहायता मिली |

वर्ष 1993 – 94
का लेखा विवरण

लेखा परीक्षा प्रमाणपत्र

मैंने भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर की 31 मार्च 1994 को समाप्त वर्ष का आय एवं व्यय लेखा तथा 31 मार्च, 1994 को यथा तुलनपत्र की जाँच की है। मैंने वे समस्त सूचनाएँ एवं स्पष्टीकरण प्राप्त किए है जिनकी मुझे आवश्यकता थी, संलग्न लेखापरीक्षा रिपोर्ट की टीका टिप्पणियों के बारे में मैं प्रमाणित करता हूँ तथा मेरी लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप मेरा विचार है कि ये लेखा तथा तुलनपत्र ठीक हैं तथा हमें दी गयी सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों तथा संगठन की बहियों के अनुसार ये भारतीय प्रबन्ध संस्थान बेंगलूर के बारे में सही एवं उचित स्थिति की जानकारी देती हैं।

ह०/
ए. बासु
महा लेखाकार (लेखापरीक्षा)

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 19 सितंबर, 1994

31 मार्च, 1994 को यथा तुलनपत्र

(रुपये लाखों में)

		अनुसूची		31.03.1994		31.03.1993
1.	**निधियों के स्रोत**					
1.1.	संग्रह	1		46.72		15.73
1.2	अक्षय निधि	2		34.12		15.39
1.3.	सरकारी अनुदान	3		2416.08		2126.69
1.4	प्रारक्षित	4		52.16		46.29
1.5	जारी कार्यक्रम और परियोजनाएँ	5		41.86		41.09
		योग		**2590.94**		**2245.19**
1.7	भविष्य निधि	18		163.31		140.38
2.	**निधियों का उपयोग**					
2.1	अचल परिसंपत्तियाँ	6		2336.61		2070.43
2.2	निवेश	7		91.74		59.66
2.3	चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम	8	176.74		152.81	
	घटाइए:चालू देयताएँ एवं प्रावधान	9	50.99		74.55	
				125.75		78.26
2.4	आय एवं व्यय लेखा			36.84		36.84
		योग		2590.94		2245.19
2.5	भविष्य निधि	18		163.31		140.38
2.6	**लेखों पर टिप्पणियाँ**	17				

ह०/
(जी. के. देसाई)
वि. स. एवं मु. ले. अ.

ह०/
(के. आर. एस. मूर्ति)
निदेशक

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 29, जून, 1994

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

31 मार्च, 1994 को समाप्त वर्ष का आय एवं व्यय लेखा

(रुपये लाखों में)

				31.03.1994	31.03.1993
1. आय					
1.1	सरकार से अनुदान (योजनेतर)			239.00	239.00
1.2	स्नातकोत्तर एवं फैलो कार्यक्रम			105.77	63.23
1.3	कार्यकारी विकास कार्यक्रम	10		110.57	67.72
1.4	परामर्श एवं व्यावसायिक कार्यकलाप	-		9.30	16.78
1.5	अनुसंधान एवं विकास	11		6.64	8.96
1.6	अतिरिक्त आय	12		12.09	13.80
1.7	अनुदान से अंतरित (योजना)		10.61		
	घटाइए: योजना वेतन भुगतान		10.61	—	
		योग		483.37	409.49
2. व्यय					
2.1	वेतन एवं लाभ	13		258.42	253.82
2.2	स्नातकोत्तर एवं फैलो कार्यक्रम			30.09	26.90
2.3	कार्यकारी विकास कार्यक्रम	14		51.23	39.82
2.4	परामर्श एवं व्यावसायिक कार्यकलाप	-		2.78	8.54
2.5	अनुसंधान एवं विकास	15		10.44	9.13
2.6	सामान्य प्रशासन	16		101.42	82.30
		योग		454.38	420.51
3. व्यय के अधिक आय संग्रह में अंतरित				28.99	(11.02)

ह०/
(जी. के. देसाई)
वि. स. एवं मु. ले. अ.

ह०/
(के. आर. एस. मूर्ति)
निदेशक

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 29 जून, 1994

31.3.94 को तुलनपत्र का भाग बनने वाली अनुसूचियाँ

(रुपये लाखों में)

			31.03.1994	31.03.1993
अनुसूची - I				
1	संग्रह			
1.1	सरकार			
	अथशेष	—		
	अधिशेष आय एवं व्यय लेखा से अंतरित	28.99		
	सरकार से मैचिंग अनुदान	—	28.99	–
1.2	सदस्यता		2.00	2.00
1.3	अन्य		15.73	13.73
	योग 1		**46.72**	**15.73**
अनुसूची - 2				
2.	अक्षय निधि			
2.1	सुरेन्द्र पाल मेमोरियल चेयर		15.51	13.95
2.2	यूनिट ट्रस्ट ऑफ इण्डिया चेयर		17.17	
2.3	स्नातकोत्तर पुरस्कार निधि		0.71	0.72
2.4	पी. जी. पी. विद्यार्थियों से चंदा एल्युम्नी छात्रवृत्ति निधि हेतु		0.73	0.72
	योग 2		34.12	15.39
अनुसूची - 3				
3.	सरकरी अनुदान (योजना)			
	अथशेष			
	भारत सरकार		2058.74	1539.16
	कर्नाटक सरकार		67.95	67.95
			2126.69	1907.11
जोड़िए: वर्ष के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान			300.00	241.99
			2426.69	2149.10
घटाइए : आय एवं व्यय लेखा को अंतरित			10.61	22.41
	योग 3		2416.08	2126.69

रुपये लाखों में

			31.03.1994	31.031993
अनुसूचि - 4				
4.	प्रारक्षित			
	पेंशन के लिए प्रारक्षित		52.16	45.04
	गृह निर्माण के लिए प्रारक्षित		—	1.25
		योग 4	**52.16**	**46.29**
अनुसूची 5				
5.	जारी कार्यक्रम एवं परियोजनाएँ			
5.1	फोर्ड फाउंडेशन			
	प्राप्तियाँ		17.62	21.01
	घटाइए: भुगतान		10.46	5.31
		योग 5.1	**7.16**	**15.70**
5.2	प्रवर्तित अनुसंधान			
	प्राप्तियाँ		17.84	20.18
	घटाइए : भुगतान		4.36	7.51
		योग 5.2	**13.48**	**12.67**
5.3	परामर्श			
	प्राप्तियाँ		23.67	10.67
	घटाइए: भुगतान		8.03	1.30
		योग 5.3	**15.64**	**9.37**
5.4	आई.डी.आर.सी. पुस्तकालय			
	प्राप्तियाँ		1.32	—
	घटाइए : भुगतान		0.06	—
		योग 5.4	**1.26**	—
5.5	सेमिनार			
	प्राप्तियाँ		13.97	—
	घटाइए : भुगतान		9.60	—
		योग 5-5	**4.37**	—
5.6	अन्य			
	ओ. बी. पी.		—	1.35
	एम. पी. टी		—	2.00
	एम. डी. पी.		(0.05)	—
		योग 5.6	**(0.05)**	**3.35**
		योग 5	**41.86**	**41.09**

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

अनुसूचि - 6 रुपये लाखों में

6. अचल परिसम्पत्तियाँ

परिसम्पत्ति का नाम	31 मार्च 1993 को	वर्ष के दौरान अभिवृद्धि / (कमी)	31 मार्च 1994 को
उन्मुक्त भुम्यधिकार*	37.95	—	37.95
भवन एवं परिसर विकास	1491.62	157.66	1649.28
फर्नीचर, फिटिंग्स एवं उपकरण	146.50	38.06	184.56
पुस्तकालय पुस्तकें एवं फिल्में	180.37	31.21	211.58
वाहन	15.79	(0.06)	15.73
कम्प्यूटर प्रणाली एवं परिधिय	188.89	39.83	228.72
परियोजना परिसम्पत्तियां	8.79	—	8.79
दीक्षांत समारोह गाउन	0.52	(0.52)	—
योग 6	**2070.43**	**266.18**	**2336.61**

* कर्नाटक सरकार से उपहार में प्राप्त

अनुसूचि - 7

7.	निवेश (लगत पर)		
7.1	सावधि जमा		
	कैन्फिन होम्स (पेंशन के लिए आरक्षित)	51.75	45.00
7.2	प्रतिभूतियाँ		
	भारतीय यूनिट ट्रस्ट (यूनिट्स - 64)	19.26	—
7.3	सावधि जमा		
	स्टेट बैंक आफ मैसूर	20.73	14.66
	योग 7	**91.74**	**59.66**

(रुपये लाखों में)

अनुसूची - 8	31.03.1994	31.03.1993
8. चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम		
8.1 चालू परिसम्पत्तियाँ		
नकदी एवं बैंक शेष :		
हाथ में नकदी	0.39	0.35
बैंक में नकदी	67.22	30.51
एस. बी. एम में साख-पत्र	21.77	–
बैंक में नकदी (फोर्ड फाउंडेशन)	0.16	3.70
एस. बी. एम. में जमा	7.00	12.00
फ्रैंकिंग पेशगी	0.05	0.24
विविध नामे शेष	0.75	0.75
प्राप्य शुल्क	0.32	0.32
विविध प्राप्य	12.77	23.04
में जमा :		
बी. डब्ल्यू.एस.एस.बी	0.09	0.09
बेंगलूर टेलीफोन्स	1.83	6.60
के. ई. बी.	5.43	1.36
अन्य	1.14	1.67
योग 8.1	**118.92**	**80.63**
8.2 ऋण एवं अग्रिम :		
भूमि के लिए अग्रिम	0.35	0.35
संग्रहण अग्रिम	20.90	24.89
गृह निर्माण अग्रिम	23.56	27.09
वाहन अग्रिम	8.71	12.06
त्यौहार अग्रिम	0.67	0.74
विविध अग्रिम	0.82	1.98
पूर्वदत्त व्यय	2.81	5.07
योग 8.2	**57.82**	**72.18**
योग 8	**176.74**	**152.81**

अनुसूची - 9

9.	चालू देयताएँ एवं प्रावधान		
	विविध लेनदार	19.12	28.54
	पेशगी जमा	4.77	6.49
	जमा प्रदिदेय	2.32	1.30
	अभिरक्षा जमा	3.80	3.64
	अवधान द्रव्य	13.09	5.41
	अन्य	7.89	29.17
	योग 9	**50.99**	**74.55**

31 मार्च, 1994 को समाप्त वर्ष के लिए अय एवं व्यय लेखे का भाग बनने वाली अनुसूचियाँ

रुपये लाखों मे

	31.03.1994	31.03.1993
अनुसूची - 10		
10. कार्यकारी विकास कार्यक्रम		
आय		
शिल्प वैज्ञानिकों के लिए प्रबन्ध कार्यक्रम	18.26	10.00
प्रबन्ध विकास कार्यक्रम	20.62	9.57
संगठन आधारित कार्यक्रम	58.12	38.99
कार्यकारी ब्लॉक	13.57	9.16
योग	**110.57**	**67.72**
अनुसूचि - 11		
11. अनुसंधान एवं विकास आय		
प्रवर्तित अनुसंधान	6.43	7.36
सेमिनार	0.21	1.60
योग	**6.64**	**8.96**
अनुसूचि - 12		
12. अतिरिक्त आय		
बैंक से ब्याज	2.39	4.92
वाहन अग्रिम से ब्याज	0.52	0.49
संस्थान क्वार्टरों से किराया	2.46	2.37
अतिथि गृह प्राप्तियाँ	—	0.07
अतिरिक्त आय	6.72	5.95
योग	**12.09**	**13.80**
अनुसूची - 13		
13. वेतन एवं संबंधित भुगतान		
वेतन एवं भत्ता	213.91	217.93
कर्मचारी एवं संकाय को मानदेय	5.41	3.85
पेंशन	11.04	9.66
अवकाश वेतन अंशदान	0.77	0.45
क.क.नि. अंशदान	0.65	0.61
भविष्य निधि में नियोक्ता का अंशदान	1.24	1.46
उपदान	7.94	5.24
प्रतिनियुक्ति एवं प्रशिक्षण	0.47	0.46
चिकित्सा व्यय	12.05	8.78
वर्दियाँ	1.03	0.22
छुट्टी यात्रा रियायत	1.55	1.61
विज्ञापन एवं भर्ती	1.49	1.83
विभागीय कैंटीन को सहायिकी	0.74	
कर्मचारी कल्याण व्यय	0.87	0.97
कर्मचारी शिक्षा समिति	-	0.01
योग	**258.42**	**253.82**

अनुसूचि - 14

14. कार्यकारी विकास कार्यक्रम व्यय		
शिल्प वैज्ञानिकों के लिए प्रबंध विकास कार्यक्रम	10.01	4.32
प्रबंध विकास कार्यक्रम	11.17	6.22
संगठन आधारित कार्यक्रम	26.45	23.68
कार्यकारी ब्लॉक	3.60	5.60
योग	**51.23**	**39.82**

अनुसूचि - 15

15 अनुसंधान एवं विकास व्यय		
प्रवर्तित अनुसंधान	6.66	4.06
संस्थान अनुसंधान एवं केस विकास	3.76	3.60
सेमिनार	0.02	1.47
योग	**10.44**	**9.13**

अनुसूचि - 16

16. सामान्य प्रशासन		
किराया, दरें एवं कर	0.31	0.09
विद्युत एवं जन प्रभार	19.28	12.22
डी. जी. सेट के लिए ईंधन	1.75	1.76
भाड़ा एवं परिवहन	0.03	0.34
रखरखाव एवं मरम्मत	31.88	23.52
यात्रा व्यय	2.45	1.61
टेलीफोन एवं टेलेक्स	24.00	16.31
डाक एवं तार	1.21	1.02
मुद्रण एवं लेखन - सामग्री	4.70	5.11
उपभोज्य	1.83	5.20
मण्डल बैठक व्यय	1.76	1.36
विधायी व्यय	2.35	1.72
लेखा परीक्षा शुल्क	1.68	2.30
छात्रावास एवं अन्य प्रभार	0.18	0.26
सोसायटी सदस्यता	0.24	0.10
अन्य आकस्मिकताएँ	2.64	3.80
अभिरक्षा सेवाएँ	5.13	5.58
योग	**101.42**	**82.30**

	ह०/	ह०/
स्थान : बेंगलूर	जी. के. देसाई	के. आर. एस. मूर्ति
दिनांक : 29 जून, 1994	वि. स. एवं मु. ले. अ.	निदेशक

अनुसूची - 17 लेखों का भाग बनने वाली टिप्पणियाँ

1. सरकार से प्राप्त अनुदान को प्राप्ति आधार पर दर्शाया गया है, इसके अतिरिक्त सभी राजस्व खर्चे, परिसम्पत्तियाँ एवं देयताएँ संभूति आधार पर दिखाई गई हैं ।
2. स्नातकोत्तर कार्यक्रम / फैलो कार्यक्रम शुल्क प्राप्त होने पर, आय के रूप में लिया गया है। कार्यकारी विकास कार्यक्रम से प्राप्त आय को कार्यक्रम के समापन / सारभूत समापन आधार पर दिखाया गया है। अनुसंधान एवं परामर्श परियोजना से प्राप्त आय को समापन आधार पर लिया गया है।
3. मूलह्रास :

   जैसा कि संस्थान व्यावसायिक संगठन नहीं है अतः अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूलह्रास प्रभार की गणना नहीं की गई है ।
4. भारत की जी. बी. नि. की समूह उपदान योजना नीति के अंतर्गत कर्मचारियों की उपदान देयता शामिल है ।
5. अचल परिसंपत्तियाँ - भवन एवं परिसर विकास में भवन निर्माण कार्य जो चल रहा है, सम्मिलित है ।
6. यू. टी. आई की यूनिटों में निवेश, लागत रूप में दिखाया गया है।
7. राशि को पूर्णांकित किया गया है ।
8. जहाँ आवश्यक समझा गया है वहाँ गत वर्ष के आँकडों को पुनर्समूहित किया गया है ।

	ह०/	ह०/
स्थान : बेंगलूर	जी. के. देसाई	के. आर. एस. मूर्ति
दिनांक : 29 जून, 1994	वि. स. एवं मु. ले. अ.	निदेशक

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

31 मार्च, 1994 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ एवं भुगतान लेखा

1. प्राप्तियाँ		(रुपये लाखों में)
		1993-94
अथशेष		31.09
सरकारी अनुदान		
योजना	300.00	
योजनेतर	239.00	
		539.00
निजी प्राप्तियाँ		
कार्यक्रम एवं कोर्स	253.35	
अग्रिम की वसूली	13.21	
अन्य	71.46	
		338.02
उप — योग :		908.11
फोर्ड फाउंडेशन प्रतिपक्षी		18.24
सर्वयोग :		926.35
2. भुगतान		
योजना		
भूमि एवं परिसर विकास	158.94	
फर्नीचर फिटिंग्स एवं उपकरण	39.82	
पुस्तकालय पुस्तकें एवं फिल्में	33.66	
कम्प्यूटर केन्द्र प्रणाली एवं परिधीय	39.82	
वेतन	10.61	
एस. बी. एम. में साख - पत्र के लिए उद्दिष्ट	21.77	
के. ई. बी. में जमा	2.65	
		307.27
योजनेतर		
वेतन एवं लाभ	258.97	
कार्यक्रम एवं कोर्स	109.17	
सामान्य प्रशासन	105.62	
अन्य	59.42	
		533.18
इति शेष		67.66
उप येग :		908.11
फोर्ड फाउंडेशन प्रतिपक्षी		18.24
सर्वयोग :		926.35

	ह०/	ह०/
स्थान :बेंगलूर	जी. के. देसाई	के. आर. एस. मूर्ति
दिनांक : 29 जून, 1994	वि. स. एवं मु. ले. अ.	निदेशक

31 मार्च, 1994 तक का तुलनपत्र

रुपये लाखों में

			31.03.94	31.03.93
निधियों के स्रोत:				
भविष्य निधि:	जी. पी. एफ.	सी. पी. एफ.		
1. अथशेष	74.02	38.64		
2. वर्ष के दौरान अभिवृद्धि:				
2.1 अभिदान	20.34	6.13		
2.2 अंशदान	-	1.29		
2.3 ऋणों की वापसी	14.56	1.61		
2.4 ब्याज	8.90	3.03		
1 एवं 2 का योग	117.82	50.70	168.52	
3. घटाइए : निकासी	31.56	3.01	34.57	
निवल निधि	86.26	47.69	133.95	112.66
4. ऋण बकाया	26.33	3.03	29.36	27.72
योग			**163.31**	**140.38**
निधियों का उपयोग :				
1. निवेश अनुबंध 1			91.18	82.80
2. उपचित ब्याज (पर देय नहीं)			39.03	34.44
3. अंशदाता को ऋण			29.36	27.72
4. प्राप्य			1.20	1.52
5. नकदी एवं बैंक शेष:				
स्टेट बैंक ऑफ मैसूर में			14.51	3.89
			175.28	150.37
6. घटाइए : देय			11.97	9.99
योग			163.31	140.38

लेखों पर टिप्पणियाँ अनुबंध 2

ह०/
जी. के. देसाई
वि. स. एवं मु. ले. आ.

ह०/
के. आर. एस. मूर्ति
निदेशक

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 29 जून, 1994

भविष्य निधि

31 मार्च, 1994 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

रुपये लाखों में

			31.3.94	31.3.93
आय :				
1. निवेशों से आय				
1.1.	प्राप्त	5.21		
1.2.	उपचित	8.95	14.16	11.70
	योग		**14.16**	**11.70**
व्यय :				
3. निधि शेष पर ब्याज				
3.1	जी. पी. एफ.	8.90		7.18
3.2	सी. पी. एफ			2.12
				1.65
3.2.1	कर्मचारियों के अभिदान पर	3.03		
3.2.2	नियोक्ता के अंशदान पर	1.00	12.93	
3.2.3	अधिशेष को तुलनपत्र में ले जाया गया		1.23	0.75
	योग		**14.16**	**11.70**
4. लेखों पर टिप्पणियाँ अनुबंध 2				

	ह०/	ह०/
स्थान : बेंगलूर	जी. के. देसाई	के. आर. एस. मूर्ति
दिनांक : 29 जून, 1994	वि. स. एवं मु. ले. आ.	निदेशक

31 मार्च, 1994 तक का निवेश

अनुबंध - 1

(रुपये लाखों में)

क्रम सं	सा. ज. र. सं. एवं दिनांक	राशि 31.03.94	सा. ज. र. सं. एवं तिथि	राशि 31.3.93
सरकारी प्रतिभूतियाँ				
1.	बही नामे प्रमाण -पत्र सं. बी. एल. /0029 / भा. रि. बें)	1.00	बी. एल. 0029/2014 (भा. रि. बें)	1.00
2.	के. एस. डी. एल.	5.00		
3.	आई. आर. बी. आई.	10.00		
सार्वजनिक क्षेत्र प्रतिभूतियाँ				
4.	आई. सी. आई. सी. आई	14.00		
5.	एन. टी. पी. सी.	3.50		
स्टेट बैंक आफ मैसूर में मियादी जमाएँ				
6.	156743	6.00	239917	7.00
7.	156748	7.00	156743	6.00
8.	156766	2.50	156748	7.00
9.	269013	3.44	156766	2.50
10.	196718	2.58	239950	8.32
11.	196813	4.34	239960	5.00
12.	239917	7.00	239994	2.00
13.	239950	8.32	181905	2.00
14.	239966	5.00	181921	5.00
15.	239994	2.00	269013	3.44
16.	239995	2.50	196718	2.58
			196813	4.34
			665084	5.58
			665121	1.01
			240066	3.00
			665120	2.03
			665167	1.50
			240067	1.00
			239995	2.50
प्रधान डाकघर में जमा				
17.	3001813 (जी.पी.ओ.)	7.00	3001444 /ए जी. पी. ओ.)	300
			3001813 (जी.पी.ओ)	7.00
	योग	**91.18**		**82.80**

ह०/
(जी. के. देसाई)
वि. स. एवं मु. ले. अ.

ह०/
(के. आर. एस. मूर्ति)
निदेशक

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 29 जून, 1994

अनुबंध - II लेखों पर टिप्पणियाँ:

1. वर्ष 1988 - 89 से पूर्व अवधि के बकाए के लिए भविष्य निधि लेखे और तुलनपत्र को अंतिम रूप न दे पाने के कारण निम्नलिखित आँकडे अंशदाता खाता बही लेखे से लिए गए हैं जो कि अनन्तिम हैं:

		चालू वर्ष	गत वर्ष
			(रुपये लाखों में)
मद 1.1 अथशेष	सा. भ. नि.	74.02	60.10
	अं. भ. नि.	38.64	33.96
मद 6 देय		11.97	9.99

2. **आय एवं व्यय लेखा :**

नोट 1 में निर्दिष्ट आँकडों में किसी भी प्रकार के परिवर्तन से आय और व्यय लेखे में निम्नलिखित अनुवर्ती प्रभाव पड़ेगा :

	चालू वर्ष	गत वर्ष
		(रुपये लाखों में)
1. अधिशेष / (कमी) तुलनपत्र को अग्रानीत	1.23	0.75
2. निधि शेषों पर ब्याज	12.93	10.95

ह०/
जी. के. देसाई
वि. स. एवं मु. ले. अ.

ह०/
के. आर. एस. मूर्ति
निदेशक

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 29 जून, 1994

31 मार्च, 1994 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ एवं भुगतान लेखा

		(रुपये लाखों में)
		1993 - 94
1.	**प्राप्तियाँ :**	
1.1	बैंक में अथशेष	3.89
1.2	वर्ष के दौरान :	
1.2.1	अभिदान एवं ऋण की वापसी	42.19
1.3	निवेशों से ब्याज	9.59
1.4	निवेश परिपक्व	29.12
1.5	नियोक्ता का अंशदान 1992-93	1.32
1.6	आंशिक आहरण की प्रतिपूर्ति	0.30
	योग	**86.41**
2.	**भुगतान :**	
2.1	अभिदाता को ऋण	19.15
2.2	अंतिम आहरण	15.25
2.3	निवेश	37.50
2.4	नकदी समाप्त एवं बैक शेष	14.51
	योग	**86.41**

ह०/
जी. के. देसाई
वि. स. एवं मु. ले. अ.

ह०/
के. आर. एस. मूर्ति
निदेशक

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 29 जून, 1994

1993-94 वर्ष की भारतीय प्रबन्ध संस्थान बेंगलूर के लेखों की लेखापरीक्षा रिपोर्ट

1. प्रस्तावना

1.1. भारतीय प्रबन्ध संस्थान बेंगलूर, कर्नाटक सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1960 के अधीन पंजीकृत एक सोसाइटी है। इसकी स्थापना अकटूबर, 1973 में अध्यापन कार्यक्रम, प्रशिक्षण एवं अन्य व्यावसायिक सेवाओं के माध्यम से प्रबंध संसाधनों (स्रोतों) की वृद्धि के लिए की गई थी। संस्थान का मुख्य उद्देश्य प्रबंध शिक्षा देना, सरकारी एवं निजी क्षेत्रों के लोगों को प्रबंध में व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना, प्रबंध और सम्बद्ध क्षेत्रों पर अनुसंधान तथा साहित्य प्रकाशित करना और उद्योगों तथा सरकारी अभिकरणों को परामर्श सेवाएँ प्रदान करना है। संस्थान भारत सरकार के अनुदानों और स्वयं के स्रोतों द्वारा वित्तपोषित किया गया। गत वर्षों के दौरान कर्नाटक सरकार ने 30 लाख रुपये का पूँजी अनुदान दिया और परिसर की स्थापना के लिए 37.95 लाख रुपये मूल्य की 100 एकड़ भूमि प्रदान की। इसके अलावा, संस्थान को वित्तभोगी अभिकरणों तथा उनकी ओर से प्रायोजित अनुसंधान, परामर्श और संगठन आधारित कार्यक्रमों, प्रबंध विकास कार्यक्रमों के लिए भी निधियाँ प्राप्त हुईं।

1.2 संस्थान के लेखों की लेखापरीक्षा नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक (कर्तव्य, अधिकार एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अधीन 1990 - 91 से पाँच वर्ष की अवधि के लेखे भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक को सौंप दिए गए। वर्ष 1993-94 के लेखे 27 मई, 1994 को प्रस्तुत किए गए और जून-जुलाई, 1994 में इनकी लेखापरीक्षा की गई तथा संशोधित लेखे 29 जून, 1994 को प्रस्तुत किए गए :

2. लेखे का सार

संस्थान में वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ एवं भुगतानों के विवरण निम्नलिखित हैं :

(रुपये लाखों में)

अथशेष		34.80
घटाइए :		
फोर्ड फाउंडेशन लेखा		3.71
		31.09
प्राप्तियाँ		
योजना	300.00	
योजनेतर	239.00	
स्वयं की प्राप्तियाँ	338.02	877.02
योग :		908.11
भुगतान		
योजना	307.27	
योजनेतर	533.18	
इतिशेष		67.66

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) मई 1994 द्वारा संचारित भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद, बैंगलूर, कलकत्ता की निधियों के परिशोधित स्वरूप के अनुसार 1993-94 वित्तीय वर्ष की अक्षय निधि को पर्याप्त स्तर एक बढाने और प्रोत्साहन की दृष्टि से सरकार 100% मैचिंग अनुदान उपलब्ध कराने के लिए सहमत हो गई यदि योजनेतर योजना से बचत, राजस्व प्राप्ति और परामर्श एवं अनवरत् शैक्षिक कार्यक्रमों से प्राप्त निवल आय को बढ़ाने के लिए अक्षय निधि में अंतरित किया जाए।

यह देखा गया कि व्यय से अधिक आय होने के कारण 31.3. 1994 तक संस्थान ने 28.99 लाख रुपये निधि के अंतर्गत सृजित संग्रह (कार्पस) में अंतरित दिखाए थे। यद्यपि 1993 मार्च के अंत तक इसमें 36.84 लाख रुपये संचित शेष को आय से अधिक व्यय दिखाया गया।

3. लेखों पर टीका - टिप्पणी

3.1 लेखों का पुनरीक्षण

वर्ष 1993-94 में संस्थान के लेखे की लेखापरीक्षा के दौरान पायी विसंगतियों को परिशोधित करने तथा संस्थान द्वारा आंतरिक रूप से पायी गई त्रुटियों को ठीक करने के लिए संशोधित किया गया।

संशोधन के परिणामस्वरूप ''आय से अधिक व्यय'' शीर्ष में 26.46 लाख रुपये की तुलना में 28.99 लाख रुपये की वृद्धि और परिसम्पत्तियों में 2336.71 लाख रुपये की तुलना में 2336.61 लाख रुपये की कमी हुई।

आय और व्यय लेखा

वर्ष 1992-93 में 11.02 लाख रुपये आय से अधिक व्यय की तुलना में वर्ष 1993-94 में व्यय से अधिक आय 28.99 लाख रुपये थी। यह वृद्धि मुख्यतः ''स्नातकोत्तर एवं फैलो कार्यक्रम'' और विकास ''कार्यपालक विकास कार्यक्रम'' के अंतर्गत आय में बढ़ोत्तरी के कारण हुई।

3.2 31 मार्च, 1994 तक ''अन्य'' के अंतर्गत दिखाया गया जमा 1.14 लाख रुपये में से सिर्फ 0.59 लाख रुपये का जमा ब्योरा चालू परिसम्पत्तियों के तहत् उपलब्ध है। संस्थान (जुलाई 1994) द्वारा बताया गया कि शेष राशि संबंधित मदों का पता लगाया जाएगा।

3.3 पूर्व वर्षों की परसम्पत्तियों के निपटान के संबंध में 6.72 लाख रुपये की राशि अतिरिक्त आय (अनुसूची 12) के अंतर्गत दिखायी गयी है। (5.98 लाख रुपये 1992-93 वर्ष से संबंधित और 0.74 लाख रुपये 1993-94 वर्ष से संबंधित) परिसम्पत्तियाँ की अतिरंजना के परिणामस्वरूप भी परिसम्पत्तियों का मूल्य घटा नही था।

3.4 भविष्य निधि लेखा

संस्थान ने भविष्य निधि लेखा से संबंधित वर्ष 1993-94 का तुलन पत्र तैयार कर लिया है और इसे मुख्य लेखे में लाने के अतिरिक्त सामान्य भविष्य निधि एवं अंशदायी भविष्य निधि लेखे में मिला दिया है। यह भी देखा गया कि संस्थान द्वारा लिया गया अथ शेष अनन्तिम है क्योंकि 1988-89 से पूर्व के भविष्य निधि लेखों की निपटान किया जाना है।

4. अनुदानों का उपयोग

वर्ष 1993-94 के दौरान योजना और योजनेतर के अंतर्गत निधियों का उपयोग निम्नलिखित था:

	योजना	योजनेतर
	(रुपये लाखों में)	
1.4.1993 तक अनुपयोग की गई शेष राशि	—	—
वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	300.00	239.00
योग	300.00	239.00
उपयोग में लाई गयी अनुदान राशि	300.00	239.00
शेष	शून्य	शून्य

ह०/

ए. बासु

महा लेखाकार (लेखापरीक्षा)

स्थान : बेंगलूर

दिनांक :1 सितंम्बर, 1994

Indian Institute of Management Bangalore

Nineteenth Annual Report 1993 - 1994

Foreword

IIMB's endeavour to re-orient itself in keeping with the requirements of a changing environment has brought forth a heartening response.

This is readily evident from the sharp increase in the acceptance rate for offers of admission to the Post Graduate Programme. Equally, companies are showing a stronger preference than ever before for IIMB graduates who today command some of the best salaries in business and industry.

Recognising the growing demand for IIMB graduates, a significantly larger number of candidates were admitted to the PGP programme in 1993, a move which offers the additional advantages of spreading costs and holding down fee increases.

The Fellow Programme in Management (FPM) continued its quiet progress during the year. Already recognised as equivalent to Ph.D. in Management by the Association of Indian Universities, the FPM is in the process of being recognised by the Government of India as well for recruitments to government jobs.

IIMB's initiative in strengthening the managerial foundations at the first line on the shop floor and augmenting the flow of technology through its Management Programme for Technologists (MPT) has been rewarding, going by the response from participants and sponsors alike. The growing popularity of this Programme, launched in 1992, is reflected in the increased number of participants in the second MPT — currently in progress — and several new companies joining the list of sponsors.

The Executive Development Programmes are assuming increasing importance in the mix of the Institute's activities. Both the number of programmes and the average participation in each showed an increase in 1993-94. One tailor-made programme which drew highly favourable notice was the four-month General Management Programme for middle-level managers of BEL.

Faculty were active in research. A notable development was the establishment of a Centre for Capital Market Education and Research, funded by the UTI Institute of Capital Markets for developing case materials and undertaking research and training on capital markets.

Educational institutions and industry share a symbiotic relationship the world over. IIMB is no exception. Various organisations have been supportive of the Institute's efforts in research and training. This year endowments were provided by UTI for a Chair in Capital Market Studies and by Wipro Corporation for a Wipro Chair at IIMB. While BEL revived the BEL Chair in Management during the year, Canara Bank has agreed to revive the Canara Bank Chair in Management for a three-year period.

IIMB persevered with efforts to become financially self-reliant following the freeze in the budgetary support from the Government of India. Among the steps taken to augment revenue were step up in level of activity in Executive Development Programmes and launch of innovative programmes such as the MPT, increase in tuition fee for the Post Graduate Programme, and introduction of a placement fee of Rs.6,000 per candidate for companies who recruit on campus.

K.R.S. MURTHY
Director

March 31, 1994

Contents

		Page No.
	Foreword	3
1.	The Board of Governors	7
2.	Fellow Programme	9
3.	Post Graduate Programme	11
4.	Management Development Programmes	18
5.	Organisation-Based Programmes	20
6.	Research	22
7.	Publications	25
8.	Consultancy	29
9.	Foundation Day	33
10.	Faculty	34
11.	Areas and Sectors	43
12.	Library	61
13.	Computer Centre	62
14.	Hostel	63
15.	Construction	64
16.	Personnel and Administration	65
17.	Alumni	68
18.	Financial Position	69
19.	Accounts	71

1. The Board of Governors

Chairman

Dr. G.V.K. Rao
Former Chief Secretary, Government of Karnataka
Former Member, Planning Commission
Bangalore

Members

S.V. Giri
Education Secretary
Government of India
Ministry of Human Resource Development
Department of Education
New Delhi

Sujata Chauhan
Financial Adviser
Ministry of Human Resource Development
Department of Education
New Delhi

Dr. S.M. Das Gupta
Former Chairman, MP State Electronic Development Corporation
Bhopal

Dr. Ram S Tarneja
Chairman, BOI Mutual Fund
Bombay

Dr. Parvinder Singh
Chairman &
Managing Director
Ranbaxy Laboratories Limited
New Delhi

S. Pandit
Former Executive Director
Philips India Limited
New Delhi

S.K. Ghosal
Additional Chief Secretary
Government of Karnataka
Bangalore

Teresa Bhattacharya
Commissioner &
Secretary to Government of Karnataka
Education Department
Bangalore

A. Ravindra
Managing Director
Karnataka Power Corporation
Bangalore

Dr. N.R. Shetty
Vice--Chancellor
Bangalore University
Bangalore

Dr. Anuj Kumar Dhan
Former Vice--Chancellor
Ranchi University &
Chief Administrator
Cambridge School
Tatisilwai
Ranchi

Dr. Shyamal Roy
Professor
Indian Institute of Management Bangalore
Bangalore

Dr. T.B. Singh
Former Chairman &
Managing Director
Bharat Aluminium Co. Ltd.
New Delhi

Provash Chandra Neogy
Chairman &
Managing Director
HMT Ltd.
Bangalore

S. Samaddar
Former Secretary (Steel)
Former Member
Union Public Service Commission
New Delhi

B.V. Rajashekhar Reddy
President
Federation of Karnataka Chambers of Commerce and Industry
Bangalore

M.S. Patwardhan
Former Vice--President
National Organic Chemical Industries Ltd.
Bombay

Dr. M. L. Shahare
Former Director General,
Dr. Baba Sahib Ambedkar National Institute of Social Sciences
Indore

Dr. Prasanna Chandra
Professor
Indian Institute of Management Bangalore
Bangalore

Dr. U.R. Rao
Former Chairman
Indian Space Research Organisation
Bangalore

Dr.V.A. Pai Panandiker
Director
Centre for Policy Research
New Delhi

Ramesh Gelli
Chairman
Global Trust Bank Ltd.
Hyderabad

S. Ghosh
Deputy Director General
(Technological Services)
National Productivity Council
New Delhi

Dr. K.R.S. Murthy
Director
Indian Institute of Management Bangalore
Bangalore

as on March 31, 1994

1.1 Changes in Board Membership

- **Ms. Sujata Chauhan,** Financial Adviser, Department of Education, Ministry of HRD, was nominated by Government of India with effect from September 16, 1993 in place of **Mr. S.K. Banerjee,** Financial Adviser.

- **Dr. N.R. Sheth**, ceased to be a Member with effect from March 20, 1994 on completion of 5-year term.

1.2 Meetings

Meetings of the IIMB Society and Board of Governors were held on the following dates:

- Society
  March 17, 1994
- Board of Governors
  July 9, 1993
  October 28, 1993
  January 7, 1994
  March 17, 1994

2. Fellow Programme

The Fellow Programme in Management of IIMB is a doctoral level programme recognized as equivalent to Ph. D. by the Association of Indian Universities and Government of India. The first Fellow of IIMB graduated in 1980.

2.1 Fellows

The following five students, received the title of Fellow of IIMB at the convocation held on March 17, 1994.

Name	Title of Thesis
K.K. Guin (1986)	Planning Model with Technological Options: A Study of Coal Sector in India
Subrata Ray (1989)	Capital Asset Pricing Model:The Indian Context
Kaushik Ghatak (1989)	The Impact of New Technology on the Dimensions of Flexibility and Cost Efficiency in a Manufacturing System -- An Experimental Investigation)
Ramesh Padmanabhan (1989)	Network Influence on International Marketing Strategy, Investment Behaviour and Export Development : A Study of Indian Industrial Exports
T.K. Ashok Kumar (1990)	International Business Strategies for India's Project Exports: A Study

With these five, Fellows of IIMB total 50.

The following 15 students were doing their FPM at the end of the year.

Name	Batch
Dissertation:	
Vasanthi Srinivasan	1989
Anshukant Taneja	1990
Manjul Menon	1990
Kanti Kumar Gali	1991
Vadhri Srinivas	1991
Zarir P. Gandevia	1991
Research Proposals:	
Anil Kumar Bhat	1990
C. Hariharnath	1991
Suresh Venkat	1991
V. Maya	1991
II year:	
Pitabas Mohanty	1992
G. Shainesh	1992
N.V. Ramaraju	1992
I year:	
Naveen K. Gupta	1993
Randhir Mishra	1993

2.2 Admission 1994

For 1994 Admission, IIMB received 1,176 requests for application and 523 completed applications for the FPM Programme. While this represented a modest increase over last year, it was somewhat less than the year before, probably because of the increase in the Common Admission Test (CAT) fee.

2.3 New Courses

The following new courses were offered:

Title	Faculty
The Relationship between Accounting Earnings and Stock Prices --a seminar course	George Varughese
Advanced Investments	Venkat R Eleswarapu
Topics in Theory of Finance	M.R. Rao
Strategic Cost Management	R.Narayanaswamy
Services Marketing	P.N. Thirunarayana

2.4 Recognition

The All India Council for Technical Education (AICTE) accorded the FPM provisional recognition for two years as a pre-requisite for recognition by the HRD Ministry. Steps have been initiated to get permanent recognition from AICTE.

2.5 Student Matters

Mr. C. Hariharnath's paper, "Land Reforms and Common Property Resources", has been accepted by SAGE Publishers for publication in a book.

3. Post Graduate Programme

3.1 Diplomas

133 PGP students graduated at the 19th Annual Convocation on March 17, 1994. Dr. C Rangarajan, Governor, Reserve Bank of India, delivered the Convocation Address.

Mathew Cyriac and Jayantha Kumar Banerjee were awarded medals for outstanding performance and Anil Yadav for the best all round performance.

Since the first graduation in 1976, the total number of Post Graduate Diplomas in Management awarded by IIMB, recognized by the Government of India, stood at 2,034.

3.2 Preparatory Programme

A preparatory programme in Quantitative Methods and Communication Skills for 15 identified students entering the Post Graduate Programme in July 1993 was conducted from June 1-30, 1993.

3.3 Orientation Programme

Two hundred and twenty five students of the 1993-95 PGP batch and three Fellowship students of the batch joining in 1993 registered during the Orientation Programme held at the Institute from July 1-3, 1993.

The new students met the PGP Committee, Area/ Sector/Centre Coordinators, Alumni Representatives, Faculty, Chief Administrative Officer, Librarian and other Officers, for a briefing on the academic/administrative support systems in the Institute.

3.4 1993-95 Batch

The PGP 1993-95 batch had the highest-ever number of students at IIMB. During the last decade, PGP batches had strengths ranging between 109 and 208. The 1992-94 batch had 147 students and the 1991-93 batch, 157.

The acceptance rate increased from 36 per cent in 1992 to 51 per cent in 1993, indicating a significant improvement in preference for IIMB among the candidates.

As in the previous year, girls constituted 16 per cent of the batch. Although the number of offers made to SC/ST candidates was the same as last year, the number of acceptances declined. As a result, the proportion of SC/ST students declined sharply to 7 per cent of the batch strength; it was 19 per cent in the previous batch.

There was a marked reduction in the proportion of engineers; the current percentage is 63 as against 73 in the previous batch.

The 1993-95 batch was younger, with 82 per cent in the age group 19-23, compared to 63 per cent in the 1992-94 batch. Only 27 per cent had work experience of over 12 months as against 40 per cent in the 1992-94 batch.

About 15 per cent of the students had family incomes less than Rs.50,000 per annum, and 57 per cent had incomes less than Rs.1,00,000.

Twenty States were represented in the batch, with the largest percentage of students coming from Delhi (20), followed by Maharashtra(16), Uttar Pradesh(13), West Bengal(10), Tamil Nadu (10), and Karnataka(4).

3.5 Additional Facilities

Following the large intake of students for the PGP 1993-95 batch, one more section was added, taking the number of sections to four. To cater to the larger number of students, the library and computer sections are being kept open round the clock, all days of the academic year, except on three national holidays.

3.6 Elective Courses

Fifty-six elective courses were offered during 1993-94 as against 42 in 1992-93, and 39 in 1991-92. The nine new elective courses offered during the year are listed in the table below:

Title	Faculty	Participation
Customs, Central Excise & Sales Tax	S Krishnamurthy	52
Marketing Ethics	Fr. K. Cyriac	64
Retail Management	Prakash Ahuja	75
Emerging Trends in Strategic Marketing Planning	P. Siganporia	89
Personal and Inter-personal Effectiveness Workshop	C.M. Reddy	15
Introduction to Game Theory for Decision-Making	N. Harikrishnan	16
Industrial Economics	K.B. Nair	15
Mergers, Acquisitions and Restructuring	George Varughese	48
Money and Banking Institutions	Avinash Kumar Verma	45

3.7 Non-credit Courses

Apart from elective courses, the following seven non-credit courses were offered to II year students:

Title	Faculty
Forex Dealing Room	N. Krishnamurthy Manager (Dealing), Indian Bank Overseas Branch, Madras
Effective Business Communication	S.H. Venkataramani Manager (Communications), Ballarpur Industries Ltd. New Delhi
Money Markets	Monish Madhurkar Vice-President Head -- Money Markets & Securities Citibank, Bombay
Managerial Effectiveness and Value System: Indian Insights	Dr.S.K. Chakraborty Indian Institute of Management, Calcutta
Total Quality Management Behavioural Dimensions	Dr. Shanthi Srinivas California State University, USA
Fiscal and Monetary Policy	S. Shyamal Roy Indian Institute of Management Bangalore Bangalore
Services Marketing	V.S. Mahesh, Course Director Faculty of Business Studies University of Buckingham United Kingdom

3.8 Talks/Discussions

The following talks/discussions were arranged:

- "Globalisation of the Indian Economy and the Corporate Sector -- Strategies for Success"
  by Dr. C.K. Prahalad
  Professor of Business Administration
  School of Business Administration
  University of Michigan, Ann Arbor, USA
- "Emerging Trends in Indian Banking"
  by Mr. Y.S. Hegde, Managing Director
  Can Fin Homes Limited, Bangalore
- "International Merchant Banking"
  by Mr. Chris Andersen, Vice-Chairman
  Paine Webber Inc.
- "Corporate Strategy and Liberalisation -- DCM Case"
  by Dr. Vinay Bharatram, Chairman
  DCM Ltd., New Delhi
- "Globalised Economy"
  by Dr. Stephen F Dachi
  Minister-Counselor for Public Affairs
  American Embassy & Director
  US Information Service in India, New Delhi
- "Mergers and Acquisitions"
  by Professor Sris Chatterjee
  Fordham University
  U.S.A

3.9 Panel Discussions

- A panel discussion on "What do we expect from an MBA in the Nineties", coordinated by Professor Pritam Singh, was held on July 3, 1993, as part of the Orientation Programme for I year students. The panelists were Dr. Maya Reddy, Vice-President, Digital Corporation, Bangalore; Mr. R.R. Nair, Vice-President, Lipton India, Mr. A.D. Sinha, Promoter, MStrat Consulting Firm; and Dr. P S.B. Murthy, Additional Director, Corporate Planning, Indian Telephone Industries.
- Professor Pritam Singh chaired a panel discussion on "Profile of High Achievers" on October 5, 1993. The following were the panelists:

  Mr. S.S. Majumdar, Vice - President
  Siemens Limited, Bombay

  Mr. Y. Sriram, Dy.GM
  ABB, Bombay

  Mr. T.D. Devare, Dy.GM
  Grindwell Norton Ltd., Bombay

  Dr. Rajan George, GM (Personnel)
  Bayer (India) Ltd., Bombay

- Participants in General Electric's "Manager Development Course for the Potential Middle-level Managers" -- launched this year in India for the first time by the US company -- joined IIMB students in a panel discussion on "Globalisation and its Impact on Manager Development," on November 11, 1993.

  Professor K.R.S. Murthy, Director IIMB and Dr. Dennis J. Encarnation, Harvard University, were the moderators.

3.10 Awards

The following nine students of PGP 1992-94, who qualified for the "Director's Merit List" on the basis of their performance during the first year, were presented awards at the Orientation Programme on July 1, 1993:

Name	Roll No.	Section
Mathew Cyriac	9211072	B
Jayanta K Banerjee	9211066	B
Debashish Poddar	9211014	A
Abhiram Bhattacharjee	9211001	A
Palaniappan C.T.	9211077	B
Venkateshwaran S	9211145	C
Anand R	9211006	A
Gurushankar R	9211065	B
Ravishankar Pandey	9211032	A

The following students of PGP 1993-95 batch (I year), who ranked first in their respective sections at the end of I term, were each awarded books worth Rs. 500 and a Certificate of Merit:

Name	Roll No.	Section
Ashutosh Garg	9311006	A
Datta Arnab Siddhartha	9311072	B
Sanchayan Chakraborty	9311159	C
Anish Tawakley	9311183	D

The following six students of PGP 1993-95 batch (I year) who ranked first in their respective sections at the end of II term were each awarded books worth Rs. 500 and a Certificate of Merit:

Name	Roll No.	Section
Ashutosh Garg	9311006	A
Datta Arnab Siddhartha	9311072	B
Anupam Jain	9311125	C
Raghavendra R	9311149	C
Anish Tawakley	9311183	D
Vineeta	9311235	D

3.11 Placement

New guidelines governing Placement came into effect from 1993-94. The participating companies will bear the following fees:

- A placement service charge of Rs. 10,000 per company for companies scheduled for interview on the first three days, and Rs. 6,000 per company thereafter.
- An amount of Rs.6,000 per student recruited (to be paid by the organisation to the Institute immediately after the graduate joins the organisation). If a company makes more than 10 offers, the Coordinator, Placement will have the discretion to fix the ceiling at Rs. 60,000 on total per candidate charges.
- A Placement Club membership contribution of Rs.3 lakh, enabling a company/group to recruit from IIMB for the next five years without making any other payments under (1) and (2) above.

Placement activities started as normal with the production of placement brochure. During the period, October 30, 1993 to January 31, 1994, about 90 companies made pre-placement presentations on campus; a majority of them conducted summer placement selections as well. Thus, 210 students of PGP I, two FPM students, and two students of 1993-95 batch secured summer project assignments with 83 companies, nine of whom belonged to the public sector.

Final placements were held on campus daily from February 26, 1994, after the sixth-term examinations. By the morning of the 6th day, that is on March 3, 1994, placements were complete, with one student of the 1991-93 batch also getting offers.

About 105 companies sought participation in the final placement programme. Although 95 companies were scheduled for placement interviews, only 73 companies could be accommodated since all the students had already been placed before.

There were 133 students for final placement. Of these, two students had secured letters of appointment even before campus recruitments commenced, and nine had received 'out of placement' offers — all from private firms — when the placement process was still on. In all, 191 offers were made on campus to the remaining 122 students. The 133 graduates are now set to join 60 companies; 28 of them will be joining 10 public sector units. The Area-wise tally of offers made and accepted indicates that Finance has replaced Marketing in popularity. While 73 offers were received in the Marketing Area only 45 were accepted. In the Finance Area, on the other hand, 50 offers were accepted against 67 offers received. Information technology industry attracted 13 students and Engineering, 14. The detailed break-up is given below:

Area/Sector	No. Joining
Industrial Marketing	11
Consumer Marketing	34
Banking Sector	11
Financial Institutions	39
Engg.Ind./Petroleum/Misc	13
Advtg./Research Agencies	6
Consultancy Companies	6
Infotech. Companies	13
Total	**133**

One alumnus (1991-93 PGP batch) who participated in the campus recruitments received two offers; he opted to join a public sector company.

The maximum salary offered was Rs.3.4 [illegible] per annum (excluding performance incentive of up to 200%) and the minimum, Rs 78,000. The average salary worked out to Rs 1.12 lakh per annum.

The bio data of three FPM scholars who qualified for placement have been sent to companies of their choice; they are likely to receive their offers very soon.

3.12 Student Activities

3.12.1 Foreign Language Classes: With the increasing globalisation of the Indian economy, knowledge of foreign languages has become important for future managers. Recognising this, IIMB students have taken the initiative to arrange, on campus, familiarity-level courses in German, French, and Japanese.

3.12.2 Finance Club: The IIMB Students' Association formed a Finance Club with the following objectives:

- Enhancing awareness among students about current financial/economic developments.
- Broadening the perspective through interaction with well-known finance professionals.

The Club organised the following activities in 1993-94:

- A series of guest lectures by practitioners from the financial services industry and the corporate sector.
- Workshops on specific topics such as pricing of new issues.
- A series of presentation and discussion sessions by the students working under the guidance of a faculty member on topics of current interests in areas relating to finance.
- Other activities such as quiz competitions among students.

The Club organised the following programmes in 1993-94:

June 30, 1993 — A lecture - cum - discussion on the "Indian Stock Market Operations" by Mr. P. S. Reddy, Member, Bangalore Stock Exchange. Over 200 students and faculty members attended.

July 14, 1993 — A talk on "Financial Sources -- Present and the Future" by Mr.T.V. Mohandas Pai, Executive Director, Prakash Leasing Ltd.

July 24, 1993 — Finance Quiz; 30 teams attended.

August 12-13, 1993 — Workshop on "Merchant Banking" by Mr. Shailendra K Gupta, Manager, SBI Caps, Bangalore, and Professor George Varughese; issues relating to pricing of equities in India and US were discussed.

September 19, 1993 — A talk on "International Merchant Banking" by Mr. Chris Anderson, Vice - Chairman, Paine Webber Inc.

September 30, 1993 — A talk on "Emerging Trends in Capital Markets" by Mr. M.R.Mayya, former Executive Director, Bombay Stock Exchange.

January 8, 1994 — A seminar on "Capital Markets -- Challenges Ahead; more than 120 delegates from all over India attended. Among those who addressed the seminar were Mr. V.N. Vaghul, Chairman, ICICI, Mr. Mahesh Gandhi, Executive Director, CTI, Mr. R.H. Pandya, Executive Director, SEBI, and Mr. M.R. Mayya former Executive Director, Bombay Stock Exchange, Mr. Pradip Shah,CRISIL.

January 7, 1994 — A lecture by Mr. R. Vijayaraghavan, Editor, Business Line, on "Thirty Months of Liberalisation".

March 7, 1994 — A discussion on Union Budget 1994. The participants were Professors Indira S. Rajaraman, P.G. Apte, S. Sundarajan and Mr. P.S. Reddy, a Stock Broker.

3.12.3 Niche - The MSIL - IIMB Marketing Club: Niche, the marketing club formed by students and sponsored by MSIL for promoting better interaction between the student community and industry, was formally inaugurated on July 27, 1993. Professor K.R.S. Murthy, Director, IIMB, presided over the

inaugural function. Mr. H.M. Khanna, Executive Vice-President (Marketing), Eskayef Limited, delivered the key-note address. Mr. M.B. Prakash, Chairman, MSIL, offered further financial support to the Club, which aims to develop into a forum for marketing professionals and academics.

Dr. C.K. Prahalad, the well-known author on business strategy and currently, Professor of Business Administration, School of Business Administration, University of Michigan, Ann Arbor, USA, visited IIMB on August 16, 1993 and addressed students on “Globalisation of the Indian Economy and the Corporate Sector -- Strategies for Success”. The talk was followed by an absorbing discussion in which the students actively participated.

On September 24, 1993 the Club arranged a talk by Mr. Prakash Tandon, one of India’s best-known professional managers, on “Globalisation of World Economy”.

On December 30, 1993, the Club arranged a lecture by Dr. Rajan P. Varadarajan, Foley’s Professor of Retailing & Marketing, Texas A&M University, U.S.A., on “Services Industry -- Sustainable Competitive Advantage.”

3.12.4 Music Club: “Dhun”, a musical night, marked the inauguration of IIMB Music Club on August 20, 1993. Faculty, Officers, and Students participated in the programme.

3.12.5 Creche for Construction Workers’ Children: On the initiative of PGP students, a creche-cum-school, meant specially for the children of construction workers at IIMB site, was opened on campus on November 22, 1992. The creche provides day-care for infants, mid-day meals, classes in basic literacy, and medical care for all children. Effective July 16, 1993, a committee comprising representatives of students and faculty, in addition to two officers, has been formed to run the creche.

3.12.6 Adventure Club: IIMB has been registered as an Institutional Member of SPARK (Society for Promotion of Activities and Rock Climbing). The Adventure Club seeks to promote outdoor activities and encourage closer communion of its members with Nature. As of date, the Adventure Club has organised treks to Chunchi, Chinkeswara Hills, and Mercara.

A 13-member student team trekked to the Kotabett peak (5,800 ft) in Coorg, the third highest in Karnataka, during October 21-24. The team included two girls from PGP II: Ms. Sujatha Dutta and Ms. Laxmi Vasudevan.

3.12.7 SPIC-MACAY Programme: Spic-Macay (Society for Promotion of Indian Classical Music and Culture Amongst Youth arranged a programme on October 19, 1993. by sarod maestro Dr. Rajeev Taranath under Lecture - Demonstration (LEC - DEM 1993) Series at the Institute. He was accompanied on the tabla by Mr. Nayana Ghosh.

3.12.8 Quality Summit: IIMB participated in the Quality Summit 1993 organised by the Confederation of Indian Industry (CII) at Hotel Ashok, Bangalore from November 1-4, 1993. The summit consisted of a series of seminars on Quality with lectures delivered by experts from India and abroad. Besides the seminars, CII organised an exhibition in which over 70 companies and trade associations from all over India participated. The IIMB stall was among the most popular, focusing on the concept of quality in education.

The Karnataka Chief Minister, Mr. Veerappa Moily, and Mr. J.J. Irani, former president. CII, were among the distinguished visitors to the stall. Feedback from visitors to the IIMB stall indicated good scope for increasing the number of EDPs.

3.12.9 Nexus: IIMB’s annual consumer fair, **Nexus’ 93** was held from December 11-12, 1993 at the St. Joseph’s Hostel Grounds. The fair is a market-research exercise where research problems are converted into games and relevant information elicited from respondents. Mr.T.K Gururaj Director (Personnel), HMT Limited, who inaugurated the fair, spoke about the relevance of such innovative market-research exercises in the current economic scenario. He released the commemorative magazine of Nexus’93.

The fair, an annual affair, was made a part of the

curriculum for the first time this year. It carries 40 per cent weightage in the "Marketing Management - II" course of PGP-I. The entire batch of PGP-I was grouped into 16 teams (4 from each section). Each team was then evaluated on the research proposal submitted on the conversion of the research problem into a game, the top-of-the-line findings and on the final analysis, and the report that was submitted.

Eleven organisations participated in Nexus '93: Chaitra Leo - Burnett, Deccan Herald, DEIL, Eskayef, Godrej, HMT, McDowell, MSIL, Mysore Polymers, Rediffusion, and TVS Suzuki. HMT offered two research problems and the rest one each. Besides, there were four non-sponsored research projects.

Display stalls were put up by Crompton Greaves, Farid Motors, MSIL, and Orient General Industries, and food stalls by Athika, Cadbury's, Indian Fast Foods, and Pepsi. A number of fun-game stalls were also put up.

An estimated 6,500 people visited Nexus'93 over two days. Because of the heavy rush on the second day, the gates had to be closed two hours in advance.

3.12.10 Awards: Mathew Cyriac and Anand Ramachandran Iyer (both PGP II) bagged National Awards for excellence in advertising and marketing instituted by the magazine, A & M.

The A & M Marketing Scholar Award, carrying a monthly scholarship of Rs.500 and a citation, went to Mathew Cyriac. Anand Ramchandran Iyer won the A & M Future Strategist Award, which carries a cash prize of Rs.2,500 and a citation.

3.13 Admissions 1994-96 Batch

Advertisements for the Common Admission Test (CAT) for the four IIMs appeared in leading newspapers on September 2-3, 1993.

The CAT was held on December 12, 1993. In the five centres under IIMB's control -- Bangalore, Ernakulam, Madras, Tiruchirapally, and Vijayawada — 4,753 candidates appeared for the Test.

The number of candidates who appeared for the Test at these centres represented a 8 per cent increase over the previous year.

4. Management Development Programmes

In 1993-94, fifteen MDPs were conducted. The average participation per MDP increased from 15 in 1992-93 to 21 in 1993-94.

Nominations for MDPs improved substantially with only three programmes getting less than 15 nominations. Further, more senior executives participated in the programmes than in the past. Efforts are continuing to further increase the number of participants in MDPs as well as enhance the level of participation.

4.1 MDPs Conducted

The fifteen MDPs conducted during April 1, 1993 - March 31, 1994 had a total participation of 317. The details of the MDPs conducted are given below:

	Title	Dates	Days	Participation
1.	Strategic Planning	17-19 May '93	3	14
2.	Purchase Negotiations	17-19 Jun '93	3	29
3.	Advertising & Promotion Strategy	14-16 Jul '93	3	18
4.	Purchasing & Materials Management	19-22 Jul '93	4	26
5.	General Management	Aug.23 - Sep.2,'93	10	15
6.	Introduction to Object - Oriented Information Technology	8-9 Oct.'93	2	21
7.	Team Building & Conflict Management	1-5 Nov.'93	5	50
8.	Management Styles	15-19 Nov.'93	5	23
9.	International Corporate Finance	6-10 Dec.'93	5	21
10.	Decision - Making for Marketing of Consumer Products	17-20 Jan.'94	4	15
11.	Marketing in a Competitive Environment	Jan.3 - Feb. 4, '94	5	18
12.	Management of Growth	2-4 Feb.'94	3	17
13.	Negotiation Skills	14-16 Feb.'94	3	31
14.	Technology Management for Competitive Advantage	14-18 Feb.'94	5	9
15.	Achieving Managerial Excellence	21-25 Feb.'94	5	10
			65	317

4.1.1 Areawise Break-up of MDPs:

Area	Offered	Cancelled	Held
Corporate Strategy	2	-	2
Marketing	3	-	3
Production and Operations Management	2	-	2
General Management	4	1	3
HRD (Human Resource Development)	4	1	3
Computer	3	2	1
Finance	1	-	1
	19	4	15

4.2 Management Programme for Technologists (MPT)

The nine-month Management Programme for Technologists (MPT), a unique initiative of IIMB, was launched in 1992, in cooperation with the Confederation of Indian Industry (CII). MPT is designed to strengthen the managerial foundation at the first line on the shop floor and to augment the flow of technology-based leadeship for the future.

The first MPT had 24 participants. It concluded on May 28,1993 with a Validictory Address by V. Srinivasan, Chairman, WS Industries Ltd., Madras. Many of the participants of the first MPT have been received by their organisations with enthusiasm and enlarged responsibilities.

The second MPT, with 32 participants, was inaugrated on September 30th 1993. Mr. Arun K Thiagarajan Deputy Managing Director, Asea Brown Boveri Ltd., Bangalore delievered the inaugural address. The participants are drawn from both public sector and private sector organisations such as HMT, ITI, Kudremukh, Asea Brown Boveri and Siemens.

MPT is taking route and is finding a premier place in the Human Resource Development Programmes of several companies. The satisfied sponsores for the first MPT have increased the number of participants for the second MPT. The third MPT is scheduled to start in September 1994.

5. Organisation - Based Programmes

32 organisation-based programmes were conducted as compared to 28 in 1992-93 The number of programme days increased from 298 to 367, and participants from 572 to 738

After the near-doubling of the level of OBP activity last year, performance improved further in the current year A major highlight was the launching of a four-month General Management Programme for Bharat Electronics Ltd With the programme a great success, more companies are evincing interest in similar, long -term programmes Private sector companies, this year, sent more of their senior executives to organisation-based programmes which now evoke interest from a broader spectrum, including from the banking sector The Executive Block facilities were most optimally utilised

The break-up of the programmes conducted was as follows

Government Departments including IAS Programme	22
Public Sector Organisations	4
Private Sector Organisations	4
Banking Sector	2

5.1 OBPs Conducted

	Name	Organisation	Dates	Duration in Days	Faculty Leader(s)	Participation
1	3-Week IAS Programme	Dept of Personnel & Trg	April 5-23, 93	17	K B Nair T V Ramanayya	11
2	Project Management, Economics Statistics & MIS(I)	CSB	April 12- May 1, 93	18	R K Herlekar V Nagadevara	21
3	Project Management, Economics, Statistics & MIS(II)	CSB	May 17-June 5, 93	18	V B Kaujalgi S Rajagoplan	22
4	General Management	BEL	Jun 21-Oct 23,93	108	V Anand Ram	25
5	Product Market Planning	ITI	July 22-26, 93	05	Ramesh Mehta M J Xavier	27
6	Management in Government for IFS Officers	Ministry of Environment & Forest	Jul 26-30, 93	05	V Anand Ram	31
7	Marketing of Financial Services	Bank of India	Aug 2-6, 93	05	M J Xavier	24
8	Financial Management for IDAS Probationers	Indian Defence	Sep 6-25, 93	18	S Raghunath Vatsala Nagarajan	19
9	General Management	BHEL	Sep 27-Oct 7, 93	10	B Mahadevan	23
10	Analysis & Design of Information System	CSB	Oct 11-30 93	18	V B Kaujalgi B Narasinga Rao	22
11	Finance for Non-Finance Managers	NAF&CSC *	Oct 26-30, 93	05	R Vaidyanathan	18
12	Creating Financial Awareness for Managers	RPG Group	Nov 8-10, 93	03	R Narayanaswamy	21
13	Management Module for Diplomats	Foreign Service Institute	Nov 8-12, 93	05	S Raghunath	12
14	Management of Natural Resources for IFS Officers	Ministry of Environment & Forest	Nov 15-19, 93	05	V Ranganathan	20

15	International Management & Cross-Cultural Behaviour for Foreign Diplomats	Foreign Service Institute	Nov 22-26, 93	05	S Raghunath	27
16	General Management for Marketing Executives	DABUR Pharmaceuticals	Nov 27-Dec 1, 93	05	R K Vijayasarathy	15
17	Senior Level IAS Programme	Dept of Personnel & Trg	Nov 29-Dec 17, 93	17	Shyamal Roy V K Tewari	13
18	Developing Managerial Skills	Yokogawa Blue Star	Dec 2-4, 93	03	Premchander	24
19	General Management for Managers	Union Bank of India	Dec 13-17, 93	05	M J Xavier	26
20	Managing Growth	Yokogawa Blue Star	Dec 17-18, 93	02	Premchander	16
21	Achieving Managerial Excellence	Dept of Tech Education	Dec 20-24, 93	05	Kalyani Ganghi	23
22	Industrial Policy Planning & Development -IAS Officers	Dept of Personnel & Trg	Dec 20-24, 93	05	Ranajit Dhar	28
23	MIS for Sr Mgmt in Civil Supplies	NAF&CSC *	Dec 28-30, 93	03	L S Murthy V B. Kaujalgi	22
24	Restructuring India's Economy - Implications -IAS Officers	Dept of Personnel & Trg	Jan 3-7, 94	05	P G Apte	30
25	Public Administration for the New Economic Order -IAS Officers	Dept of Personnel &Trg	Jan 10-28, 94	17	L Prasad S Nayana Tara	38
26	Marketing Strategy for Civil Supply	NAF&CSC *	Jan 24-28, 94	05	T P Gopalaswamy	14
27	Restructuring India's Economy -Implications -IAS Officers	Dept of Personnel &Trg	Feb 7-11, 94	05	Shyamal Roy	44
28	Integrated Environmental Management	Ordnance Factory	Feb 14-18, 94	05	N Naganna K M Anantharamaiah	24
29	Leadership and Management	ONGC	Feb 21-Mar 4,'94	12	Pritam Singh	27
30	Project Management & Statistics	CSB	Feb 28 Mar 19, 94	18	M R Rao A K Rao	22
31	General Management for Interaction Between Scientists & Administrators	DAE	Mar 7-11, 94	05	L Prasad	25
32	MIS in Civil Supply Corporation	NAF&CSC *	Mar 7-11, 94	05	V Nagadevara	16

** National Association for Food & Civil Supplies Corporation*

6. Research

6.1 Research Projects Funded by the Institute

The Institute encourages the faculty members to undertake research projects by providing seed money. Normally,the quantum of assistance available for a research project is up to Rs.10,000. The expected output from this kind of pilot projects are as follows:

- Based on the research work, the faculty may publish articles in journals, etc.
- Faculty may prepare a detailed project proposal for submission to an external agency for funding.
- Faculty may prepare a case study to be used for teaching and training purposes.

The following four research projects funded by the Institute were completed during the year:

Title	Budget Rs	Faculty
Industrial Relations Policy and Law	10,000	BR Patil
Unionisation Among White Collar and Professional Employees	6,000	BR Patil
Developing a Case on Implementation of ISO 9000	6,000	MR Gopalan
Case Study on Syndicate Bank -- All Women's Branch	2,500	TS Nagabhushana

The Institute initiated the following seven projects. The seed money sanctioned totalled Rs.52,000.

	Title	Budget Rs.	Faculty
1.	Manufacturing Practices in Indian Engineering Industry	10,000	T.S. Nagabhushana Janat Shah
2.	Case Studies on Infotech Industry	7,000	S. Raghunath
3.	Survey on Indian Marketing Research	10,000	M.J. Xavier P.N. Thirunarayana Madhukar Angur
4.	Developing a Case on Implementation of ISO 9000	6,000	M.R. Gopalan
5.	A Study on the Status of the JIT-Based Manufacturing in India	8,000	B. Mahadevan
6.	Case Study on Syndicate Bank --All Women's Branch	2,500	T.S. Nagabhushana
7.	Liquidity of Stocks	8,500	Venkat R. Eleswarapu

In addition to five projects initiated during the year, except sl. nos. 4 and 6 above which were initiated and completed during the year , the following 19 projects, including some initiated during earlier years, were in progress at the end of the year:

	Title	Budget Rs.	Faculty
1.	Measuring Quality Costs	5,000	R. Narayanaswamy
2.	Management Responses to Growth	10,000	N. Naganna
3.	A Knowledge - Based Information System for Optimising Funds Flow at ABB Corporate	10,000	B. Shekhar
4.	The Impact of the Govt's Economic Liberalisation Programme on Indian Companies --A Survey of Top Management	10,000	L. Prasad
5.	Documentation on Management of Public Systems	9,500	V. Nagadevara
6.	Investment Opportunities for Indian Companies in East Germany	9,240	Ramnath Narayanswamy
7.	Developing a Case on Performance Appraisal	10,000	Kalyani Gandhi
8.	The Process of Developing and Maintaining Distinctive Organisational Culture	8,500	C.M. Reddy
9.	Role Conflict Among Working Women	1,500	M. Venugopal
10.	Using Financial Data to Express Stock Prices	5,000	Premchander
11.	Management of Panchayatraj in Karnataka	6,500	B.K. Chandrashekar
12.	Management of External Debt	10,000	P.G. Apte
13.	Role of U.N. Agencies in the Development of Under developed Countries -- Policy Issues and Perspectives	13,500	Ranajit Dhar
14.	Management Education & Social Change: A Case Study of IIM Graduates	10,500	Mira Bakhru
15.	Analytical Study of Management Education in Southern Region	11,000	Malathi Somaiah
16.	Traffic Management at Junctions Using "TRANSYT"	6,900	T.V. Ramanayya K.M. Anantharamaiah
17.	Role of Traditional Medical Practitioners in Primary Health Care	10,000	J.C. Bhatia
18.	Community Financing of Rural Health Services -- A Case Study of a Health Cooperative	10,000	J.C. Bhatia
19.	A Comparative Study of the Management Practices of the Primary Health Care Services in the Four Southern States	5,000	P. Bhaskaran

6.2 Research Projects Funded by External Agencies

The following two research projects were initiated:

Title	Budget Rs.	Faculty
Environmental Impacts of Iron Ore Mining in Bellary District funded by the Karnataka State Council for Science & Technology	20,000	N. Naganna
Centre for the Capital Market Education and Research at IIMB funded by the UTI Institute of Capital Markets	5,00,000	George Varughese

The following seven projects were completed:

Title	Budget Rs.	Faculty
Long-range Planning in Indian Public Sector Organisations, sponsored by the Madras Refineries Ltd., Madras	88,500	S. Krishnan
Determinants of Contraceptive Use Dynamics, funded by WHO	$65,000	J.C. Bhatia
The Effect of Mother's Education on Child Survival, funded by the Ford Foundation	$1,25,000	J.C. Bhatia
Designing and Inter-linking Traffic Signals Using 'TRANSYT', funded by the Bangalore City Corporation	18,000	T.V. Ramanayya K. M. Anantharamaiah
Financial Management of Indian Universities, funded by the National Institute of Educational Planning and Administration, New Delhi	48,000	Malathi Somaiah
Development of a DSS for Improving Locational Efficiency of Service Systems, funded by the National Science Foundation, Washington DC	14,96,000	V.K. Tewari
Cauvery Water Dispute Studies regarding Socio-economic Aspects of Droughts Under Cauvery Basin, sponsored by the Government of Karnataka	45,000	S.T.S. Reddy

7. Publications

7.1 Books

Ranganathan V., **Rural Electrification in Africa** (African Energy Policy Research) Zed Books, 1993 (Ed.)

Shivaramu S., **Globalisation and Indian Liberalisation**, South Asia Publications, Delhi,February,1994.

International Business: Governance Structure; A.H. Wheeler Publishing, New Delhi, March, 1994.

7.2 Articles

Anantharamaiah K.M. and Ramanayya T.V., "Commodity Movement in Rural Areas" was published in the Journal of **Transportation Management**, October 1993 .

Bhatia J.C.,"Levels and Causes of Maternal Mortality in Southern India", **Studies in Family Planning***, 1993; 24, 5:31 0-318.

"Population Control: Female Literacy is the Key", **Deccan Herald**, February 3, 1994.

"Maternal Mortality: A South Indian Study In Maternal and Infant Mortality - closing the gap between Perinatal Health Services", edited by Elton Kessal et.al. **Maternal and Child Health**, International, Geneva, 1993.

Review of "State of India's Health", Voluntary Health Association of India, New Delhi, 1993, **Deccan Herald**, October 3, 1993.

Chary S.N.,"Some Strategic and Operational Questions", **Industrial Engineering Journal**, Vol.22, No.8, August 1993.

Indira S Rajaraman,"Real Exchange Rate Movement of the Indian Rupee: Impact on Selected Commodity Exports", **UNCTAD REVIEW** , No.4, 1993.

Mahadevan B., "Estimation of Number of AGV's For An FMS: An Analytical Model", **International Journal of Production Research,** July 1993.

"Buffer Levels and Choice of Material Handling Device in Flexible Manufacturing Systems", **European Journal of Operations Research,** Vol.69, No.2, September 10, 1993.

Malathi V. Gopal, "Teachers Appraisal for Nursery Schools, **Progress of Education,** March 1993.

Ramanayya T.V. and Anantharamaiah K.M. "Transportation Characteristics in Rural Areas of Southern India" was published in the proceedings of third national conference on "Transportation System Studies" held at Andhra University in December 1993.

Ranganathan V., "Electricity Privatisation: Case of India", **Energy Policy, UK,** August 1993.

Ravi Kumar R., "Managing Success through Humour", **Economic Times**, August 19, 1993.

Ramnath Narayanswamy, "The Long March from the Command Economy to the Market" in **Kanta Ahuja** (ed.): **Regime Transfor- mations and Global Realignments**, Sage Publications, New Delhi, 1993.

Shivaramu S., "Consultancy Project Exports: Overseas Entry Strategy", **Foreign Trade Review,** Vol.XXVII, No.7, April 1993.

"New Management" (Diagnosis of the Nature of Changes: First Section), **Organisational Management,** April-June, 1993.

"RX New Management: Part II -- Prognosis and Prescriptions", **Organi - sational Management,** July-September 1993.

Reddy S.T.S, "Neglected Sector", **Seminar,** June 1992.

Venkat R. Eleswarappu, "The Seasonal Behaviour of the Liquidity Premium in Asset Pricing", **Journal of Financial Economics,** 34(1993), 373-386, North-Holland.

Xavier M.J., Three Generic Strategies for Small Scale Industries, **Sedme**, Vol. XX, No. 1, March 1993, Pp. 1-7.

Postures of Strategy, May 1, 1993, **The Business Standard**.

Two Strategies for Niche Marketing, May 13, 1993, **The Hindu**.

Vijayasarathy R.K., The New European Market 92: Challenges and Opportunities to the Indian Pharmaceutical Firms, Foreign Trade Review Journal (accepted for publication).

"Euro-India Cooperation and Trade: A Case Study of the Netherlands -- India Pharmaceutical Industry", **Nijenrode Press,** Nijenrode University.

7.3 Research Papers

Ravi Kumar R., Strategies to Change Stress-prone Personality: A Novel Approach to Stress Management, ESADE Papers, 1993.

Bull-fighting: A Behavioral Strategy for Managerial Health and Happiness, ESADE Papers, 1993.

Managerial Success through Humour, ESADE papers, 1993.

Vijayasarathy R.K., Euro-India Cooperation and Trade: A Case Study of the Netherlands - India Pharmaceutical Industry.

7.4 Working Papers

The following 21 working papers were brought out during the year:

1. Economic Sizing of Warehouses : Some Extensions
   A.K. Rao
   M. R. Rao
2. On an Evaluation and Optimization Model for Media Planning
   A.K. Rao
   M.R.Rao
3. Global Manager: Indian Perspective
   S. Shiva Ramu
4. Small Business: Promotion of Exports & Technology
   S. Shiva Ramu
5. Research in Policy Analysis --The Approach Paradigms
   Subbarayan Prasanna
6. An Optimization Model for Media Planning
   A.K. Rao
   M. R. Rao
7. The Concept of Business Strategy
   M. J. Xavier
8. Globalising Indian Business: Question of Mind Set and Dynamism in Policy
   J.Ramachandran
9. Rural Transportation Scene in Southern India
   T.V.Ramanayya &
   K.M. Anantharamaiah
10. Project Resource Schedule and Optimal Inventory Policy
    V.B.Kaujalgi
11. Software Engineering and Management (SEM) --Overview of the Special Programme at IIM, Bangalore
    V.B.Kaujalgi

12. Colour in Advertising
    Gerald J. Gorn
    Amitava Chattopadhyay
    Tracey Yi

13. Some Empirical Investigations on the Determinants of Cost Behaviour in Coal Mining Industry
    N. Naganna

14. Restructuring UTI: The Missing Dimension
    J. Ramachandran &
    R. Vaidyanathan

15. A Critique of the Draft Technology Policy
    M. R. Gopalan

16. Dilemmas of Change and Transformation: Managing Through Leadership
    Pritam Singh &
    Asha Bhandarker

17. Survival and Not Profiteering: The Rationale Behind Retention of Budgetary Benefits
    J. Ramachandran

18. Some Managerial Issues Concerning Implementation and Maintenance of Flexible Manufacturing Systems -- An Indian Perspective
    B. Mahadevan

19. Vehicle Routing Problem and Stimulated Annealing
    S. Rajagopalan
    A. K.Rao

20. Management Education in India: Yesterday, Today and Tomorrow
    V. Ranganathan

21. Restructuring the Power Sector in India
    V. Ranganathan

Mr. Kanti Kumar Gali, an FPM Student, completed a working paper on "Mutual Funds in India" under Professor Vaidyanathan's guidance.

7.5 Paper Presentation at Seminars/ Conferences

George Varughese: "Restructuring Financial Markets", at the Annual Conference of Association of Indian Management Schools, Trivandrum, August 25, 1993.

Gita Sen: "Women's Empowerment and Human Rights: The Challenge to Policy", at the Population Summit of the World's Scientific Academies in New Delhi, October 27, 1993.

"Women's Empowerment and Population Policies", at the Conference on 'Population Reconsidered: Empowerment, Health and Human Rights', organised by the Swedish International Development Agency for Research Cooperation (SAREC) in Harare (Zimbabwe) during December 6-10, 1993.

Narayanaswamy R: "Current Trends in cost Management", at the Southern Regional Conference conducted by the Institute of Cost & Works Accountants at Hyderabad, December 12, 1993.

"Transition from State to Market in Eastern Europe" at an international seminar on 'Reform, Conflict and Change',organised by the Centre for Soviet and East European Studies, Jawaharlal Nehru Unviersity, November 24, 1993.

Ranganathan V: "Private Sector Participation in Power Generation in India" at the third Academic Conference of AMDISA, Hyderabad, held at Dhaka, Bangladesh from February 4-7, 1994.

Shekar B, & Xavier M J: "A New Approach to Segmenting Markets Using Rank Ordered Preferences," at the ESOMAR Conference on Information-Based Decision - Making in Marketing, held in Paris, during November 17-19, 1993.

Somasekhara Reddy S T: "Adding on Odds: Contribution of Green Revolution" at the Herbert Symposium on 'Relevance of Research', organised by International Agricultural Research Centres (IARCs), Switzerland, 15-22, October, 1993.

"Experiences in Rehabilitation of Traditional Irrigation Systems",

"Role of Women in Conservation of Seeds", and

"Indigenous Management Practices in Soil and Water Conservation" at the Congress on 'Traditional Sciences and Technology', IIT, Bombay, November 28 to December 3, 1993.

7.6 IIMB News

IIMB News is a monthly publication on campus activities/events of interest to IIMB community, well wishers and Alumni. During 1993-94, 12 issues were published and circulated among the Faculty, Board Members and Alumni.

8. Consultancy

The Institute faculty spent 312 faculty days on consultancy

8.1 Summary

Below is a summary of the number of consultancy/ OBP days logged during the calendar year 1993

Table 8.1 Consultancy and OBP

Number of Faculty	71
No of OBP Days	273 5
No of Consultancy Days	312
Professional Activities (Days)	543 5
Total	1129

Average consultancy and professional activity per faculty was 16 days (approx)

8.2 Projects Completed

Eight consultancy projects were completed during1993 as listed in Table 8 2 below Details of three projects are given below

"Quality of Life of STEP Beneficiaries in Karnataka:A Benchmark Survey", sponsored by the Karnataka Handloom Development Corporation (KHDC) through the Directorate of Women and Child Development The study aimed at assessing the changes brought about by a programme evolved and implemented by the KHDC and called "Support System to Employment Programme (STEP)", which sought to provide training to selected women in handloom weaving, handlooms, work sheds, accessories, the materials and design The study was carried out by Professor B R Patil

"Demand and Supply of Fuelwood in Karnataka", for the Karnataka Forest Department The study was carried out by Professor V Ranganathan The objective of the study was to determine if there was a fuelwood crisis in Karnataka in terms of consumption exceeding the supply The study was definitive on the consumption side, observing a very high per capita consumption in Karnataka at around 1 6 kg per person per day, indicating a fuelwood shortage However, the supply side could not be conclusive due to shortcomings in the existing methods at establishing the fuelwood availability

The summary findings of this study include the following

- Supply and demand for wood in Karnataka 1987-88
- Annual domestic energy consumption in Karnataka
- Rural per capita domestic consumption of fuelwood by different methods
- Reported per capita rural consumption of firewood as per different sub-classifications
- Percentage share of domestic consumption of different fuels in Karnataka
- Total firewood consumption in Karnataka in 1987 in log and twig forms

"Macro Level Structural and Environmental Factors Influencing Private Industry Sector in Karnataka and Kerala States", sponsored by SwedeCorp, Stockholm, Sweden, was initiated on June 1, 1993 and completed on September 3, 1993 The study was carried out by a team of four faculty members, K B Nair (Coordinator), P N Thirunarayana, T S Nagabhushana and Premchander

The study focussed on
i economic, political and institutional environment,
ii specific growth areas, and
iii future prospects and problems in the two States

The study was based on extensive interviews with entrepreneurs, professional managers, trade associations and policy makers, supplemented by secondary data

Table 8.2 : Consultancy Projects Completed

	Title	Funding Agency	Faculty
1.	Quality of life of STEP Beneficiaries in Karnataka - A Bench-mark Survey	Karnataka Handloom Development Corporation, Govt.of Karnataka	B.R. Patil
2.	A Market Survey on Integrated Circuits	Semi-conductor Complex, New Delhi	P.Bhaskaran
3.	A Study on Demand and Supply of Firewood and Timber	Forest Department, Government of Karnataka	V. Ranganathan
4.	Marketing Strategy for K.H.D.C.	Karnataka Handloom Dev.Corporation Ltd.,Bangalore	R.K. Vijayasarathy
5.	Recruitment of Management Trainees	Mazagaon Dock, Bombay	S.G. Lele
6.	Study of Private Enterprises Sector in Karnataka & Kerala	Swedecorp Sweden	K.B. Nair T.S. Nagabhushana P.N. Thirunarayana Premchander
7.	Marketing Strategy for HPF	Hindustan Photo-Films, Ooty	M. Jha George Varughese
8.	Survey on Customer Service at SBM	State Bank of Mysore, Bangalore	George Varughese

8.3 Projects Initiated

The following three projects were initiated during the year:

Title	Funding Agency	Faculty
A Management Audit of NABARD	Reserve Bank of India	S. Sundararajan Premchander
Conference in Sao Paulo	Government of Karnataka	P.G. Apte
Study of Private Sector in Kerala & Karnataka	SwedeCorp Sweden	K.B. Nair T.S. Nagabhushana P.N. Thirunarayana Premchander

8.4 Ongoing Projects

Thirteen projects were in progress during 1994, of which seven were carry-overs from previous years.

	Title	Funding Agency	Faculty
1.	Assessment of Economic Potential of Various Decentralised Energy Sources (May 1985)	K.D.S.T. Government of Karnataka	V. Ranganathan
2.	Bagalkot Rehabilitation Project-II (May 1988)	Bagalkot Township Development Authority	K.M. Anantharamiah B.K. Chandrashekar
3.	Computer-based MIS for Plantation (December 1990)	Kothari Industrial Corporation Ltd., Madras	S. Jagadish T.P. Gopalaswamy V. Nagadevara
4.	Uneven Production-ITI (January 1992)	ITI, Bangalore	T.S. Nagabhushana
5.	Hazard Analysis for Transportation of LPG (January 1992)	Kakinada Port Trust Andhra Pradesh	N. Naganna
6.	Restructuring of FCI-Holding Company	FCI, New Delhi	Ramesh Mehta
7.	Modelling of Short-term Macro-Economic Management Project (June 1993)	Government of Karnataka	P.G. Apte
8.	World Bank Assisted UPE in 4 Districts of Karnataka (June 1993)	Education Department New Delhi	S. Nayana Tara
9.	Improving Productivity & Performance (July 1993)	Safepack Plastics Pvt. Ltd. Bangalore	S. Sundararajan C.M. Reddy
10.	Retainer Consultancy (October 1993)	ITI, Bangalore	Ramesh Mehta
11.	Management Audit of NABARD (October 1993)	Reserve Bank of India	S. Sundararajan, Premchander
12.	Study of NCDC: Fisheries Project in Kerala	N.C.D.C. New Delhi	T.P. Gopalaswamy V. Nagadevara
13.	Socio-Economic Impact of Kakinada Port Expansion	Kakinada Port Trust Andhra Pradesh	T.V. Ramanayya V.Nagadevara N. Naganna

8.5 Proposals Sent

Twelve project proposals were sent to various institutions, as detailed below:

	Title	Funding agency	Faculty
1.	Study on Cement Demand	Cement Manufacturers Association, New Delhi	Ranajit Dhar M.R. Rao P.G. Apte
2.	Research in Trade Liberalisation	USAID New Delhi	S.V. Bokil
3.	Study of Fertilizer Retention Price-cum-Subsidy- FICC	Ministry of Chemicals & Fertilizers	T.P. Gopalaswamy R. Narayanaswamy Premchander
4.	Interactive Computer Facility Design Packages on Transport	Ministry of H.R.D., New Delhi	T.V. Ramanayya K.M. Anantharamaiah
5.	Assessment of Growing Stock of Eucalyptus Plantations	K.F.D.C., Bangalore	T.P. Gopalaswamy
6.	Study of Inventory Control at BWSSB	B.W.S.S.B., Bangalore	Janat Shah
7.	Training Programme for STRAP	S.T.R.A.P., Lucknow.	K.M. Anantharamaiah T.V. Ramanayya
8.	Study of NCDC : Sugar Mills and By-product in Sugar Mills	N.C.D.C., New Delhi	T.P. Gopalaswamy V. Nagadevara
9.	External Evaluation of the Performance of TLC in Shimoga	Aksharatunga, Shimoga Karnataka	Malathi Somaiah
10.	Investment Strategies in the Power Sector	Ministry of Finance, GOI	V. Ranganathan
11.	Ceiling Limit on Autos in Bangalore	Commissioner of Transport, Bangalore	T.V. Ramanayya K.M. Anantharamiah
12.	Programme of Action on Education	Commissioner of Public Instruction, Bangalore	S. Nayana Tara

9. Foundation Day

IIMB completed 20 years on October 28, 1993. The Twentieth Foundation Day was celebrated as a public function on Campus.The highlight of the programme was the Foundation Day Lecture, "Who is Afraid of Liberalisation?" by Mr. Rohinton D. Aga, Chairman and Managing Director, Thermax Limited, Pune. K.R.S. Murthy, Director, IIMB, spoke about the Institute and its activities.

The Foundation Day celebrations, this year, were subdued because of the devastating earthquake in the Marathwada region. The sports events were cancelled. However, there was a cultural programme consisting of skits, dances, and songs by the staff, students,officers, faculty and their families. The programme was organised by a committee chaired by Professor S. Sampangiramaiah.

10. Faculty

The following was the faculty position as on March 31, 1994:

Director

Dr. K.R.S. Murthy

Professors

1. V. Anand Ram
2. K.M. Anantharamaiah
3. P.G. Apte
4. P. Bhaskaran
5. J.C. Bhatia
6. B.K. Chandrashekhar
7. S.N. Chary
8. Chiranjib Sen
9. B. Ghosh
10. Gita Sen
11. M.R. Gopalan
12. T.P. Gopalaswamy
13. R.K. Herlekar
14. Indira S. Rajaraman
15. S. Jagadish
16. M. Jha
17. Kalyani Gandhi
18. V.B. Kaujalgi
19. S. Krishna
20. S.G. Lele
21. T.S. Nagabhushana
22. V. Nagadevara
23. N. Naganna
24. K.B. Nair
25. Prasanna Chandra
26. Pritam Singh
27. T.V. Ramanayya
28. Ramesh Mehta
29. Ranajit Dhar
30. V. Ranganathan
31. A. K. Rao
32. S. Shiva Ramu
33. Shyamal Roy
34. Subbarayan Prasanna
35. V. K. Tewari
36. P.N. Tirunarayana
37. R. Vaidyanathan
38. R.K. Vijayasarathy
39. M.J. Xavier

Associate Professors

1. C. Manohar Reddy
2. Mira Bakhru
3. B. Narasinga Rao
4. R. Narayanaswamy
5. B.R. Patil
6. Prasad Lakshmanan
7. Premchander
8. R. Ravikumar
9. S. Sampangiramaiah
10. S. Sundararajan
11. Somnath Ghosh

Assistant Professors

1. Janat Shah
2. B. Mahadevan
3. Malathi Somaiah
4. L.S. Murty
5. S. Nayana Tara
6. S. Raghunath
7. S. Rajagoplan
8. J. Ramachandran
9. Ramnath Narayanswamy
10. Sarat Chandra Davala
11. B. Shekar
12. N Harikrishnan

Visiting Faculty

1. S.V. Bokil
2. S. Chandrashekar
3. George Varughese
4. N. Raghavan
5. M.R. Rao
6. Venkat R. Eleswarapu

10.1 Appointments

Fourteen faculty -- seven cadre and seven on visiting appointments joined the Institute during the year, while two faculty retired from service. Four internal faculty were selected --two as associate and two as professors. With this, the faculty strength was 68 members -- 62 cadre and 6 visiting as on March 31,1994.

Faculty Appointments

Cadre:		
Sarat Chandra Davala Assistant Professor	Organisational Behaviour,Personnel Management & Industrial Relations	April 1, 1993
Mithileswar Jha Professor	Marketing	May 7, 1993
Pritam Singh Professor	Organisational Behaviour,Personnel Management & Industrial Relations	May 20, 1993
N. Harikrishnan Assistant Professor	Economics & Social Sciences	February 7, 1994
Chiranjib Sen Professor	Economics and Social Sciences	August 16, 1993
Gita Sen Professor	Economics and Social Sciences	August 16, 1993
Somnath Ghosh Associate Professor	Organisational Behaviour,Personnel Management & Industrial Relations	December 22,1993
Visiting:		
M. R. Rao	Quantitative Method and Information Systems	June 10, 1993 to August 8, 1994
N. Harikrishnan	Economics & Social Sciences	July 5, 1993 to July 4, 1994
Avinash Kumar Verma	Finance & Control	July 7, 1993 to July 6, 1995
N. Raghavan	Corporate Strategy & Policy	August 20,1993 to August 19, 1994
Venkat R. Eleswarapu	Finance & Control	August 26, 1993 to July18, 1994
S. Chandrashekar	Corporate Strategy & Policy	September 1, 1993 to July 31, 1994
B.M. Patel	Finance & Control	September 20,1993 to December 9,1993

Internal		
Premchander Associate Professor	Finance & Control	April 15, 1993
C. Manohar Reddy Associate Professor	OB, PM & IR	May 7,1993
M.J. Xavier Professor	Marketing	September 28, 1993
Kalyani Gandhi Professor	OB, PM & IR	October 6, 1993

10.2 Chair Professors

UTI Chair in Capital Market Studies

The Unit Trust of India has set up a faculty Chair at IIMB for UTI Capital Market Studies, creating an endowment of Rs. 15 lakh for the purpose. The names of Professors **P.G. Apte** (International Finance) and **R. Vaidyanathan** (Finance) were agreed upon with UTI for the UTI Chair in Capital Market Studies. They will have three-year tenures, from January 1, 1994 to December 31, 1996.

The Chair Professors, in association with the UTI Institute of Capital Markets (UTI - ICM), will guide and advise researchers.

Surrendra Paul Memorial Chair in Systems

The Assam Frontier Tea Limited, Calcutta, instituted the Surrendra Paul Memorial Chair in Systems at IIMB with an endowment of Rs. 12 lakh. The objective is to promote studies relating to information technology and its strategic implications for India.

The Chair is to be held jointly by **V.B. Kaujalgi** and **S. Krishna** for a period of three years, from January 1, 1994 to December 31, 1996.

BEL Chair in Management

Ramesh Mehta was appointed to the BEL Chair in Management for three years, effective January 1, 1994.

The Chair Professor will make contributions to BEL on a major theme of relevance to BEL each year. The theme for 1994 will be organisational structure as relevant to a hightech firm such as BEL. Mehta will have periodic meetings with senior managers of BEL.

10.3 Rejoining Duty

- Prasad Lakshmanan, Associate Professor, OB, PM & IR Area, rejoined duty on September 15, 1993. He was on Extraordinary Leave (without pay) from July 1, 1993 to September 19, 1993 for visiting the US on personal grounds.
- B. Ghosh, Professor, Health Sector, rejoined duty on October 25, 1993, on completion of his assignment with the Ministry of Health, Sultanate of Oman. He was on Extraordinary Leave (without pay) from the Institute from September 30, 1991 to October 24, 1993.

10.4 Extra Ordinary Leave

S. Jagadish was granted one year EOL from May 31, 1993 to May 30, 1994, to take up an assignment on "Quality of Service Audit" with a new Bangalore-based company being set up by Gallup, QSA India Private Limited, in collaboration with Marketing and Business Associates Private Limited, Bangalore.

10.5 Sabbatical Leave

- After availing sabbatical leave from May 1, 1992 to April 30, 1993, Dr. A.K. Rao reported for duty on May 1, 1993.
- After availing sabbatical leave from July 1,1992 to June 30, 1993, Dr. T.P. Gopalswamy reported for duty on July 1, 1993.

- After availing sabbatical leave from August 18, 1992 to August 17, 1993, Professor Kalyani Gandhi reported for duty on August 18, 1993.
- Dr. Ramesh G. Tagat, Professor was on sabbatical leave from January 9, 1992 to January 8, 1993.
- Professor B.R. Patil proceeded on sabbatical leave from June 14, 1993 to June 13, 1994 to take up an assignment as Senior Executive-Human Resources at Hindustan Photo Films, Ooty.
- Professor Shyamal Roy proceeded on sabbatical leave from February 15, 1994 to February 14, 1995.

10.6 Retirement

- P.V. George, Professor, Economics & Social Sciences Area, retired from service on November 30, 1993 on attaining the age of superannuation.
- Ramesh G.Tagat, who joined the Institute in 1979, voluntarily retired from the services of the Institute with effect from December 31, 1993.

10.7 Expiry of Contract

- R.K. Lal, Visiting Faculty, left on October 2, 1993 on the expiry of his term of contract appointment.
- Amitava Chattopadhyay, Visiting Faculty, Marketing Area, who joined the Institute on November 2, 1992 on a one year contract, left the Institute on August 31, 1993.
- Avinash Kumar Verma, Visiting Faculty, who joined the Finance & Control Area on July 7, 1993 on a two-year contract appointment, left the services of the Institute on December 9, 1993.

10.8 Fulbright Scholars

Dr. James S. Nelson of the University of Colarado, USA, served as Visiting Faculty at the Institute from July 29, 1993 to September 30, 1993 in the Marketing Area under Fulbright Grant.

Dr. R.R. Vemuganti of the University of Baltimore, USA, was Visiting Faculty at the Institute from August 3, 1993, to November 17, 1993, under Fulbright Grant.

10.9 Indo-EEC Exchange Programme

The following faculty returned after completing a nine-month visiting assignment under the European Economic Commission --Government of India sponsored project on cooperation among management schools:

• R. Ravikumar Associate Professor	ESADE Barcelona	October 1, '92 to June 26,'93
• R.K. Vijayasarathy Professor	Nijenrode University Netherlands	October 1, '92 to June 26,'93

Under the same programme, Professor J. Ramachandran proceeded to INSEAD, France, as Visiting Faculty for nine months starting from October 1, 1993.

10.10 Professional Activities

The 20th National Management Convention of the All India Management Association (AIMA) was held in Bangalore during April 9-10, 1993. As part of the convention, a teleconference was held on the "Worldnet Dialogue" of USIS between Washington D.C., USA and Bangalore. Professor K.R.S. Murthy, Director, IIMB moderated the teleconference along with Mr. Ramesh Gelli, President, AIMA and Chairman, Vysya Bank Limited. Professor Richard Crawford, Graduate School of Business Administration, University of Virginia, was the expert at the US end.

S. Nayana Tara, as a resource person, conducted a workshop on May 27, 1993 at Kolar (Karnataka) for the core group members of Kolar district on preparation and implementation of the District Plan.

J.C. Bhatia participated in a seminar on District Health Management System at Puri during April 26-28, 1993, at the invitation of the Orissa Health and Family Welfare Project Management.

Ramesh Mehta accepted the invitation of the T A Pai Institute of Management, Manipal, to be a member of their Board of Management Studies

T V Ramanayya, accepted the request to be a member of the Steering Committee of the third National Conference on Transportation Systems Studies - 1993

Prasanna Chandra, accepted the invitation of the Government of India to be a member of the high-power committee on "Reforms in the Insurance Sector"

Malathi Somaiah, accepted the invitation to be a member of the Samaj Vikas Trust, a non-profit voluntary organisation working for the welfare of disabled children

V B Kaujalgi, QMIS Area, conducted a seminar on "Decision-support Systems" at the Computer Learning Centre, for Canara Bank, Bangalore, on October 7 and 29, 1993

S G Lele, OB, PM & IR Area took the following sessions

- i "Management of Change" for senior executives of HAL at their Staff College on October 9 1993
- ii Canara Bank, in their Executive Effectiveness Programme at Bangalore on November 11, 1993

S Sundararajan, Finance & Control Area, was requested by the Institute of Chartered Accountants of India, New Delhi to

- i act as a faculty and present a paper on "Accounting Standards" in the 25th All India Seminar on Fiscal and Corporate Laws,
- ii be a referee for examining the dissertation of a student of ICAI,
- iii be a member of special group set up to deal with the various conceptual matters relating to bank audit, and
- iv attend the first meeting of the group at Delhi on October 15, 1993

K R S Murthy, Director, IIMB took a session on "Re-orienting Management Education to the New Emerging Environment" in the General Electric's "Manager Development Course" at Hotel Windsor Manor, Bangalore, on November 10, 1993

He also presided over the valedictory function of the National Management Conference at the Indian Institute of Science, Bangalore, on November 19, 1993 on the theme "Self-development -- Contribution of Darshana and Indian Thought"

Malathi Somaiah, Assistant Professor, Education Sector, visited the Technical Teachers Training Institute, (TTTI), Bhopal,on December 15-16, 1993 She will be helping the faculty at TTTI to develop the course material for the Senior Administrators Programme to be conducted by the TTTI

V Ranganathan, Energy Sector was involved in the following professional activities

- i Was appointed member of a committee set up by the Rural Electrification Corporation Limited, New Delhi, to suggest new approaches for making training programmes relevant at the Central Institute for Rural Electrification (CIRE)
- ii Attended the board meeting of the Rural Electrification Corpration, New Delhi on March 26, 1993
- iii Addressed participants of the training programme of the SBI Staff Training College Bangalore,on May 20-21, 1993
- iv Visited Madras on April 5 1993 for consultations with the Chairman, Tamil Nadu Electricity Board, on Pricing of Wind Energy for the KDST Project
- v Served on the interview panel of UPSC for selecting a [illegible] Adviser(Project Appraisal) on October 19 [illegible] 1993 at New Delhi
- vi Visited Hyderabad on October 18, 1993 in connection with the review of Central Institute for Rural Electrification
- vii Attended the 210th board meeting of the Rural Electrification Corporation Ltd , New Delhi at New Delhi on November 2, 1993
- viii Attended the review committee meeting of the Central Institute for Rural Electrification at Hyderabad on November 3, 1993

ix. Visited Trivandrum on November 5, 1993 in connection with the Committee work of Central Institute for Rural Electrification.

x. Was appointed by the All India Council for Technical Education, New Delhi, as a member of the task force to take a final view of approval or otherwise of the Management Institution and Programmes.

xi. Attended the first meeting of the expert committee of AICTE for the approval of management courses by universities and institutions in India on December 31, 1993 at Madras.

xii. Attended the Advisory Committee Meeting of Central Institute for Rural Electrification on January 7, 1994 at Hyderabad.

A.K. Rao, QMIS Area, was appointed a visiting faculty at the Institute of Management, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, M.P., for the MBA course.

He gave a talk on "Economic Sizing of Warehouse" at Bangalore on February 14, 1994, to members of the Operations Research Society of India, Bangalore Chapter.

Venkat R. Eleswarapu, Visiting Faculty, Finance & Control Area, participated in a seminar on the securities market sponsored by the Society for Capital Market Research and Development,held at Gauhati on November 25, 1993. He presented a paper on "Enhancing the Stock Market Liquidity in India".

Gita Sen, Economics & Social Sciences Area, attended:

i. A workshop on Demographic Transition and Development Alternatives at the Indian Institute of Health Management Research, Jaipur, on November 25, 1993.

ii. A meeting on population strategy at SEWA, Ahmedabad, on December 1, 1993.

iii. A workshop on the New Population Policy at the C.R.I. Brothers Institute from January 4-5, 1994.

K.B. Nair, Energy Sector, visited the Kerala State Industrial Development Corporation, Trivandrum, on November 25-26, 1993.

T.V. Ramanayya, Transportation Sector, was a delegate at the 54th Annual Session of the Indian Road Congress held in Bangalore from November 20-24, 1993.

B. Ghosh, Health Sector, addressed a Resource Development Workshop of the Family Planning Association of India, at Bombay during December 19-21, 1993.

Indira S. Rajaraman, Economics & Social Sciences Area, attended the pre-Budget consultative meeting of the Finance Minister, Government of India, at New Delhi, on December 3, 1993.

V.K. Tewari, Human Settlements & Environmental Studies, was appointed a member of the Advisory Council of HELP (Society for Health and Education and Learning Packages), New Delhi.

He, along with Dr. Gerard Rushton, Professor of Geography, University of Lowa City, USA, attended the Plan Finalisation Meeting with the Chief Secretary, Zilla Parishad, Mysore at Mysore from December 8-9, 1993 in connection with the National Science Foundation (NSF) project, "Decision Support Systems for Improving the Locational Efficiency of Service System."

R. Vaidyanathan delivered a lecture to senior executives of Searle (India) Limited on "Short-term Financial Management -- Emerging Trends", on December 28, 1993, at Bombay.

On the request of the editorial board of the International Journal of Production Research, B. Mahadevan has consented to serve on their panel of referees.

P.G. Apte has accepted the request of the Indira Gandhi National Open University, New Delhi to be a member of a committee to review the programmes in management education.

He has also been invited by the Institute of Chartered Financial Analysts of India (ICFAI), Hyderabad, to be a member of their advisory committee for the CFA-MBA Joint Programme.

K.R.S.Murthy, Director, IIMB, was the chief guest at a one-day seminar on "New Frontiers in Management", organised by M.E.S. College of Arts, Commerce & Science, Bangalore, on January 2, 1994.

He delivered the keynote address on January 11, 1994, at "HIPERMAT'94" -- a seminar on high performance materials, organised by the Confederation of Indian Industry at Hotel Ashok, Bangalore,on January 11-12, 1994.

He, along with George Varughese, participated in a workshop on "Management Education" hosted by Tolani Education Foundation on January 19, 1994, at Bombay.

He delivered the valedictory address on January 22, 1994, at the concluding session of a series of week-long workshops on selected engineering subjects organised by the Siddaganga Institute of Technology, Tumkur, Karnataka, during January 17-22, 1994.

He was the chief guest at the 25th College Day Celebrations of the Al-Ameen Arts, Science & Commerce College, Bangalore, on January 27, 1994. He delivered the college's Silver Jubilee address.

Ramnath Narayanswamy made a presentation on January 22, 1994, on Business Prospects in Eurasia to the Pennar Group at Hyderabad.

He made another presentation on the same day on Business Prospects in Central Asia for the Nagarjuna Group.

He also made a presentation on "Business Prospects in CIS Markets", organised by ITC Agrotech, at Hyderabad on January 15, 1994.

B. Shekar and M.R. Rao attended the Silver Jubilee workshop on "Computing and Intelligent Systems" held during December 20-22, 1993, at the Indian Institute of Science, Bangalore.

Sarath Chandra Davala, and B.R. Patil attended a conference of the National HRD Network on "Changing Role of HRD in the New Economic Environment" held at Bombay during January 20-22, 1994.

B. Narasinga Rao, Associate Professor, QMIS Area, participated in a seminar on "Technologies for Open Systems", organised by the Computer Society of India, Bangalore Chapter, from January 28-29, 1994, at Bangalore.

K.M. Anantharamaiah was nominated by the Institute to represent IIMB on the Transport Committee of FKCCI, Bangalore.

S. G. Lele was appointed a member of a committee to recruit probationary officers for the Dhanalakshmi Bank Limited.

M. R. Rao, Visiting Faculty, was invited by the University of Hyderabad as an External Examiner for a Viva Voce examination held at University, Hyderabad on December 31, 1993.

Ramesh Mehta was invited to join as a member of the Technology Management Group formed under the auspices of the All India Management Association, New Delhi.

Ramesh Mehta and Ramnath Narayanswamy participated in the third Academic Conference of AMDISA, Hyderabad, held at Dhaka, Bangladesh from February 4-7, 1994.

B. K. Chandrashekar attended the South Regional Workshop on "Panchayatiraj", organised by the Rajiv Gandhi Foundation, Delhi and Satyamurti Centre for Democratic Studies, Madras, at Madras from January 17-19, 1994.

P. N. Thirunarayana participated in the dealers conference of Kirloskar Electric during February 21-22, 1993, at Bangalore.

10.11 Visits Abroad

Ramnath Narayanswamy attended a conference on "Privatisation and Foreign Investment in Eastern Europe", organised by the Centre of East West Studies and European Integration of the University of Verona during May 27-29, 1993. His paper, "Some Lessons of the Economic Transformation in Eastern Europe", will be published in the conference proceedings later this year.

Amitava Chattopadhyay, Visiting Faculty, Marketing Area, visited INSEAD, France and presented a paper, "Colour in Advertising", on May 31, 1993, in INSEAD's marketing seminar series. He also presented a paper on "The Role of Emotions in Advertising", on May 27, 1993 at the Annual Conference of the European Marketing Academy in Barcelona, Spain.

Indira S Rajaraman visited China from September 12-24, 1993 as a member of the five-member Indian

delegation sponsored by the Centre for Policy Research, New Delhi and hosted by the Chinese Institute of Contemporary International Relations (CICIR). The other members were Mr. Jagat Mehta, former Foreign Secretary, Dr. (Mrs). Isher Ahluwalia, Dr. E. Sridharan and Dr. V.A. Pai Panandiker, Director, Centre for Policy Research, New Delhi. The basic objective of the visit was to have a series of high-level non-official dialogues in China on both international and bilateral issues including current economic policies in the two countries. The locations covered were Beijing, Shanghai, and Canton.

Gita Sen, Economics & Social Sciences Area, visited:

i. Harvard University from September 24, 1993 to October 18, 1993 to attend the editorial meeting for the volume on population policy that she is co-editing with Professor Lincoln Chen at Harvard University. She also attended a meeting of the International Advisory Group for the Population Programme of the McArthur Foundation.

ii. Harare, Zimbabwe from December 7 - 10, 1993 to attend a conference on "Population Reconsidered : Empowerment, Health and Human Rights", organised by the Swedish Agency for Research Cooperation (SAREC) and the Swedish International Development Authority(SIDA).

iii. Attended two preparatory conferences held from January 17-28, 1994 at Rio de Janeiro, Brazil,in connection with UN International Conference on Population and Development scheduled in September 1994.

V. Ranganathan, Professor, visited Gaborone, Africa from June 17-19, 1993 in connection with the Electricity group meeting of AFREPREN.

V.K. Tewari, visited Iowa city and Redlands, USA from September 4-29, 1993 in connection with NSF Funded Research Project. He also attended the UNCRD seminar at Cebu City, Philippines from October 25-27, 1993.

S.T.S. Reddy, Research Fellow, visited Switzerland during October 15-22, 1993 on an invitation from Swiss Aid to present a paper, "Adding on Odds: Contributions of Green Revolution" at the Herbert Symposium on "Relevance of Research", organised by the International Agricultural Research Centres (IARCs).

N. Naganna visited Bangkok, Thailand, during September 12 - December 12, 1993 to serve as visiting faculty in the Natural Resources Development & Management Programme sponsored by the Asian Institute of Technology.

S. Krishna left for Bangkok on January 10, under the programme Secondment of Indian Teachers/ experts to the faculty of the Asian Institute of Technology, Bangkok, for a period of three months.

10.12 New Activity Heads

On the recommendation of the Chairperson, Research & Publications, V.K. Tewari was appointed Editor, IIMB Management Review.

Mithileshwar Jha took over as Coordinator, Placement & Alumni, in the absence of J. Ramachandran who would be away at INSEAD, France.

Kalyani Gandhi took over as Coordinator, Financial Aid Committee in place of S. Sundararajan.

10.13 Faculty Meetings

Faculty meetings were held on the following dates:

No. 165 - March 13, 1993
No. 166 - June 10, 1993
No. 167 - September 16, 1993
No. 168 - December 21, 1993
No. 169 - March 10, 1994

11. Areas and Sectors

The faculty of IIMB specialise in seven areas and six sectors, in their teaching research and consultancy activities. The work of each area and sector is outlined briefly below.

11.1 Finance Area

11.1.1 Faculty Strength: During the year 1993-94, the Area had five regular faculty members. Three persons from the US taught at the Institute as visiting faculty. In addition to this, several practising professionals helped in teaching / training as guest faculty.

11.1.2 PGP Teaching: During the year, the following core courses of 3 credits each, were taught for 4 sections:

Title	Term	Faculty
Financial Accounting	I	R Narayanswamy
Financial Accounting		S Sundararajan
Cost & Management Accounting	II	R Narayanswamy (2 Sections)
Cost & Management Accounting		S Shivakumar (GF) (2 Sections)
Corporate Finance	III	Premchander George Varughese (VF) Venkat R Eleswarapu (VF)

The Area also offered the following elective courses during the year :

Title	Term	Faculty
Taxation	IV	S Sundararajan
Management Control Systems		Premchander
Short Term Financial Management		R Vaidyanathan
Financial Services	V	R Santhanaraman (GF)
Investments		R Vaidyanathan
Investments		Avinash Verma (VF)
Mergers & Acquisitions	VI	George Varughese (VF)
Financial Services		R Santhanaraman (GF)
Strategic Financial Management		Prasanna Chandra

11.1.3 FPM Teaching: The members taught the following FPM Courses :

Title - Student	Faculty
Corporate Financial Reporting - Kanti Kumar Galli	S Sundararajan
- Ezarir P. Gandevia	S Sundararajan
Corporate Financial Reporting - Kanti Kumar Galli	R Vaidyanathan
- Ramaraju	R Vaidyanathan

11.1.4 Consultancy Work:

Faculty	Sponsor	Title	Budget (Rs)
S Sundararajan	Food Corporation of India	Organisation Structure	2,00,000
S Sundararajan	Reserve Bank of India	Management Audit of NABARD	2,50,000
S Sundararajan	Government of India Dept. of Heavy Industry	Review of Business Practices followed by HMT	25,000

11.1.5 Other Professional/Academic Activities: The members were engaged in various other professional/academic activities as mentioned below:

S Sundararajan

- Coopted member on the Accounting Standards Board of the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI);
- Acted as the Coordinator of the Study Group set up by ICAI to review the accounting standards of "Accounting for Effects of Changes in Foreign Exchange Rates";
- Contributed the following chapters in the books written by Professor Prasanna Chandra:

  "Assessing Tax Burden" in the Book **Projects: Preparation, Appraisal and Implementation**;

  "Corporate Taxation" in the book **Finance Sense;**

  "Taxes: The Share of the State" in the book **Investments Game.**

R Vaidyanathan

Published the following papers:

- Restructuring UTI: The Mission Dimension jointly with J Ramachandran; IIMB Working Paper,
- SLR Reduction and Encouraging Sign, **Pioneer** Paper;
- Stock Market Returning and Vallan (Settlement Period) Effect , **Charted Financial Analyst**.

R Narayanaswamy

Member of:

- American Accounting Association;
- The Institute of Chartered Accountants of India;
- The Institute of Cost & Works Accountants of India;
- The Institute of Company Secretaries of India.

Presented a paper on "Cost Management for Enterprise Excellence", Southern India Regional Cost Conference of the ICWAI, December 1993, Hyderabad.

11.2 Production & Operations Management Area (POMA)

11.2.1 Faculty Strength: T.S. Nagabhushana (Chairperson), M.R. Gopalan, S.N. Chary, B. Mahadevan and L.S. Murthy constituted the faculty strength of five.

11.2.2 PGP Teaching: The following electives were offered in addition to the two core courses taught in the Area :

- Manufacturing Strategy
- Materials Management
- Technology Management
- Production Planning & Control
- Project Management

11.2.3 FPM Teaching: Mr. Kaushik Ghatak was awarded the Fellow Title. His thesis was on "The Impact of New Technology on the Dimensions of Flexibility & Cost Efficiency in a Manufacturing System -- An Experimental Investigation". Professor M.R. Gopalan was his Principal Guide.

11.2.4 MDP: The following programmes were conducted during the year:

- Purchasing & Materials Management
- Technology Management

11.2.5 Others: The faculty members coordinated or provided major inputs in the following programmes:

- Management Programme for Technologists
- OBP for Bharath Electronics Ltd.
- MIS for Senior Officials in Civil Supplies Sector

In addition to this, the faculty provided inputs required in the other MDPs and OBPs conducted by the Institute and Executive Development Programmes conducted by other organisations.

The faculty were also involved in many academic administration activities.

11.2.6 Consultancy: The following projects were initiated/completed/ongoing during the year:

- Industrial Scenario of Karnataka for SWEDECORP
- Uneven Production during a year in ITI
- Manpower Assessment -- MP Government

11.2.7 Research & Publications: The following research projects were initiated during the year:

- Manufacturing Practices in the Indian Engineering Industries
- Status of JIT-based Manufacturing in India

The following were the publications in professional journals and news media:

- Operational Research in Indian Steel Industry
- An Approach to Project Formulation
- An Analysis of Deployment of Scientific and Technical Personnel in Indian Industry
- Draft Technology Policy : To deliver or not to ...
- Just-in-Time : Some Strategic and Operational Questions
- Service & Quality
- Budgeted Exports
- An Aimless Wander
- Software Exports: Will the Industry Change Its Ways ?
- Imperative for Economic Reforms Hard Sell: Need of the Hour.

11.2.8 Case Studies: The following case studies were developed during the year:

- Syndicate Bank -- All Women's Branch
- ISO 9000 Implementation
- MP State Civil Supplies Corporation.

11.3 Marketing Area

11.3.1 Faculty Strength: Apart from 6 regular faculty members, a number of visiting/guest faculty provided the inputs in various activities of the Area.

11.3.2 PGP Courses: The following new elective courses were made available for PGP students during 1993-94:

1. Retail Management -- 1 credit -- VI term, by Mr P. Ahuja from Mothercare (G/F)
2. Marketing Ethics - -1 credit -- VI term, by Fr. K. Cyriac from XLRI, Jamshedpur (G/F)
3. Emerging Trends in Strategic Marketing Mr. P. Siganporia from Tata Tea (G/F)

In all 14 elective courses were offered.

A non-credit module on Marketing of Financial Services was offered by Professor P.N. Thirunarayana.

11.3.3 FPM Courses: For the first time, the Area had a student enrolled for the FPM. The following FPM courses were offered to Mr. Sainesh, II year FPM student, majoring in marketing:

1. Multi-attribute Models in Marketing, by M.J. Xavier
2. Marketing Interface with Other Functions, by S. Shivaramu
3. Services Marketing, by P.N. Thirunarayana
4. Seminar Course on Marketing Management, by Mithileshwar Jha
5. Contemporary Issues in Marketing, by Dr. N.C.B. Nath (GF).

11.3.4 MDP/OBP: Area members coordinated the following programmes:

1. General Management for the Managers of Union Bank of India, by M.J. Xavier -- 5-day programme.
2. Marketing of Financial Services for the Managers Bank of India, by M.J. Xavier -- 5-day programme .
3. Marketing in a Competitive Environment by Mithileshwar Jha and M.J. Xavier -- 5-day programme.
4. Workshop on Product-Market Planning for Managers of Indian Telephone Industries, by Ramesh Mehta and M.J. Xavier -- 5-day programme.
5. Strategic Marketing Excellence by R.K. Vijayasarathy-- 4- day programme
6. General Management, by T.P. Gopalaswamy and M.J. Xavier-- 10-day programme.
7. Negotiation Skills,by P.N .Thirunarayana -- 5- day programme
8. Decision Making for Marketing of Consumer Products, by Kalyani Gandhi and A.K. Rao -- 4- day programme.
9. Advertising and Promotion Strategy by Amitava Chattopadhyay (V/F) -- 5-day programme.
10. Marketing Management for senior marketing executives of Dabur Pharmaceuticals Ltd., by R.K. Vijayasarathy -- 5-day programme.
11. General Management for the officers of BEL by V Anand Ram along with M.J.Xavier, Janat Shah and Premchander -- four months.

11.3.5 Consultancy:

1. Mithileshwar Jha along with George Varughese completed a consultancy assignment for Hindustan Photo Films (HPF), Ootacamund. Jha covered the marketing strategy aspects for HPF.
2. R.K. Vijayasarathy completed a consultancy assignment on marketing Strategy for the Karnataka Handloom Development Corporation.

11.3.6 Others: Mithileshwar Jha joined as Professor in the Marketing Area from May 7, 1993. A B.Tech. (Hons.) from G.B. Pant University of Agriculture & Technology, Pant Nagar and PGDM and Fellow from IIMA, Professor Jha was Associate Professor at IIM, Lucknow, prior to joining IIMB.

Professor Ramesh G. Tagat, who joined the Institute in 1979, retired voluntarily on December 31, 1993.

R.K. Vijayasarathy visited Paris to attend a Case Workshop. He was awarded a prize for his case, Alpha Pharma BV. The case is in the area of Cross Cultural Management in International Marketing.

The following visited the Area:

1. Dr. P Rajan Varadarajan, Foley's Professor of Retailing and Marketing, Texas A& M University, USA.and Editor, **Journal of Marketing**, presented a seminar on December 30, 1993, on Metamorphosis in Strategy and Planning.
2. Dr. Murali K.Mantrala from University of Florida visited the Institute and gave a talk on Diffusion of Fashion, on January 12, 1994.
3. Dr. Vithala Rao, Dean, W. Malott, Professor of Management at Cornell University, visited the Institute and gave a talk on Price Bundling, on January 21, 1994.
4. Dr. James S. Nelson from the University of Colorado, USA visited the Institute as a Fulbright Scholar during July - September 1993, and offered the course 'Product Management'.
5. Professor Madhukar C. Angur from the University of Michigan-Flint, U.S.A., visited the Institute during July 1993 and offered some sessions on Advanced Marketing Research.
6. Professor Amitava Chattopadhyay from the University of McGill, Canada, was associated with the Institute for a period of nine months from December 1992 to August 1993. During this period, he offered courses on Advertising and Consumer Behaviour. He also offered one MDP on Advertising.

11.4 Economics and Social Sciences Area

11.4.1 Faculty Strength: The area had twelve faculty members.All were involved in PGP teaching. Some of the faculty members were also involved in various Executive Development Programmes.

11.4.2 PGP Teaching: The following core courses were offered by the area during the year 1993-94 :

1.	Economics I (4 Sections)	Term I	K.B.Nair and V.Ranganathan 2 Sections each
2.	Economics II (4 Sections)	Term II	P.G. Apte N. Harikrishnan Indira Rajaraman Shyamal Roy
3.	Indian Economy (3 Sections)		Ranajit Dhar Chiranjib Sen Gita Sen
4.	Indian Legal System		B K Chandrasekhar Ravishankar, a guest faculty
5.	Indian Society (4 Sections)		2 Sections each Mira Bakhru R. Narayanswamy

In addition to these core courses, the area faculty offered the following electives to PGP II:

1.	International Economics	S.V.Bokil
2.	International Finance I and II	P.G.Apte
3.	Industrial Economics	K.B.Nair
4.	Game Theory	N.Harikrishnan
5.	Fiscal and Monetary Policy	Shyamal Roy
6.	Business Prospects, Economic Reforms and Privatisation Plans in Eastern Europe	Ramnath-Narayanswamy
7.	A Project Course titled "Lessons from East Asia in the Context of Economic Reforms	Chiranjib Sen

Ranajit Dhar, Shyamal Roy and Mira Bakhru were extensively involved in the MPT. They handled the Economics and Indian Society modules.

11.4.3 FPM Teaching: N. Harikrishnan handled the module on Econometrics in the FPM course on Advanced Quantitative Methods. P.G.Apte continues to serve as the Principal Guide for Mr.Z.Gandevia, an FPM student in Finance. He was also a member of the TREC for Subrata Ray, another FPM candidate in Finance.

11.4.4 Executive Development Programmes: P.G.Apte, R.Dhar, S.Roy and C.Sen, each coordinated a one-week IAS OBP. S.Roy also jointly coordinated a three-week IAS OBP with V.K.Tewari. In addition, almost all faculty members offered sessions in a variety of OBPs.

P.G. Apte coordinated a 5-day MDP on International Corporate Finance during December 1993.

11.4.5 Consultancy: P.G. Apte completed a consultancy project jointly with Dr.J.N.Chaubey, IAS, Secretary HUD, Government of Karnataka. The resulting paper titled "Stabilisation and Economic Reform in India -- A Macroeconometric Analysis" was read at an International Conference at Sau Paulo, Brazil.

K.B. Nair along with P.N. Thirunarayana and T.S. Nagabhushana completed a consultancy project sponsored by SWEDECORP on MacroLevel, Structural and Environmental Factors influencing private industrial activity in the States of Karnataka and Kerala.

11.4.6 Publications: A number of publications have resulted from the faculty members research activities. A list of publications is given below.

1. Apte P.G., P.Sercu and M. Kane(1994) : "Purchasing Power Parity in the Medium Run" to appear in **Journal of International Money and Finance.**
2. Dhar R., Rao M.R., and S.Goel(1993) : "A Multiregional Model for India, 2000 A.D." Chapter 15 in Ijiri,Y.(Ed.) , **Creative and Innovative Approaches to the Science of Management** Quorum Books, Westport Conn. USA.
3. Dhar R.(1994) : "Human Development in India in a Comaparative Context" Working Paper No.60, IIMB, March.
4. Narayanswamy R.(1993) : "Towards a Critical Marxism" (Translation), **Economic and Political Weekly** August 21.

   (1993) : "The Long March form the Command Economy to the Market" in Kanta Ahuja et al(Eds.) , **Regime Transformation and Global Realignments**, Sage Publications, New Delhi.

   (1994) : "Eastern Europe : from State Socialism to Post-socialist Depression" **Economic and Political Weekly,** March 26.

11.4.7 Others: Faculty members of the area participated in a number of seminars and conferences conducted outside IIMB. C. Sen was an invited participant in seminars conducted by ISEC, Max Muller Bhavan and HIVOS as well as a conference conducted by Bangalore Management Association. R. Dhar gave a seminar in Bombay University and N.Harikrishnan gave a seminar at the national meetings of the Indian Econometric Society. R. Narayanswamy presented papers in conferences at JNU, Delhi, AMDISA at Dhaka and Bombay University on of topics related to Economic Reforms in East Europe and Soviet Union.

P.G. Apte was invited as a speaker in a number of in-house training programmes by companies and organisations.

11.5 Organisational Behaviour, Personnel Management, and Industrial Relations (OB,PM&IR) Area

11.5.1 Faculty strength: The Area had 11 faculty members including one faculty member who joined in December 1993.

11.5.2 PGP Teaching:

Course	Leader
OB-I (4 sections)	C.M.Reddy , R. Ravikumar, N.M.Agrawal (Guest Faculty) & P. Singh
OB-II (4 sections)	V. Anand Ram (One section) - L.Prasad, R.Ravikumar & P.Singh jointly two sections -C.M.Reddy (jointly with Guest faculty V.Padaki & G.K.Valecha)
HRM & IR	- Sarath Davala (One section)
4 credit course (4 sections)	- Kalyani Gandhi (Two sections of HRM component equivalent to one full course - S. Sampangiramaiah (Two sections on IR component) -SomnathGhosh (One section)

Personal and Interpersonal Effectiveness Workshop (Elective)	C.M. Reddy
Personal Growth Lab	R.Ravikumar

11.5.3FPM Teaching:

Student:	Vasanthi Srinivasan
Title of the thesis:	Evaluating the HRD function from a multiple constituency approach
Chairman of Thesis	V. Anand Ram
Other members of the Advisory Committee:	L. Prasad and S.G. Lele

11.5.4 Research/Publications:

- Restructuring Indian Organisations: Challenges and Response' by V. Anand Ram in ***Economic Times.***
- Dilemmas of Change and Transformation: Managing through Leadership by P.Singh and Asha Bhandarkar in conference papers of Third AMDISA Academic Conference held during February 4-7, 1994.
- Working paper on Strategies to Change Stress Prone Personality: A Novel Approach to Stress Management by R. Ravikumar, ESADE, 1993, Spain.
- Working paper on 'Bull fighting: A Behavioural Strategy for Managerial Health and Happiness' by R. Ravikumar, ESADE, 1993.
- Working paper on 'Managerial Success Through Humour' by R.Ravikumar, ESADE, 1993.
- 'Managing Success Through Humour' by R.Ravikumar, ***Economic Times,*** August 8, 1993.
- 'An Innovative Approach to Managing Stress', by R. Ravikumar, Ascent, ***Times of India,*** January 25, 1994.
- 'Human Resources Management in Information Technology Industry' by B.R. Patil in papers of the conference on 'Industrial Relations: Current Perspective' ,Aug.19-21, 1993, New Delhi.
- Case 'Classic Cosmetics' by K.Gandhi and A.K. Rao
- 'The Etiology of Organisational Politics: Implications for the Intrapreneur,' by L. Prasad in **SAM Advanced Management Journal,** Summer 1993, Vol.58, No.3, pp.35-41.
- 'Organisational Politics during the Formulation and Implementation of Technological Innovations: The Impact of Structure and Process,' by L. Prasad (joint Author with A.H. Rubenstein), **Vikalpa** April-June 1993, Vol.18, No.2, pp.13-22.
- 'Project Success at the R&D Production Interface,' by L. Prasad (joint Author with A.H. Rubenstein) in **Productivity**, Vol.34, No.4, January-March 1994, pp.623-628.
- 'New Economic Policy and Trade Union Response' by Sarath Davala, in **Economic and Political Weekly**, Feb.19, 1994.
- Organising Labour in the Unorganised Sector' by Sarath Davala in **'Women and New Economic Policy'**(New Delhi: FES,1993)
- Worker Ownership and Self Management' by Sarath Davala in **Countdown: Essays for Trade Unionists** (New Delhi: FES,1993).

11.5.5 Consultancy:

- Performance appraisal workshop for RAMCO by Kalyani Gandhi
- Management Consultancy for Safepack Plastics Ltd., C.M.Reddy, Project Leader

11.5.6 MDPs:

Title	Coordinator
• Team Building and Conflict Management	P. Singh
• Managerial Styles and Performance	V. Anand Ram

- Achieving Managerial Excellence:Programme for Women executives — Kalyani Gandhi
- One day Workshop on 'Public Sector: Issues and Challenges' — Sarath Davala

11.5.7 OBPs:

- 18 week General Management Programme for executives of BEL — V. Anand Ram Coordinator
- OBP for IFS officers — V. Anand Ram
- 3-week OBP for IAS officers — joint coordination
- 3-week OBP for executives of ONGC — P. Singh
- 3-day OBP for ISI — P.Singh & R.Ravikumar

11.5.8 MPT:

- Overall programme coordination: — S.G. Lele
- HOD and learning from self modules: — Coordinated by S.G.Lele --Sessions taken by different OB faculty
- HRM & IR Modules: — Coordinated by Sarath Davala -- Sessions taken by different HRM & IR faculty
- Personal Growth Lab (4 days) — C.M. Reddy

11.5.9 Others: Professor Santi Srinivas from California State Polytechnic University, was a Visiting Faculty at the Institute during August-October, 1993 and she taught an elective course 'TQM' Behaviour and Dimensions.

11.6 Corporate Strategy & Policy Area

11.6.1 Faculty Strength: The Area had 6 faculty members (including three visiting faculty).Professor Ramachandran was away at INSEAD for six months from October 1993 to March 1994.

11.6.2 PGP teaching:

Title	Credits	No. of Students	Faculty	Term
Core Courses:				
Business Policy & Strategy	4	47	Ramesh Mehta	IV
Business Policy & Strategy	4	47	J. Ramachandran	IV
Business Policy & Strategy	4	46	R.K. Lal	IV
Written Analytical Communication I	1	52	R.K. Lal	I
Written Analytical Communication II	1	54	S. Raghunath	I
Written Analytical Communication III	1	108 (2 Sections)	S. Raghunath	II
Elective Courses:				
Managerial Oral Communication	3	24	S.Raghunath	VI
Globalisation of Indian Enterprises	2	50	S. Raghunath	VI

Guidance and discussion on Group Term papers on country specific cross-cultural negotiations-- 25 Students --4 sessions (Prof. S. Raghunath)

Note : The Communication course was conducted with the assistance of Profs. Nayana Tara and LS Murthy who were responsible for one section each.

In addition to the above, the faculty members were involved in evaluation of project reports, counselling the PGP students, offering some sessions in the course offered by faculty members of other Areas.

11.6.3 FPM Teaching: Faculty members were members of Thesis Advisory Committees of the following students:

J. Ramachandran	Mr. V. Srinivas
	Mr. Anshukant Taneja
Ramesh Mehta	Mr. Anshukant Taneja

11.6.4 Research & Publications:

Papers

- S. Raghunath and J. Ramachandran, "Czech and Slovak Republics : Business Opportunity or Illusion?" (IIMB working paper No. 58, 1994)
- S. Raghunath and J. Ramachandran, "Business Opportunities in Eastern Europe: A Foreign Enterprise Perspective", Presented in the International Conference on Business Opportunities in CIS and Eastern Europe held between 23 and 25 November 1992 at Bangalore.

  (The above paper has been included in a forthcoming book titled "Business Opportunities in Eastern Europe and CIS").
- S. Raghunath, "Liberalisation and its Impact on Small Scale Industries-- A Discussion Paper", Presented in a Seminar on Changing Role of SSIs in the Liberalised Scenario, organised by Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad, Nov. 1-3, 1993.

Case Studies

S. Raghunath
- Tata Information Systems Ltd.
- Executive Development:Allowance
- HCL--HP Ltd.
- Organising and Formatting Memos (Software Package)

S. Chandrashekar
- Hi -technology global markets and corporate strategy --a case study of communications satellite industry.

J. Ramachandran
- A two part case on the Two Wheeler Industry

Ramesh Mehta
- A Case on Asian Paints

11.6.5 Executive Development Programmes:

MDPs:

The following MDPs were offered by the faculty members of the Area:

Title	Dates	Faculty	Participants
Strategic Planning	17-19 May, 93	Ramesh Mehta	14
Management of Growth	2-4 Feb. 94	Ramesh Mehta	17
Negotiation Skills	14-16 Feb. 94	S. Raghunath	32
Technology Management for Competitive Advantage	14-18 Feb. 94	S. Chandrashekar MR Gopalan	9

Area faculty members offered sessions in the MDPs conducted by other faculty members as below:

Ramesh Mehta	2 sessions
S Raghunath	4 sessions

OBPs:

The following OBPs were coordinated by S. Raghunath, a faculty member of the Area :

Title	Dates	Sessions
International Management & Cross Cultural Behaviour for foreign Diplomats	Nov. 22 - 26, 93	2
Management Module for foreign Diplomats	Nov. 8 - 12, 93	2

Area faculty members offered sessions in OBPs coordinated by other faculty members as below:

S. Raghunath	38 sessions
Ramesh Mehta	12 sessions
S. Chandrashekar	3 sessions

MPT

Title	Faculty	Sessions
TechnologyManagement	S. Chandrashekar	15
Corporate Strategy	S. Raghunath	15
Corporate Strategy Managerial Oral Communication	S. Raghunath	10

11.6.6 Consultancy:

Title and Sponsor	Faculty	Budget Rs.	Completion Date
Review of Business Strategy & Operations for M/s Micro Advance	S. Raghunath	9,000	July 1993
Corporate Planning Formulations for Indian Telephone Industries	Ramesh Mehta S. Chandrashekar	(Retainer)	Ongoing
Corporate Planning and Strategic Action Planning for Vysya Bank	Ramesh Mehta	20,000	April 1993
Developing Corporate Vision Objectives and Strategies for M/s Airfreight Ltd., Bombay	Ramesh Mehta	3,50,000	September 1994

A proposal on "Technology Priorities at National Level" (by S. Chandrashekar) for funding support from Technology Information Forecasting Assessment Council was submitted.

11.6.7 Institutional Work: The faculty members of the Area were involved in the following Institutional Work

1. Chairperson, ED Programmes --Ramesh Mehta
2. Members of the MPT Academic Committee --J. Ramachandran and S. Raghunath
3. Member of the Placement Committee and PGP Committee -- J. Ramachandran
4. PGP Admission Work --Ramesh Mehta and S. Raghunath
5. Member of the Consultancy Review Committee-- Ramesh Mehta
6. Coordinator, Corporate Strategy & Policy Area--Ramesh Mehta
7. Career Counselling of Students-- Ramesh Mehta
8. Coordinator, Placement --J. Ramachandran
9. Preparation of a Policy Paper outlining specific endowment proposals for the Board--J. Ramachandran.

11.7 Quantitative Methods & Information Systems Area (QMIS)

11.7.1 Faculty: The Area had 7 full-time faculty members and one visiting faculty. One faculty was on sabbatical leave. V.Nagadevara from Agricultural Sector was actively involved with the Area.

11.7.2 PGP Teaching:

	Title	Credits	Faculty	Term
Core Courses:				
1.	Quantitative Methods-I	3	B. Narasinga Rao S. Rajagopalan V. Nagadevara R.K. Herlekar	I
2.	Quantitative Methods-II	3	R.K. Herlekar S. Rajagopalan A.K. Rao	II
3.	Information Technology for Management	3	S. Krishna V. Nagadevara B. Narasinga Rao	III
Elective Courses:				
1.	Introduction to Data Structure Algorithms	3	B. Shekar	IV
2.	Systems Design & Development	3	V.B. Kaujalgi	IV
3.	Applied Statistical Methods	3	R.K. Herlekar	IV
4.	QM in Marketing	3	M.R. Rao A. K. Rao	V
5.	Fundamental Concepts of AI	3	B. Shekar	V
6.	Object - Oriented Information Technology	3	S. Krishna B. Narasinga Rao	V
7.	Database Management Systems	3	V.B. Kaujalgi	V
8.	ES & KB with Applications in Management	3	B. Shekar	VI
9.	Computer Simulation for Management	3	B. Narasinga Rao	VI
10.	O. R. Applications	3	M.R. Rao S. Rajagopalan	VI

11.7.3 FPM Teaching:

Title	Credits	Faculty
Computer Usage Skills	3	M.R. Rao
Advanced Q. M.	3	A.K. Rao

Guidance

Student:	Faculty:
Kalyan Guin	A.K. Rao (PG)
Kaushik Ghatak	M.R. Rao (Member)
R. Padmanabhan	M.R. Rao (Member)
Z. Gandevia	M.R. Rao (Member)
V. Srinivas	B. Shekar (FA & PG) M.R. Rao (Member)

11.7.4 MPT Teaching:

Title	Faculty	Sessions
Computer Literacy	M.R. Rao	30
Computer Applications	V.B. Kaujalgi	10

11.7.5 Research/ Publications:

Books

V.B. Kaujalgi, "Structured systems analysis & design-ADID approach" to be published by Orient Longman.

Papers

1. B.P. Lingaraj, V. B. Kaujalgi, Palaniswamy, "Project Management and Inventory Policy", presented at 4th Annual Meeting of Production and Operations Management Society, October 3-5, 1993, Boston, USA.
2. R.S. Desikan, V.B. Kaujalgi, "Developments in Financial Expert Systems", CSI Communications, Vol. 16, No. 12, June 1993.
3. V.B. Kaujalgi, "Computer Jobs & Skills- A Matrix Approach", CSI Communications, Vol.18, No. 9, April 1993.
4. Karim A.R., B.P. Lingaraj, V.B. Kaujalgi, "Strategic Management and Information Systems - A Combination for Competitive Advance (part-I), Industrial Engineering Journal, India (Accepted for publication).
5. Karim A.R., B.P. Lingaraj, V.B. Kaujalgi, "Strategic Management and Information Systems- A Combination for Competitive Advance (part-II), Industrial Engineering Journal, India (Accepted for publication).
6. V.B. Kaujalgi, "Software Development and Export - Strategic Opportunities for Developing Countries", 3rd Academic Conference of AMDISA, February1994, Dhaka, Bangladesh (Submitted)
7. A New Approach to Segmenting Markets (along with Professor Xavier) using Rank-Ordered Preferences - ESOMAR Conference on Information Based Decision Making in Marketing, Paris.
8. Term Loan Evaluation : An ANN Approach in the Indian Scenario - 2nd Annual Workshop on AI/ES in accounting, auditing and tax, San Francisco (along with Desikan)
9. R.S. Desikan and B. Shekar : "A connectionist Expert System for Term Loan Evaluation:" Proceedings of The International Computing Congress, Secunderabad, 1993.

10. M.R. Rao, A Multiregional Model for India, 2000 A.D. (with R. Dhar and S. Goel) published in Y. Ijiri (Ed.) **Creative and Innovative Approaches to the Science of Management,** Quorum Books, 1993.

11. M.R.Rao, Rank Facets of the Set Covering Polytope (with V. Chandru and A. Sarala) Tentatively Accepted for publication in **Operations Research Letters.**

12. S. Krishna, A Framework for Software reuse in Object-Oriented Systems Development", presented at the International Conference on Computer Systems and Education organised by Supercomputer Education and Research Centre, IISc, Bangalore during June 22-25, 1994

Cases

1. Vehicle Routing & simulated annealing
   A.K. Rao (Jointly)
2. Classic cosmetics & Toilotries
   A.K. Rao (Jointly)
3. Robo Motor Cycles
   A.K. Rao (Jointly)
4. Elegant Plastic Co.,
   A.K. Rao (Jointly)
5. Super Fertilizer Co.,
   A.K. Rao (Jointly)
6. Sanjivani Hospital (out patient Dept.)
   V.B. Kaujalgi
7. Elegant Plastic Company : A Case Study
   A.K. Rao/ M.R. Rao
8. Super Fertilizers Company Ltd.
   A Case Study
   A.K. Rao/ M.R. Rao
9. Central Silk Board - Sericulture Project
   B. Narasinga Rao

11.7.5 EDP: Analysis & Design of Information System (Central Silk Board)

Computer Applications in Statistics and Project Management (Central Silk Board)

11.7.6 Consultancy:

1. Project Planning Model for watches -HMT
   AK Rao
   VB Kaujalgi

11.7.7 Others:

Institutional Work	Faculty
Member, Ad-hoc Committee on Library	A.K. Rao
Coordinator, QMIS	V.B. Kaujalgi
Member, Computer Facility Committee	V.B. Kaujalgi
Member, Editorial Committee of IIMB Management Review	V.B. Kaujalgi
Chairperson, Computer Facility Committee	S. Krishna
Member, PGP Committee	S. Krishna
Member, Library Committee	S. Krishna
Member, Research & Publication Committee	S. Krishna
Member, IIMB Management Review Editorial Committee	S. Krishna

11.8 Transportation Sector

11.8.1 Faculty Strength: Two faculty members --T.V. Ramanayya and K.M. Anantharamaiah.

11.8.2 PGP Teaching: Sector did not offer any PGP courses during the year.

11.8.3 FPM Teaching: No FPM students were enrolled.

11.8.4 Research & Publications: Members of the Sector published the following papers:

1. Commodity Movement in Rural Areas, **Journal of Transport Management**, Vol. 17. October 10, 1993.
2. Determining Optimal Headways in City Bus Operations -- A Mathematical Approach , **Indian Journal of Transport Management**, Vol.18, No.3, March, 1994.

Papers accepted for publication were:

3. Rural Passenger Travel Characteristics, in Indian Road Congress.
4. Characteristics of Vehicle Ownership in Rural Areas, in Indian Road Congress.
5. Transportation Characteristics in Rural Areas of Southern India, proceedings of the Third National Conference on Transportation System Studies -- Analysis & Policy: Andhra University, NCOTSS-93, December 11-12, 1993, Vishakhapatnam.

11.8.5 Consultancy: Kakinada Port Trust, Andhra Pradesh, sponsored consultancy on Socio Economic Impacts of Kakinada Port Expansion was completed during March 1994.The team consisted of T.V. Ramanayya, V. Nagadevara and N. Naganna.

11.9 Human Settlements and Environment Studies Sector

11.9.1 Faculty Strength: Subbarayan Prasanna and V. K. Tewari were the two faculty members.

11.9.2 PGP Teaching: Market Landscape and Trade Area: IV Term; Subbarayan Prasanna.

11.9.3 FPM Teaching: The faculty of CHESS sector did not guide any Fellowship student during the year.

11.9.4 Research & Publications:

1. The research study on "Development of a Decision Support System for Improving Locational Efficiency of Service Systems" (Faculty leader: Vinod K Tewari) in collaboration with the University of Lowa, USA, and supported by the National Science Foundation, USA, was completed during the year. The Spatial Decision Support System developed in the project is now being used in the planning process in a few districts in the country.
2. Professor Tewari's book on **Small Industries Under District Credit Plan** was published by Printwell Publishers during the year 1993. The book is based on a research project completed by Professor Tewari with support from Industrial Development Bank of India, Bombay.
3. Professor Subbarayan Prasanna worked on a research study on Physical Destructions Retarding Traffic Flows in Bangalore City.

11.9.5 Consultancy: Professor Tewari completed a paper on "Planning Support Systems' Applications for Services Development Planning in Mysore District in Karnataka, India," at the request of the United Nations Centre for Regional Development (UNCRD), Nagoya, Japan.

11.9.6 Training: Professor Subbarayan Prasanna and Tewari participated in teaching in the training programmes of IAS Officers, Indian Forest Officers, Officers of Ordinance Factory, and Officers of Food and Civil Supplies.

11.9.7 Others: Professor Tewari was awarded the **'Geodessey Award'** from Environment Systems Research Institute Inc., USA and Autodesk Inc., USA, in recognition of his research work in the area of Geographic Information Systems and Services Development Planning.

Professor Tewari was invited by the UNCRD to present the paper at an International Seminar on Planning Support Systems for Local/Regional Planning at Cebu City, The Philippines, in October 1993. Tewari also presented a paper at an international seminar sponsored by UNESCO at Indian Institute of Technology, Bombay, in November 1993.

Professor Subbarayan Prasanna participated in two seminars on Nagara Palika Bill at Indian Social Institute, Bangalore, and Town Hall, Bangalore.

Dr. Gerard Rushton, Professor, Centre for International and Comparative Studies, University of Lowa, USA, visited the Institute in December 1993 to work on the NSF supported project on Spatial Decision Support System. Dr Rushton also gave two lectures in our IAS training programmes.

A seminar was organised to review the work completed in the NSF project on December 15, 1994. The participants included Shri K P Pandey, Commissioner Rural Development, Government of Karnataka, T M Vinod Kumar, School of Planning and Architecture, New Delhi, Rajagopalan, Indian Institute of Science, Bangalore, and P D Mahadev, University of Mysore.

11.10 Energy & Power Sector

11.10.1 Faculty Strength: V. Ranganathan, K.B. Nair and N. Naganna were the three faculty members.

11.10.2 PGP Teaching:

1. Economics I (Core)	2 Sections 2 Sections	V. Ranganathan K.B. Nair
2. Environmental Appraisal of Projects (Elective VI Term)		N. Naganna

11.10.3 FPM Teaching:

1. Cost Benefit Analysis (Elective)	V.Ranganathan
2. Natural Resource Economics	K.B. Nair
3 Energy Systems Economics	V. Ranganathan N. Naganna K.B.Nair
4. Issues in Energy Policy	V.Ranganathan N.Naganna K.B.Nair
5. Energy Conservation & Environmental Issues (Seminar Course)	K.B. Nair
FPM Guidance Miss. Maya	V. Ranganathan Faculty Advisor

11.10.4 Research & Publications:

V. Ranganathan Electricity Privatisation: Case of India, **Energy Policy UK**, August 1993.

Management Education: Yesterday, Today and Tomorrow, **Economic Times**, Bangalore, October 21, 1993.

Issues in Energy Subsidies for Irrigation Pumping, **Energy Policy**, August 1994.

Karnataka Budget: Misplaced Priorities for Power Sector, **Economic Times**, Bangalore, April 3, 1994.

11.10.5 Consultancy:

N.Naganna (jointly)

- Socio-economic Environmental Impacts of Kakinada Port Expansion.
- Risk/hazard Analysis for Handling Hazardous Materials at Kakinada Port.

V. Ranganathan

- Wood Balance Study for the Government of Karnataka, Forest Department.

11.10.6 Others: K.B. Nair collaborated with V.K. Tewari and K.M. Anantharamaiah in the preliminary discussions for long duration programmes in Public Systems.

N. Naganna spent a term (September-December 1993) at Asian Institute of Technology, Bangkok as visiting professor on deputation by Government of India and taught a 3-credit course on environmental professional management practices; took 6 hours of lectures on environmental appraisal of projects and prepared a research project proposal on coal mining sector for the energy technology division.

He also jointly coordinated a one-week OBP on "Integrated Environmental Management Programme" for officers of Ordnance Factories.

11.11 Education Sector

11.11.1 Faculty Strength: Malathi Somaiah and S. Nayana Tara were the two faculty members.

11.11.2 PGP Teaching: S. Nayana Tara provided teaching inputs (one section independently) in a core course, Written Analytical Communication (WAC).

11.11.3 FPM Teaching: There was no FPM activity in the sector.

11.11.4 OBP: S.Nayana Tara coordinated a 3-week OBP for IAS Officers on Public Administration for the New Economic Order.

11.11.5 Research & Publications: Malathi Somaiah, as a Project Leader, completed the research project on "Financial Management of Indian Universities" funded by NIEPA, December 1993.

S.Nayana Tara published a paper on "Girls Education: Policy Framework" in **Yojana**, Vol. 37(10), June 15, 1993.

Report of Research Project by S. Nayana Tara, titled "Evaluation of Management & Organisation of TLCs in Karnataka", was submitted to ISEC, Bangalore, in June, 1994.

11.11.6 Consultancy: S. Nayana Tara was involved in the following consultancy assignments during the year:

1. "Evaluation of AIKYA", sponsored by Government of India (Project Leader). Report was submitted in October, 1993.
2. Preparation of District Plan for Government of Karnataka in World Bank assisted Primary Education Programme from May, 1993.

11.11.7 Others:

S. Nayana Tara

Was a Member of the National Committee on Management, Monitoring and Evaluation for the District Primary Education Programme, Government of India, from September, 1993.

Was a Member of PADS.

Participated in World Summit on Education organised jointly by Government of India, World Bank, UNICEF and UNESCO at New Delhi during December 13-17, 1993.

Organised a Seminar on "State Plan of Action for the Child", sponsored jointly by IIMB and Department of Women & Child Welfare during March 1-2, 1993 on IIMB Campus.

11.12 Agriculture & Rural Development Sector

11.12.1 Faculty Strength: Shyamal Roy, T.P. Gopalaswamy and V. Nagadevara were the three faculty members.

11.12.2 PGP Teaching:

	Course	Term	Faculty
1.	Quantitative Methods	I	V.Nagadevara
2	Information Technology for Management	II	V. Nagadevara
3.	Rural Marketing	IV	T.P. Gopalaswamy
4.	Agricultural Finance and Credit	V	T.P. Gopalaswamy
5.	Fiscal & Monetary Policy	IV	Shyamal Roy
6.	Economics-II	II	Shyamal Roy

11.12.3 FPM Teaching:

Shyamal Roy was the Principal Guide to FPM student A.Taneja and, was a faculty adviser to Hariharnath.

V. Nagadevara was a Member of Dissertation Advisory Committee for A. Taneja.

11.12.4 MPT Teaching: Micro and Macro Economics by Shyamal Roy.

11.12.5 OBP Teaching: Shyamal Roy and V.K. Tewari jointly coordinated a programme: Senior Level IAS Officers during November 29-December 17, 1993.

Shyamal Roy coordinated "Restructuring India's Economy -- Implications (IAS Officers) during February 1-11, 1994.

11.12.6 Research & Publications:

- A paper on "Marketing of Milk and Milk Products" was presented by T.P. Gopalaswamy at the Southern Regional Conference of Indian Dairy Association held at Tirupathi on April 4, 1993.
- A case, "Nalanda Food and Civil Supplies Corporation" was developed by V. Nagadevara.

11.12.7 Consultancy: Impact of Kerala State Cooperative Federation for Fisheries Development Ltd , Trivandrum, sponsored by National Cooperative Dairy Development Corporation (NCDC), New Delhi T P Gopalaswamy and V Nagadevara are the faculty leaders

11.12.8 Others: Shyamal Roy was a Member of the IIMB Board of Governors

11.13 Centre for Health & Population Sector

11.13.1 Faculty Strength: J C Bhatia and Basu Ghosh were the two faculty members in the sector

11.13.2 PGP Teaching: Sector did not offer any PGP courses

11.13.3 FPM Teaching: J C Bhatia guided the work "Study of Patients' Satisfaction in Corporate Hospitals", by Ms Manjul Menon, an FPM student

11.13.4 Research & Publications: The Sector was involved in the following research activities

Determinants of Contraceptive Use Dynamics funded by the World Health Organisation (WHO) The analysis of voluminous data collected by the project continued during the year A preliminary report has been submitted to the WHO and it is proposed to publish several papers and a monograph

Effect of Mother's Education on Child Survival, funded by the Ford Foundation Data collection on different components of the project continued during the year J C Bhatia visited the London School of Hygiene and Tropical Medicine in June 1993 to consult with Professor John Cleland for the development of research instruments for the prospective component of the study that is currently in progress

Time Utilisation and Productivity of Selected Manpower Categories of the Health Teams, funded by WHO In the previous year, field work was taken up in Bangalore district and the report was completed Data collection in another district,Kolar, a backward district, was taken up in the current year The data is being analysed and a comparative report for the two districts is under preparation

11.13.5 EDPs/OBPs: The Sector faculty provided inputs for the IAS and other training programmes conducted by IIMB

11.13.6 Consultancy: The sector faculty were not involved in any consultancy activity

11.13.7 Others: During the year, J C Bhatia participated in the following activities

- Expert and Scientific Advisory Committee meetings of Indian Council of Medical Research (ICMR)
- International Workshop on "Maternal Morbidity" organised by UNICEF, at Chandigarh, India
- Visited Geneva as a temporary Advisor to WHO, in March 1994
- Served in Faculty Selection Committees of various institutes such as National Institute of Health and Family Planning, Hyderabad, etc

Basu Ghosh, on return from Oman, where he worked for two years as Advisor to the Ministry of Health, attended the First National Workshop on Resource Development organised by the Family Planning Association of India, HQ and delivered a key-note speech on "Resource Development for Self-Reliance" Based on the deliberations at this workshop an action plan was developed for resource mobilisation and development for augmenting the resource base of the family planning programmes under the NGO sector

11.14 Centre for International Management Sector(CIM)

11.14.1 Faculty Strength: Several faculty were active in international management with Professor S Shiva Ramu as the coordinator

11.14.2 PGP Teaching:

Elective Course	Term	Faculty
International Business	IV	SShivaRamu
International Economics	IV	S V Bokil
International Finance	V	P G Apte
International Marketing	VI	R K Vijayasarathy
International Negotiation Skills	VI	P N Thirunarayana
Japanese Management	VI	G K Valecha

11.14.3 FPM Teaching: As Chairperson and Principal Guide, S Shiva Ramu, guided T K Ashok Kumar , an FPM student, in his dissertation titled "International Business Strategies for India's Project Exports A Study", and S Ramesh Padmanabhan, another FPM Student in his dissertation titled "Network Influence on International Marketing Strategy Investment Behaviour and Export Development A Study of Indian Industrial Exports"

11.14.4 Research & Publications:

S Shiva Ramu published the following 2 books

Globalisation and Indian Liberalisation, South Asia Publication, Delhi, February, 1994

International Business: Governance Structure, A H Wheeler Publishing, New Delhi, March, 1994

Articles

"Consultancy and Project Exports Overseas Entry Strategy" in **Foreign Trade Review**, Vol XXVII, No 2, 1993

"Small Business Promotion of Exports and Technology", in **SEDME**, Vol XX, No 2 June, 1993

"New Management",**Organisational Management**, Serial in Vol IX, 1993-94 Section1 Diagnosis and Prognosis, (April-June, Issue) Section II Prognosis and Prescription (IIA in July-Sept 1993, IIB in October-December 1993) Sections III & IV Practice and Indian Studies (January-March, 1994)

12. Library

12.1 Additions

The Library had a total of 92,565 books, 11,010 Microfiche/films, video cassettes and receives 1,250 journals through subscriptions, gifts and exchanges.

	1993-94 Arrivals	Total Holdings
Books	3,270	92,565
Micro films, Video cassettes, Maps, Charts, etc.	30	11,010
Bound volumes	706	14,335
Reprints	1,445	4,811
Journals	33	1,250
Company Annual Reports	900	1,000

12.2 Circulation

The Library circulated among students, faculty and other visitors, about 78,000 books, including journals, during 1993-94. It attracted about 60,000 visitors during the year.

Books Issued (including journals/bound vols.)	78,052
Books/Journal articles from inter- library Loan	252
Books/Journal articles sent on inter library loan	973
Books Consulted (including journals/bound Vols)	1,75,000
Number of visitors	59,694
Outside reference users (paid) (from 5.11.92 to 8.2.94)	157

12.3 Composition of Users

Faculty & Research Staff	70
Students	338
Administrative Staff	450
Deposit Borrowers	100
Inter- library Loan Members	25
Visiting Faculty	30

12.4 Facilities

Physical: The Library is housed in a separate block comprising four floors. It has a spacious Reading Room, with a seating capacity of 400.

Micro Documents Loan Facility: Five microfilm/fiche readers and a Canon reader printer are available in the Library for taking prints from non-book materials (micro film/fische).

Inter-library Loan Facility/Resource Sharing: The Library continued to be in the network of most libraries and information centers in India for mutual exchange.

Reprint Services: Through arrangement with INSDOC, British/American libraries, and other information centres, the Library is able to supply reprints of required articles at short notice.

Reprographic Services: Xerox facilities are provided inside the library for users at nominal cost.

12.5 Publications

The Library continued to bring out the following publications:

Recent Additions (M)
Current Press Clippings (M)
Current Contents of IIMB Journals (M)
Current Contents on Diskettes
(Social & Behavioural Sciences)
Bibliographies (which are brought out on demand and in anticipation)

12.6 Timings

From July 1993 , the Library is being kept open round the clock throughout the academic year except on the three national holidays.

13. Computer Centre

Use of Computers in PGP and EDP courses increased substantially during 1993-94. The increase was due to increased enrolment, a larger number of EDP courses, and a greater utilisation of computers in programmes. In order to meet the increased demand and more sophisticated needs of users, the computer centre added to its hardware and software resources and commenced implementation of major augmentation plans.

Following are some of the details:

- During the year 45 additional PC's (386 and 486 machines) were added bringing the total number of Micro Computers to 162.
- A major project of total automation of library was taken up. As part of this, data entry of information concerning 85,000 books was completed.
- A detailed plan for significant expansion and upgradation of network and other facilities was initiated. This consists of:

  Expansion of Network to cover the library and the new faculty blocks D & E.

  Addition of two powerful file servers; these consist of ALPHA 2000/3000 machines, With these machines, it is proposed that the entire library data base can be stored and accessed from all network nodes. In addition, external e-mail would also be linked to the local area network enabling direct communication internationally.

Following, in brief, summarises the present activities of the Computer Centre:

- Computer Centre is operational round the clock (24 hours a day, 7 days a week).
- All faculty members have been provided with Personal Computers in their offices.
- PGP students and EDP courses together utilise about 55 PCs in Computer Centre.
- External communication through e-mail is available on the ORG-Supermax system and is being used by Faculty and Students.
- The Computer Centre maintains more than 55 legal software packages, many of them enhanced with the recent versions.

14. Hostel

14.1 Facilities

During 1993-94, a spacious recreation room was added to the hostel where students can read newspapers, magazines and watch TV. Two Satellite TV connections have been provided in the hostel.

Several new gymnasium equipments were added to the 'D' Block Gymnasium, used extensively by students.

14.2 Club Activities

The Inter-Corporate Invitation Quiz-94, sponsored by a number of companies, was held on January 29, 1994. Leading companies in Bangalore such as Motorola, ITC Agro Tech., ANZ Grindlays, O & M, HTA, Pratibha Advertising, Enterprise Marketing, Wipro Systems, Citibank, Infosys, and Titan participated in the quiz.

Wipro Systems was declared the winner. Pratibha Advertising and Citibank were the first and second runners-up.

14.3 Sports

Students participated in the Prakash Road Lines Hockey tournament.

14.4 Quiz

An open quiz was organised in the Hostel and compered by the PGP students ,. More than 25 teams from all over Bangalore, IIMB and alumni teams took part in the quiz.

14.5 Mess

There was a visible improvement in the Mess. Students were happy with the mixed menu which included South Indian, North Indian, Chinese and Continental dishes for breakfast, lunch and dinner. A columnar cash book was introduced in mess accounts to get the required information at any point of time.

15. Construction

15.1 Works Completed

Construction of Library, Computer Block, Canteen Block, Conference Hall and Seminar Hall was completed. Services like electrification, plumbing, sanitation, fire fighting and erection of lift were also completed. The blocks are in use.

15.2 Activities in Progress

The following four projects were progressing at the end of the year:

- 220 Capacity Class Room
- Dormitory Block No.9 & 10 with Kitchen & Dining Block
- Director's Residence
- Miscellaneous: Construction of toilet block for class room cluster-III, rest room for canteen staff, store room for Executive Block.

15.2.1 220 Capacity Class Room: The contracted value of this work is Rs.70 lakhs. All the structural works except casting of roof completed. The centering work was in progress. There was a setback in the progress of work due to certain changes effected by the architect in the roof design. Construction of toilets connecting one of the faculty blocks was completed.

15.2.2 Dormitory Block No.9 & 10: The contracted value for this work is Rs.147 lakhs. The structural work of the Dormitory Block No.9 & 10 was completed; finishing work is under progress. Major portion of the roof-casting work in the associated Kitchen and Dining Block was nearing completion.

15.2.3 Director's Residence: The work, awarded at a tender cost of Rs.17.2 lakhs, was in progress.

15.2.4 Miscellaneous: Several Miscellaneous items such as Toilet Block for MDP Block (class room cluster-III), rest room with toilet facility for canteen staff, and store room for Executive Block were contracted at a total cost of Rs.12.7 lakhs . Work relating to ground floor of toilet block connecting cluster-III class room, roofs of store room for Executive Block, and Canteen staff rest room were completed.

16. Personnel and Administration

Officers and Research Staff as on March 31, 1994:

	Director: Dr. K.R.S. Murthy	**Dean: Dr. Pritam Singh**
1.	Chief Administrative Officer	Brig. B. Ramaswamy (Retd.)
2.	Superintending Engineer	Mr. B.S. Gopalan
3.	Personnel Manager	Mr. G.Y. Suhas
4.	Manager, Computer Centre	Mr. S.I. Fazuluddin
5.	Librarian	Mr. Chikkamallaiah
6.	Administrative Officer (M)	Mr. H.V. Hirannaiah
7.	Administrative Officer (S)	Mr. S. Srikant
8.	Administrative Officer (GA)	Mr. D.R. Ramadasaiah
9.	Finance & Accounts Officer	Mr. R. Chandrasekhara Rao
10.	Finance & Accounts Officer	Ms. K. Kamala
11.	Security & Transport Officer i/c	Lt. Col. G. Lakshman Singh (Retd.)
12.	Officer i/c Hostel & PGP	Lt. Col. A.N. Kamath (Retd.)
13.	Asst. Librarian Grade I (G)	Mrs. N. Anuradha
14.	Asst. Librarian Grade I (T)	Smt. Theresa Williams
15.	Horticultural Officer	Mr. K. Mahalingam
16.	Resident Doctor	Dr. R.S. Bhagavan
17.	Asst. Engineer (Civil)	Mr. S.V. Krishnegowda
18.	Asst. Engineer (Civil)	Mr. V. Padmanabhan

On deputation from:

Indian Audit and Accounts Department:

19.	Financial Adviser & Chief Accounts Officer	Mr. G.K. Desai

PWD, Government of Karnataka:

20.	Assistant Executive Engineer (Civil)	Mr. B.G. Srinivasa Murthy

Karnataka Electricity Board, Government of Karnataka

21.	Assistant Executive Engineer (Elec.)	Mr. U.H. Subramanya
22.	Assistant Engineer	Mr. H.S. Raghavendra Rao

Research Fellows

23. Mr. Y Kasi Viswanadham
24. Smt Malathi Venugopal
25. Mr. S.T. Somashekhara Reddy

16.1 Staff Strength

16.1.1 Faculty:

	Cadre	Visiting	Total
As of March 31, 1993	57	5	62
Additions during 93-94	+ 7	+ 7	+14
Reductions during 93-94	- 2	- 6	- 8
As of March 31, 1994	62	6	68

16.1.2 Officers and Research Fellows:

	Officers	Deputa-tionists	Research Fellows	Total
As of March 31, 1993	18	4	3	25
Additions during 93-94	+ 2	+ 2	-	+ 4
Reductions during 93-94	- 4	- 2	-	- 6
As of March 31, 1994	16	4	3	23

16.1.3 Administrative Staff:

Period	Group B	Group C	Group D	Total
As of March 31, 1993	23	220	97	340
Additions during 93-94	+03	+ 06	+ 07	+ 16
Reductions during 93-94	- 03	-10	- 07	- 20
As of March 31, 1994	23	216	97	336

16.2 Efficiency Awards

A Committee consisting of two faculty members and the Chief Administrative Officer assessed all sections on their efficiency. The following were adjudged the best three sections in the Institute and given efficiency awards on January 26, 1994,

Section	Rank
Security & Transport	1
Executive Development Programme	2
Library	3

16.3 Annual Inspection

Annual inspection of all sections was carried out. Deficiencies and shortcomings were identified and improvements suggested.

16.4 Independence Day

The 46th Independence Day was celebrated on Campus on August 15, 1993. Dr. K.R.S. Murthy, Director, unfurled the national flag. A gathering of guests, faculty, officers, staff and students and their family members was present.

16.5 Celebration of Hindi Week

A "Hindi Week" was celebrated during mid-September 1993. A Hindi Workshop for officers and Hindi Essay Competition and Singing Competition (Hindi Film Songs) for staff were organised.

16.6 Horticulture

For the third year in succession, the Institute bagged the Outstanding Trophy for Ornamental Garden among educational institutions in Bangalore from the Bangalore Urban Arts Commission. Other prizes bagged by the Institute in the competition conducted by the Mysore Horticultural Society, Lal Bagh, Bangalore, are as under:

Library Pargola	-	Outstanding Prize
Main Building Frontage	-	First Prize
Director's Block	-	First Prize
Amphi-theatre	-	Second Prize
Executive Block	-	Second Prize
Main Gate Entrance	-	Second Prize
Residential Areas	-	Second Prize
Main Building Mound Garden	-	Second Prize

The competition was conducted as part of the Independence Day celebrations.

16.7 Prime Minister's Relief Fund

The staff, students, officers and faculty contributed a sum of Rs.35,000 to the Prime Minister's Relief Fund for rehabilitation of the victims of the earthquake in Marathwada Region.

16.8 Speed Post Extension Counter

A Speed Post Extension Counter was formally inaugurated on November 5, 1993 at the Bannerghatta Road Post Office situated on Campus. Dr. K.R.S. Murthy, Director, inaugurated the service and Mr. B. Srinivasan, I.P.S., Chief Post Master General, Karnataka Circle, Bangalore, presided.

16.9 Coffee Vending

With the library open round the clock, a coffee-vending machine was installed outside the Library on November 24, 1993, to make coffee available to students.

16.10 Deputation

Mr. H.S. Raghavendra Rao, Assistant Engineer (Ele.), KEB, joined the Institute on September 17, 1993 on deputation for a period of two years.

Mr. G. K. Desai, IA & AS joined the Institute as FA & CAO on December 17, 1993, on deputation from the Office of the Comptroller and Auditor-General of India.

The services of Mr. U.H.Subramanya, Asst.Executive Engineer(Ele.), KEB, on deputation, extended for a period of one year, from August 8, 1993 to August 7, 1994.

16.11 Repatriation

Shri R.N. Chandrashekar, Assistant Engineer (Ele) who was on deputation from Karnataka Electricity Board was repatriated to his parent department with effect from June 25, 1993.

Shri H.S. Gopalakrishnaiah, IA & AS who was on deputation in the Institute as FA & CAO was repatriated tohis parent department, i.e Office of the Comptroller and Auditor General of India with effect from December 15, 1993.

16.12 Demise

Shri. V.S. Gopinatha Rao, Administrative Officer expired on December 13, 1993, while he was on official duty at Madras.

17. Alumni

During 1993-94, the IIMB Alumni Association brought out one newsletter , "Keep in Touch", held five get-togethers, one annual general meeting, and a conference co-sponsored by the Advertising Club. An alumni team participated in the Corporate Quiz, organised on Campus by Niche, the Marketing Club. The Alumni Association also instituted a cash prize of Rs.3,000 for the winner of this quiz competition.

The year saw considerable step up in professional interaction between and alumni and the Institute, although the process of activating chapters could not gain much momentum, largely due to the Association's inability to restructure the funding norms. Efforts are now on to work out strategies for making alumni identify and relate themselves more closely with the Institute's activities and for accentuating the professional inputs in their own activities, both at the Association and chapters' level.

18. Financial Position

16.1 Financial Position 1993-94

The Board approved a budget expenditure of Rs.8.27 crore (Rs.3.41 crore Plan and Rs.4.86 crore Non-Plan) for 1993-94. The Government limited the Plan expenditure to Rs.3 crore in the Revised Estimate.

The actual expenditure, own revenue raised and Government Grant during the year 1993-94 were as follows:

(Rs in crore)

	Actuals		Bud. Est.	Rev.Est.	Actuals
	1991-92	1992-93	1993-94		
1 Expenditure					
1.1 Plan	2.00	2.61	3.41	3.00	3.07
1.2 Non-Plan	3.87	4.21	4.86	4.85	4.54
Total of 1	**5.87**	**6.82**	**8.27**	**7.85**	**7.61**
2 Revenue					
2.1 Own Revenue	0.91	1.70	2.14	2.13	2.44
2.2 Opening Balance of Grant	0.20	0.01	nil	nil	nil
2.3 Government Grant	4.77	4.81	6.13	5.72	5.39
2.4 Refund of Deposit of Land	nil	0.12	nil	nil	nil
Total of 2	**5.88**	**6.64**	**8.27**	**7.85**	**7.83**

Revenue

Own Revenue

As a percentage of Non-Plan expenditure, IIMB's own earnings has gone up from 40 in 1992-93 to 54 in 1993-94. This was achieved through increase in intake of students, a moderate increase in tuition fee, and increase in the level of Executive Development activity. Income from Executive Development Programmes crossed the Rs. one crore mark during the year (Rs.110.57 lakh).

Expenditure

While increasing revenues, the Non-Plan expenditure was controlled. A saving of Rs.28.99 lakh was achieved. This amount has been transferred to the Endowment Fund.

The release of Rs.300 lakh towards Plan grant by Government has helped in continuing progress in civil works and in purchase of computers, Library automation, installation of CD-ROM drive and in strengthening the data base in the Library.

Statement of Accounts for the Year 1993-94

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

AUDIT CERTIFICATE

I have examined the Receipt and Payment Accounts/ Income and Expenditure Accounts for the year ended 31st March,1994 and the Balance Sheet as on 31st March, 1994 of Indian Institute of Management, Bangalore. I have obtained all the information and explanations that I have required, and subject to the observation in the appended Audit Report, I certify, as a result of my audit, that in my opinion these Accounts and Balance Sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the Indian Institute of Management, Bangalore, according to the best of information and explanations given to me and as shown by the books of the organisation.

Sd/
(A. BASU)
ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I

Place : Bangalore
Date : 01.09.1994

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

Balance Sheet as at 31st March 1994

(Rupees in lakh)

		Schedule		31.03.1994		31.03.1993
1	**Sources of Funds**					
1.1	Corpus	1		46.72		15.73
1.2	Endowments	2		34.12		15.39
1.3	Government Grants	3		2416.08		2126.69
1.4	Reserves	4		52.16		46.29
1.5	Ongoing Programmes & Projects	5		41.86		41.09
		Total		**2590.94**		**2245.19**
1.7	Provident Fund	18		163.31		140.38
2	**Application of Funds**					
2.1	Fixed Assets	6		2336.61		2070.43
2.2	Investments	7		91.74		59.66
2.3	Current Assets, Loan & Advances	8	176.74		152.81	
	Less: Current Liabilities & Provisions	9	50.99		74.55	
				125.75		78.26
2.4	Income & Expenditure Account			36.84		36.84
		Total		**2590.94**		**2245.19**
2.5	Notes on Accounts	17				
2.6	Provident Fund	18		163.31		140.38

Place : Bangalore
Dated : June 29, 1994

Sd/-
(GK DESAI)
FA & CAO

Sd/-
(KRS MURTHY)
DIRECTOR

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 1994

(Rupees in lakh)

		Schedule		31.03.1994	31.03.1993
1. Income					
1.1	Grants from Government (Non-plan)			239.00	239.00
1.2	Post Graduate & Fellow Programme			105.77	63.23
1.3	Executive Development Programmes	10		110.57	67.72
1.4	Consultancy & Professional Activity			9.30	16.78
1.5	Research & Development	11		6.64	8.96
1.6	Miscellaneous Income	12		12.09	13.80
1.7	Transferred from Grants (Plan)		10.61		
	Less: Plan Salaries Paid		10.61	-	
		Total		**483.37**	**409.49**
2. Expenditure					
2.1	Salaries & Benefits	13		258.42	253.82
2.2	Post Graduate & Fellow Programme			30.09	26.90
2.3	Executive Development Programmes	14		51.23	39.82
2.4	Consultancy & Profesional Activity			2.7 8	8.54
2.5	Research & Development	15		10.44	9.13
2.6	General Administration	16		101.42	82.30
		Total		**454.38**	**420.51**
3.	**Excess of Income over Expenditure transferred to Corpus**			28.99	(11.02)

Place : Bangalore
Dated : June 29, 1994

Sd/-
(GK DESAI)
FA & CAO

Sd/-
(KRS MURTHY)
DIRECTOR

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31st March 1994

(Rupees in lakh)

		31.03.1994	31.03.1993
Schedule - 1			
1 Corpus			
1.1 Government			
Opening Balance	-		
Surplus transferred from Income & Expenditure A/c	28.99		
Matching Grant from Govt.	-	28.99	-
1.2 Membership		2 .00	2.00
1.3 Others		15.73	13.73
	Total 1	**46.72**	**15.73**
Schedule - 2			
2 Endowments			
2.1 Surrendra Paul Memorial Chair		15.51	13.95
2.2 Unit Trust of India Chair		17.17	
2.3 Post Graduate Prize Fund		0.71	0.72
2.4 Donations From PGP Alumni towards Scholarship Fund		0.73	0.72
	Total 2	**34.12**	**15.39**
Schedule - 3			
3 Government Grants (Plan)			
Opening Balance			
Government of India		2058.74	1839.16
Government of Karnataka		67.95	67.95
		2126.69	1907.11
Add: Grants received from Government of India during the year		300.00	241.99
		2426.69	2149.10
Less: Transferred to Income & Expenditure Account		10.61	22.41
	Total 3	**2416.08**	**2126.69**

(Rupees in lakh)

Schedule - 4		31.03.1994	31.03.1993
4 Reserves			
Reserve for Pension		52.16	45.04
Reserve for House Building		-	1.25
	Total 4	**52.16**	**46.29**
Schedule - 5			
5 Ongoing Programmes & Projects			
5.1 Ford Foundation			
Receipts		17.62	21.01
Less: Payments		10.46	5.31
	Total 5.1	7.16	15.70
5.2 Sponsored Research			
Receipts		17.84	20.18
Less: Payments		4.36	7.51
	Total 5.2	13.48	12.67
5.3 Consultancy			
Receipts		23.67	10.67
Less: Payments		8.03	1.30
	Total 5.3	15.64	9.37
5.4 I.D.R.C. Library			
Receipts		1.32	-
Less: Payments		0.06	-
	Total 5.4	1.26	-
5.5 Seminar			
Receipts		13.97	
Less: Payments		9.60	-
	Total 5.5	4.37	-
5.6 Others			
O.B.P.		-	1.35
M.P.T.		-	2.00
M.D.P.		(0.05)	-
	Total 5.6	(0.05)	3.35
	Total 5	**41.86**	**41.09**

(Rupees in lakh)

Schedule - 6

6 Fixed Assets

Name of the Asset	As on 31st March 1993	Additions/ (Deletions) during the year	As on 31st March 1994
Freehold Land*	37.95	-	37.95
Building & Campus Development	1491.62	157.66	1649.28
Furniture, Fittings & Equipments	146.50	38.06	184.56
Library Books & Films	180.37	31.21	211.58
Vehicles	15.79	(0.06)	15.73
Computer Systems & Peripherals	188.89	39.83	228.72
Project Assets	8.79	-	8.79
Convocation Gowns	0.52	(0.52)	-
Total 6	**2070.43**	**266.18**	**2336.61**

**Gifted by Government of Karnataka*

Schedule - 7

7 Investments (at cost)		
7.1 Fixed Deposit		
Canfin Homes (Reserve for Pension)	51.75	45.00
7.2 Securities		
Unit Trust of India (Units-64)	19.26	-
7.3 Fixed Deposit		
State Bank of Mysore	20.73	14.66
Total 7	**91.74**	**59.66**

(Rupees in lakh)

	31.03.1994	31.03.1993
Schedule - 8		
8 Current Assets, Loans & Advances		
8.1 Current Assets		
Cash and Bank Balances:		
Cash on Hand	0.39	0.35
Cash at Bank	67.22	30.51
Letter of Credit with SBM	21.77	-
Cash at Bank (Ford Foundation)	0.16	3 .70
Deposit with SBM	7.00	12.00
Franking Imprest	0.05	0.24
Sundry Debit Balances	0.75	0. 75
Fees Receivable	0.32	0.32
Sundry Receivables	12.77	23.04
Deposits with:		
B.W.S.S.B.	0.09	0.09
Bangalore Telephones	1.83	6.60
K.E.B.	5.43	1.36
Others	1.14	1.67
Total 8.1	118.92	80.63
8.2 Loans & Advances		
Advance for Land	0.35	0. 35
Mobilisation Advance	20.90	24.89
House Building Advance	23.56	27.09
Vehicle Advance	8.71	12.06
Festival Advance	0.67	0.74
Miscellaneous Advance	0.82	1.98
Prepaid Expenses	2.81	5.07
Total 8.2	57.82	72.18
Total 8	**176.74**	**152.81**
Schedule - 9		
9 Current Liabilities & Provisions		
Sundry Creditors	19.12	28.54
Earnest Money Deposit	4.77	6.49
Deposits Refundable	2.32	1.30
Security Deposit	3.80	3.64
Caution Money	13.09	5.41
Others	7.89	29.17
Total 9	**50.99**	**74.55**

Schedules Forming Part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 1994

(Rupees in lakh)

	31.03.1994	31.03.1993
Schedule - 10		
10 Executive Development Programmes Income		
Management Programme for Technologists	18.26	10.00
Management Development Programmes	20.62	9.57
Organisation-Based Programmes	58.12	38.99
Executive Block	13.57	9.16
Total 10	**110.57**	**67.72**
Schedule - 11		
11 Research & Development Income		
Sponsored Research	6.43	7.36
Seminars	0.21	1.60
Total 11	**6.64**	**8.96**
Schedule - 12		
12 Miscellaneous Income		
Interest from Bank	2.39	4.92
Interest on Vehicle Advance	0.52	0.49
Rent from Institute Quarters	2.46	2. 37
Guest House Receipts	-	0.07
Miscellaneous Income	6.72	5.95
Total 12	**12.09**	**13.80**
Schedule - 13		
13 Salaries & Related Payments		
Pay & Allowances	213.91	217.93
Honorarium to Staff & Faculty	5.41	3.85
Pension	11.04	9.66
Leave Salary Contribution	0.77	0.45
EWF Contribution	0.65	0.61
Employer's Contribution to PF	1.24	1.46
Gratuity	7.94	5.24
Deputation & Training	0.47	0.46
Medical Expenses	12.05	8.78
Uniforms	1.03	0.22
Leave Travel Concessions	1.55	1.61
Advertisement & Recruitment	1.49	1.83
Subsidy to Departmental Canteen	-	0.74
Staff Welfare Expenses	0.87	0.97
Employee's Education Society	-	0.01
Total 13	**258.42**	**253.82**

(Rupees in lakh)

		31.03.1994	31.03.1993
Schedule - 14			
14	Executive Development Programmes Expenses		
	Management Programme for Technologists	10.01	4.32
	Management Development Programmes	11.17	6.22
	Organisation -Based Programmes	26.45	23.68
	Executive Block	3.60	5.60
	Total 14	**51.23**	**39.82**
Schedule - 15			
15	Research & Development Expenses		
	Sponsored Research	6.66	4.06
	Institute Research & Case Development	3.76	3.60
	Seminars	0.02	1.47
	Total 15	**10.44**	**9.13**
Schedule - 16			
16	General Administration		
	Rent, Rates & Taxes	0.31	0.09
	Electricity & Water Charges	19.28	12.22
	Fuel for D.G. Set	1.75	1.76
	Freight & Transport	0.03	0.34
	Maintenance & Repairs	31.88	23.52
	Travelling Expenses	2.45	1.61
	Telephone & Telex	24.00	16.31
	Postage & Telegrams	1.21	1.02
	Printing & Stationery	4.70	5.11
	Consumables	1.83	5.20
	Board Meeting Expenses	1.76	1.36
	Legal Expenses	2.35	1.72
	Audit Fees	1.68	2.30
	Hostel & Other Charges	0.18	0.26
	Society Membership	0.24	0.10
	Other Contingencies	2.64	3.80
	Security Services	5.13	5.58
	Total 16	**101.42**	**82.30**

Place : Bangalore
Dated : June 29, 1994

Sd/-
(GK DESAI)
FA & CAO

Sd/-
(KRS MURTHY)
DIRECTOR

SCHEDULE - 17

NOTES FORMING PART OF THE ACCOUNTS

1. All Revenue, Expenditure, Assets and Liabilities are accounted for on accrual basis, except the Grants from Government which is accounted on actual receipt basis.

2. Fees from Post Graduate Programme/Fellowship Programme is taken as income on receipt. Income from Executive Development Programmes is accounted on completion/ substantial completion basis. Income from Research and Consultancy Projects is recognised on completion basis.

3. Depreciation: No depreciation charges are reckoned against fixed assets as the Institute is not a Commercial Organisation.

4. The liability towards Gratuity to the employees is covered by Policy under Group Gratuity Scheme of LIC of India.

5. The fixed assets -- Buildings & Campus Development includes building works in progress.

6. Investment in the Units of UTI is stated at cost.

7. Amounts have been rounded off.

8. Figures for previous year have been regrouped wherever necessary.

	Sd/-	Sd/-
Place : Bangalore	(GK DESAI)	(KRS MURTHY)
Dated : June 29, 1994	FA & CAO	DIRECTOR

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

Receipts & Payments Account for the year ended 31st March 1994

(Rs. in lakh)

			1993-94
1. RECEIPTS			
Opening Balance			31.09
Government Grants			
Plan		300.00	
Non-Plan		239.00	
			539.00
Own Receipts			
Programmes & Courses		253.35	
Recovery of Advances		13.21	
Others		71.46	
			338.02
	Sub Total:		908.11
Ford Foundation per contra			18.24
	Grand Total		**926.35**
2. PAYMENTS			
Plan			
Land & Campus Development		158.94	
Furniture Fittings &Equipments		39.82	
Library Books & Films		33.66	
Computer Centre Systems & Peripherals		39.82	
Salaries		10.61	
Earmarked for L/C with SBM		21.77	
Deposit with KEB		2.65	307.27
Non - Plan			
Salaries and Benefits		258.97	
Programmes & Courses		109.17	
General Administration		105.62	
Others		59.42	
			533.18
Closing Balance			67.66
	Sub Total:		908.11
Ford Foundation per contra			18.24
	Grand Total		**926.35**

Place : Bangalore
Dated : June 29, 1994

Sd/-
(GK DESAI)
FA & CAO

Sd/-
(KRS MURTHY)
DIRECTOR

Schedule -18

Provident Fund

Balance Sheet as at 31st March 1994

(Rs. in lakh)

			31. 03.1994	31. 3. 1993
SOURCES OF FUNDS				
Provident Fund	GPF	CPF		
1. Opening Balance	74.02	38.64		
2. Additions				
2.1 Subscriptions	20.34	6.13		
2.2 Contributions	-	1.29		
2.3 Refund of loans	14.56	1.61		
2.4 Interest	8.90	3.03		
Total of 1 & 2	117.82	50.70	168.52	
3. Less: Withdrawals	31.56	3.01	34.57	
Net fund	86.26	47.69	133.95	112. 66
4. Loans Outstanding	26.33	3.03	29.36	27.72
	Total		**163.31**	**140.38**
APPLICATION OF FUNDS				
1. Investments Annexure 1			91.18	82.80
2. Interest accrued but not due			39.03	34.44
3. Loans to Subscribers			29.36	27.72
4. Receivables			1.20	1.52
5. Cash & Bank balances with State Bank of Mysore			14.51	3.89
			175.28	150.37
6. Less: Payables			11.97	9.99
	Total		**163.31**	**140.38**

Notes on Accounts Annexure 2

Place : Bangalore
Dated : June 29, 1994

Sd/-
(GK DESAI)
FA & CAO

Sd/-
(KRS MURTHY)
DIRECTOR

Provident Fund

Income and Expenditure Account for the year ended 31st March 1994

(Rs. in lakh)

	31.3.1994	31.3.1993
INCOME		
1. Income from investments		
1.1 Received	5.21	
1.2 Accrued	8.95	11.70
Total	**14.16**	11.70
EXPENDITURE		
2. Interest on fund balances		
2.1 GPF	8.90	7.18
2.2 CPF		
2.2.1 On Employees Subscription	3.03	2.12
2.2.2 On Employer's Contribution	1.00	1.65
	12.93	10.95
2.2.3 Surplus carried to Balance Sheet	1.23	0.75
Total	**14.16**	11.70

3. Notes on Accounts Annexure 2

Place : Bangalore
Dated : June 29, 1994

Sd/-
(GK DESAI)
FA & CAO

Sd/-
(KRS MURTHY)
DIRECTOR

Annexure-1

Provident Fund
Investments as on 31st March 1994

(Rs.in lakh)

Sl.No.	FDR No.	Amount 31.3.1994	FDR No.	Amount 31.3.1993
Government Securities				
1.	Book Debt.Cert. No.BL/0029 (RBI)	1.00	BL 0029/2014 (RBI)	1.00
2.	KSDL	5.00		
3.	IRBI	10.00		
Public Sector Securities				
4.	ICICI	14.00		
5.	NTPC	3.50		
Term Deposits with State Bank of Mysore				
6.	156743	6.00	239917	7.00
7.	156748	7.00	156743	6.00
8.	156766	2.50	156748	7.00
9.	269013	3.44	156766	2.50
10.	196718	2.58	239950	8.32
11.	196813	4.34	239960	5.00
12.	239917	7.00	239994	2.00
13.	239950	8.32	181905	2.00
14.	239966	5.00	181921	5.00
15.	239994	2.00	269013	3.44
16.	239995	2.50	196718	2.58
			196813	4.34
			665084	5.58
			665121	1.01
			240066	3.00
			665120	2.03
			665167	1.50
			240067	1.00
			239995	2.50
Deposit with General Post Office				
17.	3001813 (GPO)	7.00	3001444/A (GPO)	3.00
			3001813 (GPO)	7.00
	TOTAL	**91.18**		**82.80**

Place : Bangalore
Dated : June 29, 1994

Sd/-
(GK DESAI)
FA & CAO

Sd/-
(KRS MURTHY)
DIRECTOR

Provident Fund
Investments as on 31st March 1994

Notes on Accounts

1. As the finalisation of the Accounts and Balance Sheet of the Provident Fund for the period prior to 1988-89 is in arrears, the following figures in the Balance Sheet adopted from the subscribers ledger accounts are provisional:

		Rs. in lakh Current year	Previous year
Item 1.1 : Opening Balance	GPF	74.02	60.10
	CPF	38.64	33.96
Item 6 : Payables		11.97	9.99

2. INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT

Any revision in the figures indicated in Note 1 will have consequent effect on the following amounts in the Income and Expenditure Account:

	Rs. in lakh Current year	Previous year
i) Surplus/(deficit) carried to Balance Sheet	1.23	0.75
ii) Interest on Fund Balances	12.93	10.95

Place : Bangalore
Dated : June 29, 1994

Sd/-
(GK DESAI)
FA & CAO

Sd/-
(KRS MURTHY)
DIRECTOR

Provident Fund

Receipts and Payments account for the year ended 31st March 1994

(Rs. in lakh)

		1993 -94
1. **RECEIPTS**		
1.1 Opening Balance with Bank		3.89
1.2 Subscription & Refund of Loan		42.19
1.3 Interest from Investments		9.59
1.4 Investments matured		29.12
1.5 Employer's Contribution 1992-93		1.32
1.6 Reimbursement of Partial Withdrawal		0.30
	Total	**86.41**
2. **PAYMENTS**		
2.1 Loans to Subscribers		19.15
2.2 Final Withdrawals		15.25
2.3 Investments		37.50
2.4 Closing Cash and Bank Balance		14.51
	Total	**86.41**

Place : Bangalore
Dated : June 29, 1994

Sd/-
(GK DESAI)
FA & CAO

Sd/-
(KRS MURTHY)
DIRECTOR

Audit Report on the Accounts of the Indian Institute of Management Bangalore, for the year 1993-94

1. Introductory

1.1 The Indian Institute of Management (Institute), Bangalore, a society registered under the Karnataka Societies Registration Act, 1960, was established in October 1973 for augmenting the management resources through a programme of teaching, training and other professional services. The main objectives of the Institute are to impart management education, to provide professional training in management to persons from public and private sectors, to conduct research and publish literature on management and related areas and to provide consultancy services to Industry and Government agencies. The Institute was being financed by grants from the Government of India and from its own resources. The Government of Karnataka had made a capital grant of Rs. 30.00 lakhs during previous years and donated land to the extent of 100 acres valued at Rs. 37. 95 lakhs for establishment of campus. Besides this, the Institute was also in receipt of funds from beneficiary agencies for sponsored research, consultancy, organisation based programmes and management development programmes undertaken by it on their behalf.

1.2 The audit of the accounts of the Institute was entrusted to the Comptroller and Auditor General of India under Section 20(1) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Services) Act, 1971 for a period of five years, effective from the accounts for 1990-91. The accounts for the year 1993-94 produced on 27th May, 1994 were audited in June-July 1994 and revised accounts were produced on 29th June, 1994.

2. Summary of Accounts

A brief summary of Receipts and Payments of the Institute for the year is given below:

(Rupees in lakhs)

Opening Balance		34.80
Less: Ford Foundation Account		3.71
Receipts:		31.09
Plan	300.00	
Non-Plan	239.00	
Own Receipts	338.02	877.02
Total		908.11
Payments :		
Plan	307.27	
Non-Plan	533.18	840.45
Closing Balance		67.66

As per the revised pattern of funding of Indian Institute of Management at Ahmedabad, Bangalore and Calcutta, communicated (May 1994) by the Ministry of Human Resource Development, (Department of Education), with a view to encourage and accelerate the creation of an adequate level of Endowment Fund from the financial year 1993-94, it has been agreed bythe Government, to provide 100 per cent matching grant for savings out of the non-plan grant, revenue receipt and net earnings from consultancy and continuing education programmes to the extent, these are transferred to the Endowment Fund. It was observed, that the Institute had shown Rs. 28.99 lakhs, being the excess of Income over expenditure as transferred to the corpus created under the endowment fund as at 31. 3. 1994. However, it had an accumulated balance of Rs. 36.84 lakhs representing excess of expenditure over income to end of March 1993.

3. Comments on Accounts

3.1 Revision of Accounts

The accounts of the Institute for 1993-94 were revised to rectify the discrepancies noticed by audit and also omissions noticed internally by the Institute. The revision has resulted in increase in "Income over Expenditure" from Rs. 26.46 lakhs to Rs. 28.99 lakhs and decrease in assets from Rs. 2336.71 to Rs. 2336.61 lakhs.

Income and Expenditure Account

The excess of income over expenditure for the year1993-94 was Rs. 28.99 lakhs as compared to excess of expenditure over income of Rs. 11.02 lakhs for the year 1992-93. This was mainly on account of increased income under "Post Graduate and Fellow Programme" and "Executive Development Programmes."

3.2 Out of the sum of Rs. 1.14 lakh shown as deposits with "Others" as of 31st March 1994 under current assets, details of deposits were available for Rs. 0.59 lakh only. The Institute stated (July 1994), that efforts were on to identify the items for this balance amount.

3.3 A sum of Rs. 6.72 lakhs was shown under Miscellaneous Income (Schedule-12) relating to the disposal of assets in the earlier years. (Rs.5.38 lakhs relating to the year 1992-93 and Rs. 0.74 lakh relating to the year 1993-94). However, the value of assets was not reduced resulting in overstatement of assets.

3.4 Provident Fund Account

The Institute has prepared the Balance sheet for 1993-94 relating to PF Accounts and has clubbed both GPF and CPF Accounts besides bringing the same to the Main Account.It was also seen that the opening balance adopted by the Institute was provisional as the finalisation of accounts of provident fund prior to 1988-89 was in arrears.

4. Utilisation of Grants:-

The utilisation of grants under Plan and Non-Plan during the year 1993-94 was as follows:

	Plan	Non-Plan
		(Rs. in lakhs)
Unutilised balances as on 1.4.1993	-	-
Grants received during the year	300.00	239.00
Total	300.00	239.00
Grants Utilised	300.00	239.00
Balance	NIL	NIL

Sd/
(A.BASU)
ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-1

Place : Bangalore
Date : 1st September, 1994